सूर्योदय : 5:12
सूर्यास्त : 6:57
अधिकतम तापमान : 43.0
न्यूनतम : 30.0

RNI NO : UPHIN/2010/31173

डाक पंजीकरण संख्या:
SSP/LW/NP-422/2014-2016

वर्ष-17 अंक-358 पेज-16
मूल्य : 3 रुपया

लखनऊ, रविवार, 09 जून 2024
02 जिलहिज्जा 1445 हिजरी

हिन्दी दैनिक

अवधनामा

www.avadhnama.com

सीपीपी चीफ बनीं सोनिया

कांग्रेस वर्किंग कमेटी बैठक : राहुल गांधी को विपक्ष का नेता बनाए जाने की मांग

प्रस्ताव

- कांग्रेस ने एक बार फिर दृढ़ता का परिचय दिया
- जनादेश खो चुके हैं नरेंद्र मोदी : सोनिया गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की आज संसद के सेंट्रल हॉल में बैठक हुई। इस बैठक में सोनिया गांधी को पार्टी के संसदीय दल का नेता चुन लिया गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोनिया गांधी के नाम का प्रस्ताव पेश किया, जिसे पार्टी के नेताओं ने एकमत से स्वीकार कर लिया। सोनिया गांधी (77 वर्षीय) इस साल फरवरी में राज्यसभा के लिए चुनी गई थी। कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में सोनिया गांधी ने कहा, कांग्रेस ने एक बार फिर अपनी दृढ़ता का परिचय दिया है। यह एक शक्तिशाली और दुर्भावनापूर्ण मशीनरी के खिलाफ थी। कई लोगों ने हमें खारिज कर दिया, लेकिन मल्लिकार्जुन खरगे के दृढ़ नेतृत्व में हम डटे रहे। उन्होंने कहा, भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा वास्तव में ऐतिहासिक आंदोलन रहा। इसमें सभी स्तरों पर हमारी पार्टी को पुनर्जीवित किया। सोनिया गांधी ने बैठक के दौरान राहुल गांधी की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, अभूतपूर्व व्यक्तिगत, राजनीतिक हमलों से लड़ने के लिए राहुल, दृढ़ता और दृढ़ संकल्प के लिए विशेष धन्यवाद के पात्र हैं। संसद में कांग्रेस की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। भारत के सहयोगियों की ताकत से भी हमें बल मिला है। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों के संबंध में सोनिया ने कहा, हमें उन राज्यों में अपनी स्थिति सुधारने पर भी विचार करना चाहिए, जहां हमारा प्रदर्शन हमारी अपेक्षाओं से काफी कम रहा है।

> सोनिया गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वह जनादेश खो दिया है, जिसकी उन्हें तलाश थी। इसलिए उन्होंने नेतृत्व का अधिकार भी खो दिया है। केवल अपने नाम पर जनादेश मांगने वाले पीएम मोदी को राजनीतिक और नैतिक हार का सामना करना पड़ा। विफलता की जिम्मेदारी लेने के बजाय, वह कल फिर से शपथ लेने का इरादा रखते हैं। कांग्रेस संसदीय दल का अध्यक्ष चुने जाने पर सोनिया गांधी ने चुनावी नतीजों पर कहा, हमारे लिए अपने देश में संसदीय लोकतंत्र स्थापित करने और संसदीय राजनीति को पटरी पर लाने का नया अवसर है।

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने सोनिया गांधी के संसदीय दल की नेता चुने जाने पर कहा कि यह हम सभी के लिए भावुक करने वाला पल था।

फिर एक बार पीएम पद की आज शपथ लेंगे नरेंद्र मोदी

ताजपोशी

- दिखेगी नेबरहुड फर्स्ट की झलक
- समारोह में यूपी से शामिल होंगे 900 भाजपा नेता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे शपथ ग्रहण समारोह में यूपी के 900 से अधिक भाजपा नेता शामिल होंगे। इस समारोह के लिए राष्ट्रपति भवन की ओर से मुख्यमंत्री के अलावा प्रदेश के सभी मंत्रियों, मौजूदा और पूर्व सांसदों, राज्यसभा और विधान परिषदर सदस्यों के अलावा प्रदेश और जिला स्तरीय पदाधिकारियों को भी आमंत्रण पत्र भेजा गया है।सूत्रों के मुताबिक शपथ ग्रहण समारोह में उन प्रत्याशियों को भी आमंत्रित किया गया है, जो इस बार चुनाव हार गए हैं। इनके अलावा लोकसभा विस्तारक, प्रदेश संगठन के सभी 44 पदाधिकारियों, सभी मोर्चा के अध्यक्ष व प्रदेश पदाधिकारियों, सभी क्षेत्रीय अध्यक्षों, लोकसभा चुनाव के संयोजक व प्रभारी के अलावा क्लस्टर प्रभारियों को भी शपथ ग्रहण में आमंत्रित किया गया है। अल्पमत में होने के बावजूद नई सरकार में भाजपा का पुराना रुतबा कायम रहेगा। एनडीए के घटक दलों की बैठक से यही संकेत मिले हैं। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर वरिष्ठ नेता अमित शाह की उपस्थिति में हुई एनडीए की बैठक में तेदेपा को तीन, जदयू को दो और लोजपा, एनसीपी, शिवसेना, जनकल्याण, जदएस, रालोद को एक-एक मंत्री पद देने पर सहमति बनी है।

कई विदेशी मेहमान होंगे शामिल: बांग्लादेश प्रधानमंत्री शेख हसीना शनिवार दोपहर में नई दिल्ली पहुंची। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 जून को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगी। दिल्ली पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। शेख हसीना के अलावा सात अन्य देशों के बड़े नेता और हिंद महासागर क्षेत्र के नेता भी इस समारोह में सम्मिलित होंगे।

नीट यूजी रिजल्ट विवाद में गड़बड़ी के लगे आरोप, उम्मीदवारों के अंकों की होगी समीक्षा

नीट यूजी ग्रेस मार्क्स की होगी जांच

कमेटी गठित

- दोबारा परीक्षा कराने की मांग उठी
- एनटीए ने अनियमितता से इनकार किया

नई दिल्ली। नीट-यूजी मेडिकल प्रवेश परीक्षा में अंकों में वृद्धि के आरोपों के बीच, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने शनिवार को घोषणा की कि शिक्षा मंत्रालय ने 1,500 से अधिक उम्मीदवारों को दिए गए ग्रेस मार्क्स की समीक्षा के लिए चार सदस्यीय पैनल का गठन किया है।

नीट यूजी रिजल्ट में गड़बड़ी के आरोपों के चलते एनटीए ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी आरोपों पर स्पष्टीकरण दिया। एनटीए के महानिदेशक सुबोध कुमार सिंह ने कहा, 1,500 से अधिक उम्मीदवारों के परिणामों की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित की गई है। यूपीएससी के पूर्व अध्यक्ष की अध्यक्षता वाली चार सदस्यीय समिति एक सप्ताह के भीतर अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करेगी और इन उम्मीदवारों के परिणामों में संशोधन किया जा सकता है। एनटीए ने किसी भी अनियमितता से इनकार किया और कहा कि एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों में किए गए बदलाव और परीक्षा केंद्रों पर समय गंवाने के लिए ग्रेस मार्क्स छात्रों के अधिक अंक लाने के कुछ कारण थे। सिंह ने परीक्षा में किसी भी पेपर लीक और अनियमितताओं से इनकार किया।

उन्होंने कहा, अनुग्रह अंक दिए जाने से परीक्षा के योग्यता मानदंडों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है और प्रभावित उम्मीदवारों के परिणामों की समीक्षा से प्रवेश प्रक्रिया प्रभावित नहीं होगी। यह पूछे जाने पर कि क्या कुछ छात्रों के लिए परीक्षा फिर से आयोजित की जाएगी, एनटी महानिदेशक ने कहा, यह समिति की सिफारिशों के आधार पर तय किया जाएगा। विशेषज्ञों के अनुसार, ह्रश्वश्वञ्ज ल 2024 के परिणाम में अंकों की वृद्धि से इस वर्ष मेडिकल स्कूल में स्थान प्राप्त करना और भी कठिन हो जाएगा। कुछ इच्छुक छात्रों ने परिणाम रद्द करने और फिर से परीक्षा कराने की मांग के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का रुख किया है।

> कई जगहों से दोबारा परीक्षा कराने की मांग की जा रही है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि छह परीक्षा केंद्रों पर समय की हानि की भरपाई के लिए दिए गए अनुग्रह अंकों के कारण अंकों में वृद्धि हुई है और अन्य उम्मीदवारों के अवसरों के साथ छेड़छाड़ की गई है। ये केंद्र मेघालय, हरियाणा के बहादुरगढ़, छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा और बालोद, गुजरात के सूरत और चंडीगढ़ में हैं। मेडिकल प्रवेश परीक्षा का परिणाम 4 जून को घोषित किया गया था। हरियाणा के एक ही केंद्र से छह सहित 67 उम्मीदवारों ने परीक्षा में पहला स्थान साझा किया था।

जयंत चौधरी का मंत्री बनना तय

शपथ ग्रहण के लिए बुलावा, केंद्रीय मंत्रिमंडल में 10 वर्ष बाद चौधरी परिवार की वापसी

- बागपत के साथ ही पश्चिमी उप्र के कई जिलों को बड़ा फायदा होने की उम्मीद है
- रालोद के नेता व कार्यकर्ता काफी उत्साहित है और चौधरी परिवार की तीसरी पीढ़ी भी केंद्र में मंत्री बनेगी

वर्ष 2014 तक मंत्री रहे अजित सिंह

चौधरी अजित सिंह वर्ष 2009 में भाजपा के साथ चुनाव लड़कर सांसद बने थे। वह वर्ष 2011 में भाजपा का साथ छोड़कर कांग्रेस के साथ गए और चौधरी अजित सिंह नागरिक उड्डयन मंत्री बने जो 2014 में चुनाव होने तक मंत्री पद पर बने रहे। यह माना जाता है कि अजित सिंह के पैरोकारी करने पर ही चुनाव से पहले जाटों को केंद्र में आरक्षण दिया गया था।

बागपत। एनडीए सरकार में रालोद अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह का मंत्री बनना तय हो गया है। शपथ ग्रहण के लिए उनको बुलावा भी आया है। इस तरह चौधरी परिवार दस साल बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल में दिखाई देगा।

जयंत के मंत्री बनने से बागपत के साथ ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों को बड़ा फायदा होने की उम्मीद है। भाजपा से गठबंधन के वक्त ही एनडीए की सरकार बनने पर रालोद को एक मंत्री पत्र दिए जाने की बात तय हुई थी। मगर पुराने संसद भवन में एनडीए की बैठक में रालोद अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह के तीसरी पंक्ति में बैठने पर विपक्षी पार्टियों के नेताओं ने सवाल उठाना शुरू कर दिया था कि रालोद को अब मंत्रीमंडल में शामिल किए जाने पर संशय है।

रालोद के वरिष्ठ नेताओं के अनुसार शपथ ग्रहण समारोह से पहले दिन शनिवार को चौधरी जयंत सिंह के पास बुलावा आ गया है। उनको मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा, मगर यह साफ नहीं हो सका है कि उन्हें कैबिनेट मंत्री बनाया जाएगा या राज्यमंत्री की शपथ दिलाई जाएगी। मगर यह जरूर है कि इससे रालोद के नेता व कार्यकर्ता काफी उत्साहित है और चौधरी परिवार की तीसरी पीढ़ी भी केंद्र में मंत्री बनेगी। रालोद को मंत्री पद मिलने पर सबसे ज्यादा फायदा बागपत को होगा। क्योंकि बागपत जयंत का नोडल जिला है और यहां के सहारे ही अन्य जगह बजट भेजा जाता है। ऐसे में जयंत के मंत्री बनने से बागपत में विकास कार्य बेहतर हो सकते हैं। इससे केवल बागपत ही नहीं, बल्कि पश्चिम यूपी के अन्य जिलों को भी फायदा मिलने की उम्मीद है।

अखिलेश यादव से मिले आप सांसद संजय सिंह

लखनऊ। आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शुक्रवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से लखनऊ में मुलाकात की और इंडिया गठबंधन को यूपी में मिली जीत पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि हम संविधान और आरक्षण की रक्षा के लिए आगे भी मिलकर काम करते रहेंगे। उन्होंने एक्स पर मुलाकात की एक तस्वीर भी डाली। इंडिया गठबंधन ने यूपी में 43 सीटों पर जीत हासिल की।

- संविधान और आरक्षण की रक्षा के लिए मिलकर काम करेंगे : संजय सिंह

जनता के बीच जाएं मंत्री-विधायक: योगी

बैठक

- वीआईपी कल्चर स्वीकार नहीं
- शुरू होगा बदलाव का दौर
- यूपी में चुनाव परिणाम से खुश नहीं भाजपा

संवाद, समन्वय और संवेदनाशीलता का दिया सीएम योगी ने मंत्र

लखनऊ। मंत्रिमंडल की बैठक में मुख्यमंत्री योगी ने दिए निर्देश- जनता के बीच जाएं... हमें वीआईपी कल्चर स्वीकार नहीं लोकसभा चुनाव के यूपी में निराशाजनक नतीजों के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ बैठक की और सभी को निर्देश दिए। उन्होंने मंत्रियों को जनता के बीच जाने, उनकी समस्याएं सुनने और उन्हें सुलझाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सरकार जनता के लिए है। मंत्री लोग जनता के बीच जाएं। हमें वीआईपी कल्चर स्वीकार नहीं है। जनता के साथ संवाद, समन्वय और संवेदनशीलता की नीति अपनाएं। मुख्यमंत्री योगी ने मंत्रियों से कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों का सोशल मीडिया पर व्यापक प्रचार-प्रसार करें। जनसुनवाई और सीएम हेल्पलाइन को और प्रभावी बनाने पर जोर दें। मंत्रिपरिषद की बैठकों के लिए ई-कैबिनेट व्यवस्था और सभी विभागों में ई-ऑफिस प्रणाली प्रभावी ढंग से लागू करें। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन की बनाने का लक्ष्य हर विभाग का है। कार्ययोजना के अनुरूप मंत्रीगण समीक्षा करें। शीघ्र ही पुनः क्षेत्रीय दौरों पर जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्रीगण बजट आवंटन और खर्च की समीक्षा करें और परियोजनाओं की समयबद्धता और गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखें। उन्होंने पौधारोपण, स्कूल चलो अभियान और संचारी रोग नियंत्रण के प्रयासों को सफल बनाने के भी निर्देश दिए। बैठक में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक शामिल नहीं हुए। लोकसभा चुनाव परिणाम आने के बाद पहली बार यूपी में मंत्रिमंडल की बैठक हो रही थी। भाजपा नेतृत्व यूपी में आए चुनाव परिणाम से खुश नहीं है। ऐसे में सरकार व संगठन के स्तर पर समीक्षाओं का दौर शुरू हो चुका है।

जनसुनवाई करने के निर्देश

सीएम के निर्देश के अनुसार अब सभी मंत्री अपने-अपने प्रभार वाले जिलों में जाकर जनता के साथ बैठक और जनसुनवाई शुरू करेंगे। वहीं, नौकरी को लेकर सरकार ने दावा किया है कि उसकी ओर से अब तक छह लाख लोगों को सरकारी नौकरी मिल चुकी है। सभी मंत्री अपने-अपने विभागों में खाली पड़े सरकारी पदों का ब्योरा देंगे उसके बाद नौकरी की प्रक्रिया शुरू होगी।

(संबंधित खबर पेज-16 पर)

देखते हैं एनडीए सरकार कितने दिन चलती है: ममता

पलटवार

- देश को बदलाव की जरूरत है

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष चुनी गई। पार्टी सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय को लोकसभा में पार्टी का नेता, डॉ. काकोली घोष दस्तीदार को लोकसभा का उपनेता, कल्याण बनर्जी को मुख्य सचेतक चुना गया है। पार्टी ने बताया कि टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन को राज्यसभा में पार्टी का नेता चुना गया, पार्टी नेता सागरिका घोष को उपनेता और नदीमुल हक को मुख्य सचेतक चुना गया। कहा कि मुझे अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस संसदीय दल का अध्यक्ष, पार्टी सांसद सुदीप बंदोपाध्याय को लोकसभा में पार्टी का नेता, डॉ. काकोली घोष दस्तीदार को लोकसभा में उपनेता, कल्याण बनर्जी को मुख्य सचेतक चुना गया। पार्टी नेता सागरिका घोष को उपनेता और नदीमुल हक को मुख्य सचेतक चुना गया। कहा कि मुझे अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस संसदीय दल का अध्यक्ष, पार्टी सांसद सुदीप बंदोपाध्याय को लोकसभा में पार्टी का नेता, डॉ. काकोली घोष दस्तीदार को लोकसभा में उपनेता, कल्याण बनर्जी को मुख्य सचेतक चुना गया है। चुनाव नतीजों के बाद पार्टी की बैठक के बाद तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने कहा कि देश को बदलाव की जरूरत है, हम स्थिति पर नजर रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीएए को रद्द किया जाना चाहिए, हम संसद में यह मांग उठाएंगे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि देखते हैं राजग सरकार कितने दिन चलती है।

उमस | दिल्ली में तीन दिन लू का यलो अलर्ट

रविवार से 'रवि' दिखाएगा तेवर

तापमान

- चलेगी धूल भरी आंधी
- पारा जाएगा 45 डिग्री सेल्सियस के पार
- नरेला में 43 के पार पहुंचा पारा

नई दिल्ली। राजधानी में रविवार से सूरज तेवर दिखाएगा। लोगों को चिलचिलाती और उमस भरी गर्मी अब और परेशान करेगी। शाम के समय धूल भरी आंधी के साथ तेज सतही हवा 25 से 30 किलोमीटर प्रतिघंटे की गति से चल सकती है।

ऐसे में बीते दो दिनों से गर्मी से मिल रही फौरी राहत पर रोक लगेगी। मौसम विभाग के मुताबिक इस दौरान अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस होने की आशंका है। जबकि न्यूनतम तापमान भी 30 डिग्री सेल्सियस तक जाने की संभावना है। यही नहीं, सोमवार से तीन दिन तक लगातार लू का यलो अलर्ट जारी किया है। इससे तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार भी जाएगा। शनिवार को सुबह से ही कड़ी गर्मी हुई। दोपहर में सूरज के तेवर और कड़े हो गए। इससे उमस भरी गर्मी महसूस की गई। शाम के समय कुछ इलाकों तेज हवा चली। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक के साथ 41.4 दर्ज किया। वहीं, न्यूनतम तापमान सामान्य से 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

यूपी में 45 डिग्री सेल्सियस पहुंचा पारा

गर्मी फिर से अपने रंग में आ रही है। पारा लगातार बढ़ने लगा है। हालांकि शुक्रवार की रात को अचानक आई आंधी और शनिवार को छाए बादलों के कारण शनिवार को झांसी व आसपास के इलाकों को राहत मिली। 45 पार चल रहा पारा 42.9 डिग्री पर आ पहुंचा। वहीं रात का पारा 31.4 से 28.3 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। उधर प्रयागराज में तापमान 45 डिग्री पार ही बना हुआ है। प्रदेश में सर्वाधिक गर्म प्रयागराज रहा। मौसम विभाग के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, मौसम में तल्खी अभी बनी रहेगी। प्रदेश में मौसम शुष्क रहेगा। कई शहरों में रविवार के लिए भीषण लू का अलर्ट भी जारी किया गया है।

गर्मी बनाएगी रिकॉर्ड, कई जिलों में अलर्ट घोषित

वहीं, अधिकतम आर्द्रता का स्तर 51 फीसदी रही। मौसम विभाग के मुताबिक नरेला इलाका सर्वाधिक गर्म रहा। यहां अधिकतम 43.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। वहीं, नजफगढ़ में 43.4, पीतमपुरा व पूसा में 43.1, रिज में 42.2, पालम और लोधी रोड में 42 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज किया। राजधानी में हवा की गति दिशा बदलने व कम होने से आबोहवा खराब श्रेणी में बरकरार है। शनिवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 234 रहा, जोकि खराब श्रेणी में है। सर्वाधिक इलाकों में एक्यूआई 300 के पार दर्ज किया। दिल्ली की हवा समग्र रूप से खराब श्रेणी में बनी रही।

हमें 24 घंटे, 365 दिन लोगों के बीच रहना होगा: मल्लिकार्जुन खरगे

संकल्प

- जनता ने संविधान विरोधी ताकतों को कड़ा जवाब दिया
- लोगों के चहेते राहुल गांधी को बधाई

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार आज कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक हुई। बैठक में कांग्रेस चुनाव नतीजों की समीक्षा की गई, साथ ही भविष्य की रणनीति पर भी मंथन हुआ।

बैठक करीब साढ़े 11 बजे शुरू हुई। इसमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा सहित पार्टी के कई अन्य शीर्ष नेता शामिल हुए। बैठक में खरगे ने इस बात पर जोर दिया कि सत्ता में हो या नहीं, हमें निरंतर काम करते रहना है। उन्होंने कहा कि 24 घंटे, 365 दिन लोगों के बीच रहना होगा। उन्होंने कहा, कांग्रेस कार्यसमिति देशभर में फैले कांग्रेस पार्टी के नेताओं और करोड़ों कार्यकर्ताओं का धन्यवाद करती है, जिन्होंने पिछले कुछ महीनों में अथक परिश्रम किया। मैं आपकी दृढ़ इच्छा शक्ति, संकल्प और परिश्रम के लिए बधाई देता हूं। उन्होंने आगे कहा कि जनता ने हम पर विश्वास जताकर तानाशाही शक्तियों और संविधान विरोधी ताकतों को कड़ा जवाब दिया है। हिंदुस्तान के मतदाताओं ने भाजपा के 10 साल की विभाजनकारी, नफरत और ध्रुवीकरण की राजनीति को खारिज किया है। इसके अलावा कांग्रेस नेता ने कांग्रेस के सभी नव-निर्वाचित सदस्यों को बधाई दी। कहा कि18वीं लोकसभा का सदस्य बनने पर सभी को शुभकामनाए। आप लोगों ने विपरीत परस्थितियों में चुनाव लड़कर जीत हासिल की। खरगे ने सोनिया गांधी का भी आभार जताया। कहा, इस अवसर पर मैं सोनिया गांधी जी को भी धन्यवाद देना चाहूंगा, जिन्होंने चुनाव की तैयारियों, गठबंधन की बैठकों में बढ़चढ़कर भाग लिया और अपने लंबे अनुभव के आधार पर हम सब का मार्गदर्शन किया।

शादी में अनुदान दिए जाने के लिए आवेदक की आय सीमा बढ़ाकर हुई एक लाख रुपये

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी। शासन ने ओबीसी समाज के गरीब की बेटियों की शादी में अनुदान दिए जाने के लिए आवेदक की आय सीमा बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दी है। इससे पूर्व यह सीमा शहरी क्षेत्र में 56 हजार 460 और ग्रामीण क्षेत्र में 46 हजार 080 रुपये प्रतिवर्ष थी।जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी अभय कुमार सागर ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में अन्य पिछड़े वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़े वर्ग को छोड़कर) के गरीब व्यक्तियों की बेटियों की शादी के लिए अनुदान योजना के ऑनलाइन आवेदन में आवेदक का आधार, बेटी का आधार, आधार से लिंक मोबाइल नंबर, जाति-आय प्रमाण-पत्र, बैंक पासबुक, शादी कार्ड आदि अभिलेख होने चाहिए। आवेदक माता-पिता कोई भी हो सकता है।शादी अनुदान पोर्टल http://shadianudan.upsdc.gov.in पर रजिस्ट्रेशन के लिए अपना आधार नंबर अंकित करना होगा। आवेदक तथा पुत्री दोनों का आधार की ई-केवाईसी होनी चाहिए। आधार का अभिप्रमाणन पूर्ण होने के बाद रजिस्ट्रेशन नंबर एवं मोबाइल पर ओटीपी के माध्यम से लॉगिन कर आवेदन कर सकते हैं। शादी के 90 दिन पहले और शादी के 90 दिन बाद तक आवेदन कर सकते हैं।

14 जून तक करवाले अपने आधार कार्ड को अपडेट

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी। अगर आपने कई वर्षों से अपने आधार कार्ड को अपडेट नहीं कराया है तो यह खबर आपके काम की है। आधार कार्ड को फ्री में अपडेट करवाने की आखिरी तारीख 14 जून 2024 (शुक्रवार) है। इसके बाद 50 रुपये का शुल्क अदा करने के बाद ही आधार कार्ड में संशोधन किया जा सकेगा। बरेली के डाक विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आधार कार्ड में जन्मतिथि गलत लिख गई है तो आप यूआईडीएआई के नियमानुसार केवल एक बार ही संशोधन करा सकते हैं। इसके लिए जन्म प्रमाणपत्र, पासपोर्ट, अंकपत्र, कार्यदायी संस्था की ओर से दिया गया फोटोयुक्त पहचानपत्र में से कोई एक दस्तावेज लाना जरूरी है।

भीषण गर्मी ने छीना लोगों का चैन-सुकून

लखीमपुर खीरी। भीषण गर्मी ने इन दिनों लोगों का चैन-सुकून छीन लिया है। 41 डिग्री तापमान के बीच लू चलने से घर से बाहर निकलने वालों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। सुबह नौ बजे से ही धूप असहनीय होने लगती है। दोपहर तक सड़कों पर सन्नाटा पसर जाता है। बाजारों से भी ग्राहक गायब हो जाते हैं। बृहस्पतिवार की अपेक्षा शुक्रवार के तापमान में एक डिग्री का उछाल आया है। शुक्रवार को अधिकतम 41 और न्यूनतम तापमान 27 रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार गर्म हवाओं के चलने से शरीर में पानी की कमी होने का अंदेशा बना रहता है। हीट स्ट्रोक की आशंका भी बढ़ जाती है। आंखों की बीमारियां होने का खतरा भी बढ़ जाता है। चिकित्सक ऐसे मौसम में धूप व लू से बचने और बार-बार पानी पीने की सलाह दे रहे हैं। ताकि शरीर में पानी की कमी ना हो सके।

25 रोगियों का देश में हुआ कृत्रिम हृदय प्रत्यारोपण : डॉ.राजीव

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। हृदय रोग विशेषज्ञ डा.राजीव राजपूत ने कहा कि भारत में 25 हृदय प्रत्यारोपण रोगियों में से केवल एक का ही हृदय प्रत्योपण हो पाता है क्योंकि दानदाता नहीं मिलते और अन्य सुविधाओं की भी कमी है। हृदय प्रत्यारोपण के बाद 80 प्रतिशत मरीज एक सल और 50 प्रतिशत मरीज 10 साल तक जीवित रहते हैं। इसके उपचार में 65 लाख से 1 करोड़ रूपए तक का खर्च आता है।

अपोलो अस्पताल दिल्ली के कार्डियोलॉजिस्ट डा. राजीव राजपूत हकीकत नगर स्थित आईएमए भवन में आईएमए से जुड़े चिकित्सकों की सेमिनार को सम्बोधित कर रहे थे। सेमिनार का शुभारम्भ महापौर डा. अजय कुमार सिंह, आईएमए के अध्यक्ष डा. कलीम अहमद, चेयर

पर्सन डा. रजनीश दहूजा और डा. अंशुल जैन ने संयुक्त रूप से किया। दिल्ली से आए चिकित्सक डा. राजीव राजपूत ने बताया कि देश में अभी तक 350 हृदय प्रत्यारोपण के मामले सफल हुए हैं जबकि अमेरिका में प्रतिवर्ष 2200 हृदय प्रत्यारोपण होते हैं और कृत्रिम हृदय प्रत्योपण भी एक संभावना है। अमेरिका में अब तक 1700 कृत्रिक हृदय प्रत्यारोपण हो चुके हैं। वहीं भारत में अब तक केवल 25 रोगियों को कृत्रिम हृदय लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि मिड रेंज इजेक्शन फ्रैक्शन हार्ट फेलियर एक नए प्रकार का हृदयघात है जो अब तेजी से बढ़ रहा है। इसमें सांस फूलना, नाड़ी तेज चलना, थकान आदि लक्षण होते हैं जिसमें बीपी की जांच जरूरी है जिसके बाद इको और एंजियोग्राफी की जांच करना होता है। ब्लड प्रेशर, डायबिटीज या हृदय की संरचना में बदलाव हृदय रोग को जन्म देने के बड़े कारण है जिससे हृदय के हार्मोन्स में गड़बड़ी हो जाती है। इसी आधार पर दवाओं से इलाज किया जा सकता है।

लाठी डंडा से पीटकर की अधेड़ की हत्या

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी। उधारी का रुपया मांगने पर आरोपियों ने पढ़ुआ थाने के गांव चंदैयापुर निवासी अधेड़ की लाठी डंडा से पीटकर हत्या कर दी। आरोप है कि अधेड़ को बाइक में बांधकर करीब तीन सौ मीटर घसीटा और दूसरे गांव के रास्ते पर डालकर दिया। गांव चंदैयापुर निवासी किसान हरिनाम (55) शुक्रवार की रात खेत मे केले की फसल की रखवाली करने गए थे। आरोप है कि गांव के ही गड्डे और मंगू ने खेत में पहुंच कर हरिनाम से उधारी के रुपये मांगने को लेकर विवाद किया। लाठी डंडा से प्रहार कर हत्या कर दी। आरोप यह भी है कि केले के खेत से उसको बाइक में बांधा और घसीटते हुए उसे तीन सौ मीटर की दूरी पर ले जाकर कांडौहा गांव के पास देवीपुरवा वाले रास्ते पर डाल दिया। सुबह किसान का शव मिला तो कोहराम मच गया। परिजनों और ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच में जुटी है।

मण्डल में कांग्रेस सपा गठबंधन की जीत पर कार्यकर्ताओं का जताया आभार

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस सपा गठबंधन को मंडल में मिली जीत पर सपा जिला अध्यक्ष चौधरी अब्दुल वाहिद ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आपसी प्यार और सौहार्द और सकारात्मक राजनीति की जीत है और इंडिया गठबंधन एवं पीडीए की एकता की जीत है। चौधरी अब्दुल वाहिद आज सपा जिला कार्यालय पर कार्यकर्ताओं की आयोजित मासिक बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में नफरत की राजनीति का नखटाते हुए सकारात्मक सोच के साथ इंडिया गठबंधन के प्रति अपना विश्वास जताया है पिछड़ी दलित अल्पसंख्यक वर्ग ने एक सकारात्मक सोच की राजनीति की शुरुआत की है उन्होंने कहा कि यह नारी के मान और महिला-सुरक्षा के भाव की जीत है किसान, मजदूर, कारोबारियों, व्यापारियों की नयी उम्मीद जगी है। उन्होंने लोकतंत्र की जीत बताते हुए कहा कि सकारात्मक राजनीति की नई

शुरुआत हो चुकी है और अब एक नया अध्याय लिखा जाएगा उन्होंने कहा कि मतदाताओं ने साबित कर दिया है कि जनता की शक्ति से बड़ा न किसी का बल होता है, न किसी का छल। इस बार जनता ही जीती है। पूर्व मंत्री सरफराज खान प्रदेश सचिव मजाहिर राणा ने कहा कि लोकसभा चुनाव में इस बार जनता का जनादेश स्वच्छ राजनीति को मजबूत करने के लिए दिया गया है क्योंकि पिछले लंबे समय से नफरत की राजनीति अत्याधिक प्रोत्साहित हो रही थी जिससे हर कोई पूरी तरह ऊब चुका था। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि धैर्य पूर्ण कार्य शैली के साथ जनता की समस्याओं को निस्तारित करने का काम करें। महानगर अध्यक्ष नवाब अंसारी एवं नगर विधानसभा प्रभारी अभिषेक टिंकू अरोड़ा ने कहा कि लोकसभा चुनाव हमारे समक्ष एक बहुत बड़ी चुनौती थी जिसको सभी साथियों के सहयोग मजबूती के साथ लड़ते हुए सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि इस जीत का श्रेय प्रत्येक मतदाता को जाता है जिन्होंने इंडिया गठबंधन एवं पीडीए पर अपना विश्वास जताया। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं पूर्व महानगर अध्यक्ष फैसल सलमानी ने कहा कि सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के नेतृत्व में एक मजबूत जनादेश लाया गया है और समाजवादी पार्टी देश में तीसरे नंबर की पार्टी बनी है जो हम सब के लिए अत्यधिक गौरव की बात है। बैठक को पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष इंजी. विजेश शर्मा, राजीव अग्रवाल, संदीप सैनी, राजेश शर्मा, राजकुमार घाटेड़ा, काशिफ अल्वी, गौरव यादव, डॉ. फुरकान गौरी, किरण पाल राणा, सुदेश गुर्जर, हसीन कुरैशी, अमित गुर्जर आदि ने संबोधित किया। बैठक में अमित, मोहित सैनी, अरविंद राणा, जितेंद्र सिंह, देवेंद्र सिंह, इसरार, राव आफताब, रमेश पंवार, जमाल साबरी, अवनीश प्रधान, फौजी श्याम पाल, महेंद्र पाल, राजकुमार प्रधान, रवि काम्बोज, राजकुमार उनाली, सुरेश पुंडीर चौधरी, जुमला सिंह, विनोद जैन, महफूज अंसारी, इंतजार हेमंत, कृष्ण पाल, अनीश खान, अनवर अंसारी, रवि दत्त, वीरेंद्र यादव, नवाब सिंह, राजेश सैनी, शाहिद मंसूरी, चंद्रपाल, वेदपाल पटनी आदि मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अब्दुल वाहिद एवं संचालन प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य फैसल सलमानी ने किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह के प्रति हो रहा है दुष्प्रचार : राजीव

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह के पैतृक गृह जनपद मुरादाबाद में भाजपा को कम वोट मिलने के बारे में वायरल किए जा रहे समाचार को नगर विधायक राजीव गुम्बर ने भ्रामक प्रचार बताते हुए कहा कि मुरादाबाद लोकसभा सीट पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के बूथ और अन्य बूथों पर पार्टी को पूरा समर्थन मिला है। विधायक राजीव गुम्बर ने कहा कि प्रदेशाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने जिस बूथ पर अपने मताधिकार का प्रयोग किया है, वह मुरादाबाद ग्रामीण में आता है जिसकी बूथ संख्या 249 है और इस बूथ पर भाजपा को 318, सपा को 228 और बसपा को मात्र एक वोट मिला है। उन्होंने कहा कि मुरादाबाद की कांठ विधानसभा क्षेत्र में प्रदेशाध्यक्ष का परिवार निवास करता है, उसकी बूथ संख्या 174 पर कुल 415 वोट हैं जिनमें से भाजपा को 348, सपा को 63, बसपा को 1 व एक वोट अन्य को मिला है।

दो शातिर वाहन चोर दबोचे, दो चोरी के वाहन बरामद

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। थाना कोतवाली नगर पुलिस ने 02 शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की 01 बाईक, 01 स्कूटी व 02 चाकू नाजायज बरामद किये है। गौरतलब रहे कि 26 अप्रैल को सरीफ सोमनाथ चावला पुत्र हरवंश चावला निवासी नुमाईश कैम्प थाना कोतवाली नगर ने अज्ञात चोर द्वारा उसकी स्कूटी चोरी कर लेने के संबंध में थाना कोतवाली नगर पर मुकदमा दर्ज कराया था। इसके अलावा 07 जून 2024 को अमित कुमार पुत्र बृजपाल सिंह निवासी भगवानपुर पोस्ट लखनौती थाना गंगोह ने अज्ञात चोर उसकी मोटर साईकिल चोरी कर लेने के संबंध में थाना कोतवाली नगर पर मुकदमा पंजीकृत कराया था।

थाना कोतवाली नगर प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार के नेतृत्व में आज मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने मुकदमा उपरोक्त में प्रकाश में आये 02 शातिर वाहन चोर जाफर पुत्र सगीर अहमद निवासी अमन पैलेस नयाबाँस चौक थाना मण्डी व सलमान पुत्र जुल्फिकार निवासी ग्राम अलहेडी नवादा तिवाया रोड, थाना फतेहपुर को ढमोला नदी के पुल के पास से गिरफ्तार किया। पूछताछ करने कर गिरफ्तार अभियुक्तों ने बताया कि हम नशा करने के आदि है और नशे की लत व अपनी जरुरतों को पूरा करने के लिये मोटरसाइकिल चोरी कर सस्ते दाम में बेच देते हैं। हमने मोटर साइकिल किशनपुरा मेडिकल मार्केट एंव स्कूटी भारत माता चौक से चोरी की थी। बरामद चाकू वह लोगों को डराने व धमकाने के लिए रखत है। अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार, उपनिरीक्षक रविन्द्र धामा, जोनसन कुमार, हैड कांस्टेबल अंकित भडाना, कांस्टेबल तरुण शर्मा व सचिन कुमार शामिल रहे।

एनसीसी कैडेटों को सैन्य गतिविधियों की दी जानकारी

- शिविर में आग से बचाव को अग्नि शमन विभाग ने दिया प्रशिक्षण

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। 83 एनसीसी बटालियन के चल रहे वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में कैडेट्स को सैन्य प्रशिक्षण की विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया गया।

एचएवी इंटर कालेज में चल रहे वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में आज कैम्प कमांडेंट कर्नल नवेंद्र सिंह मान सेना मेडल के नेतृत्व में आज एनसीसी कैडेट्स को प्रातः पीटी के पश्चात सैन्य प्रशिक्षण की विभिन्न गतिविधियों से रूबरू कराया गया। इस दौरान अग्नि शमन विभाग से आए ऋषभ पंवार ने कैडेट्स को आग लगने के कारण व बचाव के बारे में जानकारी दी। इसका डेमो एच

सी विनोद कुमार व अंकुर कुमार ने किया।

डिप्टी कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल तनय कोठियाल की देखरेख में थल सैनिक कैंप के लिए कैडेट्स का फायरिंग, एमआर, एफसी, बीसी, हथियार के साथ पगबाधा दौड़ का जमकर अभ्यास कराया। सूबेदार मेजर सरदूल सिंह ने कैडेट्स को मैप रीडिंग के बारे में बताते हुए कंपास, बायनों, सर्विस प्रोटेक्टर के बारे में भी जानकारी दी। कैंप कमांडेंट कर्नल मान की अगुवाई में आयोजित और हो रहे केयर टेकर ओरिएंटेशन आनलाइन प्रोग्राम के छठें दिन की शुरुआत लेफ्टिनेंट गौरव शर्मा हवलदार तरविंदर सिंह मान द्वारा ग्रुप के केयरटेकरों को केयर टेकर के दायित्वों से अवगत कराया गया। इस दौरान सूबेदार मेजर सरदूल सिंह, चीफ ऑफिसर ब्रिजेश पुंडीर, लेफ्टीनेंट मनीष जायसवाल, लेफ्टिनेंट डॉ दुर्गेश राज मोहन, जीसीआई शालू पंवार,सुबेदार आले, सूबेदार विकास राणा, बीएचएम तरविंदर सिंह मान, हवलदार तरसेम, हवलदार नरेश, हवलदार मनोज, हवलदार कुलदीप, हवलदार नरेंद्र, हवलदार सोहन, नायक विकास, आदि ने पूर्ण सहयोग किया।

हत्या के प्रयास में वांछित अभियुक्त चढ़ा पुलिस के हत्थे, चाकू बरामद

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। थाना कोतवाली देहात पुलिस ने हत्या के प्रयास में एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त 01 चाकू नाजायज बरामद किया है। गौरतलब रहे कि 07 जून को इनाम पुत्र शकील निवासी ग्राम शेखपुरा कदीम थाना कोतवाली देहात ने आरोपी अंकित पुत्र घसीटू निवासी ग्राम कलसी थाना तीतरों पर उसके भाई शाहरूख के साथ गाली गलौच करते हुए जान से मारने की नियत से चाकू मारकर घायल कर देने के सम्बन्ध में थाना कोतवाली पर मुकदमा पंजीकृत कराया था। थाना कोतवाली देहात के प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में आज मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने टपरी अण्डर पास के नीचे से वांछित अभियुक्त अंकित को गिरफ्तार कर लिया। जिसके कब्जे से घटना मे प्रयुक्त 01 चाकू नाजायज बरामद हुआ। पूछताछ करने पर गिरफ्तार अभियुक्त ने बताया कि वह दोनो दोस्त है, हम लोग कल शराब पी रहे थे और किसी बात को लेकर हमारी आपस में गाली गलौच हो गयी।

लोजपा आर का देश प्रदेश में बढ़ रहा है तेजी से जनाधार : सुरेन्द्र

- 13 जून को सांसद चिराग पासवान के शपथ ग्रहण समारोह में मण्डल अध्यक्ष होंगे शामिला

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रदेश संगठन मंत्री एवं सहारनपुर मण्डल के अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार बौद्ध ने कहा कि लोजपा (आर) का उत्तर प्रदेश में तेजी से जनाधार बढ़ रहा है, लेकिन पार्टी को और अधिक मजबूती प्रदान करने के लिए डोर-टू-डोर जनसम्पर्क अभियान चलाकर अधिक से अधिक सदस्यता बनाये जायेंगे ताकि आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश में पार्टी मजबूती मिल सके। उक्त जानकारी सुरेन्द्र कुमार बौद्ध ने मण्डोला में आयोजित एक सम्मान समारोह में व्यक्त किये। इस अवसर पर श्री बौद्ध

ने लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास) किसान प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेन्द्र मिश्रा एडवोकेट का फूलमालाओं से जोरदार स्वागत किया। श्री बौद्ध ने कहा कि प्रत्येक पदाधिकारी और सदस्यों को पार्टी को मजबूत बनाने के लिए संघर्ष करना होगा। उन्होंने चिराग पासवान के हाथों को और मजबूत करने के लिए अपील की तथा कहा कि 2024 के चुनाव में हमें सिर्फ बिहार ही नहीं उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों में भी पार्टी को बुलन्दियों तक ले जाना है। इसलिए हमें कठिन परिश्रम करना होगा तथा एकजुटता के साथ अपने लक्ष्य तक पहुंचना होगा। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि आगामी 13 जून को 7 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल किसान प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेन्द्र मिश्रा एडवोकेट के नेतृत्व में चिराग पासवान से नई दिल्ली के रोटरी भवन में मिलेगा, जहां चिराग पासवान को एनडीए सरकार में केन्द्रीय मंत्री बनाये जाने पर फूलमालाओं से जोरदार स्वागत किया जायेगा। इस अवसर पर श्री बौद्ध ने लोजपा (आर) किसान प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष राहुल त्यागी के भतीजे के आकस्मिक निधन पर गहरा दुःख प्रकट किया तथा परिवार को सांत्वना भी दी।

अवैध देशी पिस्टल कारतूत के साथ दो बदमाश गिरफ्तार

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। थाना कुतुबशेर पुलिस ने 02 शातिर अभियुक्तो को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 01 देशी पिस्टल, 02 जिन्दा कारतूस 7.65 बोर व अवैध कारतूस बरामद किये है।

थाना कुतुबशेर के प्रभारी निरीक्षक सुनील नागर के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने आज मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त आमिर पुत्र नसीम निवासी किला नवाबगंज थाना कोतवाली नगर व दानिश पुत्र मशरूर निवासी दिल्ली पैलेट 62 फुटा रोड थाना कोतवाली देहात को दबनी कब्रिस्तान के पास तलाब के किनारे रास्ते से गिरफ्तार किया। जिसके कब्जे से 01 देशी पिस्टल 01 जिन्दा कारतूस व 01 तमन्चा 315 बोर व 01 जिन्दा कारतूस बरामद हुए। बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर अभियुक्तों के विरूद्ध धारा 3/25 आयुद्ध अधिनियम पंजीकृत किया गया। पूछताछ करने पर अभियुक्तों ने बताया कि यह तमन्चा व पिस्टल को हम दोंनो उत्तराखण्ड से खरीदकर यहाँ आस पास के क्षेत्र में मंहगे दाम पर बेच देते है।

दो दिवसीय पैरा रैफ्री ताईक्वांडो प्रशिक्षण शिविर का समापन

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। पैरा ताईक्वांडो एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित दो दिवयीय पैरा रैफ्री सेमिनार देशभर के पैरा रेफरियों ने प्रतिभाग किया जिसमें उन्हें विभिन्न प्रकार टिप्स दिए गए। गांधी पार्क स्थित ड. बी. आर. स्पोर्ट्स स्टेडियम में ताईक्वांडो फैडरेशन ऑफ इंडिया से मान्यता प्राप्त पैरा ताईक्वांडो एसोसिएशन के तत्वावधान में दो दिवसीय पैरा रेफ्री सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें पैरा रैफरियों की भूमिका से सम्बंधी विषय विशेषज्ञों ने टिप्स दिए। देशभर से सेमिनार में कई राज्यों से आए रेफरियों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय क्रीडाधिकारी अनिमेष सक्सेना ने सेमिनार की सफलता पर बताया कि वह राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में वह सभी लोग रेफ्री की भूमिका निभाने का काम करें। सेमिनार का संचालन अंतर्राष्ट्रीय ताईक्वांडो रेफरी एटी राजीव ने किया। इस दौरान ताईक्वांडो एसोसिएशन के महासचिव सुखदेव राज, सतेन्द्र सिंह, स्वराज सिंह, सचिन खोखर, प्रदीप चाहलिया, प्रियंका चौहान, विजय कुमार आदि मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ में सहारनपुर के युवकों के साथ मॉब लिंचिंग की घटना संगीन और शर्मनाक अपराध : हाजी फज़लुर्रहमान

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। सहारनपुर के पूर्व सांसद हाजी फज़लुर्रहमान ने छत्तीस गढ़ के रायपुर मैं तीन मुस्लिम युवकों पर हमले की कड़ी निन्दा करते हुए मोब लीचिंग के ज़ालिम दोषियों पर कड़ी कार्यवाही हेतु प्रधानमंत्री, गृह मंत्री व मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है इस दर्दनाक घटना पर अपने गहरे दुख का इज़हार करते हुए सहारनपुर लोकसभा से निवर्तमान सांसद हाजी फज़लुर्रहमान ने छत्तीसगढ़ राज्य में सहारनपुर व शामली जनपद के मुस्लिम युवकों के साथ हुई मॉब लिंचिंग की घटना को एक जघन्य कृत्य करार दिया घटना की कडे शब्दों में निंदा करते हुए राज्य सरकार से दोषियों पर कड़ी कार्यवाही करने की मांग की। पूर्व सांसद हाजी फज़लुर्रहमान ने इस सम्बंध में प्रधानमंत्री, गृह मंत्री व छत्तीसगढ़ राज्य के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मामले में हस्ताक्षेप करने और पीड़ित को मुआवज़ा दिये जाने का अनुरोध किया है। पूर्व सांसद हाजी फज़लुर्रहमान ने पत्र में लिखा कि

छत्तीसगढ़ के महासमुन्द-रायपुर सीमा पर महानदी पुल के नीचे, मवेशी तस्करी के सन्देह पर 15 से अधिक लोगो ने महासमुन्द के बरोंडा के मवेशी बाज़ार से खरीद कर ओड़िसा ले जा रहे ट्रक की घेराबंदी कर, उ0प्र0 के जनपद सहारनपुर के थाना गंगोह के ग्राम लखनौती के ट्रक ड्राईवर चाँदमियाँ व सद्दाम खान तथा जनपद शामली के बनत निवासी तहसीम उर्फ़ गुड्डू खान के साथ गुरूवार की देर रात करीब 03 बजे मार-पीट की गई और तीनो युवक महानदी पुल के नीचे मिले। जिनमे जनपद सहारनपुर निवासी चांदमियां का मृत पाना तथा जनपद शामली के दूसरे युवक तहसीन उर्फ़ गुड्डू खान की इलाज के दौरान मौत हो जाना तथा तीसरे युवक सद्दाम खान का गम्भीर रूप से घायल होना व अस्पताल में उपचाराधीन होना बताया है। सम्बंधित पुलिस द्वारा संदेहियो को हिरासत में लेकर पूछताछ करना व आस-पास के छ्ष्ट्ह्ल्ङ्क फुटेज खंगालना एवं,स्क्र ग्रामीण रायपुर, श्री कीर्तन राठौर, द्वारा घायल युवक के अस्पताल में भर्ती होने व बयान न दे पाने की स्थिति में होना कथित करते हुए, जांच करना कहा है। पूर्व सांसद हाजी फज़लुर्रहमान ने कहा कि मॉब लिंचिंग को रोकने हेतु, वर्ष 2017 में मा0 सर्वोच्च न्यायालय द्वारा तहसीन पूनावाला बनाम भारत सरकार में संबंधितो को उचित दिशा निर्देश जारी किये है। उक्त के सम्बन्ध में पूर्व से ही विरोध के स्वर उठ रहे हैं। इसके अतिरिक्त ऐसे अमानवीय कृत्यों की जितनी निंद्रा की जाए, उतनी कम है। ऐसे प्रकरणों की सामाजिक संवेदनशीलता को दृष्टिगत रखते हुए, मृतकों के आश्रितों को 50-50 लाख रुपए तथा गम्भीर रूप से चोटिल सद्दाम खान को 25 लाख रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाए।

पुलिस की सूझबूझ से एक व्यक्ति की बची जान

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। तनाव के चलते एक युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने के प्रयासों की जानकारी मिलते ही पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए युवक को बंद कमरे से बाहर निकालकर बचा लिया गया। पुलिस के इस कार्य की चारों ओर प्रशंसा की जा रही है। थाना जनकपुरी की टीपीनगर पुलिस चौकी के प्रभारी पीयूष कुमार को सूचना मिली थी कि बाल गृह के पास एक युवक बंद कमरे में आत्महत्या करने का प्रयास कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बंद कमरे में युवक को समझाने का प्रयास किया। इसी बीच फायर ब्रिगेड की टीम को भी मौके पर बुला लिया गया। युवक को समझाने के प्रयास के चलते पुलिस ने बंद कमरे का दरवाजा तोड़कर खुले गैस सिलेंडर को बंद कर युवक को सकुशल बाहर निकाला। पुलिस ने युवक को समझाकर आत्महत्या करने के प्रयास को रोक दिया। पुलिस के इस कार्य की हर कोई प्रशंसा कर रहा है।

लोस चुनाव शांति पूर्ण संपन्न होने पर अधिकारियों व कर्मचारियों की सराहना

- मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने डीएम समेत सभी का जताया आभार

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 को शांतिपूर्वक, निष्पक्ष, पारदर्शिता एवं सकुशल रूप से सम्पन्न कराने के लिए मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने जिला मजिस्ट्रेट डॉ. दिनेश चंद्र सहित समस्त आरओ को बधाई देते हुए पत्र लिखते हुए संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया में लगे अधिकारियों और कर्मचारियों को आयोग की तरफ से सराहना करते हुए बधाई देने की बात कही थी। मुख्य निर्वाचन आयुक्त के भावों को संप्रेषित करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने चुनाव में सहयोग करने वालों को धन्यवाद करते हुए शुभकामनाएं दी। जिला मजिस्ट्रेट डॉ. दिनेश चंद्र ने लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 निर्विघ्न एवं शांतिपूर्ण संपन्न होने पर सभी को हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने निर्वाचन कार्य में मिले सहयोग के लिए आम मतदाताओं, प्रत्याशियों, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, निर्वाचन कार्य में लगे सभी अधिकारियों-कर्मचारियों, बीएलओ, सुरक्षा में तैनात जवानों और मीडिया प्रतिनिधियों को धन्यवाद ज्ञापित किया है। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से निर्वाचन कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है। लोकतंत्र के इस पर्व में आम मतदाताओं की व्यापक तौर पर हिस्सा लिया। प्रत्याशियों एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से शांतिपूर्ण मतदान संपन्न कराने में पूरा सहयोग मिला। लोकसभा निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य में मीडिया की महत्वपूर्ण सहभागिता रही। मीडिया प्रतिनिधियों से निर्वाचन में सकारात्मक सहयोग मिला। सुरक्षा बल के जवानों ने पूरी मुस्तैदी के साथ मतदान कार्य संपन्न कराया। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा के लिए जवानों ने दिन-रात और कड़ी धूप और गर्मी में निरंतर अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। निर्वाचन कार्य में लगे अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने टीम भावना से जिम्मेदारी के साथ निर्वाचन कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराया। सभी ने स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन संपन्न कराने के लिए सजगतापूर्वक दायित्व निभाया। उन्होंने निर्वाचन से जुड़े अधिकारी-कर्मचारी, सभी सहायक रिटर्निंग अधिकारियों एवं उनकी टीम, निर्वाचन कार्य से जुड़े सभी नोडल अधिकारी एवं उनकी टीम, पुलिस विभाग के सभी अधिकारी-कर्मचारी, प्रशिक्षण कार्य से जुड़े मास्टर ट्रेनर्स, सेक्टर अधिकारी, निर्वाचन व्यय लेखा एवं नियंत्रण से संबंधित अधिकारी कर्मचारी मतगणना कार्य में ड्यूटी पर तैनात सभी अधिकारी कर्मचारियों एवं अन्य सभी जन को अच्छा कार्य करने के लिए प्रशंसा करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

बीएड प्रवेश परीक्षा आज, 470 केंद्रों पर शामिल होंगे 2.23 लाख अभ्यर्थी

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा रविवार को संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। परीक्षा प्रदेश के 51 जिलों में बनाए गए 470 केंद्रों पर होगी। इसमें 2.23 लाख अभ्यर्थी शामिल होंगे। सभी जिलों के परीक्षा केंद्रों पर विवि में बनाए गए कमांड कंट्रोल रूम से नजर रखी जाएगी। शनिवार को विवि प्रशासन परीक्षा की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा रहा। बुंदेलखंड विवि द्वारा लगातार दूसरी बार बीएड प्रवेश परीक्षा आयोजित की जा रही है। परीक्षा दो पाली सुबह नौ से दोपहर बारह बजे और दोपहर दो से शाम पांच बजे तक होगी।

अभ्यर्थी परीक्षा केंद्र में परीक्षा शुरू होने के एक घंटा पहले प्रवेश कर सकेंगे। सभी जिलों में बुंदेलखंड विवि द्वारा भेजे गए पर्यवेक्षक स्थानीय प्रशासन के समन्वय के साथ परीक्षा व्यवस्था पर नजर रखेंगे। परीक्षा समाप्त होने के बाद पर्यवेक्षक उत्तर पुस्तिकाएं लेकर लौटेंगे। सभी पर्यवेक्षकों की लाइव लोकेशन कंट्रोल रूम से ट्रैक की जाएगी।

परीक्षा की निगरानी के लिए बुंदेलखंड विवि में कमांड कंट्रोल रूम बनाया गया है। इससे हर परीक्षा केंद्र के प्रत्येक कक्ष पर सीसीटीवी कैमरों के जरिये नजर रखी जाएगी। शनिवार को कुलपति प्रो. मुकेश कुमार पांडेय और कुलसचिव विनय कुमार सिंह अपनी टीम के साथ परीक्षा की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे रहे। बुंदेलखंड विवि द्वारा पिछले साल आयोजित की गई बीएड प्रवेश परीक्षा में 4.72 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे। परीक्षा प्रदेश के 75 जिलों में बनाए गए 1108 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई थी। लेकिन, इस बार परीक्षार्थियों की संख्या में लगभग ढाई लाख की कमी आई है। इस बार 2,23,384 अभ्यर्थी परीक्षा देने जा रहे हैं। इनमें अभ्यर्थियों की सर्वाधिक संख्या 25,851 वाराणसी में है। यहां 52 केंद्रों पर परीक्षा होगी। दूसरे पर नंबर प्रयागराज है, यहां 36 केंद्रों पर 16,299 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। तीसरे नंबर पर गोरखपुर है, जहां 30 केंद्रों पर 14,700 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। जबकि, अभ्यर्थियों की सबसे कम संख्या 666 सिद्धार्थनगर में है। यहां दो केंद्रों पर परीक्षा होगी। बुंदेलखंड विवि ने पिछले साल संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा का आयोजन 15 जून को किया था और 30 जून को रिजल्ट जारी कर दिया गया था। पहली बार इतने कम समय में रिजल्ट जारी हुआ था। इस बार भी विश्वविद्यालय की ओर से 30 जून तक रिजल्ट जारी करने की तैयारी की गई है। नकलविहीन परीक्षा संपन्न कराने के लिए बुंदेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा पहली बार आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) का इस्तेमाल किया जाएगा। प्रदेश के किसी भी परीक्षा केंद्र के कक्ष में परीक्षक के भ्रमणशील न होने पर एआई के जरिये विश्वविद्यालय के कमांड सेंटर में अलार्म बज जाएगा।

- वाराणसी में सबसे ज्यादा और सिद्धार्थनगर में सबसे कम परीक्षार्थी
- 30 जून तक जारी कर दिया जाएगा रिजल्ट

कोविड के समय बंद हुई पैसेंजर ट्रेनें जुलाई से होंगी शुरू, होगा पुराना नंबर, किराया भी होगा कम

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। पैसेंजर ट्रेनों को अब स्पेशल नहीं, रेगुलर नंबरों के साथ चलाया जाएगा। कोविड के बाद जब ट्रेनें शुरू हुई तो रेलवे प्रशासन ने इन्हें स्पेशल ट्रेन बनाकर चलाया, जिससे किराया भी महंगा हो गया था। अब रेगुलर बनने से किराया भी सस्ता हो जाएगा। फिलहाल उत्तर रेलवे द्वारा चलाई जाने वाली सभी पैसेंजर ट्रेनों को नियमित नंबरों से चलाया जाएगा। यह बदलाव एक जुलाई से होगा। अब इन ट्रेनों को नियमित नंबरों से संचालित किया जाएगा, जिसमें लखनऊ मंडल की 13 ट्रेनें शामिल हैं। वहीं मुरादाबाद और अंबाला मंडल की ट्रेनें भी हैं।

रेलवे बोर्ड के अधिकारी बताते हैं कि उत्तर रेलवे के लखनऊ, मुरादाबाद व अंबाला मंडल में भी करीब 119 ट्रेनें हैं जो स्पेशल पैसेंजर बनाकर चलाई जा रही हैं। सूत्रों ने बताया कि जुलाई में टाइम टेबल में बदलाव के साथ ही इन ट्रेनों को भी नियमित नंबर से चलाया जाएगा। इससे किराया भी कम होगा। लखनऊ मंडल में 13 और मुरादाबाद व अंबाला डिवीजन में 53-53 पैसेंजर ट्रेनों के नंबर बदल जाएंगे। पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल के गोरखपुर कैंट भटनी रेलखंड के कुसम्ही-सरदारनगर-चौरी चौरा स्टेशनों के बीच ऑटोमेटिक सिगनलिंग की कमीशनिंग का कार्य किया जाना है। इसके चलते लखनऊ-बरौनी, राजधानी स्पेशल सहित दस ट्रेनों का संचालन बाधित रहेगा। सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह ने बताया कि अहमदाबाद से नौ जून को चलने वाली 19489 अहमदाबाद गोरखपुर एक्सप्रेस गोरखपुर की जगह भटनी में टर्मिनेट होगी। गोरखपुर से नौ व 10 जून को चलने वाली 19490 गोरखपुर अहमदाबाद एक्सप्रेस भटनी से ही चलाई जाएगी। लखनऊ जं. से नौ को चलने वाली 15008 कृषक एक्सप्रेस वाराणसी सिटी की जगह गोरखपुर में टर्मिनेट होगी और वापसी में 15007 कृषक एक्सप्रेस गोरखपुर से ही चलेगी। दूसरी तरफ नौ जून को 15204 लखनऊ जं.-बरौनी एक्सप्रेस, 02569 दरभंगा-नई दिल्ली स्पेशल, 02564 नई दिल्ली-बरौनी स्पेशल, 15909 अवध-आसाम एक्सप्रेस, 15910 अवध आसाम एक्सप्रेस, दस को 12203 गरीब रथ एक्सप्रेस व 12566 बिहार सम्पर्कक्रान्ति एक्सप्रेस, नौ व 10 जून को 02570 नई दिल्ली-दरभंगा स्पेशल सीवान-कप्तानगंज, गोरखपुर कैंट के रास्ते चलाई जाएंगी।

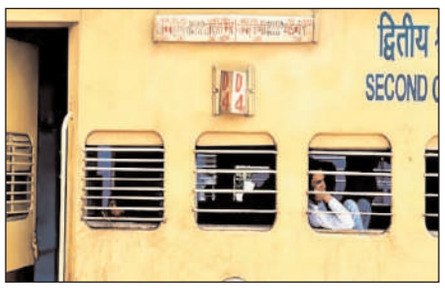

अब्बास अंसारी कासगंज जेल से गाजीपुर के लिए रवाना

अवधनामा संवाददाता

कासगंज। कासगंज की पचलाना जिला जेल में बंद बाहुबली विधायक अब्बास अंसारी को सुप्रीम कोर्ट से पिता मुख्तार अंसारी की मौत के बाद आयोजित हो रही प्रार्थना सभा में शामिल होने की इजाजत दी गई है। अब्बास 10 से 12 जून तक की अनुमति दी गई थी। इस इजाजत के मुताबिक 9 जून तक गाजीपुर की जेल में अब्बास को भेजना था। 10 से 12 जून तक गाजीपुर में पिता मुख्तार की प्रार्थना सभा में हिस्सा लेने और परिवार से मिलने की अनुमति मिली है।

13 जून को अब्बास को वापस जिला जेल लाया जाएगा। दोपहर के समय पुलिस की कड़ी सुरक्षा में अब्बास को गाजीपुर जेल के लिए रवाना किया गया। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के मुताबिक पूरी सुरक्षा व्यवस्था के साथ अब्बास को ले जाया गया है। बाहुबली विधायक अब्बास अंसारी को चित्रकूट की जेल से पचलाना जिला जेल में पिछले वर्ष 14 फरवरी को शिफ्ट किया गया था। तब से वह यहां के हाईसिक्योरिटी बैरक में बंद है। अब्बास के पिता की मौत हुई तो उस समय उसे न्यायालय से जनाजे में शामिल होने की इजाजत नहीं मिली थी। जिससे अब्बास जनाजे में शामिल नहीं हो सका। पिछले माह फातिहा में हिस्सा लेने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने इजाजत दी थी तो अब्बास को कड़ी सुरक्षा में फातिहा में शामिल कराने के लिए गाजीपुर ले जाया गया। अब उसके पिता की प्रार्थना सभा 10 जून को है। अब्बास प्रार्थना सभा में हिस्सा लेगा। उसके बाद 11 व 12 जून को भी वह पारिवारिक सदस्य, संबंधियों से मुलाकात कर सकेगा। अब्बास के स्थानीय अधिवक्ता केशव मिश्रा ने बताया कि 10 से 12 जून तक के लिए सुप्रीम कोर्ट ने इजाजत दी है। इस दौरान वह मीडिया से बातचीत नहीं कर सकेंगे। वहीं भाषण और राजनीतिक कार्यक्रम में भी हिस्सा नहीं ले सकेंगे।

गुटबाजी और नेताओं के अहंकार के कारण जनपद में भाजपा बैकफुट पर आयी

अवधनामा संवाददाता

उरई (जालौन)। हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की जनपद में शिकस्त ने पार्टी को बैकफुट पर ला दिया है। केंद्रीय मंत्री का पद प्राप्त किए भानु प्रताप सिंह वर्मा का बढ़ता कद जनपद में उनके विरोधियों को बिल्कुल रास नहीं आया। पार्टी के ही अन्दर उनके विरोधियों ने उनकी हर कमजोरी को जमकर प्रचारित किया, यह सन्देश दिया गया कि पार्टी ने भानु प्रताप सिंह वर्मा को टिकट देकर गलत किया है।

भारतीय जनता पार्टी वर्ष 2017 में यूपी में एक अरसे बाद सत्ता में आई थी। सरकार की गठन के कुछ समय पश्चात ही हुए स्थानीय निकाय चुनाव में छोटे शहरों में पार्टी का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा था, तब यह माना गया था कि कहीं ना कहीं कार्यकर्ता सरकार से तालमेल नहीं बैठा पा रहे हैं।उसके बाद में 2019 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने जनपद में सपा बसपा के गठबंधन को करारी शिकस्त दी थी। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने जनपद में उरई जालौन व माधवगढ़ विधानसभा में अपने प्रत्याशियों को विरोध के बावजूद

पुनः टिकट देकर मैदान में उतारा था ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल निर्देशन में उपरोक्त दोनों उम्मीदवार पुनः विधानसभा चुनाव जीतने में सफल रहे। वर्ष 2022 में विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की विजय के बाद जनपद में भाजपा की अंदरूनी गुटबाजी चरम सीमा पर पहुंच गई। यद्यपि भारतीय जनता पार्टी में दो धड़े बाबूराम एमकॉम के समय से ही बने हुए हैं ।एक वर्ग बाबू राम एमकॉम का समर्थक रहा, जबकि दूसरा वर्ग उनका विरोधी रहा है। बाबूराम एमकॉम के देहावसान के बाद भानु प्रताप वर्मा आदि इस गुटके माने जाते रहे। वर्ष 2022 के विधानसभा के चुनाव के बाद भारतीय जनता पार्टी में जनप्रतिनिधियों के बीच वर्चस्व की लड़ाई तेज हो गई। हाल ही में संगठनात्मक चुनाव में जिला अध्यक्ष पद को लेकर भारतीय जनता पार्टी स्पष्ट रूप से दो फाड़ दिखाई दी। भारतीय जनता पार्टी में संगठन में वर्चस्व को लेकर जनप्रतिनिधि व जिला स्तर के नेता स्पष्ट रूप से दो भागों में बंटे दिखाई देते थे। यद्यपि भारतीय जनता पार्टी एक कैडरबेस पार्टी मानी जाती है। यह भी माना जाता है कि अनुशासन यहां प्रमुख रूप से लागू रहता है। लेकिन जनप्रतिनिधियों के बीच वर्चस्व को लेकर संगठन बिखर बिखर जा रहा है आम कार्यकर्ता निराश है और वह सोच नहीं पा रहा है कि वह किसी जनप्रतिनिधि के साथ खड़ा हो। कभी कभार तो यह स्थिति आ जाती है यदि कार्यकर्ता एक जनप्रतिनिधि के साथ खड़ा है तो दूसरा जनप्रतिनिधि उसकी उपेक्षा करने लगता है। भारतीय जनता पार्टी में संगठनात्मक बिखराव सड़क पर तो दिखाई दे रहा था परंतु वह लोकसभा चुनाव में इस हद तक पार्टी का नुकसान करेगा यह किसी को कल्पना नहीं थी। लोकसभा चुनाव में मतदान के दिन भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा से जुड़ा एक वर्ग खुलेआम भानु प्रताप वर्मा की खिलाफत करता दिखाई दिया।

राम भरत मिलाप की लीला का किया गया मंचन

अवधनामा संवाददाता

उरई (जालौन)। खनुवा में चल रही रामलीला महोत्सव के छठवें दिन राम भरत मिलाप की लीला का मंचन किया गया जिसमें राम तथा भरत के संजीव सुंदर चित्रण को बैठे दर्शकों ने खूब सराहा,तथा हास्य कलाकार की कला के प्रदर्शन की सभी ने जमकर तारीफ की। खंनुवा में श्री राम जानकी मंदिर पर चल रही रामलीला के छठवें दिन भरत मिलाप की लीला का मंचन किया गया इसके प्रथम दृश्य में भरत अपने भाई राम को मनाने के लिए अयोध्या से चलते हैं उनके साथ अयोध्या की जनता के अलावा तीनों माताएं गुरु वशिष्ठ आदि सभी जाते हैं, भरत वनवासी के भेष मे नंगे पैर से चलते हुए चित्रकूट पहुंचते हैं जहां राम जी रह रहे थे भरत जी की दशा को जिसने देखा है वह अपने आप को धन्य मानने लगा। राम जी को मनाने में भरत जी द्वारा पूरा प्रयास किया गया। राम और भरत जी के बीच जो संवाद हुआ उसे सभी दर्शकों ने जमकर सराहा। इस दौरान हास्य कलाकार दुल्लन,सन्यासी, तथा वीरपाल हंगामा के हंसी के चुटकुले सुनाकर दर्शकों जमकर हंसाया। राम की भूमिका मे राम बिहारी रसिक, लक्ष्मण गोलू जसुआपुर, भरत अंजू तिवारी, शत्रुघ्न मनीष पचौरी ने अपनी अपनी कला का प्रदर्शन किया जिसे मौजूद दर्शकों में जमकर सराहा। समिति के आयोजक कमलाकांत तिवारी उर्फ लालू महाराज, रासिद मंसूरी, सोनू पटेल, राजबहादुर कुशवाहा बीडीसी आदि समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से यह रामलीला का आयोजन किया जा रहा है।

एडीएम ईओ टूंडला सूचना आयोग में तलब

अवधनामा संवाददाता

टूंडला। सूचना का अधिकार टास्क फोर्स ब्रज क्षेत्र कार्यालय शोभाराम अहाता पर एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई जिसमें कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी को संबोधित करते हुए प्रदेश सचिव सूचना का अधिकार विभाग टास्क फोर्स डॉ बी एस गौतम ने बताया कि नगर पालिका परिषद टूंडला में बीते पंचवर्षीय और चालू पंचवर्षीय के अंतर्गत लाखों रुपए की धनराशि जनहित में आवंटित हुई उसके बाद भी नगर पालिका में कहीं भी विकास कार्य होते नहीं दिखे और सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के अंतर्गत मांगी गई सूचनाओं का जवाब भी समय सीमा में नहीं दिया जाता है और नगर संयोजक राजीव मल्होत्रा ने कहा कि विगत वर्ष 26 अक्टूबर 2023 को जनहित में कुल चार बिंदुओं पर सूचना मांगने हेतु आवेदन किया था उसके बाद कोई सूचनाएं न मिलने पर दिनांक 24 /11/ 2023 को प्रथम अपील की गई विभाग के सक्षम अधिकारी की अनदेखी के चलते तथा अपने भ्रष्टाचार और मनमानी को छुपाने के लिए आवेदन को भूमिगत कर दिया जिस पर द्वितीय अपील के लिए राज्य सूचना आयोग लखनऊ में 2 फरवरी 2024 को पंजीकृत कराया गया जिस पर राज्य सूचना आयोग द्वारा गंभीरता पूर्वक विचार करते हुए नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी तथा अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को समस्त सूचनाओं की दो प्रतियो के साथ दिनांक 12 जून को आयोग के समक्ष उपस्थित होकर सूचनाए देने के लिए तलब किया है बैठक में करतार सिंह यादव अनिल उपाध्याय ब्रजवीर सिंह महेंद्र कुमार राजा खान रफीक खान मोहम्मद खालिद फारूक राजुद्दीन अली श्याम सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

विश्वनाथ : 600 रुपये में विदेशी श्रद्धालु भी कर सकेंगे दर्शन

वेबसाइट पर शुरू हुई नई व्यवस्था, विदेशी श्रद्धालुओं में अमेरिकी हैं नंबर एक

अवधनामा ब्यूरो

वाराणसी/लखनऊ। काशी विश्वनाथ धाम अब विदेशी श्रद्धालुओं के लिए भी सुगम हो गया है। मंदिर की ओर से विदेश से आने वाले सनातनी श्रद्धालुओं के लिए सुगम दर्शन की शुरुआत की गई है। मंदिर की वेबसाइट पर विदेशी श्रद्धालुओं के लिए दर्शन पूजन के इंतजाम की व्यवस्था को शुरू कर दिया गया है।

द्वादश ज्योतिर्लिंग में प्रधान बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए देश ही नहीं विदेश से भी सनातनी काशी पहुंच रहे हैं। विदेशी श्रद्धालुओं की भीड़ के दबाव को देखते हुए मंदिर न्यास ने विदेशी श्रद्धालुओं के लिए सुगम दर्शन की शुरुआत की है। इसके तहत विदेशी श्रद्धालु 600 रुपये शुल्क देकर बाबा विश्वनाथ के दर्शन पूजन कर सकेंगे। इसके लिए विदेशी श्रद्धालुओं को ओरिजिनल पासपोर्ट लेकर आना आवश्यक होगा। मंदिर की ओर से

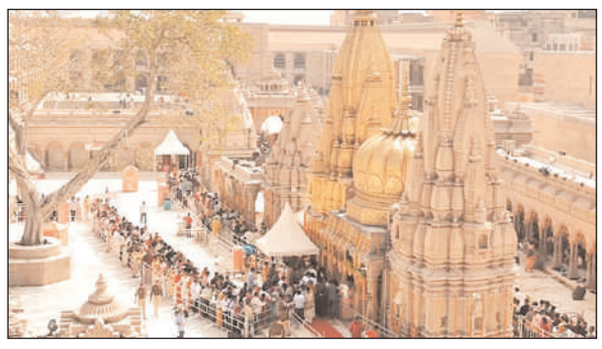

दर्शन पूजन के साथ ही अंगवस्त्रम और प्रसाद भी प्रदान किया जाएगा। खास बात यह है कि जो सनातनी हिंदू श्रद्धालु होंगे उनको ही गर्भगृह में प्रवेश की अनुमति होगी, बाकि अन्य को बाहर से ही दर्शन की व्यवस्था है। श्रद्धालु मंदिर के हेल्पडेस्क काउंटर से अपना टिकट बुक करा सकते हैं। जल्द ही टिकट बुकिंग की इस व्यवस्था को ऑनलाइन भी कर दिया जाएगा। आंकड़ों की तो छह साल में 139 देशों के सनातनी श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई है। जनवरी 2023 से मई अप्रैल 2024 के बीच में विदेशी श्रद्धालुओं की संख्या में पांच गुना से अधिक की बढ़ोत्तरी हुई है। काशी विश्वनाथ धाम में बाबा विश्वनाथ के दर्शन पूजन के लिए विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं में अमेरिकी शिवभक्तों की संख्या सबसे अधिक है। दूसरे नंबर पर इटली, तीसरे नंबर पर रूस, चौथे नंबर पर मलेशिया और पांचवें नंबर पर स्पेन के भक्त हैं। मंदिर की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार जनवरी 2019 से लेकर 31 मार्च 2024 तक 10.20 फीसदी अमेरिकी, 9.78 फीसदी इटली, 9.62 फीसदी रूस, 7.64 फीसदी मलेशिया और 7.18 फीसदी स्पेन के श्रद्धालुओं ने बाबा दरबार में हाजिरी लगाई। इसके अलावा फ्रांस के 6.86, जापान के 4.17 फीसदी और ब्रिटिश श्रद्धालुओं की संख्या 4.02 फीसदी रही।

यह भी जानें

- 06 साल में 139 देशों के श्रद्धालुओं ने किए बाबा विश्वनाथ के दर्शन
- 05 साल में विश्वनाथ मंदिर में विदेशी सैलानियों की संख्या हुई चार गुना से अधिक
- जनवरी 2023 से अप्रैल 2024 के बीच पांच गुना से अधिक आए विदेशी श्रद्धालु
- मार्च 2024 तक आए सबसे अधिक रूस के श्रद्धालु
- 2023 में आए सबसे अधिक अमेरिकी
- 2022 और 2021 में सबसे अधिक रूसी श्रद्धालु पहुंचे बाबा के धाम

नगर पालिका की ओर से पानी से करवायी जा रही बौछारे

(महमूदाबाद) सीतापुर अवधनामा संवाददाता। इन दिनों गर्मी अपने प्रचंड रूप में है। भीषण गर्मी के कारण लोगों जीना मुहाल है। नगरवासियों को गर्मी की तपिश से निजात दिलाने के लिए शनिवार दोपहर महमूदाबाद नगर पालिका प्रशासन की ओर से टैंकर के पानी से बौछार करवाई गई। साथ ही सड़कों और पेड़-पौधों पर भी छिड़काव कराया गया। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पालिका की इस पहल से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिल रही है। नगर के रामकुंड चौराहा, नूरपुर चौराहा, रोडवेज बस स्टैंड, मोतीपुर चौराहा, मां संकट देवी धाम रोड सहित नगर की अन्य प्रमुख सड़कों पर पानी की बौछार की गई। नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि आमिर अरफात ने बताया कि बढ़ती गर्मी को देखते हुए नगर के प्रमुख सड़कों और चौराहों पर पानी की बौछार पालिका प्रशासन द्वारा करवाई गई है। जिससे कुछ हद तक लोगों को गर्मी से राहत मिल सके। इसके लिए नगर पालिका के एक टैंकर को बौछार करने के लिए विशेष रूप से बनवाकर उपयोग में लिया जा रहा है।

ऑटो पर गिरी पेड़ की डाल, चालक सहित नौ घायल

(महमूदाबाद) सीतापुर अवधनामा संवाददाता। कोतवाली क्षेत्र के महमूदाबाद-रेउसा मार्ग पर भिटौरा गांव स्थित बिस्मिल्लाह शाह बाबा की मजार के पास तंबौर से महमूदाबाद की ओर जा रहे ऑटो पर पेड़ की डाल गिर गई। इससे उसमे बैठे चालक सहित नौ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को आनन-फानन में गांव के लोगों ने एंबुलेंस की मदद सीएचसी पहुंचाया। यहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। बताते चलें कि शनिवार शाम तंबौर थाना क्षेत्र के अंदपुर गांव के नौ मजदूर बरबंकी जनपद मेंथा की पेराई करने के लिए जा रहे थे। कोतवाली क्षेत्र भिटौरा गांव स्थित मजार से पहले अचानक एक पेड़ की डाल टूट कर ऑटो पर गिर गई जिससे ऑटो में बैठे नौ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एंबुलेंस की मदद से घायलों को सीएचसी पहुंचाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद पांच लोगों को छुट्टी दे दी गई। वहीं, तीन गंभीर घायलों का इलाज चल रहा है।

कक्षा चार का छात्र सोता नाला में डूबा

अमृतपुर फर्रुखाबाद अवधनामा संवाददाता। जानवर चराते समय कक्षा 4 का छात्र सोता नाला में डूब गया। जानकारी के अनुसार ग्राम इमादपुर पमारान निवासी परविंदर का 8 वर्षीय बेटा गांव से कुछ दूरी पर जानवर चरा रहा था। वहीं पर सोता नाला का पानी भरा हुआ है। जानवर चराते समय बच्चा पानी के पास पहुंच गया और उसमे बैठे हुए जानवर को बाहर निकालने का प्रयास करने लगा। उसी समय अचानक वह गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। कुछ दूरी पर मौजूद लोगों ने उसे डूबते हुए देखा और गांव में सूचना दी। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने उसकी तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद उसे पानी से बाहर निकाला गया। छात्र की चल रही साँसों की उम्मीदों को लेकर परिजन उसे राजेपुर स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर अमित ने जांच पड़ताल करने के बाद छात्र को मृत घोषित कर दिया। मृतक अपने माता-पिता का अकेला बेटा था। एक बहन रोशनी 10 वर्ष है। परिजनों में माता लाली देवी व परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया।

वोट हासिल कर दोनों नेता अब शतरंज की नई चाल चलने में हैं जुटे: वसीम राईन

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। राहुल गांधी और अखिलेश यादव ने एक बार फिर पसमांदा समाज को बरगलाकर झूँठा दिलासा देकर उनका वोट हासिल कर लिया और मतलब निकल जाने के बाद दोनों ने किनारे पकड़ लिए। खटाखट खाते में रुपये मिलने की आस में महिलाएं कांग्रेस कार्यालय के चक्कर काट रही हैं और वोट हासिल कर दोनों नेता अब शतरंज की नई चाल चलने में जुटे हैं। यह बात आल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसीम राईन ने अपने बयान में कही। उन्होंने कहा कि राहुल और अखिलेश ने सत्ता की लालच में सारी हदें पार कर दी हैं। सपना तो यही था कि झूठे वादे कर ज्यादा सीट हासिल करेंगे और सत्ता में आ जाएंगे पर झूठ का महल ज्यादा नही टिकता। एक बार फिर जोड़ी बनाकर पब्लिक को खेल तमाशा दिखाने आये दोनों नेताओं के मंसूबों पर

जनता ने पानी फेर दिया। हालांकि यह दोनों झूठ का सहारा लेकर और झूठे वादे कर पसमांदा समाज का वोट लेने में काफी हद तक सफल रहे जैसे कि महिलाओं के खाते में खटाखट रुपये भेजने का वादा। आमजन की गरीबी, परेशानी और मजबूरी का फायदा कैसे उठाया जाता है यह कोई राहुल व अखिलेश से सीखे। अब आलम यह है कि महिलाएं खाते में खटाखट पैसा आने के वादे को अमल में आते देखने के लिए कांग्रेस कार्यालय पर कई दिन से मौजूद हैं चक्कर लगा रही पर हमेशा की तरह जिम्मेदार गायब हैं। अब भला इससे बड़ा मजाक और क्या होगा। कदम कदम पर सुर मिलाने वाले अखिलेश भी अब तसवीर से गायब हैं और विधायकी छोड़ दिल्ली में बसने की तैयारी कर रहे। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस ने पसमांदा समाज को कुछ देने की बजाय हमेशा छीना ही है चाहे वह धार्मिक आजादी हो या फिर बुनियादी तरक्की, यही हाल सपा का भी है। क्या कांग्रेस और क्या सपा, पसमांदा समाज का वोट लेने के लिए सारी चाल चली पर चुनाव में न किसी चेहरे को टिकट दिया और न ही आगे की रणनीति ही बताई, तो वोट लेने के बाद पीडीए का राग अलाप रहे अखिलेश क्या पसमांदा समाज से किसी को राज्यसभा भेज रहे हैं, क्या पसमांदा समाज के एहसान का बदला वह चुकाएंगे। पसमांदा यही सवाल कर रहा है। फिलहाल खटाखट पैसे खाते में आते नही दिख रहे और न ही कांग्रेस की गारंटी ही दूर दूर तक पूरी होती दिखाई दे रही, गनीमत यह कि महाठगबंधन को बहुमत नही मिला वरना शातिरों के सरदार जाने क्या कर दिखाते।

एडीआरएम ने किया शिकोहाबाद जंक्शन का निरीक्षण, दिए निर्देश

अवधनामा संवाददाता

शिकोहाबाद। अमृत भारत योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशन का सौंदर्यीकरण एवं पुनर्निमाण के लिए एडीआरएम ने जंक्शन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने माल गोदाम साइडिंग के विस्तार एंव यार्ड के विस्तार पर चर्चा की। उन्होंने अधीनस्थ अधिकारियों को भी निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान एडीआरएम संजय सिंह ने अमृत योजना के तहत रेलवे स्टेशन पर हो रहे कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिये।

उन्होंने कहा कि कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रीय लोगों की समस्याओं को भी सुना। इस में माधौगंज और गढ़ूमा के लोगों ने रेलवे ओवर ब्रिज पर बीच में उतरने-चढ़ने के लिए सीड़ियां बनवाने की मांग की। जिसे एडीआरएम ने गंभीरता से लिए और उस पर विचार कर शीघ्र सीड़ियों के निर्माण का आश्वासन

दिया। इस दौरान समाजसेवी राम प्रकाश गुप्ता ने रेलवे स्टेशन पर कई समस्याओं से अवगत कराया।

उन्होंने अवगत कराया कि नीम खेरियापास अंडर पास नगला हैंडल, नहर पटरी रेलवे कालोनी होते हुए फरुखावाद ब्राच से अंडर पास रेलवे स्टेशन वटेश्वर पुल से नीचे उतरने के लिए सीढीयां 1 व 2 नंबर प्लेट फार्म पश्चिम साइड़ पर शौचाचलय नही है। जिससे यात्रियो को परेशानी का समाना करना पड़ रहा है। शोचालय की व्यवस्था की जाये। कोराना काल में कई ट्रेनो का ठहराव बन्द कर दिया गया था, उसको पुनः ठहराव किये जाये। जिसमें मगध एक्सप्रेस, फरक्का एक्सप्रेस, आम्रपाली एक्सप्रेस, सूबेदारगंज देहरादून एक्सप्रेस, महानंदा एक्सप्रेस और टूंडला से पैसेंजर दिल्ली सुबह जाने वाली उक्त पैसेन्जर ट्रेन को शिकोहाबाद से चलाया जाए। एडीआरएम संजय सिंह ने आश्वासन दिया कि इन बिंदुओं पर जल्द विचार कर समाधान किया जाएगा। स्टेशन अधीक्षक राजेश्वर सिंह, बाबू लाल मीना, एसएसई सिग्धनल मनोज कुमार, उप स्टेशन अधीक्षक केसी मीना, माल अधीक्षक कुमार समस्त रेल स्टाफ मौजूद रहा।

एक शाम जम्हूरियत के नाम के उनवान पर अदबी नशिस्त का आयोजन हुआ

अवधनामा संवाददाता

फैजाबाद/ अयोध्या। उर्दू बचाओ तहरीक और आजाद एजूकेशनल सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में मोहल्ला ठठरहिया में कारी इरफान अहमद हलीमी के घर पर एक शाम जम्हूरियत के नाम से एक अदबी नशिस्त का आयोजन हुआ। जिस की अध्यक्षता इण्डियन यूनियन मुस्लिम लीग के प्रदेश अध्यक्ष डॉ नजमुल हसन गनी ने की। संचालन सुप्रसिद्ध शायर मुजम्मिल फिदा अलीगढ़ी ने किया। नशिस्त का शुभारंभ कारी मोहम्मद नदीम फैजी सुल्तानपुरी ने नात शरीफ पढ़ कर किया।

इस अवसर पर नशिस्त के आयोजक मास्टर इरशाद रब्बानी ने नशिस्त के उद्देश्य को बताते हुए कहा कि इन छोटी छोटी नशिस्तों से नए प्रतिभावान शायर और कवियों का उदय होता है। साथ ही यह समाज में प्यार मोहब्बत और आपसी मेलजोल और भाईचारे को बढ़ावा देने में अहम रोल निभाता है। साथ ही उर्दू हिन्दी भाषा के विकास में सहभागी साबित होता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन जगह जगह हो इसकी बहुत आवश्यकता है।

मुख्य अतिथि डॉ मोहम्मद सैफ़ खान ने कहा कि मैं अमरीका में पिछले 18 वर्षों से रह रहा हूं वहां भी उर्दू हिन्दी जानने वाले लोग ऐसी ही नशिस्तें है जिसमें मैं स्वयं प्रतिभाग करता रहता हूं उन्होंने कहा कि मैं जब वहां इस तरह के आयोजन में शामिल होता हूं तब मुझे ऐसा लगता है कि जैसे मैं अपने देश में हूं उस समय बस यही मन करता है कि ऐसे ही नशिस्त चलती रहे ताकि मैं इतना दूर रहने का गम भूला रहूं। नशिस्त में रामजीत बेदार, फरहत इरफानी, इल्तिफ़ात माहिर एडवोकेट, वाहिद अली वाहिद, मौलाना शफीक, अब्दुल्लाह चिराग, जे पी श्रीवास्तव, अखिलेश सिंह, बौद्ध राम दुलारे यादव, घनश्याम जी, मुजम्मिल फिदा, आदि शायर और कवियों ने अपनी रचनाएं सुनाकर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अंत मे अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डाक्टर नजमुल हसन गनी ने कहा कि इतनी अच्छी नशिस्त की अध्यक्षता करके मुझे लगता है कि मैं बहुत सौभाग्यशाली हूं उन्होंने कहा कि मैं बहुत बीमार हूं फिर भी नशिस्त से मुझे इतना प्यार है कि मैं अपनी बीमारी को भूलकर कर चार घंटे बैठा रहा और मुझे ऐसा लगा कि मुझे टानिक मिल गया है और मैं स्वस्थ हो गया हूं। नशिस्त में नंदिनी नगर महाविद्यालय के मोहम्मद नाजिम, हाफिज इसरार, हाफ़िज़ यूसुफ, हाजी मोहम्मद शफी, मुबारक अली, जलील भाई, मोहम्मद माशूक, नूरैन भाई, हाफिज सुबहान, मोहम्मद यूसुफ और मुहम्मद मुस्तकीम सहित कई अन्य लोग शामिल रहे।

11 सांसदों के साथ असम के मुख्यमंत्री ने किया श्रीरामलला का दर्शन

- योगी सरकार के मंत्री ने एयरपोर्ट पर किया भव्य स्वागत
- नरेंद्र मोदी तीसरी बार भी बनेंगे देश के प्रधानमंत्री : डॉ हिमन्त बिश्व शर्मा

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। लोकसभा चुनाव संपन्न होने के बाद शनिवार को असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमन्त बिश्व शर्मा अयोध्या पहुंचे। यहां उन्होंने सबसे पहले हनुमानगढ़ी में बजरंगबली के दरबार में मत्था टेका। उसके बाद उन्होंने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पहुंच कर श्री रामलला से आशीर्वाद लिया। उनके साथ असम के 11 सांसदों ने भी अयोध्या में विधि-विधान से दर्शन-पूजन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर असम से आए अतिथियों की सुरक्षा व्यवस्था के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए थे। असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमन्त बिश्व शर्मा ने इससे पहले महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पहुंचे। यहां पर मीडिया से बातचीत में उन्होंने अयोध्या में भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी की हार पर कहा कि देश में 543 सीटे हैं, कहीं हारेंगे तो कहीं जीतेंगे, इसमें कोई इशु नहीं है, अंततः नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री तो बन गए। नरेन्द्र मोदी तीसरी बार लगातार देश के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। प्रभु राम का आशीर्वाद मिला है। इससे पहले स्वाधीन भारत में जवाहरलाल नेहरू तीन बार प्रधानमंत्री बने थे। अब नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। प्रभु श्री राम के आशीर्वाद से नरेंद्र मोदी चौथी बार भी देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। अयोध्या में हुए विकास पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट देखकर ही पता चल जाता है कि यहां कितना विकास हुआ है।

गांधी परिवार पर जवाबदेही न हो इसलिए हो रहा है यह प्रोपेगेंडा

असम के सीएम ने कहा कि भारत के इतिहास में कोई प्रधानमंत्री तीसरी बार शपथ लेगा यह एक ऐतिहासिक मूवमेंट है। हमारी जेनरेशन ने ऐसा कभी नही देखा। हम लोगों ने सुना था कि जवाहर लाल नेहरू तीन बार प्रधानमंत्री बने थे। लेकिन हमारी जेनरेशन ने वह नही देखा था। ये बहुत बड़ा सौभाग्य है। पीएम मोदी के नेतृत्व में अपना देश स्वर्णिम भारत की ओर अग्रसर होने जा रहा है। विपक्ष के सवालों पर उन्होंने कहा कि हार में भी यह लोग जश्न मानते हैं। इंडी गठबंधन व कांग्रेस को कोई सवाल नही कर रहा है कि 10 साल में भी आपकी संख्या 100 तक क्यों नही पहुंची है। गांधी परिवार पर जवाबदेही न हो इसलिए यह प्रोपेगेंडा कर रहे हैं, हारे हुए पार्टी का विजय उल्लास मना रहे हैं। मैनें नही सुना था कि परीक्षा में थर्ड डिवीजन मिले, फिर भी आप उल्लास मनाएं कि फेल नही हुए। लेकिन जिनको फर्स्ट डिवीजन मिला उनपर ये लोग दबाव डाल रहे हैं, हालांकि जनता सब देख रही है।

योगी सरकार के निर्देश पर एयरपोर्ट पर रहे सुरक्षा के कड़े प्रबंध

असम के सीएम के आने से पहले से ही एयरपोर्ट पर सुरक्षा को लेकर कड़े इंतजाम किए गए थे। उनके साथ असम के 11 सांसद भी अयोध्या में श्रीरामलला के दर्शन के लिए आए। महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री सतीश शर्मा व अयोध्या के मेयर गिरीशपति त्रिपाठी ने सभी को माला पहनाकर व रामनामी भेंटकर स्वागत किया।

सनातन धर्म के समर्पित संत के साथ कर्मठ मुख्यमंत्री हैं योगी : विजय मिश्र

- हिन्दू महासंघ ने मुख्यमंत्री योगी के जन्मोत्सव पखवारा का किया भव्य आयोजन

अवधनामा संवाददाता

गोण्डा। विश्व हिंदू महासंघ के तत्वावधान में शनिवार को उतरौला रोड के मुजहा बाबा आश्रम में स्थित जिला कार्यालय में गोरक्ष पीठाधीश्वर एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराज का जन्मोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया। विश्व हिंदू महासंघ प्रदेश भर में अपने पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष पूज्य योगी आदित्यनाथ का जन्मोत्सव पखवारा आयोजित कर समाज में समरसता का संदेश दे रहा है। जन्मोत्सव कार्यक्रम में महासंघ के जिलाध्यक्ष विजय कुमार मिश्र ने योगी जी के व्यक्तित्व की चर्चा करते हुए अपने सम्बोधन में कहा कि योगी जी सनातन धर्म के समर्पित संत धर्माचार्य व प्रदेश के कर्मठ निष्ठावान मुख्यमंत्री हैं। कार्यक्रम में योगी जी के चित्र पर रोली चन्दन लगाकर आरती उतारी गयी और उपस्थित कार्यकर्ताओं सहित उपस्थित लोगों को अंगवस्त्र भेंट कर सामाजिक समरसता का संकल्प दिलाया गया। कार्यकर्ताओं जन्मोत्सव पखवारे में लड्डू बांटा और गोसेवा कर खुशिया मनाई। जिला उपाध्यक्ष अखिलेश संत ने कहा विश्व हिंदू महासंघ समाज में समरसता बढाने के लिए अभियान चलाएगा। मंत्री अजय ने कहा युवा समाज को योगी जी के व्यक्तित्व से प्रेरणा लेनी चाहिए। उपाध्यक्ष कुंवर सिंह ने कहा महासंघ का निर्माण गोरक्षपीठ ने समाज में जाति-पाति की बुराई को समाप्त करने के लिए किया गया है।

इस अवसर पर अमित कुमार, रंजीत,अभिषेक, सत्येंद्र दुबे,अर्पित कुमार, गगन सिंह, डॉक्टर विजय प्रकाश, डॉक्टर वर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

पैमाइश दौरान शिकायत फर्जी मिली लेखपाल

अवधनामा संवाददाता

नवाबगंज गोंडा। क्षेत्र के मैनपुर गांव में खेत खलिहान की भूमि की पैमाइश राजस्व टीम द्वारा की गई है मौके पर निर्माण का काम खेत खलिहान की भूमि पर नही पायी गयी है इस मौके पर गांव प्रधान भी मौजूद रहे। मिली जानकारी अनुसार क्षेत्र के मैनपुर गांव रहने वाले युवक संदीप दुबे एक जमीन पर निर्माण काम कराया जा रहा था इस निर्माण को लेकर गांव के एक व्यक्ति ने हल्का लेखपाल से शिकायत की युवक द्वारा खेत खलिहान भूमि पर कब्जा कर निर्माण कराया जा रहा है इस शिकायत के बाबत हल्का लेखपाल दिनेश यादव ने उपजिलाधिकारी तरबगंज से पत्र लिखकर पैमाइश की मांग की तहसील से एक राजस्व टीम का गठन किया गया जिसमे लेखपाल संदीप यादव सुरेश कुमार राम नरायन बिंद रमेश त्रिपाठी व कोल्हमपुर चौकी इंचार्ज शेषनाथ पांडेय मय टीम मौजूद रहे इस पैमाइश के बाद हल्का लेखपाल दिनेश यादव ने बताया कि पैमाइश के दौरान शिकायत गलत पायी गयी निर्माण खेत खलिहान की भूमि से कुछ दुरी पर हो रहा था।इस मौके पर गांव प्रधान दुर्गा सिंह आनंद दुबे सहित गांव के तमाम लोग मौजूद रहे।

जनपद में 1139 अभ्यर्थी देंगे बीएड प्रवेश परीक्षा

- विश्वविद्यालय प्रतिनिधि ने किया केंद्रों का निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

महाराजगंज। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी द्वारा 9 जून दिन रविवार को आयोजित होने वाला संयुक्त प्रवेश परीक्षा बी एड का आयोजन जनपद मुख्यालय के तीन केदो पर दिया जाना है जिसमें कुल 1139 छात्र-छात्राएं परीक्षा में सम्मिलित होंगे, परीक्षा की समस्त तैयारी पूरी कर ली गई हैं विश्वविद्यालय के केंद्र प्रतिनिधि और केंद्र पर्यवेक्षकों द्वारा केंद्र का निरीक्षण कर लिया गया है।

संयुक्त प्रवेश परीक्षा के लिए महाराजगंज जनपद के लिए नियुक्त नोडल अधिकारी डॉ भीमराव अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय महाराजगंज के प्राचार्य प्रोफेसर विनोद कुमार पाल तथा ऊपर नोडल अधिकारी जवाहरलाल नेहरू स्मारक पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ अजय कुमार मिश्रा ने संयुक्त रूप से उत्तर जानकारी देते हुए बताया कि जिला मुख्यालय पर परीक्षा के लिए तीन केंद्र बनाए गए हैं जिसमें डॉक्टर भीमराव अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय महाराजगंज में 400, गणेश शंकर विद्यार्थी स्मारक इंटर कॉलेज में 400 विद्यार्थी तथा जवाहरलाल नेहरू स्मारक पीजी कॉलेज में 339 परीक्षार्थी परीक्षा में पंजीकृत है। जिलाधिकारी महाराजगंज द्वारा नामित प्रतिनिधि अपर जिलाधिकारी महाराजगंज की अध्यक्षता में शुक्रवार को संपन्न हुई बैठक में तैयारी की समीक्षा की गई। शनिवार को बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी के महाराजगंज जनपद के लिए नियुक्त विश्व विद्यालय प्रतिनिधि डॉक्टर नवीन चंद्र पटेल और डॉक्टर विजय यादव द्वारा तीनों केदो का निरीक्षण किया गया तीनों केदो की तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं पूरी परीक्षा पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ संपन्न कराई जाएगी। मुंह में बताया कि दो पाली में आयोजित इस परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने हेतु सभी को जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं प्रातः कालीन परीक्षा प्रात 9 से 12 बजे तक और ड्यूटी पाली की परीक्षा 2 से 5 बजे तक संपन्न होगी।

प्रोफेसर पाल और डॉक्टर मिश्रा ने बताया कि तीनों केदो पर जिला प्रशासन द्वारा स्टेटिक मजिस्ट्रेट तथा विश्वविद्यालय द्वारा पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं।

समाधान दिवस में तेरह मामले में से दो का निस्तारण

अवधनामा संवाददाता

महराजगंज। कोठीभार थाना परिसर में पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीणा की अध्यक्षता में शनिवार को समाधान दिवस का आयोजन हुआ। जिसमे मौके पर कुल तेरह राजस्व व घरेलू विवाद के आये जिसमे से दो का निस्तारण हो पाया, बाकी के लिए टीम गठित कर जाँच करने का आदेश दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि संदिग्धों की सूचना पुलिस को दे जिससे कोई भी अप्रिय घटना होने से रोकने में मदद मिल सके और अपराध पर अंकुश लग सके।इस दौरान निरीक्षक अखिलेश कुमार सिंह उपनिरीक्षक उमाकान्त सरोज उपनिरीक्षक रोहित यादव कास्टेबल इमरान सुनील गुप्ता अंकुर सिंह संदीप कुशवाहा व विभिन्न हलकों के लेखपाल सहित अन्य मौजूद रहे।

बरगदवा में नशीली दवा के साथ दो गिरफ्तार

अवधनामा संवाददाता

महराजगंज। बरगदवा थानाक्षेत्र के अंतर्गत गांव के कब्रिस्तान के समीप शनीवार को दो तस्कर भारी मात्रा में नशीली दवा के साथ पुलिस के हत्थे चढ़ गए। तस्कर नशीली दवा को पगडंडी के रास्ते नेपाल ले जा रहे थे।

उपनिरीक्षक रविन्द्र नारायण मिश्र व राजीव कुमार ने कास्टेबल अमन सिंह, संदीप मौर्य के साथ मार्ग पर सघन वाहन चेकिंग के दौरान बाइक से जा रहे दो युवकों की तलाशी ली। बाइक की डिक्की से 30 शीशी ओनरेक्स सिरप व110 एमपुल डायजापाम कैप्सूल बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपित मिथुन चौधरी व गणेश यादव निवासी बरगदवा पर एनडीपीएस के तहत मुकदमा पंजीकृत कर न्यायालय भेज दिया। थानाध्यक्ष बरगदवा स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि आरोपित का आपराधिक इतिहास दर्ज है तथा इसके पहले भी एनडीपीएस के तहत नेपाल व भारत मे मुकदमा दर्ज है।

थाना समाधान दिवस में आई दो शिकायतो का हुआ निस्तारण

जनपद के समस्त थानों पर थाना समाधान दिवस आयोजित

अवधनामा संवाददाता

बाराबंकी। पुलिस द्वारा जनपद के समस्त थानों पर थाना समाधान दिवस का किया गया आयोजन। पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने थाना सतरिख में जनता की समस्याएं सुनी गई व उनके गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। थाना सतरिख में जनसुनवाई के दौरान कुल 08 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें मौके पर ही 05 प्रार्थना पत्रों का निस्तारण कराया गया। शेष प्रकरणों में राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर मामले के निस्तारण हेतु मौके पर रवाना किया गया। इसी प्रकार समस्त क्षेत्राधिकारी व प्रभारी निरीक्षक व थानाध्यक्ष द्वारा थाना समाधान दिवस पर आने वाले फरियादियों की शिकायतों को सुनकर उनके गुणवत्तापूर्ण व त्वरित निस्तारण कराया गया। समस्त थानों में प्राप्त कुल 117 प्रार्थना पत्रों में से 73 प्रार्थना पत्रों का निस्तारण कराया गया जिसमें मौके पर 48 प्रार्थना पत्रों का व 25 का सम्बन्धित घटनास्थल पर जाकर निस्तारण कराया गया। शेष राजस्व संबंधित मामलों में राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर निस्तारण हेतु मौके पर भेजा गया।

मसौली में लोकसभा चुनाव की आचार संहिता खत्म होने के बाद शनिवार को प्रभारी निरीक्षक अरुण प्रताप सिंह की अध्यक्षता मे आयोजित थाना समाधान दिवस मे दो शिकायते आयी जिनका मौके पर ही निस्तारण किया गया। बांसा निवासी उस्मान पुत्र मुईनुद्दीन ने प्रभारी निरीक्षक अरुण प्रताप सिंह के समक्ष फरियाद लगाई की पड़ोसी सलीम पुत्र साबित अली मुझे अपनी ही जगह मे टीनशेड़ नही रखने दे रहे हैं प्रभारी निरीक्षक ने दोनो पक्षों को मौके पर ही बुलवाकर समझौता कराते हुए मामले का निस्तारण किया गया।लेखपाल दिवाकर ने जल जीवन मिशन के लिए निर्मित पानी टंकी की भूमि के चिन्हाकन के लिए प्रार्थना पत्र दिया। राजस्व निरीक्षक स्वामी दीन सोनी के नेरत्व मे भूमि का चिन्हाकन किया गया। इस मौके पर वरिष्ठ उपनिरीक्षक शमशाद अली, विभूति द्विवेदी, रमेश्चंद्र, अनुप गुप्ता, आदि लोग मौजूद रहे।

एसडीएम के नेतृत्व में सम्पूर्ण समाधान दिवस

सिरौलीगौसपुर,बाराबंकी। सम्पूर्ण समाधान दिवस थाना बदोसरांय एसडीएम सिरौलीगौसपुर आनन्द तिवारी की अध्यक्षता एंव थानाध्यक्ष प्रफुल्ल कुमार के संयोजन में हुआ जिसमे कुल तीन प्रार्थना पत्र आये। दो मामलों का मौके पर निस्तारण किया गया है। शनिवार को थाना परिसर बदोसरांय मे एसडीएम सिरौलीगौसपुर आनन्द तिवारी ने फरियादियों की समस्याओं को मनोयोग पूर्वक सुना।

मूक-बधिर नाबालिक बालिका से दुष्कर्म, मुकदमा दर्ज

अवधनामा संवाददाता

महराजगंज। पनियरा थानाक्षेत्र के एक गांव निवासिनी एक 14 वर्षीय नाबालिग बालिका के साथ एक युवक द्वारा दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता की मां की नामजद तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार की शाम साढ़े सात बजे बालिका गांव के बाहर स्थित एक हैण्ड पम्प पानी लेने गई थी। वह वहां पानी भर रही थी कि गांव का ही एक युवक पहुंचा और बालिका को दबोज लिया। उसे टांग कर थोड़ी दूर गांव के पूरब ले गये। वहां उसके साथ दुष्कर्म किया और बालिका को वही छोड़कर भाग गया। काफी देर तक बालिका के घर नहीं लौटने पर परिजन खोजबीन करने लगे तो रात में नौ बजे बबलू के ईट भट्ठे के समीप रोती मिली। बालिका ने घटना के बारे में परिजन को इशारों से बताया। वाक्या सुनकर परिजन सकते में आ गये। आरोपी की फोटो परिजनों ने उसे दिखाई तो उसने पहचान लिया। बालिका के मां ने थाने पर नामजद तहरीर दी है। चर्चा है कि आरोपी कहीं फरार हो गया है। जिन्हें पुलिस तलाश कर रही है। इस बावत प्रभारी निरीक्षक निर्भय कुमार सिंह ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है।

पुलिस ने 100 ग्राम मार्फिन के साथ एक गिरफ्तार

अवधनामा संवाददाता

जैदपुर,बाराबंकी। मुखबिर की सूचना पर जैदपुर पुलिस ने एक अभियुक्त को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। जिसकी तलाशी लेने पर 100 ग्राम अवैध मार्फीन बरामद की गयी। आरोपी के विरुद्ध जैदपुर पुलिस द्वारा संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेजा गया। जानकारी के अनुसार एस एस आई सतीष कुमार सिंह पुलिस के जवानों के साथ जैदपुर सफदरगंज मार्ग के इधौलिया के आप पास गश्त करते समय मुखबिर की सटीक सूचना पर सफदरगंज की ओर से आ रहे मोटर साइकिल सवार रोकने की कोशिश करने पर भागने का प्रयास करने पर घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया गया। जिसकी तलाशी लेने पर 100 ग्राम अवैध मार्फीन नकद 460 रूपये सहित अपराध में प्रयोग होने वाली एक प्लटीना मोटर साइकिल यूपी 41 एन 0828 को भी सीज कर दिया गया है। गिरफ्तार युवक ताज मोहम्मद पुत्र इब्राहीम निवासी रजईपुर थाना सफदरगंज जनपद बाराबंकी के विरुद्ध जैदपुर पुलिस द्वारा संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

गांजे के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, स्विफ्ट डिजायर कार नगदी बरामद

अवधनामा संवाददाता

बाराबंकी। नशे कारोबारियों पर नकेल कसने को लेकर एसपी दिनेश कुमार सिंह ने पुलिस विभाग के समस्त थाने के थानेदारों को सख्त निर्देश दिये। इसी क्रम में कोतवाली रामनगर पुलिस ने दो तस्करों को 10 किलो अवैध गांजा समेत एक कार व नगद बरामद किया है। जानकारी के मुताबिक प्रभारी निरीक्षक रत्नेश कुमार पाण्डेय, उपनिरीक्षक संतोष कुमार त्रिपाठी हेडकांस्टेबल रामकुमार सिंह, अरूण कुमार ग्राम तपेसिपाह के पास से अभियान के दौरान जीतू कश्यप पुत्र गनेश कश्यप निवासी ग्राम जीतनगर सुगर मिल थाना कोतवाली नगर और संतोष कुमार पुत्र रामानन्द निवासी जमादार पुरवा मजरे पड़रावा थाना कोठी को कई किलो गांजा और एक कार (स्विफ्ट डिजायर) यूपी 32 एचई 4383 व दो मोबाइल स्मार्ट फोन 4365 रूपये नगद के साथ गिरफ्तार किया है। कोतवाली प्रभारी के मुताबिक ये लोग काफी दिनों से नशे का कारोबार में लिप्त है और पुलिस को इन लोगो की काफी दिनों से तलाश कर रही थी।

निशुल्क जल प्याऊ का शुभारंभ

अवधनामा संवाददाता

रुदौली अयोध्या। रुदौली तहसील परिसर व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रुदौली के सामने राही माइक्रो केयर फाउंडेशन रुदौली द्वारा निशुल्क जल प्याऊ का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर संस्था के डायरेक्टर एस के शर्मा व केशव राम ने बताया कि इस जेठ माह के भीषण गर्मी व उमस से राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। प्यास से परेशान राहगीरों ,मरीजों व तीमारदारों को ठंढा जल व मीठा मिलने से उन्हें काफी राहत मिलेगी। इस मौके पर सी एच सी अधीक्षक डॉ मदन बरनवाल,डॉ अंजू जायसवाल, अरुण कुमार यादव,सुरेश कुमार शुक्ला एडवोकेट, संतोष सिंह, बी के शर्मा सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

भीषण गर्मी में हलक तर करने के लिये पानी पाने में घोर दुश्वारियों का सामना

- भ्रष्ट अधिकारियों की कार्यशैली से लोग पानी पानी को तरस

अवधनामा संवाददाता

रामनगर,बाराबंकी। केन्द्र एंव प्रदेश सरकार लोगों को शुद्व पेयजल उपलब्ध करायें जाने को लेकर करोड़ों रुपये व्यय करती है। लेकिन जिम्मेदार अधिकारियो कर्मचारियों की भ्रष्ट कार्यशैली के चलते लोगों को भीषण गर्मी में भी हलक तर कर पाने में घोर दुश्वारियों का सामना है। यह हाल तब है जब इंडिया मार्का हैण्ड पम्प की मरम्मती करण और रिवोर के नाम पर सम्बंधित ग्राम प्रधान और सचिव लाखों रुपये समय समय पर निकाल कर इति श्री करते रहते हैं। यह प्रकरण विकास खंड रामनगर के अन्तर्गत गनेश पुर कस्बे का है। यहां पर यह हाल तब है जब तराई क्षेत्र के लिये गनेशपुर सबसे सुलभ बाजार भी है और साप्ताहिक बड़ी बाजार भी लगती है जहां दर्जनों गांवों के लोगों का आवागमन प्रत्येक दिन बना रहता है। उन्हें उमष भरी गर्मी में अपनी प्यास बुझाने के लिए इधर-उधर की भाग-दौड़ करनी पड़ रही है। अब गर्म ऋतु में भी इन हैंडपंपों को ठीक न कराये जाने से ग्रामीणों में संबंधित विभाग के प्रति रोष दिखाई पड़ रहा है। गांव में खराब पड़े हैंड पंपों की मरम्मत के लिए सरकार के द्वारा लाखों रुपए खर्च किए जा रहे हैं जिससे ग्रामीणों को प्याज बुझाने के लिए भटकना न पड़े। भीषण गर्मी के चलते लोग थोड़े थोड़े समय पर पानी से अपनी प्यास बुझाने का प्रयास करते रहते हैं। लेकिन गणेशपुर जैसे कस्बे में पेयजल संकट बना हुआ है। गांव के पूर्वी माता मंदिर के स्थान व कंपोजिट विद्यालय डायट परिसर में तथा शुक्ला मोहल्ला में ग्रामीणों की प्यास बुझाने के लगे हैंडपंप वर्षों से खराब पड़े हैं। ग्राम प्रधान व सम्बंधित विभागीय अधिकारी का गर्मी के ऋतु में भी इस ओर कोई ध्यान नही दे रहे है।ग्रामीण दुर्गेश मुन्ना मनोज आदि का कहना है कि हैण्ड पम्प सही करवायें जाने की शिकायत कई बार की जा चुकी लेकिन समस्या का समाधान आज तक नहीं हो पाया है। लोगों को हलक सींचने के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

बेटी ने किया नाम रोशन

अवधनामा संवाददाता

भेलसर-अयोध्या। रुदौली की छात्रा ने नीट परीक्षा में सर्वाधिक अंक लाकर नगर के साथ साथ ज़िले का नाम रौशन किया रुदौली नगर के प्रतिष्ठित डॉ अमीर अब्बास की होनहार बेटी सरह हसन फात्मा ने नीट की परीक्षा में कुल 720 अंको में 675 अंक प्राप्त कर के एम बी बी एस प्रवेश के लिए कामयाबी हासिल की।

आपको बताते चलें कि सरह हसन की बुआ डॉ सईद फात्मा ने 1972 में सीपीएमटी में सफलता प्राप्त कर रुदौली की पहली लेडी डॉ होने का गौरव प्राप्त किया था उन्हीं के दिशा निर्देशन में सरह ने कम्पटीशन की तैयारी की आज 52 साल बाद उनके परिवार में सरह हसन फात्मा ने सबका मान बढ़ाया सरह हसन की माता डॉक्टर ज़ेबा जबी रूदौली की मशहूर डॉक्टर हैं इस अवसर पर परिजनों तथा शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई।

शोहरतगढ़ विधायक ने बस्ती मंडलायुक्त को पत्र लिखकर लगाया आरोप

अवधनामा संवाददाता

बढ़नी सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा ने बस्ती मंडलायुक्त को पत्र लिखकर बढ़नी व शोहरतगढ़ नगर पंचायत का संयुक्त रुप से प्रभारी देख रहे ईओ पर विकास कार्यों में रुचि न लेने का आरोप लगाया है। उन्होंने मंडलायुक्त से दोनों नगर पंचायतों के विकास कार्यो से संबंधित सभी जानकारी एक सप्ताह में उपलब्ध करवाने का निर्देश ईओ को देने की मांग किया है।

शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा ने शनिवार को बस्ती मंडलायुक्त को पत्र लिखकर बताया कि शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र में दो नगर पंचायत शोहरतगढ़ एवं बढ़नी है। काफी समय से ईओ अजय कुमार को दोनों नगर पंचायतों का प्रभार दिया गया है लेकिन अजय कुमार द्वारा विकास कार्यों में रूचि न लेने के कारण काफी विलम्ब होता है। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा दोनो नगर पंचायतों में प्रस्तावित कार्यो को शासन स्तर से स्वीकृत कराया गया व धनराशि भी अवमुक्त करायी गयी। इस सम्बन्ध में उनके द्वारा ईओ से कई बार कार्यो को शुरू कराने का आग्रह भी किया गया है, परन्तु आज तक उन्हें उक्त कार्यो की वास्तविक स्थिति से अवगत नहीं कराया गया। उन्होंने मंडलायुक्त से मांग किया कि वह ईओ को निर्देशित करें कि उनके द्वारा प्रस्तावित प्रस्ताव पर शासन द्वारा किन-किन कार्यों में कितनी-कितनी धनराशि अवमुक्त की गयी है। उक्त धनराशि उन्हें कब प्राप्त हुई है एवं उसके सापेक्ष क्या कार्य कराया गया।इन सभी जानकारियों को एक सप्ताह में उन्हें उपलब्ध करवाया जाये।

प्रशासन ने तालाब की भूमि पर हुए अतिक्रमण को जेसीबी से हटाया

अवधनामा संवाददाता

- तालाब की हद जेसीबी से तैयार करा दी गयी है तालाब की जद मे आने वाले बक्से नहीं जायेंगे : त्रिपाठी
- सोमवार को प्रतापपुर के तालाब का चिंन्हकन किया जायेगा : तहसीलदार

बांसी सिद्धार्थनगर। तालाबों और सरकारी भूमि पर काबिज लोगों के खिलाफ प्रशासन सख्त हो गया है। प्रशासन ने पक्का व कच्चा निर्माण ध्वस्त कर वर्षों से काबिज तालाब की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया।

ताजा मामला बांसी नगरपालिका अंतर्गत आजाद नगर मुहल्ला पुर्वौला माफी के गाटा संख्या 168 पैमाइस होने के बाद शनिवार को उपजिलाधिकारी के आदेश के क्रम में तहसीलदार देवेन्द्र मणि त्रिपाठी व नायब तहसीलदार राघवेन्द्र पान्डेय व नगरपालिका प्रसाशन के नेतृत्व में दो जेसीबी लगाकर अतिक्रमण हटवाया गया।उसके उपरांत तालाब का अतिक्रमण हटाने के बाद तालाब के हद की मेडबंदी भी करवाया गया। जिससे तालाब के अतिक्रमणकारी अपने हद मे रहे। बताते चलें कि 2 जून से प्रताप नगर के इस ताल की पैमाइश की जा रही है इसके आधे हिस्से की पैमाईश शनिवार को पूरी हुई। उसमें अवैध कब्जा पाया गया उसे ध्वस्त किया गया।

सोमवार से तालाब के पश्चिमी हिस्से की पैमाइश की जाएगी। नायब तहसीलदार सदर राघवेंद्र पांडे ने बताया है कि पैमाइश के दौरान जहां भी अवैध कब्जा पाया जाएगा उसे हटा दिया जाएगा। तहसीलदार ने बताया कि हल्का लेखपाल सोनाली यादव की इस कार्रवाई मे मुख्य भूमिका रही। इस दौरान नायब तहसीलदार राघवेंद्र पान्डेय के साथ राजस्व निरीक्षक प्रमोद कुमार मिश्र, कस्बा लेखपाल ग्रीशचंद्र श्रीवास्तव, पुलिस विभाग से एसआई जियाऊल्लह, हेडकांस्टेबल योगेश सिंह मोके पर मौजूद रहे।

सरयू नदी में डूबे बच्चो का एसडीआरएफ टीम ने शव किया बरामद

अवधनामा संवाददाता

आलापुर (अंबेडकर नगर)। बच्चे को बचाने की जद्दोजहद में सरयू नदी में डूबी दोनों बहनों का शव तीसरे दिन एसडीआरएफ की टीम ने आज सुबह बरामद कर लिया जबकि बच्चे का शव कल देर शाम बरामद किया गया था। मालूम हो राजेसुल्तानपुर थाना क्षेत्र के चाण्डीपुर में स्थित सरयू नदी में बीती 6 तारीख को दोपहर में नदी में स्नान करते समय डूबने की हुई घटना में 13 वर्षीय धोनी निवासी चौतरा गोरखपुर, 18 वर्षीय रेशम तथा 20 वर्षीय शीलू निवासी नरवापीतांबरपुर शामिल थे। मृतक रेशम और शीलू दोनों सगी बहनें हैं दोनो मृतक धोनी की मौसी हैं। बताया जाता है कि अपनी माँ के साथ नरवा पीताम्बर पुर ननिहाल आया धोनी सभी के साथ गुरुवार को उक्त सरयू नदी में स्नान करने के लिए पहुँचा था।स्नान करने के दौरान पैर फिसलने के कारण धोनी नदी की गहराई में चले जाने से डूबने लगा इसे देखकर बचाव की जद्दोजहद में जुटी रेशम और शीलू खुद अपने को भी संभाल नहीं पाई और नदी में डूब गयी। धोनी की माँ के गुहार पर मौके पर पहुँचे लोगों ने बचाव के तमाम प्रयास करने के साथ मामले की सूचना पुलिस को दिया थोड़ी देर बाद ही थानाध्यक्ष विजय प्रताप तिवारी के अलावा उपजिलाधिकारी सदानंद सरोज क्षेत्राधिकार आलापुर राम बहादुर सिंह भी मौके पर पहुँच गए। नदी में डूबे तीनो को स्थानीय लोगों के साथ गोताखोरों की मदद लेकर देर शाम तक तलाश कराया गया लेकिन तीनों मे से एक का भी पता नहीं लग सका। दूसरे दिन एसडीआरएफ की तीन टीमों एवं गोताखोरों ने पूरा नदी में डूबे तीनों बच्चों के शव को ढूंढते रहे परन्तु देर शाम सिर्फ धोनी का शव बरामद किया गया। एसडीआरएफ की तीन टीमों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने आज तीसरे दिन भी नदी में डूबे बच्चो के शव को बरामद करने के लिए सुबह से नदी में उतर गए और कुछ घंटों में ही दोनों बहनों रेशम मिश्रा और शीलू मिश्रा का शव बरामद कर लिया साथ ही एक लड़की का शव और बरामद किया गया जो बीते 5 तारीख को कम्हारिया घाट पर रील बनाते हुए गहरे पानी में गिरकर डूब गई थी।

बीते लोकसभा चुनाव में भाजपा को भारी पड़ गया चार सौ पार का नारा

अवधनामा संवाददाता

अंबेडकरनगर। 2024 लोकसभा के चुनाव में एनडीए के द्वारा दिया गया 400 पार का नारा उस पर ही भारी पड़ गया। उद्देश्य विहीन इस नारे को धरातल पर लाने में जहां एनडीए गठबंधन के नेता व कार्यकर्ता असफल रहे। वही इसी नारे को आरक्षण एवं संविधान बचाओ का हथियार बनाकर इंडिया गठबंधन के नेताओं ने एनडीए के 400 पार उद्देश्य विहीन नारे को भुना लिया।

इस नारे का महिमा मंडन करते हुए इंडिया गठबंधन ने 2024 के लोकसभा चुनाव में न सिर्फ अच्छा प्रदर्शन किया बल्कि भारतीय जनता पार्टी को अकेले अपने दम पर सरकार बनाने से भी रोक दिया।पिछली बार अपने दम पर 303 सीट जीतने वाली भारतीय जनता पार्टी इस बार 272 के बहुमत के आंकड़े को नहीं छू पाई और 240 सीट पर ही सीमट कर रह गई। हालांकि भारतीय जनता पार्टी के घटक दलों को मिलाकर एनडीए 293 सीटे जीत चुकी है। लेकिन उसे 5 साल मजबूत सरकार चलाने के लिए अपने सहयोगी दलों पर निर्भर रहना पड़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एनडीए के नेताओं ने चुनावी मंचों से अबकी बार 400 पर का नारा तो दिया। लेकिन उसके पीछे उनका क्या उद्देश्य है,इसे जनता को नहीं समझ पाए। जबकि इंडिया गठबंधन के नेता एनडीए गठबंधन के 400 पार के नारे को लेकर आरक्षण एवं संविधान बचाओ का नारा दिया और इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ता भाजपा एवं उसके सहयोगी दलों के द्वारा दिये गये 400 पार के नारे को साकार करने में सफल रहे तो आरक्षण और संविधान बदल दिया जाएगा, साथ ही मोदी के रूप में एक तानाशाह शासक मिल जाएगा।इसके बाद हो सकता है देश में चुनाव ही ना हो, यह बात जनता तक पहुंचने में सफल रहे।

वहीं चुनाव के दौरान देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भाजपा के शीर्ष नेता मंचों से संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर को भारत रत्न देकर आरक्षण एवं संविधान का वास्तविक हितैषी होने की बात कहते हुए आरक्षण और संविधान में कोई भी फेरबदल न करने का वादा करते रहे । साथ ही इस नारे को देश के हित में लिए जाने वाले कठोर निर्णय के लिए केंद्र में एक सशक्त एवं मजबूत सरकार की स्थापना के लिए जरूरी बता रहे थे।

डीएम ने मृतक महिला किसान के परिजनों को तीन लाख की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई

अवधनामा संवाददाता

उरई (जालौन)। बीते माह फसल की मड़ाई करते समय एक महिला किसान थ्रेसर में फंस गई थी, जिसकी चपेट में आने से महिला किसान की मौत हो गई थी। महिला किसान की मौत का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों ने राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद को इसके बारे में जानकारी दी थी, जिसके बाद माननीय मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना सहायता योजना के अंतर्गत जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने मृतक महिला किसान के परिजनों को 3 लाख रुपए की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई है। जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी शिवाकांत द्विवेदी, कृषि उत्पादन मंडी समिति के सचिव तथा सिटी मजिस्ट्रेट के साथ मिलकर अपने कार्यालय में रूरा अड्डू की रहने वाली मृतक महिला किसान राजेंद्र कुमारी के पुत्र देवेंद्र सिंह को 3 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी है, जिसमें डेढ़ लाख रुपए की चेक तथा डेढ़ लाख रुपए की 3 वर्षीय एफडीआर के रूप में दिया है। देवेंद्र सिंह द्वारा इस हेत मुख्यमंत्री महोदय का आभार व्यक्त किया है। बता दें कि बीते माह 9 मई को जालौन के रूरा अड्डू की रहने वाली राजेंद्र कुमारी अपने खेत पर फसल की गुड़ाई कर रही थी, गुड़ाई करते समय महिला किसान थ्रेसर में फस गई थी, जिस कारण उसकी मृत्यु हो गई थी, इसका संज्ञान मंडी निदेशक राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद ने लिया, जिसमें कृषि कार्य करते समय दुर्घटना में मृत्यु होने पर मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता दिए जाने का प्रावधान है, इसी के तहत यह आर्थिक सहायता मृतक महिला किसान के पुत्र को उपलब्ध कराई गई है। ज़िलाधिकारी ने समस्त लंबित प्रकरणों को शीघ्रातिशीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिये है।

थाना समाधान दिवस पर विभिन्न मामलो का निस्तारण

अम्बेडकरनगर अवधनामा संवाददाता। जनसमस्याओं के निराकरण के संबंध में निर्गत शासनादेश के क्रम में कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन कराते हुए थाना समाधान दिवस का आयोजन सभी थानों में किया गया। थाना/कोतवाली अकबरपुर में थाना समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी अविनाश सिंह तथा पुलिस अधीक्षक अजीत कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में किया गया। थाना समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक के समक्ष कुल 05 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। जिसमें से 03 शिकायती प्रार्थना पत्रों का मौके पर निस्तारण करा दिया गया तथा शेष 02 शिकायती प्रार्थना पत्रों को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु संबंधित विभाग के अधिकारियों को प्राप्त कराते हुए निर्देश दिया गया, कि शिकायती प्रार्थना पत्रों को गंभीरता से लेते हुए समय से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। इस दौरान मौके पर क्षेत्राधिकारी अकबरपुर, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अकबरपुर, कानूनगो /लेखपाल तथा थाना के अन्य लोग उपस्थित रहे।

नपं चेयरमैन ने डीएम को पत्र देकर की विद्युत विभाग की शिकायत

बढ़नी सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। नगर पंचायत बढ़नी के चेयरमैन सुनील अग्रहरि ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर नगर में विद्युत विभाग द्वारा की जा रही घोर लापरवाही और अनदेखी की शिकायत की गई है। जिलाधिकारी पवन अग्रवाल को भेजे शिकायती पत्र में चेयरमैन सुनील अग्रहरि ने लिखा है कि बढ़नी कस्बे से विद्युत विभाग को प्रत्येक महीने करीब 35 लाख का राजस्व प्राप्त होता है, इसके बाद भी जर्जर विद्युत तारो को नहीं बदला जा रहा है तथा खराब हो चुके ट्रांसफार्मरों को बदलने में भी हीलाहवाली किया जा रहा है। चेयरमैन ने बताया कि कई बार एक्सईएन, एसडीओ तथा अन्य अधिकारियों से इसकी शिकायत की गई किंतु इस समस्या पर किसी अधिकारी द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाते हुए लिखा है कि विभागीय अधिकारियों की लापरवाही से केंद्र सरकार की आईडीएसएस योजना में मघवानगर फीडर को शामिल नहीं किया गया है। उन्होंने इसकी जॉच कर दोषियों पर कार्यवाही करने की मांग की है।

समाधान दिवस में आये छह मामले में एक का समाधान

बांसी सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। पुलिस और भूमि से जुड़े विवादों के समाधान के लिए शनिवार को बांसी कोतवाली में समाधान दिवस का आयोजन हुआ। इसमें पुलिस और तहसील प्रशासन के अफसरों ने फरियादियों की समस्या सुनी।समाधान दिवस में कुल 6 शिकायतें पहुंची, जिसमें 01 का मौके पर ही समाधान किया गया। इस दौरान बांसी कोतवाली में तहसीलदार देवेन्द्र मणि त्रिपाठी और कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक विंदेश्वरी मणि त्रिपाठी की मौजूदगी में फरियादियों ने अपनी पीड़ा बताई। जमीन विवाद से जुड़े मामलों के समाधान के लिए तहसीलदार ने मौके पर राजस्व व पुलिस टीम के साथ निस्तारण का निर्देश दिया गया। इस दौरान राजस्व निरीक्षक प्रमोद कुमार मिश्र, प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, प्रभुदयाल, शिवपूजन यादव, कन्हैया सिंह, मोहम्मद फारुख, कमलेश बहादुर लेखपाल ग्रीश श्रीवास्तव, सियाराम चौधरी, सोमेंद्र कौशिक, दिव्या शर्मा, पिंकी खातून, सुधा राजपूत सहित शिकायत कर्ता मौजूद रहे।

टंकी पर ड्यूटी कर है चौकीदार की संदिग्ध मौत पुलिस जांच में जुटी

फर्रुखाबाद। चौकीदार की हत्या से क्षेत्र में सनसनी फ़ैल गई है। मौके पर पहुचे पुलिस अधीक्षक ने जल्द ही घटना का खुलासा करने की बात कही है। मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र के गांव पट्टी खुर्द में जनपद हरदोई के थाना पचदेवरा क्षेत्र का निवासी वेदराम उम्र लगभग 62 वर्ष, करीब 20 वर्ष से फर्रुखाबाद में रह रहा था। वेदराम जल निगम की निर्माणाधीन पानी की टँकी में चौकीदार का काम करता था। चौकीदार वेदराम का शव निर्माणाधीन पानी टँकी के पास मिलने पर गांव में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना पर पुलिस अधीक्षक विकास कुमार, सीओ मोहम्मदाबाद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुच कर जाँच पड़ताल की है। पुलिस अधीक्षक विकास ने बताया कि मृतक की शादी नहीं हुई थी मृतक के सिर में चोट के निशान हैं। मृतक चौकीदार के शव के आस पास कुछ शराब की बोतल पड़े मिले हैं। घटना की सही जानकारी के लिए पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। घटना करने वाले की पुलिस जाँच पड़ताल कर रही हैं, पुलिस को कुछ सबूत मिले हैं, जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ में सहारनपुर के युवकों के साथ मॉब लिंचिंग की घटना संगीन और शर्मनाक अपराधः हाजी फज़लुर्रहमान

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर (अहमद रज़ा)। सहारनपुर के पूर्व सांसद हाजी फज़लुर्रहमान ने छत्तीसगढ़ के रायपुर मैं तीन मुस्लिम युवकों पर हमले की कड़ी निन्दा करते हुए मोब लीचिंग के ज़ालिम दोषियों पर कड़ी कार्यवाही हेतु प्रधानमंत्री, गृह मंत्री व मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है इस दर्दनाक घटना पर अपने गहरे दुख का इज़हार करते हुए सहारनपुर लोकसभा से निवर्तमान सांसद हाजी फज़लुर्रहमान ने छत्तीसगढ़ राज्य में सहारनपुर व शामली जनपद के मुस्लिम युवकों के साथ हुई मॉब लिंचिंग की घटना को एक जघन्य कृत्य करार दिया घटना की कडे शब्दों में निंदा करते हुए राज्य सरकार से दोषियों पर कड़ी कार्यवाही करने की मांग की। पूर्व सांसद हाजी फज़लुर्रहमान ने इस सम्बंध में प्रधानमंत्री, गृह मंत्री व छत्तीसगढ़ राज्य के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मामले में हस्ताक्षेप करने और पीड़ित को मुआवज़ा दिये जाने का अनुरोध किया है। पूर्व सांसद हाजी फज़लुर्रहमान ने पत्र में लिखा कि छत्तीसगढ़ के महासमुन्द-रायपुर सीमा पर महानदी पुल के नीचे, मवेशी तस्करी के सन्देह पर 15 से अधिक लोगो ने महासमुन्द के बरोंडा के मवेशी बाज़ार से खरीद कर ओड़िसा ले जा रहे ट्रक की घेराबंदी कर, उप्र के जनपद सहारनपुर के थाना गंगोह के ग्राम लखनौती के ट्रक ड्राईवर चाँदमियाँ व सद्दाम खान तथा जनपद शामली के बनत निवासी तहसीम उर्फ़ गुड्डू खान के साथ गुरूवार की देर रात करीब 03 बजे मार-पीट की गई और तीनो युवक महानदी पुल के नीचे मिले। जिनमे जनपद सहारनपुर निवासी चांदमियां का मृत पाना तथा जनपद शामली के दूसरे युवक तहसीन उर्फ़ गुड्डू खान की इलाज के दौरान मौत हो जाना तथा तीसरे युवक सद्दाम खान का गम्भीर रूप से घायल होना व अस्पताल में उपचाराधीन होना बताया है। सम्बंधित पुलिस द्वारा संदेहियो को हिरासत में लेकर पूछताछ करना व आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगालना एवं एएसपी ग्रामीण रायपुर, श्री कीर्तन राठौर, द्वारा घायल युवक के अस्पताल में भर्ती होने व बयान न दे पाने की स्थिति में होना कथित करते हुए, जांच करना कहा है। पूर्व सांसद हाजी फज़लुर्रहमान ने कहा कि मॉब लिंचिंग को रोकने हेतु, वर्ष 2017 में मा0 सर्वोच्च न्यायालय द्वारा तहसीन पूनावाला बनाम भारत सरकार में संबंधितो को उचित दिशा निर्देश जारी किये है।

आग लगने से जानवरो सहित घरेलू सामान जलकर राख

अमृतपुर फर्रुखाबाद अवधनामा संवाददाता। तहसील क्षेत्र के गांव ताजपुर में अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई । आग की लपटें काफी ऊंची उठ रही थी। दोपहर बाद लगी इस आग ने जानवरों सहित घरेलू सामान को छति पहुंचाई। जिससे कई घरों को भारी नुकसान हो गया। इसी गांव के रहने वाले मुन्नालाल, छेदा लाल ,धीर सिंह के मकान में आग लगने के कारण भैंस सहित दो बाइक जल गई एवं घरेलू सामान जलकर राख हो गया। पास में ही रखा परचून का खोखा आग की चपेट में आने से जल गया। आग बुझाते समय मुन्नी देवी पत्नी मुन्नालाल भी गंभीर रूप से झुलस गई। एम्बुलेंस की मदद से सीएससी केंद्र राजेपुर भेजा। मुन्ना लाल ने बताया कि शुक्रवार को गेंहू बेच कर 28 हजार रुपए खोखे में रखे थे। वह भी जल कर राख हो गए। जानकारी मिलने पर थाना अध्यक्ष एवं क्षेत्राधिकार उप जिलाधिकारी रविंद्र कुमार नायब तहसीलदार अतुल कुमार क्षेत्रीय लेखपाल ग्राम प्रधान पंचम सिंह कोटेदार रोहित मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत और फायर ब्रिगेड की सहायता से आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक ग्रामीणों का नुकसान हो चुका था। एसडीएम ने बताया कि नुकसान की भरपाई का आकलन लेखपाल द्वारा किया जाएगा। रिपोर्ट मिलने के बाद क्षतिपूर्ति के लिए नियमानुसार कार्रवाई करते हुए पीड़ितों को मुआवजा दिया जाएगा।

फ़र्ज़ी दस्तावेज तैयार कर ट्रक हड़पने वाले के विरुद्ध पुलिस ने भेजा जेल

अवधनामा संवाददाता

जलालपुर अम्बेडकरनगर। न्यायालय के आदेश पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर षड्यंत्र के तहत ट्रक हड़पने के प्रकरण में मालीपुर पुलिस ने पिता पुत्र के विरुद्ध धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया है। मालीपुर थाना क्षेत्र के भदोई गांव निवासी विनोद कुमार गौड़ ने शिकायत किया है कि उसने अपनी ट्रक गांव के ही सियाराम उर्फ जियालाल को चलाने के लिए बतौर ड्राइवर दिया था। इसी बीच विपक्षी सियाराम ने अपने पुत्र रवींद्र कुमार यादव के साथ मिलकर षड्यंत्र के तहत बेईमानी करने व ट्रक हड़पने की नीयत से फर्जी दस्तावेज तैयार कर लिया । और ट्रक मेरे चचेरे भाई विनोद कुमार को एग्रीमेंट कर के गाड़ी का नंबर बदलकर चलाने को दे दिया। जिस से वह गैर कानूनी कार्य करता है। वर्तमान में भी ट्रक गोकशी में जनपद गोरखपुर में थाने में निरुद्ध है। जब विपक्षीगण से गाड़ी के स्थित के बारे में पूछा गया तो वह यह कहकर टाल देता गाड़ी बाहर बालू लेकर गई है। पीड़ित ने बताया कि ट्रक की मूल आरसी परमिट भी ले लिया है और नहीं दे रहा है। मांगने पर आमादा फौजदारी होकर गालियां देता है। जिसकी शिकायत मालीपुर पुलिस से की गई मगर कोई सुनवाई नहीं हुई। पीड़ित विवश होकर न्यायालय की शरण में गया जहां न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने आरोपी पिता पुत्र सियाराम व रवींद्र कुमार यादव के विरुद्ध धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। एसओ मालीपुर शिवांगी त्रिपाठी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गयी है।

पिता पुत्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

फर्रुखाबाद। संदिग्ध परिस्थितियों में पिता पुत्र की मौत स परिवार में कोहराम मच गया है। घर के पास खेत में पड़ा मिला पिता का शव तथा पुत्र का घर की छत के ऊपर लाश पड़ी मिली है। मृतक रामनिवास व उसके पुत्र के बीच आए दिन झगड़ा होता था द्य पुत्र शराब पीने का आदी था। सूचना पर एसपी विकास कुमार व एएसपी डॉक्टर संजय सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की। एसपी विकास कुमार ने बताया ग्राम सरैया में पिता पुत्र के शव पड़े हुए मिले हैं। पिता रामनिवास का सब घर के पास ही खेतों में पड़ा हुआ था, तो पुत्र का शव छत पर पड़ा था। पुत्र के शव पर चोट के निशान मिले हैं, जिसमें धारदार हत्या या किसी नूकीली वस्तु से बार किया गया और गला दबाने के भी निशान मिले हैं जबकि मृतक पिता के शरीर पर किसी भी तरह का कोई निशान नहीं मिला है। आशंका जताई जा रही है कि पिता ने पुत्र की हत्या कर दी और शॉक से पिता की मौत हो गई है। परिजनों ने बताया कि पिता पुत्र के बीच नहीं बनती थी।

समाधान दिवस का आयोजन

- पांच फरियादी ही पहुंचे
- राजस्व निरीक्षक, लेखपाल व पुलिस उपस्थित रहे
- चुनाव आचार संहिता के समाप्त हो जाने के बाद समाधान दिवस का आयोजन किया गया

अवधनामा संवाददाता

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 की आदर्श आचार संहिता समाप्त होने के बाद शनिवार को थाना संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन उपजिलाधिकारी (न्यायिक) कल्याण सिंह मौर्या की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें राजस्व निरीक्षक, लेखपाल व पुलिस उपस्थित रहे। थाना समाधान दिवस में आए फरियादियों की शिकायतों को उपजिलाधिकारी ने सुनकर उनका त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित को निर्देशित किया। शासन के मंशा के अनुरूप द्वितीय शविवार को थाना समाधान दिवस का आयोजन डुमरियागंज थाना परिसर में हुआ। इस दौरान कुल 5 शिकायत प्रार्थना पत्र मिले जिनका निस्तारण हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। उपजिलाधिकारी (न्यायिक) कल्याण सिंह मौर्या ने बताया कि सामान्य निर्वाचन लोकसभा 2024 सम्पन्न कराने हेतु चुनाव आचार संहिता के अनुपालन में समाधान दिवस व तहसील दिवस का आयोजन नही किया जा रहा था। चुनाव आचार संहिता के समाप्त हो जाने के बाद समाधान दिवस का आयोजन किया गया है। उपजिलाधिकारी ने थाने में प्राप्त हुई शिकायत पंजिका का भी निरीक्षण किया। उपजिलाधिकारी ने राजस्व व पुलिस को स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराया जाए एवं शिकायतों के निस्तारण से शिकायतकर्ता को भी अवगत कराया जाए। इंचार्ज प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार मिश्रा ने अधीनस्थों को तय समय-सीमा में शिकायत के निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान लेखपाल संघ अध्यक्ष रमेशचंद्र श्रीवास्तव, आनन्द गौतम, अवनीश कुमार, देवेंद्र राठौर, विवेक, राज प्रताप, राहुल वर्मा, पवन यादव, मधु श्रीवास्तव आदि सहित तमाम राजस्वकर्मी उपस्थित रहे।

ग्राम प्रधान प्रतिनिधि को पीटने का मुकदमा पंजीकृत

बांसी सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। पूर्व विधायक व सपा जिला अध्यक्ष लालजी यादव सहित चार लोगों पर कोतवाली पुलिस ने ग्राम प्रधान प्रतिनिधि को मारने पीटने, गाली गलौज देने व सोने की चैन छिनने का मुकदमा पंजीकृत किया है। कटहा निवासी पिपरहिया ग्राम् पंचायत प्रधान प्रतिनिधि गौरी शंकर पुत्र रामजीत ने कोतवाली बांसी में शुक्रवार की रात तहरीर देकर आरोप लगाया है कि वह शुक्रवार की शाम अपने कुछ काम से ब्लाक कार्यालय गया था जहां पूर्व विधायक लालजी यादव, हर्रैया नानकार के ग्राम्रा प्रधान राजेश पासवान, गौरव पुत्र जवाहिर व अशोक पुत्र अज्ञात ने गोलबंद होकर उसे गाली गलौज दिया और मारा पीटा है तथा उसका सोने का चैन छिन लिया है। कोतवाल बांसी बिन्देश्वरी मणि त्रिपाठी का कहना है कि तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर मामलें की जांच किया जा रहा है। पूर्व विधायक लालजी यादव ने पूछे जाने पर बताया कि मामला निराधार है। यह मुकदमा राजनीति से प्रेरित है।

फरियादियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना

उरई (जालौन) अवधनामा संवाददाता। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने उत्तर प्रदेश सरकार की मंशानुरूप थाना समाधान दिवस उरई कोतवाली में आये हुए फरियादियों की समस्याओं को गम्भीरतापूर्वक सुना । प्राप्त शिकायतों को समयावधि के अन्दर निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारीयों को निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतकर्ताओं द्वारा दी गई शिकायत प्रार्थना पत्र को गुणदोष के आधार पर निस्तारित किया जाये जिससे फरियादियो को किसी भी प्रकार कोई परेशानी न हो। उन्होने कहा कि शिकायतों के निस्तारण हेतु शिकायतकर्ता से फीडबैक भी लिया जाएगा, यदि निस्तारण में लापरवाही मिली तो निश्चित ही निस्तारण करने वाले अधिकारियों पर कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

भाजपा से क्यों रूठे राम?

अयोध्या के राम मंदिर ने भाजपा की चुनावी मदद क्यों नहीं की? राम मंदिर आम चुनाव, 2024 का प्रमुख मुद्दा क्यों नहीं बन पाया? क्या प्रभु राम भाजपा से रूठ गए हैं? श्रीराम की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा का समारोह 22 जनवरी, 2024 को इस मकसद से तय किया गया था कि राम मंदिर चुनावों तक एक प्रमुख मुद्दा बना रहेगा और उसके मद्देनजर ध्रुवीकरण होगा। भाजपा को चुनावी लाभ होगा। राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा का आयोजन सतही तौर पर किसी ने भी किया हो, लेकिन उसके सूत्रधार, प्रथम यजमान प्रधानमंत्री मोदी ही थे। फोकस उन्हीं पर था। एक रामभक्त की तरह, पैदल चलते हुए और आरती की थाली लेकर, प्रधानमंत्री ही राम-प्रतिमा तक गए थे। पूजा-पाठ की तमाम विधियां निभाई थीं। उस आयोजन के बाद बूथ स्तर के काडर को निर्देश दिए गए थे कि भक्तों को अयोध्या तक लाया जाए, ताकि वे सहजता से प्रभु राम के दर्शन कर सकें। अयोध्या के पुनरोत्थान, विकास और विस्तार पर भाजपा की डबल इंजन सरकारों ने 70,000 करोड़ रुपए से अधिक खर्च कर दिया था। अयोध्या का चेहरा ही बदल दिया, लेकिन अयोध्या के मतदाताओं ने भाजपा उम्मीदवार लल्लू सिंह को ही 54,000 से अधिक मतों से हरा दिया। लल्लू सिंह को 2014 और 2019 में लगातार दो बार अयोध्या (फैजाबाद) का सांसद चुना गया था। यही नहीं, 26 केंद्रीय मंत्री भी चुनाव हार गए। उनमें स्मृति ईरानी, महेंद्र पांडेय, कौशल किशोर, साध्वी निरंजन ज्योति, अजय मिश्रा, भानुप्रताप वर्मा आदि केंद्रीय मंत्री उप्र से ही सांसद चुनकर आए थे। इस बार अयोध्या के इर्द-गिर्द 4-5 अन्य संसदीय क्षेत्रों में भी भाजपा को पराजित किया गया। भाजपा का वोट प्रतिशत 50 फीसदी से घटकर 41 फीसदी हो गया और वह 29 सीट नीचे फिसल गई, जबकि सपा का वोट प्रतिशत 18.11 फीसदी से उछल कर 33.5 फीसदी हो गया। सपा की इस चुनाव में ही 32 सीटें बढ़ गईं। कांग्रेस के हिस्से भी 6 सांसद आ गए, जिसके मात्र 2 विधायक हैं।

प्रभु राम भाजपा से एकदम क्यों रूठ गए? विशेषज्ञ मान रहे थे कि भाजपा 80 में से 70 से अधिक सीटें तो जीत सकती है। उप्र के कारण ही भाजपा लोकसभा में स्पष्ट बहुमत हासिल करने में नाकाम रही। सवाल है कि क्या संविधान बदलने, लोकतंत्र खत्म करने, आरक्षण की व्यवस्था समाप्त करने सरीखे भ्रामक मुद्दे इतने प्रभावशाली साबित हुए कि रामभक्तों ने भी भाजपा को खारिज कर दिया और उस पार्टी को वोट दिए, जिसके मुख्यमंत्री ने रामभक्तों, कारसेवकों पर गोलियों की बौछार करवा उनकी हत्याएं कराई थीं। अयोध्या (फैजाबाद) के पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने भी बयान दिया था कि भाजपा को 400 सीटें इसलिए चाहिए, ताकि संविधान में अपेक्षित बदलाव किए जा सकें। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' ने इसकी गलत व्याख्या की कि भाजपा संविधान को ही बदलना चाहती है। संविधान बदल जाएगा, तो आरक्षण की व्यवस्था भी समाप्त हो जाएगी। इसका जबरदस्त असर दलितों, आदिवासियों, ओबीसी पर पड़ा और उन्होंने रामभक्त होते हुए भी भाजपा के खिलाफ लामबंद होकर मतदान किया। मतों का ध्रुवीकरण ऐसा हुआ कि प्रधानमंत्री मोदी वाराणसी सीट से 1.52 लाख से कुछ ज्यादा मतों से ही जीते।

2019 में वह चार लाख से अधिक मतों से जीते थे। प्रधानमंत्री मोदी पूरे चुनाव के दौरान जनता को आश्वस्त करते रहे कि अब बाबा अंबेडकर भी संविधान को बदल नहीं सकते। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और आगे भी रहेगा, लेकिन आरक्षित जमात में विपक्ष के आरोपों का खूब असर हुआ। अयोध्या के कुछ स्थानीय मुद्दे भी रहे होंगे, अधिग्रहण की गई जमीनों के पर्याप्त मुआवजे नहीं दिए गए होंगे, नतीजतन प्रतिक्रिया भाजपा के खिलाफ गई और चुनाव-परिणाम सामने हैं। फिर भी अकेली भाजपा ने लोकसभा की 240 सीटें जीती हैं, जो अभूतपूर्व जनादेश है। 1985 में देश ने 404 सीटों का जो जनादेश कांग्रेस के पक्ष में दिया था, उसके बाद 232 से अधिक कोई भी पार्टी जीत नहीं पाई है। अयोध्या भाजपा के लिए सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक भूमि है, बेशक पार्टी इसे 'आस्था' मानती रहे। अयोध्या पर भाजपा चिंतन जरूर करेगी।

जॉर्ज, मोदी, राजग की जीत और मैं!

के. विक्रम राव

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के संस्थापक और प्रथम संयोजक जॉर्ज फर्नांडिस को उनकी इक्यानवीं जयंती (3 जून 2024) पर आज राजग नेता नरेंद्र दामोदरदास मोदी ने श्रेष्ठतम उपहार भेंट किया है। राजग की उच्चतम संख्या में लोकसभाई सांसदों की जीत का संकेत दे कर। कारगिल सीमा पर से इस्लामी घुसपैठियों को खदेड़ने वाले रक्षा मंत्री की याद फिर गत माह आई थी। तब पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने स्वीकारा था कि सेनापति जनरल परवेज मुशर्रफ की जानी-समझी साजिश थी कि लाहौर की संधि को भंग कर दिया जाए। अटल बिहारी वाजपेई और नवाज़ शरीफ़ ने इस पर हस्ताक्षर (21 फरवरी 1999) किए थे। दोनों देश की संसदों ने इसका अनुमोदन भी किया था।

जब गुजरात के दंगों (28 फरवरी 2002) की शुरुआत गोधरा से हुई थी। तब मोदी का बचाव लोकसभा में मुस्तैदी से जॉर्ज फर्नांडिस ने किया था। हालांकि प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने मोदी को राजधर्म की सीख दी थी। मुख्य मंत्री को हटाने की मांग भी उन्होंने की थी। लालकृष्ण आडवाणी के कारण मोदी बच गए। जॉर्ज ने संसद में मोदी का पक्ष लिया। मोदी को यह याद रहा।

लोकनायक जयप्रकाश नारायण के 110वीं जयंती पर (11 अक्टूबर 2014) को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में मोदी ने जॉर्ज को स्नेहिल तरीके से याद किया था मोदी ने। पद्म विभूषण का प्रस्ताव आया था। लोकतंत्र प्रहरी के रूप में तभी मुझे भी सम्मानित किया था। मेरे लिए मोदी के शब्द थे मैं विक्रम को कई वर्षों से जानता हूं। आपातकाल में विक्रम पर बहुत जुल्म हुआ। बहुत अत्याचार हुआ। सिर्फ इसलिए की विक्रम एक पत्रकार था। एक लेबर लीडर था। (आकाशवाणी के दस्तावेजों से)

इस जलसे की अध्यक्षता काबीना मंत्री एम. वेंकय्या नायडू कर रहे थे। वहां मेरे साथ लोकतंत्र प्रहरी के रूप में कल्याण सिंह भी मंचासीन थे। नरेंद्रभाई मोदी मेरे संकटत्रस्त तथा दुखद काल के सुहृद रहे। इसीलिए ज्यादा भले लगते हैं। वर्ना इस वक्त तो प्रधानमंत्री के करोड़ों मित्र और समर्थक होंगे। बात मई 1976 की है। मोदीजी तब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कर्मठ कार्यकर्ता थे, तरुणाई में थे, आयु 26 वर्ष रही होगी। मोदीजी ने श्रोताओं को गांधीनगर के अमीन स्कूल सभागार में 2 जनवरी 2002 के दिन गुजरात जर्नलिस्ट यूनियन के सम्मेलन में अध्यक्षता कर रहे मेरे बारे में कहा था कि जब बडौदा सेंट्रल जेल में विक्रम राव तन्हा कोठरी में नजरबंद था तो उन्होंने जेलर से अखबार देने की विनती की थी।

पत्रकार को समाचारपत्र न मिले जैसे जल बिन मछली ! फिर चंद दिनों बाद मुझे अखबार मिलने लगे। जेलर ने बाद में बताया कि एक स्वयंसेवक दे जाता था। वे मुझे समाचारपत्र भिजवा दिया करते थे। देने वाले युवा का नाम था नरेंद्र मोदी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक तकदीस फ़ातिमा रिज़्वी ने ग्रुप-5 प्रकाशन, 55-बी, वज़ीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित कराकर प्रथम तल, मस्जिद नूर महल, साकेत पल्ली, नरही, लखनऊ से प्रकाशित किया।

किसी भी लेख में कोई विवाद के लिए 'अवधनामा' जिम्मेदार नहीं होगा, इसकी जिम्मेदारी लेखक की है। किसी भी समाचार के विवाद के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही होगा।

पोलिटिकल एडीटर : एम.एम. मोहसिन

स्थानीय संपादक

मोहम्मद आलम रिज़्वी

RNI No UPHIN/2010/31173

टेली फैक्स नं. : 2288091, 4065716

avadhnamahindi@gmail.com,

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस चुनाव को अपने जेल के अंदर रहने या बाहर रहने का अधिकार मतदाताओं को सौंपा था, जिसका नतीजा यह रहा कि उनके शासित वाले दिल्ली में 'आप' का खाता तक नहीं खुला, तो वहीं उनकी पार्टी पंजाब में विधानसभा चुनाव-2022 का चमत्कार दोहराने में विफल हो गई और 13 में से केवल 3 सीटें ही जीत पाई। शरद पवार का राजनीतिक वारिस कौन और असली शिवसेना किसकी ? क्या माया और ममता अब भी ताकतवर हैं ? यह चुनाव ऐसे ही कई सवालों के साथ शुरू हुआ था।

अब भी मोदी सबसे बड़े एवं वर्चस्वी नेता हैं

ललित गर्ग

अठाहरवीं लोकसभा चुनाव के नतीजे भले ही अपने अंदर कई संदेशों को समेटे हुए हैं, भले ही भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला हो, भले ही इंडिया गठबंधन एक चुनौती के रूप में खड़ा हुआ हो, फिर भी तीसरी बार नरेन्द्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री बनते हुए नये भारत एवं सशक्त भारत को निर्मित करने के लिये वे पहले दो कार्यकाल से अधिक शक्ति, संकल्प एवं जिजीविषा के साथ आगे बढ़ रहे हैं। सीटों के लिहाज से भाजपा को भले ही नुकसान हुआ, लेकिन लगातार तीसरी बार वह सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। ओडिशा और तेलंगाना में पार्टी ने अपने शानदार प्रदर्शन से सबको चौंकाया है। ओडिशा में लोकसभा ही नहीं, विधानसभा में भी पार्टी ने बीजू जनता दल का 24 साल से चला आ रहा वर्चस्व तोड़ा। अरुणाचल प्रदेश की 60 सदस्यीय विधानसभा चुनाव में 54 प्रतिशत मत और 46 सीटों के प्रचंड बहुमत के बल पर भाजपा सरकार बनाने में सफल हुई है। वहीं, गुजरात, छतीसगढ़ और मध्य प्रदेश भाजपा के गढ़ बने हुए हैं, जबकि देश की राजनीति में अब भी मोदी सबसे बड़े एवं वर्चस्वी नेता है। वे अब भी अपने चौंकाने वाले एवं आश्चर्य में डालने वाले विलक्षण एवं अनूठे फैसलों से राष्ट्र को विकास की नई उड़ान देते रहेंगे। भाजपा को कम सीटें मिले कारणों की समीक्षा एवं मंथन करते हुए अपनी हार के कारणों को सहजता एवं उदारता से स्वीकारना चाहिए एवं जिन गलतियों के कारण कम सीटें मिली, उन्हें दूर करना चाहिए।

इस बार के चुनाव को नियोजित एवं प्रभावी तरीके से सम्पन्न करने में चुनाव आयोग की भूमिका सराहनीय रही। भले ही इडिया गठबंधन ने ई.वी.एम. और चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्नचिन्ह लगाकर देश एवं लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को कलंकित किया था। लेकिन चुनाव परिणाम ने न केवल इस प्रकार के भ्रामक, गुमराह करने वाली बातों एवं मिथकों को तोड़ दिया, बल्कि इसने भारत के जीवंत, बहुलतावादी, पंथनिरपेक्षी और स्वस्थ लोकतांत्रिक छवि को पुनर्स्थापित किया है। प्रधानमंत्री मोदी का अंधविरोध करने वाला वाम-जिहादी-सम्प्रदायवादी राजनीतिक समूह अपने इस वाहियात प्रलाप एवं राष्ट्र-विरोधी षड़यंत्र में कोई कमी नहीं छोड़ी। बावजूद इसके इंडिया गठबंधन के घटक दलों के लिये चुनाव परिणाम अनेक अर्थों में संतोषजनक रहे हैं। कांग्रेस के लिये यह चुनाव नये जीवन का वाहक बना हैं। वैसे भी एक आदर्श लोकतंत्र के लिये सशक्त विपक्ष का होना जरूरी है, यही लोकतंत्र को खूबसूरती देता है। भारतीय मतदाताओं ने इंडिया गठबंधन को विपक्षी भूमिका प्रभावी ढंग से निभाने का संदेश दिया है। इस बार के चुनाव परिणाम अनेक राजनीतिक दलों के सामने भी अनेक प्रश्न खड़े किये हैं। कौन जेल में रहेगा, इसका फैसला अदालतें करती हैं। परंतु दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस चुनाव को अपने जेल

के अंदर रहने या बाहर रहने का अधिकार मतदाताओं को सौंपा था, जिसका नतीजा यह रहा कि उनके शासित वाले दिल्ली में 'आप' का खाता तक नहीं खुला, तो वहीं उनकी पार्टी पंजाब में विधानसभा चुनाव-2022 का चमत्कार दोहराने में विफल हो गई और 13 में से केवल 3 सीटें ही जीत पाई। शरद पवार का राजनीतिक वारिस कौन और असली शिवसेना किसकी? क्या माया और ममता अब भी ताकतवर हैं? यह चुनाव ऐसे ही कई सवालों के साथ शुरू हुआ था। इनमें से कुछ के जवाब मिल गए हैं और कुछ के बाकी हैं। जिस तरह के नतीजे आए हैं, उससे यह संदेह भी पैदा हुआ है कि क्या देश में आर्थिक सुधार जारी रहेंगे? क्या देश विकास के पथ पर अग्रसर होता रहेगा? नीतिगत स्थिरता का क्या होगा? शायद इसी संदेह की वजह से शेयर बाजार में भारी गिरावट आई। लेकिन नरेन्द्र मोदी के पहले भाजपा मुख्यालय में दिये उद्बोधन एवं गठबंधन दलों के साथ हुई बैठक में इन सवालों के जवाब काफी हद तक मिल गये, जिससे शेयर बाजार ने भी तेजी पकड़ी है एवं भाजपा एवं सहयोगी दलों के कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार हुआ है।

देश एक बार फिर गठबंधन सरकारों के युग में प्रवेश कर रहा है। अब यह एक हकीकत है कि मौजूदा जनादेश के मद्देनजर गठबंधन सरकार बनाना भाजपा की मजबूरी हो गई है। निश्चित रूप से पूर्ण बहुमत के साथ सहयोगी दलों के साथ सरकार चलाने और अल्पमत में सहयोगी दलों के साथ सरकार चलाने में बड़ा फर्क है। सवाल उठाया जा रहा है कि पूर्ण बहुमत वाले दो कार्यकालों में देशहित के बड़े फैसले लेने वाली भाजपा क्या गठबंधन के सहयोगियों के दबाव के बीच शासन करने में खुद को सहज महसूस कर सकेगी? लेकिन मोदी के नेतृत्व में सरकार मजबूती के साथ आगे बढ़ेगी और अपने संकल्पों एवं योजनाओं को आकार देगी, इसमें कोई संदेह नजर नहीं आती। देश में केंद्रीय स्तर 2009 के बाद पहली बार गठबंधन सरकार बनने जा रही है। अतीत में नरसिंह राव और अटल बिहारी वाजपेयी ने गठबंधन सरकारों का कुशलता से संचालन भी किया है और आवश्यक सुधारों को भी आगे बढ़ाया है। मनमोहन सिंह ने भी दस वर्ष तक गठबंधन सरकार का संचालन किया है, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि उन्हें किस तरह कई बार सहयोगी दलों के अनुचित दबाव में झुकना पड़ा। अटल बिहारी वाजपेयी भी गठबंधन सरकार की चुनौतियों से जूझते रहे। लेकिन मोदी की स्थितियां भिन्न है, वे राजनीति के धुंरधर खिलाड़ी है, अमित शाह राजनीतिक जोड़ तोड़ के खिलाड़ी है, इसे देखते हुए भाजपा और उसके नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार सफलतापूर्वक अपना काम कर सकेगी, ऐसा विश्वास है। न केवल सरकार बल्कि भाजपा के बड़े मुद्दों का भी क्रियान्वयन होगा। जब-जब भाजपा के सामने अनुचित राजनीतिक दबाव की स्थितियां बनेगी, सरकार कोई सार्थक रास्ता निकाल लेगी।

वैसे भी भाजपा बहुमत के आंकड़े से ज्यादा दूर नहीं है, इसलिए यह उम्मीद की जाती है कि तेलुगु देसम पार्टी, जनता दल-यू, शिवसेना समेत अन्य सहयोगी दलों के साथ उसके लिए सरकार चलाना कहीं अधिक आसान होगा। इसके बाद भी इतना तो है ही कि प्रधानमंत्री मोदी पहली बार गठबंधन सरकार का संचालन करेंगे। हालांकि अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के तहत कार्य करने के कारण वह ऐसी सरकार के संचालन के तौर-तरीकों से अवगत हैं, लेकिन स्वयं उनके लिए ऐसी सरकार चलाना एक नया अनुभव होगा। लेकिन वे भाजपा संगठन में अनेक पदों पर रहते हुए संगठन की गतिविधियों के कुशल संचालन से भिज्ञ है। देश-विदेश के दबावों को झेलते हुए उन्होंने भारत को एक शक्ति के रूप में खड़ा किया है, दुनिया जब आर्थिक संकट झेल रही है, भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, निश्चित ही गठबंधन सरकार का उनका संचालन उनकी नेतृत्व क्षमता और सबको साथ लेकर चलने के राजनीतिक कौशल को एक नया आयाम देगी। उनके पास चुनौतियों के बीच देश की समस्याओं का समाधान करने की एक राजनीतिक दृष्टि एवं कौशल है। गठबंधन सरकारों के कुछ सकारात्मक पक्ष होते हैं तो कुछ नकारात्मक पक्ष भी। गठबंधन सरकारों का नेतृत्व करने वाले को घटक दलों से समन्वय के साथ चलना होता है।

अमेरिका में पहली बार पूर्व राष्ट्रपति अपराधिक मामलों में दोषी करार

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति को दिनांक 31 मई 2024 को न्यूयॉर्क की कोर्ट द्वारा दोषी करार देने की करें तो,अमेरिका के लिए 31 मई 2024 की तारीख इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गई है लेकिन ये पन्ना अमेरिका के काले सच को बयां कर रहा है। क्योंकि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति को पोर्न स्टार केस में दोषी करार दिया गया है। 11 जुलाई को न्यूयॉर्क कोर्ट उन्हें इस मामले में अब सजा सुनाएगा। वे किसी मामले में दोषी पाए जाने वाले अमेरिका के पहले पूर्व राष्ट्रपती भी बन गए हैं। हालांकि अमेरिका के कई राष्ट्रपति कई आरोपों से घिरे रहे लेकिन अभी तक अमेरिका का इन राष्ट्रपतियों पर दोष सिद्ध नहीं हो पाया। लेकिन पोर्न स्टार वाले मामले में अब ऐसा हो चुका है।

किशन भावनानी

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियां में जहां लोकतंत्र के सबसे बड़े देश भारत में 19 मई से 1 जून 2024 तक दुनियां का सबसे बड़ा चुनावी महापर्व चला, वहीं लोकतंत्र के सबसे पुराने देश अमेरिका के इतिहास में पहली बार दिनांक 31मई 2024 को किसी पूर्व राष्ट्रपति को 34 मामलों में दोषी पाया गया,तो वहीं दूसरी तरफ हांगकांग में भी वहां की संसदद्वारा बनाए गए नए कानून के तहत लोकतंत्र के समर्थक 14 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है, परंतु भारत में मंगलवार दिनांक 4 जून 2024 को लोकतंत्रके हीरो यानें संसद कौन बनते हैं, किसकी सरकार बनती है यह निश्चित हो जाएगा। जबकि अमेरिका में आगामी 5 नवंबर 2024 को राष्ट्रपति के चुनाव होने हैं,जिसमें अनेकों उम्मीदवारों के नाम थे लेकिन अब मुख्य मुकाबले की दौड़ में दो व्यक्तियों के होने का अनुमान है परंतु 31 मई 2024 को आई खबर ने पूरे विश्व की नज़रें अमेरिका की ओर घुमा दी है क्योंकि राष्ट्रपति पद के प्रबल उम्मीदवार पर न्यूयॉर्क कोर्ट ने 34 आरोपों में दोषी करार दिया गया है, जिसपर 11 जुलाई 2024 को सजा का ऐलान किया जाएगा, जो 4 वर्ष तक कैद या जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। परंतु सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि अमेरिकी संविधान में कोई भी किसी भी आरोप का दोषी चुनाव लड़ सकता है जो जेल में ही क्यों ना हो,जीत सकता है, सरकार भी बन सकता है और जेल से सरकार भी चला सकता है, जो उसके पावर से बाहर रहकर उपराष्ट्रपति वह अन्य पावर ऑफ अटॉर्नी लेकर चला सकते हैं। परंतु इससे अमेरिका में संवैधानिक संकट की स्थिति उत्पन्न होने का अंदेशा जताया जा रहा है, जो चिंतनीय है। हालांकि पूर्व राष्ट्रपति ने इसका विरोध ऊपरी कोर्ट में अपील करने की बात कही है, वही फैसला देने वाले जजों पर भी उंगली उठा दी है। बता दें कि राष्ट्रपति का नॉमिनेशन फॉर्म 5 जुलाई 2024 को भरा जा सकता है, जबकि सजा का ऐलान 11 जुलाई को होगा। चूंकि अमेरिका के इतिहास में पहली बार किसी पूर्व राष्ट्रपति को अपराधों में दोषी साबित किया गया है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप 34 मामलों में दोषी क़रार, सजा का ऐलान 11 जुलाई 2024 को होगा।

साथियों बात अगर हम अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति को दिनांक 31 मई 2024 को न्यूयॉर्क की कोर्ट द्वारा दोषी करार देने की करें तो,अमेरिका के लिए 31 मई 2024 की तारीख इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गई है लेकिन ये पन्ना अमेरिका के काले सच को बयां कर रहा है। क्योंकि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति को पोर्न स्टार केस में दोषी करार दिया गया है। 11 जुलाई को न्यूयॉर्क कोर्ट उन्हें इस मामले में अब सजा सुनाएगा। वे किसी मामले में दोषी पाए जाने वाले अमेरिका के पहले पूर्व राष्ट्रपती भी बन गए हैं। हालांकि अमेरिका के कई राष्ट्रपति कई आरोपों से घिरे रहे

लेकिन अभी तक अमेरिका का इन राष्ट्रपतियों पर दोष सिद्ध नहीं हो पाया। लेकिन पोर्न स्टार वाले मामले में अब ऐसा हो चुका है।

न्यूयॉर्क कोर्ट की ज्यूरी ने पोर्न स्टार को चुप कराने के लिए किए गए भुगतान को छिपाने के लिए व्यावसायिक रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के सभी 34 मामलों में दोषी पायाहै उनको फिलहाल बिना जमानत के रिहा किया गया है। ये केस अब अमेरिका का ऐसा पहला मामला बन गया है जिसमें अपराधी कोई और नहीं बल्कि अमेरिका समेत पूरी दुनियां का सबसे ताकतवर पद पर रहा शख्स यानी अमेरिका का पूर्व राष्ट्रपति है।(1) उनपर बिजनेस रिकॉर्ड में हेरफेर का आरोप लगा है। गलत बिजनेस रिकॉर्ड दिखाने के मामले में 34 चार्ज लगाए गए हैं। ये सभी चार्ज 2016 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले पोर्न स्टार को चुप रहने के लिए 1 लाख 30 हजार डॉलर करीब 1 करोड़ 70 लाख की राशि दी गई है।(2) उनपर लगाए गए 11 आरोप चेक साइन करने से जुड़े हैं। वहीं 11 मामले ट्रंप के पूर्व निजी वकील की लीगल कंपनी में जमा किए गए गलत इनवॉइस के हैं।(3)- इसके अलावा 12 मामले उनके रिकॉर्ड्स में गलत जानकारी को लेकर लगाए हैं। बता दें कि कोर्ट उनको 11 जुलाई कोफैसला सुनाएगा। जो कि अमेरिका के चुनाव के लिहाज से अहम है क्योंकि 11 जुलाई के कुछ दिन बाद ही मिल्वौकी में रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन होना है। जिसमें उनके उनके समर्थन में ग्रांड ओल्ड पार्टी के नेता उन्हें अपना औपचारिक तौर पर राष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवार घोषित करते। उनको गुप्त धन मामले से जुड़े सभी 34 मामलों में दोषी पाया गया है।

इसी के साथ वे अमेरिका के इतिहास के पहले पूर्व राष्ट्रपति बने हैं, जिन्हें घोर अपराध का दोषी करार दिया गया है। उनपर 2016 में व्हाइट हाउस में आने से पहले पूर्व पोर्न स्टार के साथ अपने यौन संबंधों को छिपाने के लिए व्यापारिक रिकॉर्ड में हेराफेरी करने का आरोप है। इस मामले में 34 आरोप, 11 चालान,12 वाउचर और 11 चेक पेश किए गए। मैनहट्टन के 12 जूरी सदस्यों ने गुरुवार को कहा कि वे ट्रंप ने 2016 के राष्ट्रपति चुनाव को प्रभावित करने के लिए एडल्ट स्टारको 130 हज़ार अमेरिकी डॉलर का गुप्त भुगतान किया। इसे छुपाने के लिए उन्होने व्यावसायिक रिकॉर्ड में हेराफेरी की। जूरी ने कहा कि उनको राष्ट्रपति चुने जाने से नहीं रोका जा सकता और अब यह 5 नवंबर को मतदाताओं पर ही निर्भर करेगा। जूरी ने 22 गवाहों के बयानों के आधार पर यह फैसला सुनाया, जिनमें एडल्ट स्टार भी शामिल थीं।

साथियों बात अगर हम न्यूयॉर्क कोर्ट के फैसले पर पूर्व राष्ट्रपति की प्रतिक्रिया की करें तो, सजा पर सुनवाई के लिए 11 जुलाई को सुबह 10 बजे का समय निर्धारित किया है। खास बात यह है कि 11 जुलाई से ठीक चार दिन पहले मिल्वौकी मेंरिपब्लिकन पार्टी की बैठक होगी, जहां ट्रंप को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया जाना है। जिस समय यह फैसला सुनाया गया, उस समय ट्रंप शांत रहे लेकिन, कोर्ट से बाहर निकलकर उन्होंने इस फैसले को शर्मनाकबताया।जूरीके फैसलेपर कहाकियह अपमानजनक था। उन्होंने कहा कि यह एक विवादित और भ्रष्ट न्यायाधीश द्वारा किया गया मुकदमा था। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ने कहा 5 नवंबर को असली फैसला जनता की अदालत में होगा। जनता जानती है कि असली सच क्या है। हम जानते हैं कि हमने कुछ भी गलत नहीं किया। मैं अपने देश के लिए लड़ रहा हूं, मैं अपने देश के संविधान के लिए लड़ रहा हूं। इस समय हमारे देश में धांधली हो रही है।उन्होने आरोप लगाया कि राष्ट्रपति बाइडन ने अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को चोट पहुंचाने के लिए जान-बूझकर ऐसा किया हैउन्होने ज्यूरी में शामिल जज पर एक और गंभीर आरोप लगाया, उन्होंने कहा था कि वे नहीं चाहते कि उनके खिलाफ लगाए गए फर्जी आरोपों पर एक मत से फैसला हो। पूर्व राष्ट्रपति ने जज के व्यवहार को बेकार, असंवैधानिक और अमेरिका विरोधी करार दिया। वहीं, जज ने असल में ज्यूरी के सभी सदस्यों से कहा था कि सभी 34 मामलों में फैसला एकमत से लिया जाना चाहिए।

जनादेश का सम्मान करे सियासत

प्रताप सिंह पटियाल

सियासत एक ऐसा पेशा है जिसमें अपने सियासी दुर्ग फतह करने के लिए सियासी रहनुमाओं के झूठ बोलने पर, मौके की नजाकत को भांपकर जाति-मजहब का कार्ड खेलना, वोट बैंक साधने के लिए जराफत भरे अंदाज में लोकलुभावन वादों की बिसात बिछाना तथा चुनावी प्रचार के दौरान की गई घोषणाओं से मुकरने पर कोई कानूनी पाबंदी नहीं है। इसीलिए सियासत के मिजाज से कभी सदाकत की महक नहीं आती। सियासी रहनुमाओं के किरदार में मोहिब्ब-ए-वतन का अक्स नहीं दिखाई देता। इंतखाबी तश्हीर में हिकारत भरे अल्फाज व बड़बोली भाषणबाजी के आगे निर्वाचन आयोग भी बेबस हो चुका है।

मौजूदा वक्त में मुल्क की सियासत जश्न-ए-मसर्रत में मसरूर है। देश की फिजाओं में भी सियासी तरन्नुम की धुन महसूस की जा सकती है। देश के करोड़ों मतदाताओं ने अपने बेशकीमती वोट की ताकत से मैदान-ए-सियासत में किस्मत आजमा रहे सियासी रहनुमाओं को जम्हूरियत की सबसे बड़ी पंचायत में पहुंचा कर लोकतंत्र की मजबूती का एक और सुनहरा मजमून लिख दिया। सियासत के कई मुनाजिर सियासी बज्म में चुनावी जीत का श्रेय लेने में लगे हैं, जबकि लोकतंत्र में जनता का जनादेश सर्वोपरि है। हैरत यह भी है कि मतदाताओं ने अलगाववाद की हिमायत करने वाले कुछ सियासी रहनुमाओं को भी देश की संसद में भेज दिया है। चुनावी रैलियों से लेकर जंनसम्पर्क व रोड शो तथा सोशल मीडिया तक चुनावों का प्रचार हुआ। सियासी दलों की प्रतिष्ठा का सवाल बन चुके चुनावों में सियासी विरासत को बचाने की जद्दोजहद भी जारी थी, मगर मतदाताओं के खामोश फैसले ने देश की सियासत को चौंका दिया है।

एग्जिट पोल को लेकर सियासत के ज्योतिषाचार्यों के दावे धराशायी हो गए। हालांकि देश में एक बार फिर गठबंधन की सियासत का दौर शुरू हो गया है। कहर बरपाती गर्मी के बीच लोगों ने मतदान केंद्रों की कतारों में खड़े होकर मताधिकार का प्रयोग करके लोकतंत्र के प्रति अपना फर्ज अदा कर दिया। यह दीगर बात है कि अगले पांच वर्षो तक जनप्रतिनिधि सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन पूरी शिद्दत से करेंगे। चुनावों के बाद आम लोगों को अपने सियासी रहनुमां के दीदार दुर्लभ हो जाते हैं। देश का हर चुनाव अपने पीछे कई यादें छोड़ जाता है।

मौजूदा लोकसभा चुनाव में लोगों में मतदान के प्रति उत्साह का माहौल कम था। कई राज्यों में मतदान का प्रतिशत कम रहा, मगर आरोप-प्रत्यारोप के भयानक दौर में शराफत व अदब की हदूद को तोडने् वाली भाषा के चलते सियासत की दर्जा-ए-हरारत बुलंदी पर पहुंच चुकी थी। गुफ्तगू के दौरान लफ्जों का इस्तेमाल व बात करने का सलीका किसी भी इनसान की तरबियत व परवरिश का बेहतरीन सबूत होता है। जहरीले लफ्जों से उपजे गहरे जख्म दशकों तक नहीं भरते। इंतखाबी तश्हीर के दौरान सियासी रहनुमाओं की जुबान से निकले तीरनुमां लफ्जों ने मुल्क की सियासत को काफी हद तक मफलूज कर दिया है। सियासत के किरदार का अनोखा अंदाज है कि मुल्क में सियासी रहनुमाओं को ही दानिश्वर माना जाता है। देश की अफसरशाही व नौकरशाही तथा तमाम व्यवस्थाएं सियासत के आगे नतमस्तक रहती हैं। आम लोग ज्यादातर समस्याओं के समाधान के लिए जनप्रतिनिधियों

से ही अपेक्षा रखते हैं। भोली-भाली विरासत के लोग सियासतदानों के आश्वासनों पर अक्सर विश्वास कर लेते हैं, जबकि सियासत की कथनी और करनी में फर्क होता है।

सियासत एक ऐसा पेशा है जिसमें अपने सियासी दुर्ग फतह करने के लिए सियासी रहनुमाओं के झूठ बोलने पर, मौके की नजाकत को भांपकर जाति-मजहब का कार्ड खेलना, वोट बैंक साधने के लिए जराफत भरे अंदाज में लोकलुभावन वादों की बिसात बिछाना तथा चुनावी प्रचार के दौरान की गई घोषणाओं से मुकरने पर कोई कानूनी पाबंदी नहीं है। इसीलिए सियासत के मिजाज से कभी सदाकत की महक नहीं आती। सियासी रहनुमाओं के किरदार में मोहिब्ब-ए-वतन का अक्स नहीं दिखाई देता। इंतखाबी तश्हीर में हिकारत भरे अल्फाज व बड़बोली भाषणबाजी के आगे निर्वाचन आयोग भी बेबस हो चुका है। लेकिन सत्ता की दहलीज पर पहुंचने की होड़ में जनसैलाब को अमर्यादित भाषा से उकसाना तथा लोगों के जज्बात आहत करने की कारकर्दगी मतदाताओं के साथ पूरे जम्हूरी निजाम की तौहीन है। चुनाव आयोग को इस विषय पर संज्ञान लेना होगा। नवगठित मरकजी हुकूमत से देश के करोड़ों लोगों को उम्मीदें रहेंगी, मगर सबसे ज्यादा उम्मीद युवा वर्ग को है। कुछ दर्द इनसान का सुख-चैन छीन कर उसे खामोशी व तन्हाई के आलम में जीने को मजबूर कर देते हैं।

बेरोजगारी के सैलाब में फंस चुके युवा वर्ग का हाल कुछ ऐसा ही है। लाइलाज हो चुकी बेरोजगारी के अजाब से युवा वर्ग मानसिक तौर पर मामूर हो चुका है। हर वर्ष हजारों युवा जमीन-जायदाद गिरवी रखकर रोजगार की तलाश में डंकी रूट के जरिए विदेश जाते हैं तथा वहां की सुरक्षा एजेंसियों द्वारा गिरफ्तार किए जाते हैं। विदेशों में पढ़ाई करने वाले भारतीय मूल के छात्रों व रोजगार में लगे युवाओं पर नस्लीय हमले व हत्याएं आम बात हो चुकी है। देश में नशा माफिया के राडार पर भी बेरोजगार युवा हैं। नशाखोरी के मामलों में सलाखों के पीछे भी ज्यादातर युवा वर्ग है। चुनावों में विपक्षी दलों ने बेरोजगारी व महंगाई जैसे ज्वलंत मुद्दों पर जोरदार ताकीद पेश थी। चुनावी संग्राम में नारों व जुमलों का अहम प्रभाव रहता है। लेकिन सियासत चुनावी दौर में मुफ्तखोरी की खैरात व लोकलुभावन वादों से लोगों को लुभाने का प्रयास करती है। खोखले आश्वासनों से लोगों को खुश करने की कोशिश की जाती है, जबकि युवा वर्ग के मन को पढने् की जरूरत है।

आम लोगों की वास्तविक समस्याओं को महसूस करने की जरूरत है। विश्व में सबसे ज्यादा युवा आबादी की हैसियत रखने वाले भारत में बेरोजगारी की बढ़ती दर तथा मतदान का कम होता प्रतिशत लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंताजनक मसला बन रहा है। मतदान को लेकर लोकतंत्र की बुनियाद मतदाताओं की बेजारी व मतदान के प्रति घटती दिलचस्पी तथा लाखों मतदाताओं द्वारा 'नोटा' के इस्तेमाल पर निष्पक्ष तौर पर रायशुमारी होनी चाहिए। आखिर विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश में मतदान का प्रतिशत कम क्यों हो रहा है? चूंकि आधुनिक दौर में लोकतांत्रिक प्रणाली को ही श्रेष्ठ व्यवस्था माना जाता है। लोकतंत्र के पर्व में शिकस्त व जीत का सिलसिला जारी रहेगा, मगर अहम पहलू यह है कि लोकतंत्र में लोगों का भरोसा कायम रहना चाहिए ताकि लोकतांत्रिक व्यवस्था का वजूद महफूज रहे। बहरहाल लोकतंत्र का आधार लोगों के मत पर निर्भर करता है। देश की सियासत को जनता का जनादेश पूरी अकीदत से स्वीकार करना होगा। युवा वर्ग के लिए रोजगार उपलब्ध कराने का मुद्दा सरकारों की प्राथमिकता में होना चाहिए।

जयंत को लेकर छिड़ी सियासी जंग कैबिनेट मंत्री बनाने की उठी मांग

सहारनपुर, बागपत। पुराने संसद भवन में शुक्रवार को एनडीए की बैठक के दौरान रालोद अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह के तीसरी पंक्ति में बैठने पर सोशल मीडिया पर सियासी जंग छिड़ गई है। इसको लेकर सपा की मीडिया सेल ने तंज कसते हुए एक्स पर टिपपणी की है। वहीं, व्हाट्सएप व अन्य जगह भी जयंत का तीसरी पंक्ति में बैठे हुए फोटो वायरल करके नेता अपना पक्ष रख रहे हैं।

रालोद खेल प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नीरपाल सिंह ने कहा कि पार्टी सुप्रीमो जयंत चौधरी को एनडीए सरकार में कैबिनेट मंत्री बनाया जाए। सहारनपुर में शुक्रवार को दिल्ली रोड स्थित आवास-विकास कॉलोनी में हुई बैठक में उन्होंने कहा कि तीसरी बार एनडीए की सरकार बनने जा रही है। जयंत चौधरी के कैबिनेट मंत्री बनने से देश के किसानों का सम्मान बढ़ेगा और एनडीए को ताकत मिलेगी।

उन्होंने कहा कि सरकार में रहकर भारतरत्न पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के विचारों को आगे बढ़ाया जाएगा। चौधरी साहब के जो सपने अधूरे रह गए थे उन्हें पूरा किया जाएगा। एनडीए की शुक्रवार को पुराने संसद भवन में हुई बैठक में रालोद अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह तीसरी पंक्ति में बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं। इसको लेकर ही सपा के आधिकारिक मीडिया सेल के एक्स अकाउंट से टिप्पणी करते हुए लिखा गया कि आरएलडी के मुखिया को मंच पर स्थान तक नहीं दिया गया, जबकि उनकी दो सीटें हैं। वहीं, एक-एक सीट वाले दलों के नेताओं को मंच पर साथ में बैठाया गया। भाजपा की जाट समाज से नफरत और स्व. चौधरी चरण सिंह एवं चौधरी अजित सिंह के प्रति नाटकीय झूठे सम्मान का

■ जयंत के तीसरी पंक्ति में बैठने पर छिड़ी सियासी जंग

भंडाफोड़ हो गया।

इसके अलावा लिखा गया है कि जयंत चौधरी अगर सच में किसान हितैषी हैं तो उन्हें एनडीए से दूरी बनानी चाहिए और किसान हितों पर भाजपा के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। छोटे और नजदीकी लालच के चक्कर में अपने स्वाभिमान और किसान हितों का सौदा भाजपा से नहीं करना चाहिए। इसके बाद सोशल मीडिया पर जंग शुरू हो गई और किसी ने कहा कि इस तरह से सपा व इंडिया गठबंधन वाले उकसाना चाहते हैं। वहीं, रालोद के व्हाट्सएप ग्रुप पर भी कई नेताओं ने लिखा कि चौधरी जयंत सिंह का नरेंद्र मोदी पूरा सम्मान दे रहे हैं। विपक्ष के लोग हार के कारण बौखला गए हैं।

11 जोड़ों का कराया जायेगा सामूहिक विवाह

प्रयागराज। अखिल भारतीय चौरसिया महासभा (कोलकाता युवा सभा) के बैनरतले आयोजित चौरसिया महासम्मेलन प्रयागराज द्वारा विगत 14 वर्षों से लगातार चौरसिया समाज द्वारा आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में पूरे देश के भिन्न-भिन्न राज्यों से चौरसिया समाज के पदाधिकारी उपस्थित होते हैं। युवा चौरसिया समाज सेवा ट्रस्ट प्रयागराज के सामूहिक विवाह एवं निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन श्री कटरा रामलीला कमेटी मैदान में 9 जून को सुबह 11 बजे आयोजित किया गया है। उद्घाटनकर्ता कैलाश चौरसिया पूर्व राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार, मुख्य अतिथि स्वामी कल्याणी नन्दगिरि (छोटी चौरसिया गुरू महामंडलेश्वर किन्नर अखाड़ा प्रयागराज) एवं मुख्य अतिथि प्रदीप चौरसिया (अध्यक्ष) अखिल भारतीय चौरसिया महासभा, कोलकाता विशिष्ट अतिथि सुधीर चौरसिया (महासचिव) जगत नारायण चौरसिया आदि कार्यक्रम में शामिल होंगे।

टीएमयू के नर्सिंग एल्युमिनाई ने साझा किए अनुभव

अवधनामा संवाददाता

मुरादाबाद। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद के कॉलेज ऑफ नर्सिंग के एल्युमिनाई श्री नियाज़ अहमद लोन ने टिप्स देते हुए कहा, छात्र अपने कमजोर टॉपिक्स पर अधिक समय दें। कंसेप्ट की समझ विकसित करने के लिए नियमित रूप से अभ्यास करें। यदि आवश्यक हो तो सब्जेक्ट वाइज विशेषज्ञों और प्रशिक्षकों की मदद लें। किसी भी टॉपिक को अधूरा न छोड़ें।

सूत्रों, अवधारणाओं, संकेतकों और महत्वपूर्ण अध्यायों के सक्षिप्त नोट्स बनाएं। नियमित रूप से आत्म-मूल्यांकन भी करें। श्री अहमद ने नर्सिंग में देश की सबसे कठिन परीक्षा एनओआरसीईटी को क्रैक करने के लिए अनुभव भी साझा किए। श्री नियाज़ तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के एल्युमिनाई रिलेशन सेल-एआरसी की ओर से कॉलेज ऑफ नर्सिंग में आयोजित एल्युमिनाई टॉक में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इससे पहले एल्युमिनाई श्री नियाज़ अहमद लोन, एआरसी के ज्वाइंट डायरेक्टर प्रो. निखिल रस्तोगी, नर्सिंग कॉलेज की डीन प्रो. एसपी सुभाषिनी आदि ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस मौके पर नर्सिंग कॉलेज की उप प्राचार्या प्रो. जसलीन एम., एल्युमिनाई समन्वयक प्रो. रामनिवास, श्री गौरव कुमार आदि मौजूद रहे।

■ टीएमयू के एल्युमिनाई रिलेशन सेल-एआरसी की ओर से कॉलेज ऑफ नर्सिंग में आयोजित एल्युमिनाई टॉक

9 जून सेवा संकल्प दिवस के रूप में मनाया जाएगा

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल एक आवश्यक बैठक मुट्ठीगंज कार्यालय में संबंध हुई।

जिला अध्यक्ष लालू मित्तल ने 9 जून को प्रत्येक वर्ष पूरे राष्ट्र में मनाए जाने वाले सेवा संकल्प दिवस के कार्यक्रमों की जानकारी देते बताया कि इस दिन राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल का जन्मदिन गरीबों की सेवा करके, रक्तदान करके, प्रचंड गर्मी में शरबत पानी. बिस्किट बांट कर आम राहगीर की सेवा करके राष्ट्रीय अध्यक्ष के दीर्घायु और स्वस्थ होने की कामना भी की जाती है ! 9 जून को समस्त व्यापारी आयोजित इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन के रक्तदान क्षेत्र में स्वैच्छिक सुरक्षित रक्तदान करेंगे। जिला महिला अध्यक्ष रतना जायसवाल एवं उपाध्यक्ष बबीता जायसवाल ने महेवा खान चौराहे पर दोपहर 2:00 बजे प्रचंड गर्मी में आमजन को राहत देने के लिए शरबत, ठंडा पानी, अंगूरी पेठा और बिस्किट बांटने का कार्यक्रम निर्धारित किया है। महानगर अध्यक्ष अनिमेष अग्रवाल ने 10 जून को भी शाहगंज इलेक्ट्रॉनिक मार्केट में सेवा करने का संकल्प लिया है। गंगा पार अध्यक्ष राजेंद्र केसरवानी एवं महानगर महिला अध्यक्ष अपूर्व चंद्रा के नेतृत्व में अनेक महिलाएं रक्तदान जागरूकता पर अभियान चला कर लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित करेगी।

बैठक में प्रभारी विपिन गुप्ता, संगठन मंत्री रमन गुप्ता, युवा जिला अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, नगर अध्यक्ष मिहिर बरनवाल, श्वेता मित्तल, रूबी केसरवानी, निधि केसरवानी आदि लोगों ने अपने विचार व्यक्त किया।

टीएमयू एजुकेशन में जितेन्द्र मिस्टर तो आकांक्षा मिस फेयरवल एमएड

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद के फैकल्टी ऑफ एजुकेशन की ओर से बीएड और एमएड की फेयरवेल पार्टी-बोम्बास्टिक में बीएड के पवन कुमार और एमएड के जितेन्द्र कुमार को मिस्टर फेयरवेल एवम् बीएड की फरहीन खान और एमएड की आकांक्षा को मिस फेयरवेल चुना गया। एमएड अन्तिम वर्ष के मौहम्मद हमज़ा, सैय्यद अक्सा गुलनाज और बीएड अन्तिम वर्ष के मौहम्मद मोईन, मेहनाज को बेस्ट परफॉर्मर्स के खिताब से नवाजा गया।

एमएड फाइनल ईयर की शुभी जैन और बीएड फाइनल ईयर की बुशरा अनवर को बेस्ट पर्सनाल्टी का खिताब मिला। इससे पहले डीन स्टुडेंट्स वेलफेयर प्रो. एमपी सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि, फैकल्टी ऑफ एजुकेशन की

प्राचार्या प्रो. रश्मि मेहरोत्रा आदि ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके फेयरवेल पार्टी का शुभारम्भ किया। बीएड और एमएड के स्टुडेंट्स ने विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। छात्रा शुभी जैन और दिव्यांगना शर्मा ने गाने की प्रस्तुति दी, जबकि आकांक्षा, फरहीन खान, मेहनाज, सैय्यद अक्सा गुलनाज़, नम्रता दफ्तरी और ब्यूटी कुमारी ने सोलो डांस किया। छात्रा इशिका ढाका और नम्रता दफ्तरी ने ग्रुप डांस से सभी मेहमानों और छात्र-छात्राओं का मन मोह लिया।

मुख्य अतिथि प्रो. एमपी सिंह ने कहा कि कठिन परिश्रम सफलता की कुंजी है। कठिन परिश्रम से ही सभी लक्ष्यों की प्राप्ति सम्भव है। शिक्षक अपने विद्यार्थियों में विभिन्न मूल्यों का विकास करते हैं, जिससे उनके व्यक्तित्व का संतुलित एवं समन्वित विकास होता है। प्राचार्या प्रो. रश्मि मेहरोत्रा ने फैकल्टी ऑफ एजुकेशन भावी शिक्षकों को अपने जीवन में आदर्श शिक्षक बनकर कर्मठता से अपने उत्तदायित्वों के निर्वहन करने की शुभकामनाएं दी।

तीन दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन

टूंडला। श्री चौतन्य टेक्नो स्कूल फिरोजाबाद में सभी शिक्षक- शिक्षिकाओं के लिए तीन दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन कराया गया। जिसमें विद्यालय की योजनाओं, नीतियो, तथा उद्देश्य के बारे में बताया गया। हैदराबाद से विभिन्न विषयों के अलग-अलग आर. पी (रिसोर्स पर्सन) आए जिन्होंने अपने-अपने विषय में उचित ढंग से शिक्षकों को सिखाया कि कैसे बच्चों को गतिविधियों के माध्यम से तथा नई शिक्षा निती के माध्यम से पढ़ाना है (यूपी हरियाणा) के एजीएम श्री विक्रम रेड्डी सर ने बताया कि यह ओरिएंटेशन हर साल आयोजित कराई जाती है जिससे कि हर शिक्षक उचित नीति के साथ बच्चों को सही शिक्षा दे सके। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमती शिव नागरानी जी ने बताया कि सभी शिक्षकों ने प्रथम दिन बहुत ही आनंद के साथ सेशंस लिए और अपनी स्किल्स को और निखारा। विद्यालय के आर. आई श्री कपिल सक्सेना जी ने बताया कि यह श्री चौतन्य की विशेषता है यहां हर शिक्षक को समय-समय पर इसी तरह से नई-नई गतिविधियों और योजनाओं के बारे में बताया जाता है।

खून की दलाली करने वाले दो युवक पकड़ाए

सुल्तानपुर। मेडिकल कॉलेज में खून की दलाली करते दो युवक पकड़े गए।प्रधानाचार्य ने नगर कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया।सुल्तानपुर मेडिकल कॉलेज में ब्लड बैंक के प्रभारी आर.के मिश्रा ने सक्रियता दिखाते हुए दो युवकों को पकड़ा और प्रधानाचार्य कार्यालय में लाकर पूछताछ की तो पता चला कि दोनों युवक खून बेचने के नाम पर मरीजों से पैसा लेते हैं और खून की दलाली करते हैं।पकड़े गए युवाओं का नाम चंचल और राज सिंह है।अस्पताल में भर्ती मरीज के परिजन ने बताया कि खून चढ़ाने के लिए जब वह लोगों से पूछ रही थी, तभी उसको शुभम नाम का युवक मिला और 5 हजार रूपए लेकर पीड़ित को ब्लड दिलवाने की बात कही। बात तय होने पर शुभम ने अपने सहयोगी राज सिंह को जिला अस्पताल बुलवाकर खून भी निकवा लिया। जिस पर ब्लड बैंक के प्रभारी को मामला संदिग्ध लगा तो वे राज सिंह को प्रधानाचार्य कार्यालय में लेकर पहुंचे,तब पूरे मामले का राज खुला। तत्काल मौके पर प्रधानाचार्य ने नगर कोतवाली पुलिस को बुलाकर खून के कारोबार करने वाले दोनों युवकों को पुलिस के हवाले कर दिया है।

बानपुर पुलिस ने दबोचा गैंगस्टर एक्ट का आरोपी

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक के निर्देशन व एएसपी अनिल कुमार और सीओ महरौनी अजय कुमार के निकट पर्यवेक्षण में अपराधियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत बानपुर पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के आरोपित बदमाश को पकडने में सफलता हांसिल की है। पुलिस ने बताया कि मादक पदार्थो की सप्लाई करने वाले युवक को पुलिस ने टीकमगढ़ रोड स्थित बालाघाट पुल के पास से हिरासत में लिया है। पकड़े गये बदमाश का नाम महानगर झांसी के थाना मऊरानीपुर के मुहल्ला अल्याई निवासी नबाव सिंह उर्फ रूप सिंह पुत्र हीरालाल बताया गया है। पुलिस ने बताया कि नबाव सिंह के खिलाफ झांसी व ललितपुर में आपराधिक मामले दर्ज हैं। शातिर बदमाश को पकडने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक बानपुर विनोद कुमार, उ.नि.अनुज कुमार, हे.कां.कामता प्रसाद, हे.कां.जितेन्द्र प्रताप सिंह व कां.मनीष कुमार शामिल रहे।

नीट-यूजी 2024 के आयोजन व परिणाम से एनटीए की अक्षमता तथा भ्रष्टाचार सामने आया

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, राष्ट्रीय पात्रता सह-प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी 2024) के आयोजन के दौरान गड़बड़ियों तथा परीक्षा परिणाम घोषित होने के उपरांत प्रवेश परीक्षा की प्रक्रिया व परीक्षा परिणाम पर उठ रहे प्रश्नों के समाधान के लिए सीबीआई जॉच की मांग करती है। इस परीक्षा के आयोजन के दिन ही देश के अलग-अलग हिस्सों में गड़बड़ियां सामने आई थी तथा अलग-अलग स्थानों पर सॉल्वर पकड़े गए, साथ ही कुछ स्थानों पर प्रश्न पत्र बांटने आदि में भी गड़बड़ी मिली। विद्यार्थी परिषद, नीट परीक्षा के अभ्यर्थियों की उचित मॉगों के साथ है।

मेडिकल संस्थानों में प्रवेश के लिए आयोजित की जाने वाली इस परीक्षा की पारदर्शिता पर विद्यार्थियों के बीच संदेह है। नीट-यूजी की परीक्षा के दिन भी देश के अलग-अलग स्थानों पर व्यवस्था की गड़बड़ियां सामने आई थीं। इससे यह भी स्पष्ट हो गया कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने परीक्षा के आयोजन के लिए आवश्यक तैयारियां नहीं की थीं।

अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल ने सूरत में आयोजित एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि नीट-यूजी की परीक्षा परिणाम के संदर्भ में अभ्यर्थियों के बीच गड़बड़ी का संदेह है, इस पूरे प्रकरण की सीबीआई जॉच होकर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। नीट के परीक्षा परिणाम में एक ही सेंटर से कई टॉपर्स होने से इस वर्ष के परीक्षा परिणाम पर कई तरह से संदेह उत्पन्न हो रहा है।

अभाविप के आयाम मेडिविजन के राष्ट्रीय संयोजक डॉ अभिनंदन बोकरिया ने कहा कि नीट परीक्षा परिणाम आने के बाद विद्यार्थियों की आत्महत्या करने की मामले हुए हैं, यह अत्यंत दुखद है। इस मामले में उचित कार्रवाई होनी चाहिए जिससे छात्रों में परीक्षा के आयोजन को लेकर भरोसे की स्थिति बने।

लोकसभा चुनाव की अधिसूचना समाप्त होते ही एसपी एक्शन मोड में

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 की अधिसूचना समाप्त होते ही पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक ने जिले में थाना व चौकी स्तर पर सुस्त पड़ी कानून व सुरक्षा व्यवस्था को फिर से दुरुस्त करने की दिशा में काम शुरू कर दिया है। इसके तहत बीती आधी रात के बाद पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक ने एक दर्जन से अधिक उप निरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। पुलिस विभाग के सोशल मीडिया सेल से जारी सूची के अनुसार पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक ने उप निरीक्षक ओमबाबू तिवारी को प्रभारी जन शिकायत प्रकोष्ठ पुलिस कार्यालय से चौकी प्रभारी राजघाट बनाया है। इसी प्रकार उप निरीक्षक अंकित कौशिक को चौकी प्रभारी खितवांस से चौकी प्रभारी नेहरू नगर, उप निरीक्षक प्रवीन कुमार को चौकी प्रभारी कचनौंदा थाना बानपुर से चौकी प्रभारी नई बस्ती, उप निरीक्षक विवेक को सोशल मीडिया सेल से चौकी प्रभारी डोंगराकलां थाना नाराहट, उप निरीक्षक कुलदीप राणा को प्रभारी सर्विलांस सेल से चौकी प्रभारी बांसी थाना जखौरा, उप निरीक्षक मनीष कुमार को चौकी प्रभारी बांसी से थाना जखौरा, उप निरीक्षक प्रशान्त राणा को थाना महरौनी से चौकी प्रभारी मसौराकलां, उप निरीक्षक संजीव धामा को चौकी प्रभारी मसौराकलां से थाना कोतवाली, उप निरीक्षक राहुल कुमार को चौकी प्रभारी दैलवारा से थाना नाराहट, उप निरीक्षक संजय सिंह को चौकी प्रभारी गोविन्द सागर बांध से चौकी प्रभारी दैलवारा, उप निरीक्षक अतुल तिवारी को चौकी प्रभारी कैलगुवां थाना बानपुर से चौकी प्रभारी गोविन्द सागर बांध, उप निरीक्षक मनीष कुमार शुक्ला को थाना बानपुर से चौकी प्रभारी कैलगुवां थाना बानपुर, उप निरीक्षक ललित उज्जवल को चौकी प्रभारी राजघाट से थाना बालाबेहट, उप निरीक्षक विनीत कुमार सिंह को चौकी प्रभारी नई बस्ती से थाना मदनपुर, उप निरीक्षक देवराज मौर्य को चौकी प्रभारी नेहरू नगर से थाना गिरार, उप निरीक्षक विपिन डेढ़ा को चौकी प्रभारी डोंगराकलां थाना नाराहट से थाना मड़ावरा भेजा गया है।

नसीरपुर थाना क्षेत्र अंतगर्त चालक को नींद आने से अनियंत्रित होकर पलटी बस

अवधनामा संवाददाता

शिकोहाबाद। शनिवार को वृंदावन से छत्तीसगढ़ को जा रही श्रद्धालुओं से भरी बस चालक को नींद आने से अनियंत्रित होकर रेलिंग को तोड़ती हुई नीचे खंदी में पलट गई। हादसा होते ही बस में सवार लगभग 65 सवारियों में चीख पुकार मच गई। जानकारी होते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और घायलों को उपचार के लिए राजनारायण माहेश्वरी जिला संयुक्त चिकित्सालय में भेजा। हादसे में एक बालक सहित तीन की मौत हो गई है। साथ ही लगभग 40 लोग घायल हुए हैं। हादसे के बाद एसपी ग्रामीण के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक ने घायलों को चाय-नाश्ता के बाद खाना खिला कर दूसरी बस से उन्हें छत्तीसगढ़ के लिए रवाना किया। छत्तीसगढ़ के जनपद उतई निवासी कई गावों के लोग एक बस में एक हजार रुपये प्रति व्यक्ति के हिसाब से एकत्रित कर मां बैष्णोदेवी के दर्शन करने गये थे। बस को रवि साहू पुत्र स्व.जीवन लाल साहू निवासी गोविंदपुर काकेर छत्तीसगढ़ चला रहा था। लौटते में सभी श्रद्धालुओं ने वृंदावन में बस रोक कर बांकेबिहारी के दर्शन किये और रात एक बजे खाना खाने के बाद छत्तीसगढ़ के लिए बस रवाना हो गई। जब बस नसीरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत माइल स्टोन 51 के समीप पहुंची, तभी चालक को झपकी आ गई और बस रेलिंग को तोड़ती हुई नीचे खंदी में पलटती हुई गिर पड़ी। हादसा होते ही बस में सो रहे श्रद्धालुओं में चीख पुकार मच गई। शोरगुल सुन कर और हादसे की जानकारी होते ही आसपास के लोग और थाना पुलिस के साथ एक्सप्रेस सुरक्षा में तैनात स्टाफभी मौके पर पहुंच गया। लोगों ने घायलों को बस से निकाला और कई एंबुलेंस से उन्हें उपचार के लिए जिला संयुक्त चिकित्सालय भेज दिया। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। जिसमें अंशु (20) पुत्री लाल सिंह निवासी धमदा जिला दुर्ग छत्तीसगढ़, छमित (7) पुत्र योगेंद्र और अन्नपूर्णा (40) निवासी दुर्ग शामिल हैं। एसपी ग्रामीण ने बताया कि हादसे में लगभग 55 लोग घायल हुए हैं। जिनमें से तीन की मृत्यु हो गई है। बस को हाइड्रा मंगवा कर नसीरपुर कट पर खड़ा करा दिया है। घायलों को उपचार के बाद टूरिस्ट बस से और शवों को एंबुलेंस से सोनभद्र तक छोड़ा जाएगा। उसके बाद छत्तीसगढ़ की पुलिस उन्हें अपने कब्जे में लेकर उनके घरों तक पहचायेगी। छत्तीसगढ़ के पुलिस अधिकारियों और मृतक व घायलों के स्वजनों को सूचना देदी गई है। एक्सप्रेस वे पर हुए हादसे में घायल हुए लोगों के नाम भूषण कुमार साहू निवासी छत्तीशगढ़ पटोरा, नूतन साहू निवासी आरकार जिला बालोद थाना सनोल, भाग्य लक्ष्मी,नेमा निवासी आमालोरी जिला जिला दुर्ग, कांति यादव,पुष्पेंद्र,गीता ठाकुर निवासी आमा लोरी, परशराम निवासी मर्रा थाना उदई जिला दुर्ग,आरती साहू निवासी रायपुर, कीरती ठाकुर निवासी आमा लोरी,द्रोपद निवासी मर्रा थाना उतई सहित लगभग 40 लोग शामिल हैं। जबकि 19 लोग सैंफई में भेजे गये थे।

बाजार में लगातार तेजी ने बिगाड़ा सरकारी गेहूं खरीद का खेल

अवधनामा संवाददाता

फतेहपुर। बाजार भाव में बराबर आ रहे उछाल से सरकारी गेहूं खरीद की उम्मीद टूट रही है। किसानों को समर्थन मूल्य देने के लिए क्रय केंद्र भले ही पंद्रह जून तक खोले गये हैं लेकिन केंद्रों में खरीद की गतिविधियां ठप पड़ी है।

66 हजार टन के लक्ष्य के सापेक्ष अब तक आठ हजार दो सौ टन खरीद हो पाई है जो कि मात्र 14.50 प्रतिशत है। इस सप्ताह में बाजार में गेहूं का भाव 2400 रुपये प्रति क्विंटल पहुंच गया जिससे खरीद की संभावनाएं और कम हो गई। सरकारी दर पर गेहूं खरीद के लिए जिले मे 83 क्रय केंद्र खोले गए। विपणन शाखा व पीसीएफ समेत पांच क्रय एजेंसियों को खरीद के लिए नामित किया गया। मूल्य समर्थन में शासन ने गेहूं का मूल्य 2275 रुपये प्रति क्विंटल तय किया। बाजार भाव कम रहने पर कुछ किसानों ने तो गेहूं बेचा इसके बाद किसानों ने क्रय केंद्रों से मुंह फेर लिया। उतराई के बीस रुपये प्रति क्विंटल अतिरिक्त देने के बाद भी क्रय केंद्रों में खरीद नहीं बढ़ी।

खाद्यान से सरकारी गोदाम भरने के लिए किसानों के घरों से खरीद की व्यवस्था दी गई। संचालित सभी 83 केंद्रों को सचल केंद्र बना दिया गया जिसमें केंद्र प्रभारी गांव-गांव जाकर खरीद किया। अधिकारियों के लाख प्रयास के बाद आठ हजार एमटी खरीद हुई जिसमे लगभग चार हजार एमटी खरीद सचल केंद्रों के माध्यम से की गई। किसानों की सुविधा को देखते हुए

■ इस साल भी टारगेट पूरा करना बना संकट, बढ़ सकता है समय

इस बार एक मार्च से खरीद केंद्र खोल दिए गये थे। हलांकि गेहं की आवक अप्रैल महीने में ही शुरू हो पाई। सरकारी केंद्रों में 229 रुपये की दर दी जा रही है,।बाजार में 23 सौ से 24 सौ रुपये में खरीद हो रही है। किसान घर से व्यापारी को सरकारी मूल्य से पचास रुपये कम भी देने का इसलिए तैयार है क्योंकि वह क्रय केंद्र जाने और वहां के औपचारिकताएं पूरी करने में दिक्कत महसूस कर रहा है। यही कारण है कि क्रय केंद सूने पड़े है। जिला खाद्यान एवं विपणन अधिकारी संजय कुमार ने कहा कि मूल्य समर्थन को उद्देश्य किसानों को न्यूनतम मूल्य दिलाना है, जो पूरा हो रहा है। कहा पंद्रह जून तक खरीद का तय समय है जिसे और बढ़ाया जा सकता है।

36 केंद्रों पर आज होगी बीएड प्रवेश परीक्षा, 16,300 परीक्षार्थी होंगे शामिल

प्रयागराज। रविवार 9 जून को होने वाली बीएड की प्रवेश परीक्षा की तैयारी पूरी हो चुकी है। इसके लिए जिले में बनाए गए 36 केंद्रों पर 16,300 परीक्षार्थी परीक्षा में बैठेंगे। इस बार बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी की ओर से उत्तर प्रदेश बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा आयोजित कराई जा रही है। प्रयागराज और प्रतापगढ़ जनपद में होने वाली इस परीक्षा के लिए प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैय्या) राज्य विश्वविद्यालय को नोडल सेंटर बनाया गया है। जहां से परीक्षा केंद्रों की निगरानी की जाएगी। राजकीय इंटर कालेज और एडेड के साथ राजकीय डिग्री कॉलेज और एडेड महाविद्यालयों जब भी केंद्र बनाया गया है। ठीक इसी तरह प्रतापगढ़ के सात केंद्रों पर परीक्षा कराई जाएगी। जिसमें 3500 परीक्षार्थी शामिल होंगे। प्रवेश परीक्षा के नोडल अधिकारी प्रोफेसर विवेक कुमार सिंह के मुताबिक दोनों जनपदों में कुल 43 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। प्रत्येक केंद्र पर 2-2 आब्जर्वर तैनात किये गये है।

लेखक के पिताजी के पुण्यतिथि पर पहुंचे पूर्व सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ

अवधनामा संवाददाता

आजमगढ़। ठेकमा के जमुआवां गांव के रहने वाले महेश पांडेय जो मुंबई में प्रसिद्ध पटकथा लेखक,निर्माता और निर्देशक। इनके पिताजी स्व0 प्रेमचंद पांडेय के प्रथम पुण्यतिथि पर भोजपुरी फिल्मों के सुपरस्टार,आजमगढ़ के पूर्व सांसद दिनेश लाल यादव शिनरहुआश् ने श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

प्रमुख समाजसेवी और फिल्म एवं रंगमंच अभिनेता अरविंद चित्रांश ने बताया कि मुकेश पांडेय और महेश पांडेय मुंबई में फिल्म निर्माण के क्षेत्र में जाना पहचाना नाम है।

महेश पांडेय जिन्हें टीवी क्वीन एकता कपूर प्रोडक्शन बालाजी टेलीफिल्म्स के कई लोकप्रिय धारावाहिक लिखने के लिए जाना जाता है। जैसे धारावाहिक- कसौटी जिंदगी की, कसम से , क्योंकि सास भी कभी बहू थी, कुटुंब, कहीं तो होगा, बंदिनी, केसर, कुसुम, करम अपना अपना , कहानी हमारे महाभारत की और गीत - हुई सबसे पराई। इसके साथ लेखक निर्देशक महेश पांडेय को भोजपुरी फिल्म गब्बर सिंह जो बॉलीवुड फिल्म शोले के भोजपुरी स्टाइल के निर्देशक के रूप में भी जाना जाता है।

आज उनके पिताजी स्व0 प्रेमचंद पांडेय के प्रथम पुण्यतिथि पर माता मनभावता पांडेय ,मुकेश पांडेय ,राजेश पांडेय ,महेश पांडेय ,शैलेश पांडेय ,योगेश पांडेय,राकेश मिश्रा के साथ प्रमुख समाजसेवी अरविंद चित्रांश,भोजपुरी फिल्मों के कॉमेडी किंग संतोष श्रीवास्तव, हरिकेश यादव,राजेश भगत,डॉ अजीत पांडेय आदि बहुत लोग श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

गुमशुदा 02 बच्चों को किया गया बराममद थाना मेंहनगर

आजमगढ़। पूर्व की घटना-दिनांक 06.06.2024 को बलदेव सोनकर पुत्र नेब्बु सोनकर ग्राम बसिला थाना मेहनगर जिला आजमगढ़ द्वारा थाना स्थानीय पर तहरीरी दिया गया था कि वादी के भतीजे 1.संदीप सोनकर उम्र 14 वर्ष पुत्र गुलाब सोनकर ग्राम बसिला थाना मेंहनगर जिला आजमगढ, एव 2.आकाश सोनकर उम्र 12 वर्ष पुत्र स्व0 कमलेश सोनकर ग्राम बसिला पो0 मेहनगर जिला आजमगढ शाम 3.00 बजे साईकिल से मेंहनगर कि तरफ गए थे जो अभी तक घर नही लौटे घर के लोग हर जगह तलाश किये उनका कुछ अता पता नही चला जिसके सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु.अ.सं.- 213è24 धारा 363 भादवि0 बनाम अज्ञात पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ किया गया। आज उ0नि0 अमित कुमार यादव मय हमराह द्वारा मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित गुम हुए बच्चों 1.संदीप सोनकर उम्र 14 वर्ष पुत्र गुलाब सोनकर, 2.आकाश सोनकर पुत्र स्व0 कमलेश सोनकर समस्त निवासी बसिला थाना मेहनगर जिला आजमगढ को थाना क्षेत्र सिधारी से समय करीब 08.00 बजे बरामद कर बच्चो को उनके परिजनों को सुपुर्द किया गया।

'आयुष्मान भारत' जैसा कि इसके नाम से पता चलता है, आयुष्मान का अर्थ है लंबी आयु का आशीर्वाद

डा . इलाक्षी शुक्ला

प्रयागराज। आयुष्मान भारत एक आशीर्वाद है , यह आशीर्वाद न केवल आपके लिए बल्कि आपके परिवार के लिए भी एक पुरस्कार है, आवश्यकता से वंचित होना पहले एक अभिशाप था लेकिन अब यह कोई दोष नहीं है.. एक वक्त था जब रोटी कपड़ा और मकान सबका मूलभूत जरूरी हुआ करती थी लेकिन आज चिकित्सा सुविधाएं मिलना भी इसमें महत्वपूर्ण है..जीवन का अधिकार सबको है और हमारे जीवन में अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं पाना हर व्यक्ति का मौलिक अधिकार है।

आयुष्मान भारत योजना ने देश के गरीब और वंचित वर्ग को स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की है। इस योजना के तहत हर परिवार को सालाना 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर मिलता है, जो गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है। इस योजना की वजह से देश की गरीब आबादी के जीवन में बहुत बड़ा बदलाव हुआ है।

आर्थिक बोझ से राहत: देश के निम्न मध्यम वर्ग और मध्यम वर्ग के लिए तो अपने दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए ही आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता थाइस वजह से वो अपने स्वास्थ्य को कभी प्राथमिकता दे ही नहीं पाते थे। पहले, आर्थिक तंगी के कारण मरीज इलाज में देरी करते थे या कभी-कभी इलाज ही नहीं करवा पाते थे। लेकिन आयुष्मान भारत योजना ने प्रत्येक व्यक्ति को आर्थिक बोझ से चिंता मुक्त कर स्वास्थ्य प्राथमिकता के लिए पहल करने के लिए सक्षम बनाया। अब व्यक्ति आयुष्मान योजना के तहत मुफ्त इलाज की सुविधा मिलने से अब वे बिना किसी आर्थिक चिंता के अपना इलाज करवा रहे हैं।

बेहतर इलाज की उपलब्धता: आज के समय में व्यक्ति के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों ही आवश्यक होने के साथ-साथ मुश्किल भी हो गये है। निम्न मध्यम वर्ग के लिए स्वास्थ्य

सुविधाओं की जानकारी और उनका लाभ लेना भी बहुत कठिन होता है ऐसे में इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण आशा बहनो के मध्यम से कार्ड बनाए जाने की सुविधा हो या जन सेवा केंद्रों के मध्यम से इसकी जानकारी और कार्ड बनाने की सुविधा ने हर वर्ग के लिए बेहतर इलाज और बेहतर हॉस्पिटल्स की उपलब्धता में बहुत सहयोग किया है।

इस योजना के तहत सरकारी और निजी अस्पतालों में इलाज की सुविधा मिलती है। इससे मरीजों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो रही हैं। स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में सुधार- ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच हमेशा से देश के सामने बड़ी चुनौती रही है। इसलिए प्रत्येक क्षेत्रों में जनसेवा केंद्रों के मध्यम से और आशा के मध्यम से स्वास्थ्य सम्बन्धी सूचनाएं और जानकारी प्रदान की जाती है साथ ही आयुष्मान योजना के तहत अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या में वृद्धि हुई है, जिससे इन क्षेत्रों के लोगों को भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल पा रही हैं।

स्वास्थ्य जागरूकता में वृद्धि: इस योजना ने गरीब और वंचित वर्ग के बीच स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा दिया है। अब लोग अपनी सेहत के प्रति अधिक जागरूक हो रहे हैं और समय पर चिकित्सा परामर्श और उपचार ले रहे हैं। इससे गंभीर बीमारियों का शुरुआती चरण में ही निदान और उपचार संभव हो पाया है।

बीमारियों से बचाव और रोकथाम: योजना के तहत होने वाले नियमित स्वास्थ्य जांच और उपचार ने कई गंभीर बीमारियों के प्रसार को रोकने में मदद की है। इससे न केवल मरीजों की सेहत में सुधार किया है बल्कि उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति को भी स्थिर किया है।

मनोवैज्ञानिक और सामाजिक लाभ- गरीब वर्ग के लोगों को इस योजना से मानसिक और सामाजिक लाभ भी मिला है। आर्थिक बोझ कम होने से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और वे समाज में सम्मान पूर्वक जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

आयुष्मान योजना ने न केवल मरीजों को बल्कि चिकित्सकों को भी प्रेरित किया है। गरीबों की मदद करने का यह अनुभव अत्यंत संतोषजनक है। यह योजना उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। आयुष्मान भारत योजना गरीबों के लिए वरदान साबित हो रही है। यह योजना उनके जीवन को बेहतर और स्वस्थ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

सामाजिक वानिकी प्रभाग, जिला गंगा सुरक्षा समिति ने नगर वन इटावा में वृक्षारोपण एवं जागरूक किया

विश्व महासागर दिवस

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। नमामि गंगे के अंतर्गत विश्व महासागर दिवस के अवसर पर सामाजिक वानिकी प्रभाग एवं जिला गंगा सुरक्षा समिति के संयुक्त तत्वाधान में नगर वन इटावा में वृक्षारोपण एवं जागरूकता कार्यक्रम प्रभागीय निदेशक अतुल कान्त शुक्ला के निर्देशन में आयोजित किया गया। क्षेत्रीय वन अधिकारी शिवकुमार ने बताया कि विश्व महासागर दिवस ग्रह और पृथ्वी पर सभी जीवन के लिए महासागरों के महत्व की याद दिलाता है महासागर पृथ्वी की सतह के 70 प्रतिशत से अधिक भाग को अच्यादित् करते हैं और पृथ्वी के 97 प्रतिशत से अधिक पानी को समाहित करते हैं वह जीवन की अविश्वसनीय विविधता का घर है और वह पृथ्वी की जलवायु और मौसम चक्र को विनयमित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जिला परियोजना अधिकारी नमामि गंगे संजीव चौहान कि कहा कि महासागरों का प्रदूषण, अत्यधिक मछली पकड़ने और जलवायु परिवर्तन सहित कई मानवीय गतिविधियों से भी खतरे में है सीवेज और औद्योगिक, अपशिष्ट जैसे भूमि आधारित स्रोतों से प्रदूषण समुद्री जीवन और पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचा रहा है। अत्यधिक मछली पकड़ने से मछलियों की प्रजातियां कम हो रही है और जलवायु परिवर्तन के कारण महासागर गर्म और अधिक अम्लीय हो रहे है। वन दरोगा ताबिश अहमद ने बताया कि प्रत्येक व्यक्ति को समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को संरक्षित करने हेतु सजक व जागरूक होने की आवश्यकता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में संतोष कुमार सिंह, बसंत कुमार, सुभाष कुमार, सौरभ सिंह एवं अनुज तिवारी का उल्लेखनीय रहा। रविंद्र मिश्रा ने बताया कि विश्व महासागर दिवस महासागरों के महत्व के बारे में जागरुकता बढ़ाने और महासागर संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है। वन दरोगा

शातिर वाहन चोर गिरफ्तार 22 चोरी के दोपहिया वाहन बरामद

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पांडे के निर्देशन में जनपद पुलिस द्वारा अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत थाना जमुनापार पुलिस और स्वाट टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर उसकी निशान देही पर 21 मोटर साइकिल और एक स्कुटी चोरी की बरामद की हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पांडे ने बताया जनपद में वाहन चोरी की बढ़ती हुई घटना को गंभीरता से लेकर पुलिस को घटनाओं का अनावरण करने के लिए सख्त निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में थाना जमुना पार के प्रभारी निरीक्षक संजीव कुमार दुबे और स्वाट टीम के प्रभारी अभय शर्मा ने मुखबिर की सूचना पर भारी पुलिस फोर्स के साथ सौर गुदर मोड थाना जमुनापार पर बीती रात एक व्यक्ति को मुखबिर के इशारे पर हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की तो उसने अपना नाम बॉबी उर्फ रोहित पुत्र नेत्रपाल निवासी नगला हंसी थाना राया जनपद मथुरा बताया। पकड़े गए बदमाश से पूछताछ के बाद उसकी निशानदेही पर 21 मोटरसाइकिल और एक स्कूटी चोरी की बरामद की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया थाना जमुना पार पुलिस की यह बड़ी रिकवरी है सभी वाहनों की पहचान कर संबंधित थानों से जानकारी की जा रही है पकड़े गए आरोपी के विरुद्ध विभिन्न थाना क्षेत्र में अपराधिक घटना करने के मामले में करीब 20 मुकदमे दर्ज होना जानकारी में आए हैं। पकड़े गए बदमाश के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर जेल भेजा जा रहा है सराहनीय कार्य करने वाली पुलिस टीम को 25 हजार रुपये का इनाम दिया जाएगा।

साइट फर्स्ट लायंस क्लब का पहला प्रोजेक्ट

- नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का हुआ समापन
- 751 ने कराया परीक्षण, 450 को मिले चश्में

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। लायंस क्लब ने सेवा के जो पांच पायलट प्रोजेक्ट चुने हैं, उसमे÷साइट फर्स्ट÷यानी आंखें हैं तो सब कुछ है, को सर्वाधिक महत्व दिया गया है। इसी उद्देश्य को लेकर लायंस क्लब इटावा द्वारा लायंस क्लब्स इंटरनेशन फाउंडेशन के सहयोग से श्री शंकर धर्मार्थ नेत्र चिकित्सालय राहतपुर में छह दिवसीय निशुल्क नेत्र परीक्षण, दवाई एवं चश्मा वितरण शिविर लगाया गया जो इटावा में हमारा अब तक का सबसे सफल शिविर रहा है, जिसमें 751 लोगों का परीक्षण हुआ और 450 लोगों को निशुल्क चश्मे वितरित किए गए। उक्त बात शिविर के संयोजक एवं मंडलीय जीमटी समन्वयक लॉयन अतुल भार्गव ने शनिवार को हुए शिविर के समापन अवसर पर चिकित्सालय के निदेशक राजेंद्र कुमार दीक्षित एवं प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों के आभार संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि इतनी गर्मी के बावजूद शिविर में जिस तरह से बड़ी संख्या में लोग अपनी आंखों का चिकित्सीय परीक्षण कराने आए, उसको देखते हुए हमारा क्लब सर्दी के दिनों में भी शिविर लगाएगा। इस अवसर पर श्री शंकर धर्मार्थ नेत्र चिकित्सालय के निदेशक राजेंद्र दीक्षित ने कहा कि हम लायंस क्लब इटावा के बहुत आभारी हैं कि उन्होंने हमें और अधिक सेवा करने का मौका प्रदान किया। इस सेवा सहयोग के लिए चिकित्सालय संस्थान की ओर से उन्होंने संचालन समिति के अध्यक्ष महेश चंद्र तिवारी अलकापुरी, वरिष्ठ सदस्य घनश्याम तिवारी, विनोद त्रिपाठी, हरिदत्त दीक्षित एवं उपाध्यक्ष आचार्य महेश तिवारी के द्वारा लायंस क्लब इटावा के अध्यक्ष डा.एस.सी.गुप्ता, संयोजक लॉयन अतुल भार्गव एवं लॉयन राजेश अग्रवाल का अंग वस्त्र एवं माल्यार्पण से सम्मान कर स्मृति चिन्ह भेंट किया। समापन अवसर पर लायंस क्लब इटावा के शैलेश पाठक, रविकांत अग्रवाल, गौरव पोरवाल, अनूप अग्रवाल, श्रीमननारायण तिवारी मौजूद रहे। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि तीन जून से शुरू हुए इस छह दिवसीय शिविर में कुल 751 लोगों ने अपना चिकित्सीय परीक्षण कराया, इन सभी को निशुल्क दवाएं एवं कुल 450 लोगों को निशुल्क चश्मों का वितरण किया गया।

शनिवार को समापन दिवस पर सर्वाधिक 220 लोगों का परीक्षण हुआ। अस्पताल के कुशल चिकित्सक डा.आरकेसी गुप्ता, डा.आर.एस. शुक्ला, डा.आदर्श, डा.प्रभाकर कटियार, अवधेश पचौरी समेत समस्त चिकित्सीय स्टाफ का विशेष सहयोग रहा।

संक्षिप्त समाचार

एसपी सिटी अभयनाथ त्रिपाठी को पदोन्नति पर व्यापार मंडल ने दी बधाई

इटावा/अवधनामा ब्यूरो। इटावा के कर्मठ एसपी सिटी अभयनाथ त्रिपाठी को शासन द्वारा दी गयी पदोन्नति पर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारियों ने कार्यालय पहुंच कर माल्यार्पण व प्रतीक चिन्ह देकर बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। व्यापारी नेताओं ने पुलिस प्रशासन द्वारा शान्तिपूर्ण व निष्पक्ष चुनाव के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष आलोक दीक्षित, महासचिव रिषी पोरवाल, कोषाध्यक्ष कामिल कुरैशी महिला प्रदेश मंत्री सुशीला राजावत महिला जिलाध्यक्ष अर्चना कुशवाहा, युवा जिलाध्यक्ष रियाज अब्बासी, महिला जिला कोषाध्यक्ष बर्षा दुबे, लाइन पार शहर अध्यक्ष योगेश पांडे, जिला उपाध्यक्ष बी के यादव, पूर्व महिला जिलाध्यक्ष अंजू यादव, महिला शहर महामंत्री रेनू शुक्ला व विपिन दुबे आदि व्यापारी नेता मौजूद रहे।

एस एस पी ने पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को टी शर्ट भेंट कर दी बधाई

इटावा/अवधनामा ब्यूरो। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार द्वारा लोकसभा चुनाव 2024 एवं मतगणना के सुकशल संपन्न होने पर बिना थके दिन रात मेहनत करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को टी शर्ट भेंट कर सम्मानित किया गया। उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों को बधाई देते हुये कहा कि इटावा मे 02 चरणों मे चुनाव होने के बावजूद जनपदीय पुलिस के अथक परिश्रम, तत्परता एवं बेहतर कार्यशैली के चलते चुनाव तथा मतगणना सकुशल संपन्न करायी गयी एवं किसी भी प्रकार की घटना नही हुयी। एसएसपी द्वारा सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को आगे भी इसी प्रकार मनोबल के साथ लगनशील रहकर कार्य करने के लिये प्रेरित किया और सभी को बधाई दी गयी। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री सत्यपाल सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक नगर अभयनाथ त्रिपाठी, अपर पुलिस अधीक्षक अपराध सुबोध गौतम, समस्त क्षेत्राधिकारी एवं पुलिस के अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

रांची से 04 भालूओं को इटावा सफारी पार्क लाया गया

इटावा। विगत कई महीनों से कालिया नाम नर भालू अकेले भालू सफारी पार्क में जीवन व्यतीत कर रहा था परन्तु दिनांक 04.06.2024 को ललितपुर से ललिता नामक मादा भालू के आने से भालुओं की संख्या 02 हो गयी। निदेशक, इटावा सफारी पार्क द्वारा भालू लाने के लिए विगत 5-6 माह में किये गये पत्राचार का असर दिखा और कल दिनांक 07 जून 2024 को देर रात वन्यजीव प्रभाग, रांची से 04 भालूओं को इटावा सफारी पार्क में लाया गया।

प्रदेश अध्यक्ष योगेश त्यागी का मथुरा आगमन स्थानीय पदाधिकारीगण ने किया स्वागत

- ऑनलाइन उपस्थिति का विरोध जारी रखेगा पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल (पूर्व माध्यमिक) शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष योगेश त्यागी शनिवार को मथुरा पहुंचे, जहां कि उनका स्थानीय पदाधिकारियों द्वारा स्वागत किया गया। श्री त्यागी ने संघ की आगामी रणनीति स्पष्ट करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ ऑनलाइन उपस्थिति का विरोध जारी रखेगा।उन्होंने कहा कि शासन द्वारा अभी तक उनकी एक भी शिक्षक हित की मांग नहीं मानी गई है। कुछ विद्यालयों में टैबलेट्स और डाटा हेतु सिम उपलब्ध कराए जा रहे हैं लेकिन सभी विद्यालयों में अभी तक सिम और डाटा उपलब्ध नहीं है इसके साथ ही पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ द्वारा जो मांग पत्र दिया गया था उसमें से किसी भी मांग पर शासन ने विचार नहीं किया है न हीं किसी भी शिक्षक समस्या का समाधान किया है। उक्त सभी समस्याओं का समाधान न होने तक संघ अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखेगा। इसके लिए उन्होंने जनपद के संगठन को सक्रिय रहने हेतु निर्देशित करते हुए कहा कि हम अपनी मांगों के लिए अड़े हैं जब तक मांगे नहीं मानी जाती अनवरत विरोध करते रहेंगे। इस अवसर पर उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष देवेंद्र सारस्वत, जिला अध्यक्ष अतुल सारस्वत, जिला महामंत्री लक्ष्मी नारायण, जिला कोषाध्यक्ष मनोज शर्मा, प्रांतीय पीआरओ मनोज, राजीव पचौरी, अरविन्द शर्मा ,सुजीत वर्मा सहित संघ की जिला कार्य समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नीट परीक्षा में 691 अंक लाकर आशुतोष गुप्ता बने जनपद के सेकेंड टॉपर

इटावा। सेंट मेरी इंटर कालेज, इटावा के पूर्व छात्र रहे अशोक नगर निवासी आशुतोष गुप्ता ने नीट परीक्षा 691 अंकों के साथ उत्तीर्ण कर जनपद का नाम रोशन किया है। आशुतोष गुप्ता ने पिछले वर्ष ही इटावा के सेंट मैरी इंटर कॉलेज से इंटरमीडिएट की परीक्षा 94.4 प्रतिशत अंकों तथा हाई स्कूल की परीक्षा इसी कॉलेज से 97.6 अंकों के साथ उत्तीर्ण की थी। बचपन से ही मेधावी छात्र रहे आशुतोष गुप्ता ने बताया कि, उनकी सफलता ईश्वर के आशीर्वाद, गुरुजनों के निर्देशन एवं माता-पिता, दादी के आशीर्वाद से ही संभव हुई है। उनकी इस सफलता में उनकी मां पदमा पोरवाल का विशेष योगदान है आशुतोष के पिता रवींद्र कुमार गुप्ता, बेसिक शिक्षा विभाग में शिक्षक तथा शिक्षक संगठन यूटा के जिला अध्यक्ष भी है तथा मां पदमा पोरवाल कंपोजिट विद्यालय दतावली बसरेहर में अध्यापिका के रूप में कार्यरत हैं।

पर्यावरण पर बैठक अधिकारियों पर नहीं हो रहा असर

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। जनपद में आए दिन जिलाधिकारी पर्यावरण और प्रदूषण पर लम्बी लम्बी बैठक कर अपना कीमती समय खर्च कर रहे है पर जनपद मै संबंधित विभागों के अधिकारियों पर इसका कोई असर नही पड़ रहा है। मथुरा जनपद मैं सफाई की व्यवस्था हो या विद्युत आपूर्ति की या पर्यावरण के नाम पर पेड़ो के रख रखाव की। जनपद मै सफाई व्यवस्था सबसे निम्न स्तर पर पहुंच गई अमूमन विद्युत आपूर्ति का भी वही हाल रहा है आए दिन लोगों को विद्युत आपूर्ति के लिए प्रशासन को कोसना पड़ रहा है। गर्मी के प्रचंड कोप से विधुत वितरण पर ओवरलोड बड़ गया है जिसके कारण कई कई घंटे बिजली गुल हो रही है। पर्यावरण की वात करें तो जनपद मै कई मामले सामने आए हैं जिनमें हरे पेड़ों को काटकर आग लगा दी गई पर विभाग इस पर कोई बढ़ी कार्यवाही करने से हमेशा बचता रहा है। अभी हाल ही मै थाना जैत इलाके में हाइवे किनारे पर भी खड़े पेड़ो को काटकर आग लगा दी गई थी। इससे पहले भी थाना फरह इलाके के सेरसा ग्राम मैं भी लकड़ी कटान का मामला कई समाचार पत्रों में प्रकाशित हुआ था, इसके अलावा जैत इलाके में अक्करू क्षेत्र मै भी हरे पेड़ काटे गए, गोवर्धन के मुखराई में भी हरे पेड़ों के कटान पर काफी हल्ला मचा था। जिलाधिकारी मथुरा को वन विभाग अधिकारियों पर सख्ती से पेश आना होगा जिससे खड़े पेड़ों की ओर कोई हाथ न लगा सके। साथ ही मथुरा नगर निगम के नगर आयुक्त को भी मथुरा जनपद की सफाई व्यवस्था पर लग रहे सवालिया निशान से सवालिया निशान से बचा जा सके। आने वाले समय में अगर मथुरा शहर में बारिश होती है तो मथुरा शहर का मंजर भयाभय होने की संभावना बनी हुई है। नालों में सिल्ट जमा होने के कारण नाले भरे पड़े है।

सीवर टैंक में आए करंट से चाचा-भतीजा सहित तीन मजदूरों की मौत

अवधनामा संवाददाता

- काम करने उतरे थे कई मजदूर, पूर्व में भी एक की हो चुकी है मौत

मथुरा। थाना वृंदावन क्षेत्र के अंतर्गत शनिवार की सुबह बड़ा हादसा हो गया। यहां सीवर टैंक में काम कर रहे तीन कर्मचारियों की मौत हो गई। घटना के मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। खबर मिली तो घरों में चीख पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। प्रथम दृष्टया करंट से मौत होना बताया जा रहा है। घटनास्थल का जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक में किया निरीक्षण आवश्यक निर्देश दिये। घटना प्रेम मंदिर के सामने नवनिर्मित बीकानेर वाला शोरूम की है। बताया जाता है कि बीकानेर वाला की फ्रेंचाइजी आगरा निवासी मनोज कुमार ने ली है। करीब दस दिन पहले शोरूम का उद्घाटन हुआ था। सुबह ठेकेदार योगेश के निर्देश में मजदूर अधूरे पड़े कार्य को पूरा कर रहे थे। शोरूम के अगले हिस्से में मौजूद टैंक में काम करते समय हादसा हो गया। करंट लगने से तीनों मजदूर बेसुध होकर गिर गए। साथ में काम कर रहे अन्य लोगों ने उन्हें आनन-फानन बाहर निकाला। एंबुलेंस से सौ शैय्या अस्पताल ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान अमित गुप्ता पुत्र शिवानंद और प्रिंस पुत्र अवधेश गुप्ता निवासी बलिया के रूप में हुई। जबकि, तीसरे की पहचान नहीं हो सकी है। अमित और प्रिंस रिश्ते में चाचा भतीजा हैं। बताते चलें कि इसी शोरूम पर दस दिन पहले भी एक मजदूर की करंट लगने से मौत हो गई थी। उसे शोरूम मालिक ने रसूख के बल पर दबा दिया था। सीओ सदर कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मजदूरों की मौत भी करंट से होना बताया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत का सही कारण साफ हो सकेगा।

मौके पर पहुंचे जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पांडे ने घटनास्थल का निरीक्षण कर स्थानीय पुलिस अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ बताया जा सकता है।

बांके बिहारी मंदिर के पास पोशाक के गोदाम में लगी

मथुरा। थाना वृंदावन क्षेत्र के अंतर्गत में शुक्रवार देर रात पोशाक के गोदाम में आग लग गई। यह गोदाम ठाकुर बांके बिहारी जी मंदिर से महज 100 मीटर दूर स्थित है। आग की लपटें देख आसपास के लोग जमा हो गए। सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची। फायर बिग्रेड की टीम ने करीब आधे घंटे में काबू पा लिया। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। घटना वृंदावन कोतवाली क्षेत्र के विद्यापीठ चौराहा से ठाकुर श्री बांके बिहारी मंदिर को जाने वाले मुख्य मार्ग की है। यहां बीती देर रात पोशाक के गोदाम की ऊपरी मंजिल में आग लग गई। आग की लपटें निकलती देख अफरातफरी मच गई। लोगों ने सूचना बांके बिहारी पुलिस चौकी पर दी। उधर आग की लपटें तेज होती गईं। बताया गया कि इसी बिल्डिंग में कुछ महीने पहले तक बैंक ऑफ बड़ौदा की ब्रांच थी। भवन स्वामी ने बैंक से भवन खाली करा लिया गया। बैंक का कुछ कबाड़ ऊपरी हिस्से में पड़ा था। इसके अलावा दुकान का भी बेकार समान था। इसी कबाड़ और समान में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई।

24 घंटे विद्युत आपूर्ति देना करें सुनिश्चित

मुख्यमंत्री की बैठक के बाद हरकत में विद्युत विभाग के अधिकारी

अवधनामा संवाददाता

- उपभोक्ताओं को बतानी होगी विद्युत कटौती का सही कारण
- कोई भी मरम्मत कार्य करने से पहले न्यूज पेपर व सोशल मीडिया पर देनी होगी जानकारी
- जनप्रतिनिधियों के उठाने होंगे फोन
- दक्षिणांचल एमडी ने सभी अधीनस्थों को लिखा पत्र

मथुरा। लोकसभा चुनाव परिणाम में भाजपा की उत्तर प्रदेश में आशा के अनुरूप रिजल्ट नहीं आने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा अधिकारियों के साथ लखनऊ में हुई बैठक में प्रदेश में 24 घंटे विद्युत आपूर्ति देने के निर्देश दिए थे। इसके बाद विद्युत विभाग के प्रमुख सचिव ने आदेश जारी किए। इस पर विद्युत विभाग के अधिकारी हरकत में आ गए हैं। दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के एमडी अमित किशोर ने अधीनस्थों को पत्र लिख कर बिजली सप्लाई में सुधार लाने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने 24 घंटे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने को अपने पत्र में जो दिया है। इस बात पर चिन्ता व्यक्त की गई कि लोकल फाल्ट, अघोषित रोस्टरिंग व अन्य कारणों से स्थानीय स्तर पर 24 घण्टे विद्युत आपूर्ति नहीं की जा रही है। स्थानीय स्तर पर अवर अभियन्ता, सहायक अभियन्ता व अधिशासी अभियन्ता द्वारा कोई भी मरम्मत का कार्य करने से पहले न्यूज पेपर, सोशल मीडिया व अन्य माध्यम से स्थानीय जनता को अवगत नहीं कराया जा रहा है, जबकि इस सम्बन्ध में पूर्व में निर्देश दिये गये हैं। इस बात पर नाराजगी व्यक्त की गई है कि कि जब भी कोई उपभोक्ता / जनप्रतिनिधि अधिकारियों को उनके मोबाइल पर फोन करता है तो या तो फोन नहीं उठता है और जब उठाया जाता है तो उनके साथ अभद्रता की जाती है या उनका व्यवहार उनके प्रति अच्छा नहीं रहता है। मुख्यमंत्री द्वारा कड़े निर्देश दिए गए हैं कि इस व्यवस्था को दुरूस्त किया जाए।

उन्होंने कहा है कि आज कल किसानों द्वारा धान रोपण का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है,सभी कृषि फीडरों को समय से विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। आईजीआरएस व हेल्पलाइन की समीक्षा भी प्रत्येक विभाग द्वारा समय-समय पर की जाए। उसका समय-समय पर गुणवत्तापूर्वक निस्तारण भी किया जाए। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस व ईज ऑफ लिविंग के तहत इन्वेस्टर्स व आम जनता को जो सुविधाएं, स्वीकृतियां, लाइसेंस दिये जाने हैं उनका समय से निस्तारण किया जाएं तथा जिन अधिकारियों द्वारा समय से कार्यवाही नहीं की जा रही है उनके खिलाफ कार्यवाही की जाए। मुख्यमंत्री द्वारा दिये गये उपरोक्त निर्देशों का कड़ाई से तत्काल अनुपालन सुनिश्चित करें।

स्वयमेव इस जगत का सब काम हो रहा है: बा ब्र. राहुल

अवधनामा ब्यूरो

- शिक्षण शिविर में बह रही है अध्यात्म की गंगा

इटावा, जसवंतनगर। नगर के श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर जैन बाजार में चल रहे आठ दिवसीय जैन संस्कार शिक्षण शिविर के अंतर्गत कार्यक्रमों का आयोजन चल रहा है। जिसमें रात्रि संस्कृतिक कार्यक्रमों के तहत मंगलाचरण, प्रश्न मंच, अंताक्षरी आदि अनेकों कार्यक्रम आयोजित हुए। प्रातः बच्चों ने नित्य नियम अभिषेक पूजन आदि किये। देव शास्त्र गुरु की भक्ति से उनके स्वरूपों को समझा। इस आयोजन के प्रति बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा है। प्रात ही बच्चे एवं युवा उठकर धार्मिक क्रियाओं मैं लग जाते हैं। स्वाध्याय करते हुए बाल ब्रह्मचारी राहुल जैन ने धर्म का व्याख्यान करते हुए कहा इस जगत में सारे काम स्वयं हो रहे हैं। सारा स्वतंत्र परिणमन है। हम केवल ज्ञाता दृष्ट्र जानने वाले हैं भगवान किसी भी चीज के करता हारता नहीं है। मुनिराजों के त्याग का बखान करते हुए उन्होंने कहा कि दिगंबर मुनिराजों का हमारे ऊपर बहुत उपकार है उनकी तपस्या साधना परिश्रम से ही हमें जिनवाणी सुनने को मिल रही है। द्रव्य गुण पर्याय के संबंध में उन्होंने विशेष स्मार्ट क्लास ली जिसमें युवाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। जैन सिद्धांतों को स्मार्ट तरीके से सिखाया गया। इस सरल विधि एवं उनकी विशेष शैली की उपस्थित जैन धर्मावलंबियों ने बहुत प्रशंसा की।

इन लोगों की सेहत के लिए नुकसानदेह हो सकता है बादाम का सेवन, जानिए कारण

मेवे का सेवन करना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। वहीं सूखे मेवे की अपनी खासियत होती है। इसका शरीर पर विशेष प्रभाव पड़ता है। बादाम काफी ज्यादा पौष्टिक माना जाता है। लेकिन कुछ विशेष स्वास्थ्य परिस्थितियों में बादाम का सेवन आपके लिए हानिकारक साबित हो सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि बादाम का सेवन किन परिस्थितियों में हानिकारक हो सकता है। वैसे तो बादाम की खूबियों के बारे में हम सभी भलीभांति जानते हैं। इसके साथ ही बादाम के साइड इफेक्ट्स के बारे में भी जानना बेहद जरूरी होता है। बादाम में कैल्शियम, फास्फोरस, विटामिन ई, फाइबर और एंटी ऑक्सीडेंट्स जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। ऐसे में अगर आप रोजाना सीमित मात्रा में बादाम का सेवन करते हैं, तो यह आपको फायदा पहुंचाएगा। लेकिन अगर आप जरूरत से ज्यादा बादाम का सेवन करते हैं, तो यह आपके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकता है। हालांकि बादाम का सेवन कुछ स्वास्थ्य समस्याओं में हानिकारक माना जाता है। जिसकी जानकारी इन समस्याओं से पीड़ित लोगों को जरूर होनी चाहिए। तो आइए जानते हैं किस तरह की सेहत संबंधी परेशानियों में बादाम का सेवन करना हानिकारक साबित हो सकता है।

हाई ब्लड प्रेशर

जिन लोगों को उच्च रक्तचाप की समस्या होती है और आप इसके लिए दवा का सेवन कर रहे हैं। तो बादाम का अधिक सेवन करना आपकी दवा के प्रभाव को बेअसर कर सकता है। क्योंकि बादाम में मैंगजीन भरपूर मात्रा पाई जाती है। बादाम की शरीर में अधिकता दवाओं के असर को बेअसर कर सकती है। वहीं बादाम में हाई कैलोरी की मात्रा हाई ब्लड प्रेशर के रोगियों के लिए समस्या खड़ी कर सकता है।

स्टोन की समस्या

जिस व्यक्ति की किडनी में पथरी या गॉल ब्लेडर की समस्या है, तो ऐसे लोगों को भी बादाम के सेवन से बचना चाहिए। बादाम में अधिक मात्रा में ऑक?सलेट पाया जाता है, जोकि स्टोन की समस्या को बढ़ता है। इसलिए किडनी की समस्या से पीड़ित व्यक्ति को सीमित रूप में बादाम का सेवन करना चाहिए।

पेट की समस्या

आमतौर पर सेहतमंद बने रहने के लिए रोजाना मुट्ठी भर बादाम खाने की सलाह दी जाती है। जबकि मुट्ठी भर बादाम पेट के लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है। असल में मुट्ठी भर बादाम में 170 ग्राम फाइबर पाया जाता है। वहीं आपके शरीर को रोजाना सिर्फ 25 से 40 ग्राम फाइबर की आवश्यकता होती है। यानी की एक दिन में सिर्फ 3-4 बादाम का सेवन करना चाहिए। अगर आप पूरा दिन में इससे अधिक बादाम खाने से आपको दस्त की समस्या हो सकती है। पाचन की समस्या होने पर बादाम के सेवन से बचना चाहिए।

विटामिन ई

इसके साथ ही बादाम में विटामिन ई की अधिक मात्रा पाई जाती है। बादाम के अधिक सेवन से शरीर में विटामिन ई का ओवरडोज हो सकता है। जिसकी वजह से थकान और सिरदर्द की समस्या हो सकती है। अधिक मात्रा में विटामिन ई होने से माइग्रेन की समस्या ट्रिगर हो सकती है। माइग्रेन की समस्या से पीड़ित लोगों को बादाम का अधिक सेवन करने से बचना चाहिए।

मोटापा

मोटापे की समस्या से पीड़ित लोगों को भी बादाम का कम सेवन करना चाहिए। क्योंकि बादाम में भरपूर मात्रा में कैलोरी और वसा पाया जाता है। ऐसे में बादाम का अधिक सेवन मोटापे को बढ़ावा दे सकता है। इसलिए जिन लोगों का वजन अधिक होता है, उनको सीमित मात्रा में बादाम का सेवन करना चाहिए।

शोधकर्ताओं को क्लिनिक ट्रायल में मिले सकारात्मक परिणाम, बाजार में कब होगी उपलब्ध?

पुरुष गर्भनिरोधक विकसित करने में दशकों की विफलता के बाद, शोधकर्ताओं को अंततः एक बड़ी सफलता मिली है। शोधकर्ताओं ने पुरुषों के शुक्राणु के उत्पादन को रोकने के लिए एक जेल विकसित किया था, जिसके क्लिनिक ट्रायल में सकारात्मक परिणाम देखने को मिले हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि उनका प्रायोगिक उत्पाद एक एक हार्मोनल जेल है, जिसे पुरुषों को रोज एक बार अपने कंधों पर लगाना हैं। समय के साथ, यह वृषण में शुक्राणु के उत्पादन को रोक देगा।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ और गैर-लाभकारी जनसंख्या परिषद द्वारा विकसित किए गए इस जेल में शोधकर्ताओं ने दो हार्मोन नेस्टोरोन (एक प्रोजेस्टिन) और टेस्टोस्टेरोन का इस्तेमाल किया है, जो पुरुष सेक्स हार्मोन है। बता दें, नेस्टोरोन वृषण में टेस्टोस्टेरोन के उत्पादन को दबाता है और शुक्राणु के विकास को भी रोकता है।

पुरुष गर्भनिरोधक जेल कैसे काम करता है?

कंधे की हड्डियों के बीच 5 मिलीलीटर हार्मोनल जेल को प्रतिदिन एक बार लगाया जाता है। जेल का सेजेस्टेरोन एसीटेट घटक, जो एक सिंथेटिक प्रोजेस्टेरोन है, वृषण में टेस्टोस्टेरोन को बनाए रखने के लिए आवश्यक हार्मोन को दबाता है, जिससे शुक्राणु उत्पादन बाधित होता है।

क्या पुरुष गर्भनिरोधक सुरक्षित और प्रभावी है?

शोधकर्ता 2005 से इस जेल की खुराक को तैयार करने पर काम कर रहे हैं। उनके हाल के चरण 2बी परीक्षणों में शामिल 300 से अधिक जोड़ों ने इसे सही पाया है। बता दें, प्रति मिलीलीटर वीर्य में लगभग 15 मिलियन से 200 मिलियन स्पर्म पाए जाते हैं, जिनकी संख्या इस जेल को लगाने के बाद प्रति मिलीलीटर 1 मिलियन से कम हो गयी। शुक्राणुओं की ये संख्या गर्भावस्था को रोकने के लिए पर्याप्त कम है। चूंकि गर्भनिरोधक जेल अभी परीक्षणों से गुजर रहा है, इसलिए शोधकर्ता इसके लंबे समय की सुरक्षा और प्रभावकारिता की अभी भी जांच कर रहे हैं है। लेकिन उनके शोध के शुरुआती निष्कर्ष आशाजनक हैं।

पुरुष गर्भनिरोधक कब उपलब्ध हो सकता है?

इस वर्ष के अंत तक जेल का परीक्षण समाप्त होने की उम्मीद है, जिसके बाद शोधकर्ता अगले चरण में परिणामों का विश्लेषण करेंगे। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के एक अधिकारी को उम्मीद है कि यह सकारात्मक परिणाम दिखाता रहेगा, लेकिन आगे बढ़ने के लिए अधिक धन की आवश्यकता है, और अभी, कोई वाणिज्यिक भागीदार नहीं है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ एंड ह्यूमन डेवलपमेंट की शाखा प्रमुख डायना ब्लिथ ने कहा, हम परिणामों से वास्तव में उत्साहित हैं। संयोजन हमारी अपेक्षा से बेहतर, तेज़ दमन प्रदान करता है। उन्होंने आगे कहा, मैं कहूंगी कि हमारी उम्मीद थी कि यह हार्मोनल गर्भनिरोधक गोलियों के समान होगा। और मैं बस इतना कह सकती हूं कि यह उससे कहीं बेहतर है।

हार्ट बर्न की समस्या से राहत पाने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे, झटपट मिलेगा आराम

गर्मियों के मौसम में अक्सर सीने में जलन होने लगती है। यह पाचन तंत्र से जुड़ी समस्या है। गलत खानपान के कारण सीने में जलन होने लगती है। इसको हार्ट बर्न या एसिड रिफलक्स भी कहा जाता है। वहीं इसके लिए कई तरह की दवाईयां भी आपको मार्केट में मिल जाएंगी। लेकिन अगर आप इस समस्या से घरेलू तरीके से निजात पाना चाहते हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको अपनाने से आप सीने में जलन और बेचैनी की समस्या से राहत पा सकते हैं।

एप्पल साइडर विनेगर

एप्पल साइडर विनेगर या सेब का सिरका सीने के जलन को कम करने में मददगार है। इसके लिए आप दो छोटे चम्मच एप्पल साइड विनेगर को एक गिसाल पानी में मिलाकर पिएं। इससे एसिडिटी की समस्या दूर होती है। साथ ही इस घरेलू नुस्खे को करने से वेट भी कंट्रोल में रहता है।

लौंग

सीने में जलन की समस्या होने पर लौंग चूसना भी काफी मददगार साबित हो सकता है। अगर आपका खाया-पिया आसानी से नहीं पचता है, तो लौंग के सेवन से आपको लाभ मिल सकता है। साथ ही यह मुंह से आने वाली बदबू से भी छुटकारा दिलाने में सहायक होती है।

अजवाइन

सीने की जलन को दूर करने में अजवाइन भी फायदेमंद होती है। इस समस्या से राहत पाने के लिए रात को एक गिलास पानी में अजवाइन भिगोकर रख दें। फिर अगले दिन सुबह खाली पेट इस पानी का सेवन करें। या फिर आप चाहें तो इसका काढ़ा बनाकर भी पी सकते हैं। इससे आपका पाचन सही रहेगा और हार्ट बर्न की समस्या से भी राहत मिलेगी।

एलोवेरा जूस

एलोवेरा जूस अपच, गैस और एसिडिटी से निजात दिलाने में सहायक होता है। आप इसके पल्प का जूस बनाकर पी सकते हैं। एलोवेरो जूस का सेवन करने से मेटाबॉलिज्म रेट भी बेहतर होता है।

छाछ पिएं

हार्ट बर्न की समस्या से राहत पाने के लिए आप छांछ का भी सेवन कर सकते हैं। छांछ में मौजूद एसिडिक तत्व अपच, गैस और एसिडिटी से राहत दिलाने का काम करते हैं। वहीं गर्मी के मौसम में छांछ का सेवन करने से पेट ठंडा रहता है।

तरबूज में नमक मिलाकर खाने के जबरदस्त फायदे, इलेक्ट्रोलाइट्स को संतुलित होगा

गर्मियों में बॉडी को हाइड्रेट रखने के लिए पानी वाले फलों का जरुर सेवन करते हैं। गर्मी के दौरान लोग सेहतमंद रहने के लिए ढेर सारे उपाय अपनाते हैं। खानपान से लेकर रहन-सहन तक इस मौसम सबकुछ बदल जाता है। इस मौसम में खुद को हाइड्रेट रखना बेहद जरुरी है। गर्मियों में सबसे ज्यादा तरबूज खाया जाता है। इसके कई फायदे होते है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि तरबूज पर नमक डालकर खाने से सिर्फ स्वाद ही नहीं, बल्कि इसके फायदे भी दोगुने हो जाते हैं। चलिए बताते हैं तरबूज में नमक डालकर खाने के फायदे।

पोषक तत्व अवशोषण करे

तरबूज खाने के कई फायदे है, लेकिन आप इसमें नमक मिलाकर खाने से कुछ पोषक तत्व जैसे लाइकोपीन ज्यादा आसानी से अवशोषित हो सकते हैं। यह पाचन प्रक्रिया को प्रभावित करके पोषक तत्वों के अवशोण में मदद करता है।

इलेक्ट्रोलाइट्स को संतुलित रखता

तरबूज पहले से ही एक हाइड्रेटिंग फल होता है। इसमें चुटकी नमक मिलाने से इलेक्ट्रोलाइट्स, इससे सोडियम को पूरा करने में मदद मिलता है। जिसे आप एक्सरसाइज और गर्मी की वजह से खो देते हैं।

जूसी बनाता है

मिठास बढ़ाने के अलावा, तरबूज में नमक मिलाने से इस फल की बनावट भी बेहतर हो जाती है। नमक इसमें मौजूद सारा पानी फल की सतह पर ले आता है, जिससे यह और जूसी हो जाता है।

कौन- सा नमक है बेहतर?

तरबूज में आप सी-सॉल्ट या हिमालयन पिंक सॉल्ट का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस तरह के नमक फल के प्राकृतिक स्वाद को प्रभावित किए बिना हल्का नमकीन स्वाद देते हैं।

गर्मियों में जमकर करें आम के जूस का सेवन, सेहत को मिलेंगे ये जबरदस्त फायदे

गर्मियों में हर दिन आम का जूस पीने से इसके भरपूर पोषक तत्वों की वजह से कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। ए, सी और ई जैसे आवश्यक विटामिन से भरपूर, आम का जूस प्रतिरक्षा को बढ़ाता है, स्वस्थ त्वचा को बढ़ावा देता है और पाचन में सहायता करता है। इसकी उच्च एंटीऑक्सीडेंट सामग्री ऑक्सीडेटिव तनाव से निपटने में मदद करती है, जबकि प्राकृतिक शर्करा आपको गर्म महीनों के दौरान तरोताजा और हाइड्रेटेड रखने के लिए त्वरित ऊर्जा बढ़ावा देती है।

विटामिन और खनिजों से भरपूर- आम के जूस में विटामिन सी की मात्रा अधिक होती है, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देता है, आयरन के अवशोषण में मदद करता है, स्वस्थ त्वचा को बढ़ावा देता है और एंटीऑक्सीडेंट के रूप में कार्य करता है। आम के जूस में मौजूद विटामिन ए अच्छी दृष्टि, स्वस्थ प्रतिरक्षा प्रणाली और हृदय, फेफड़े और गुर्दे के समुचित कामकाज के लिए आवश्यक है। इसमें मौजूद पोटैशियम रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करता है, मांसपेशियों के कार्य का समर्थन करता है और फ्लूइड संतुलन बनाए रखता है। आम के जूस में बीटा-कैरोटीन जैसे एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो हानिकारक मुक्त कणों को बेअसर करने, ऑक्सीडेटिव तनाव और कैंसर और हृदय रोग जैसी पुरानी बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद कर सकते हैं।

पाचन स्वास्थ्य- आम के जूस में एमाइलेज जैसे एंजाइम होते हैं जो कार्बोहाइड्रेट को तोड़ने और पचाने में सहायता करते हैं। इसमें मौजूद फाइबर नियमित मल त्याग को बढ़ावा देने और कब्ज को रोकने में मदद कर सकता है।

हाइड्रेशन- आम का जूस हाइड्रेशन का एक अच्छा स्रोत है, खासकर गर्म मौसम के दौरान या व्यायाम के बाद। हाइड्रेटेड रहना समग्र स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है, जिसमें शरीर का तापमान बनाए रखना, जोड़ों में चिकनाई और पोषक तत्वों का परिवहन शामिल है।

त्वचा का स्वास्थ्य- आम के जूस में मौजूद विटामिन ए और सी कोलेजन उत्पादन को बढ़ावा देकर और सूरज की क्षति से बचाकर स्वस्थ त्वचा में योगदान करते हैं।

हृदय का स्वास्थ्य- आम के जूस में मौजूद पोटेशियम और एंटीऑक्सीडेंट रक्तचाप को कम करने, सूजन को कम करने और समग्र हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं।

ऊर्जा को बढ़ावा- आम के जूस में मौजूद प्राकृतिक शर्करा ऊर्जा का एक त्वरित स्रोत प्रदान करती है, जो इसे दोपहर के समय के लिए एक अच्छा विकल्प बनाती है।

हड्डी का स्वास्थ्य- आम के जूस में थोड़ी मात्रा में कैल्शियम और मैग्नीशियम होता है, जो स्वस्थ हड्डियों को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। बता दें कि आम का जूस इन लाभों को प्रदान करता है, लेकिन इसकी प्राकृतिक चीनी सामग्री के कारण इसे संयमित रूप से पीना महत्वपूर्ण है। मीठे पेय पदार्थों का अधिक सेवन वजन बढ़ाने और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है।

बाइक चलाते समय बढ़ जाता है पीठ और कमर दर्द, तो इन उपायों से मिल सकती है राहत

अधिकतर युवाओं की लाइफस्टाइल घर से ऑफिस जाने और ऑफिस से घर जाने की होती है। तो वहीं कुछ लोग घंटों की बाइक राइड के बाद ऑफिस से घर और घर से ऑफिस आना-जाना करते हैं। हालांकि बाइक की मदद से कहीं भी पहुंचना आसान होता है। लेकिन रोजाना बाइक पर ट्रैवल करने से कई लोगों की पीठ और कमर में दर्द हो जाता है। वहीं जिन लोगों की कमर और पीठ में पहले से दर्द होता है, उनका दर्द अधिक बढ़ जाता है। ऐसे में अगर आप भी रोजाना बाइक से घंटों ट्रैवल करते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि पीठ का दर्द बढ़ने पर क्या उपाय आजमाने चाहिए।

पोस्चर का रखें ध्यान

अगर आपको भी रोजाना बाइक से राइड करनी पड़ता है, अगर हो सके तो दूसरा विकल्प तलाश लें। लेकिन दूसरा विकल्प न होने पर सही पोस्चर में बैठकर बाइक राइड करें। कई लोग ज्यादातर आगे की तरफ झुककर बैठते हैं। लेकिन बाइक पर बैठने की यह पोजिशन सही नहीं है। इससे पीठ का दर्द बढ़ जाता है और रीढ़ की हड्डी पर भी दबाव बनता है। वहीं अगर आप सही पोस्चर में बैठने से पीठ और कमर दर्द से राहत पाई जा सकती है।

एक्सरसाइज करें

रोजाना बाइक पर बैठकर लंबा सफर करने से कंधे, कमर, गर्दन और रीढ़ की हड्डी पर दबाव बनता है। लेकिन आप फिजिकली एक्टिव रहकर आप इस दर्द से छुटकारा पाया जाता है। लेकिन आपको दर्द में राहत देने वाली एक्सरसाइज करनी चाहिए। इसके लिए आप कैट पोज, स्ट्रेचिंग, कैमल पोज, वॉल पुशिंग जैसी कुछ एक्सरसाइज को रेगुलर करें। इससे न सिर्फ आपके पोस्चर में सुधार होगा, बल्कि पीठ दर्द से भी राहत मिलेगी।

समय-समय पर लें ब्रेक

अगर आपको रोजाना लंबी बाइक राइड करनी होती है, तो बीच-बीच में ब्रेक लेते रहना चाहिए। इससे कमर और पैरों को स्ट्रेच होने का मौका मिल जाता है। कुछ देर रुकने के बाद आप अपना सफर जारी रखें। जब आप बाइक राइड से बीच-बीच में ब्रेक लेते रहेंगे, तो यह आपके कमर के लिए भी फायदेमंद रहेगा।

राइडिंग पोजिशन

बाइक राइड के समय यह ध्यान रखना जरूरी होता है कि आप किस पोजिशन में बैठे हैं। साथ ही राइडिंग पोजिशन का भी ध्यान रखना चाहिए। इसलिए ऐसी बाइक लेनी चाहिए, जिससे आपकी कमर, पीठ और कंधे पर अतिरिक्त दबाव न बनें। बल्किय वह आपके लिए कंफर्टेबल हो और कमर को सपोर्ट दे। वहीं राइडिंग पोजिशन को भी अच्छे से एडजेस्ट करें।

खुद को रखें हाइड्रेट

गर्मियों में दिनों में बाइक राइड के दौरान बॉडी डिहाइड्रेट हो जाती है। जिसके कारण बैक पेन, शोल्डर पेन और नेक पेन की कंडीशन अधिक बिगड़ सकती है। इससे बचने के लिए जरूरी है कि आप अधिक से अधिक तरल पदार्थों का सेवन कर खुद को हाइड्रेट रखें। शरीर में पर्याप्त मात्रा में पानी रहने से आपको शारीरिक समस्या से आसानी से राहत मिलेगी।

एक्सपर्ट से मिलें

अगर बाइक राइड के दौरान आपका बैक पेन असहनीय हो रहा है और तमाम उपायों के बाद भी दर्द से राहत नहीं मिल रहा है। तो इस कंडीशन को अनदेखा न करें, बल्कि फौरन हेल्थ एक्सपर्ट से मिलें। वह आपको फिजियोथेरेपी की सलाह दे सकते हैं।

लंबे समय तक एसी में रहने से हो सकती हैं कई स्वास्थ्य समस्याएं, जानिए या कहते हैं एसपर्ट

मई-जून के महीने में गर्मी अपना प्रचंड रूप दिखा रही है। चिल चिलाती धूप और लू ने लोगों को परेशान कर रखा। जिसके कारण लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। ऐसे में तेज गर्मी से राहत पाने के लिए लोग अधिकतर समय कूलर या एसी के सामने बिताते हैं। इन दिनों एसी का चलन काफी ज्यादा बढ़ गया है। घर हो या ऑफिस हर जगह एसी लगी होती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि लगातार एसी की हवा खाना आपके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रही है। साथ ही एसी की हवा से बाहर निकलने पर भी बुरा असर पड़ता है। दरअसल, एसी की ठंडी हवा में रहने के बाद जब आप गर्म वातावरण में बाहर जाते हैं, तो अचानक तापमान में बदलाव होता है। जो आपकी सेहत पर बुरा असर डालता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि एसी की हवा किस तरह से आपके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रही है।

जानिए क्या कहते हैं हेल्थ एक्सपर्ट

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक जब आप एसी के ठंडे वातावरण से बाहर निकलते हैं। तो तापमान में अचानक से होने वाला बदलाव आपकी सेहत पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है। जब आपका शरीर ठंडे वातारवण से गर्मी में जाता है, तो उसे गर्मी का झटका लगता है। अचानक से हुए इस तापमान के बदलाव की वजह से कई शारीरिक प्रतिक्रियाएं शुरू हो सकती हैं।

दिल की सेहत के लिए नुकसानदेह

एसी का ठंडा वातावरण सबसे पहले आपका हार्ट फंक्शन प्रभावित होता है। गर्मी की वजह से ठंडे वातावरण में सिकुड़ी हुई रक्त वाहिकाएं यानी ब्लड वेसल्स काफी तेजी से फैलने लगती है। जिसके कारण ब्लड प्रेशर में तेजी से कमी आती है। इसकी वजह से आपकोचक्कर या बेहोशी भी आ सकती है। खासकर दिल की बीमारी का शिकार लोगों यह बदला वातावरण काफी परेशान कर सकता है।

ब्रोंकाइटिस या अस्थमा के पेशेंट

ठंडे तापमान के बाद अचानक से गर्मी तापमान में आने से ब्रोंकाइटिस या अस्थमा जैसी रेस्पिरेटरी संबंधी बीमारियां पकड़ सकती हैं। जब शरीर अधिक पसीना बहाकर खुद को ठंडा रखने की कोशिश करता है। वहीं गर्मी की वजह से डिहाइड्रेशन भी हो सकता है। ऐसे में शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी के कारण थकावट, सिरदर्द और मांसपेशियों में ऐंठन हो सकती है।

हीटस्ट्रोक

जब आप अचानक से ठंडे तापमान से निकलकर गर्म तापमान में जाने से शरीर इसको कंट्रोल करने में असमर्थ होता है और हीटस्ट्रोक का कारण बनती है। इसकी वजह तेज दिल की धड़कन और यहां तक कि बेहोशी जैसे लक्षण देखने को मिल सकते हैं। जब शरीर की इस तापमान को कंट्रोल करने की क्षमता विफल हो जाती है, तो शरीर के तापमान में तेजी से बढ़ोत्तरी होती है। जिसके कारण हीट स्ट्रोक होता है। जो एक गंभीर और घातक बीमारी है।

प्रधानमंत्री मोदी का शपथ ग्रहण समारोह होगा यादगार

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी तीसरे कार्यकाल के लिए 9 जून को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। प्रधानमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह कई मायनों में बेहद खास होगा। इस समारोह में जहां एक तरफ दुनियाभर के शीर्ष नेता शामिल होंगे, तो वहीं सफाईकर्मी, ट्रांसजेंडर, मजदूर भी इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बनेंगे। नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में कुल 8000 मेहमान शामिल हो सकते हैं। इस शपथ ग्रहण समारोह में दुनिया के कई शीर्ष नेता शामिल हो सकते हैं। भारत के पड़ोस और हिंद महासागर क्षेत्र के नेताओं को विशिष्ट अतिथि के रूप में सादर आमंत्रित किया गया है।

श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जु, सेशेल्स के उपराष्ट्रपति अहमद अफीफ, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री, शेख हसीना, मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ, नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड और भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे ने प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। यह भी बताया जा रहा है कि शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के अलावा यह सभी नेता उसी शाम राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा आयोजित भोज में भाग लेंगे।

मालदीव के मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति मुइज्जू शनिवार को नई दिल्ली के लिए रवाना होंगे और इस दौरान उनके साथ उनकी सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी भी भारत आएंगे। हालांकि अभी तक मालदीव की सरकार

विदेशी मेहमानों के साथ कई खास मेहमान होंगे शामिल

की तरफ से इसे लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। बुधवार को मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू ने कार्यवाहक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लोकसभा चुनाव में जीत की बधाई भी दी थी। मुइज्जू को चीन समर्थक माना जाता है और अगर वह भारत आते हैं तो यह राष्ट्रपति बनने के बाद उनकी पहली भारत यात्रा होगी।

मोहम्मद मुइज्जू पिछले साल राष्ट्रपति बनने के बाद से तुर्किए और चीन का दौरा कर चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में सफाईकर्मी, मजदूर, ट्रांसजेंडर, केंद्र सरकार की योजनाओं के लाभार्थी और विकसित भारत के राजदूत इस समारोह के खास मेहमान होंगे।

यूक्रेन को मिराज लड़ाकू विमान देगा फ्रांस, ट्रेनिंग देने का भी वादा

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि फ्रांस यूक्रेन को मिराज युद्धक विमान देगा और उनके सैनिकों को प्रशिक्षित करेगा। श्री मैक्रों ने फ्रांसीसी मीडिया को दिए साक्षात्कार में कहा कि हम एक नया सहयोग शुरू करेंगे और मिराज 2000-5 को हस्तांतरित करेंगे। उन्होंने युद्ध के मैदान में तैनात किए जाने वाले 4,500 सैनिकों की यूक्रेनी बटालियन को प्रशिक्षित करने का भी वादा किया। उन्होंने कहा कि फ्रांसीसी लड़ाकू विमानों की डिलीवरी 'तनाव बढ़ाने वाला कारक नहीं है' तथा इन हथियारों का इस्तेमाल नागरिकों पर बमबारी करने के लिए नहीं किया जाएगा।

इस दौरान उन्होंने यूक्रेन में सैन्य प्रशिक्षकों को भेजने की संभावना को भी खारिज नहीं किया। गौरतलब है कि मिराज 2000 एक फ्रांसीसी बहु-भूमिका, एकल-इंजन, चौथी पीढ़ी का जेट फाइटर है, जिसे दसॉल्ट एविएशन द्वारा निर्मित किया गया है।

मोदी को मस्क ने दी जीत की बधाई, भारत में काम को इच्छुक

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन की जीत और प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे बार प्रधानमंत्री की खबर के बाद से अन्य देशों से बधाई का सिलसिला शुरू हो गया है। अब हाल ही में एलन मस्क ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जीत की बधाई दी। साथ ही उन्होंने कहा कि वे भारत में अपनी कंपनी का काम करने के लिए काफी उत्सुक हैं।

प्रधानमंत्री बोले- आपके आने से खुशी होगी

नरेंद्र मोदी 9 जून रविवार को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। वे लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने जा रहे हैं। वहीं उनके प्रधानमंत्री पद के दावेदार होने के बाद से ही अन्य देशों के नेता और प्रतिष्ठित व्यक्तियों की बधाई का सिलसिला शुरू हो गया है। अमेरिकी टेक अरबपति एलन मस्क ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनकी जीत पर बधाई दी।

52 वर्षीय मस्क ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट में कहा, दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक चुनावों में आपकी जीत के लिए नरेंद्र मोदी आपको बधाई। मैं भारत में अपनी कंपनियों द्वारा रोमांचक काम किए जाने के लिए उत्सुक हूं। वहीं कार्यवाहक पीएम मोदी ने मस्क की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, आपकी बधाई के लिए आभारी हूं एलन मस्क उन्होंने कहा कि प्रतिभाशाली भारतीय युवा, देश की जनसांख्यिकी, पूर्वानुमानित नीतियां और स्थिर लोकतांत्रिक राजनीति अपने सभी भागीदारों के लिए कारोबारी माहौल प्रदान करती रहेगी।

बता दें कि इलेक्ट्रिक कार निर्माता टेस्ला और माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स के सीईओ द्वारा अप्रैल में बहुत भारी टेस्ला दायित्वों के कारण भारत की अपनी प्रस्तावित यात्रा स्थगित कर दी थी। एलन मस्क के 21 और 22 अप्रैल को भारत में होने की उम्मीद थी। वे प्रधानमंत्री मोदी से मिलने वाले थे। एलन मस्क ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि वह इस साल के अंत में भारत आने के लिए उत्सुक हैं।

देश में जल्द लागू होगी उपग्रह आधारित इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह प्रणाली

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) ने उपग्रह आधारित इलेक्ट्रानिक टोल संग्रह प्रणाली को लागू करने के लिए दुनिया भर से बोलियां (ईओआइ) आमंत्रित किए हैं। ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) पर आधारित इस व्यवस्था से राष्ट्रीय राजमार्गों पर चलने वाले वाहनों को निर्बाध टोल संग्रह अनुभव मिलेगा।

टोल बूथ प्रणाली होगी खत्म : एक आधिकारिक बयान में शुक्रवार को कहा गया कि ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) पर आधारित इस व्यवस्था से राष्ट्रीय राजमार्गों पर चलने वाले वाहनों को निर्बाध टोल संग्रह अनुभव मिलेगा। एनएचएआइ की इस पहल का मकसद राजमार्गों पर मौजूदा टोल बूथ प्रणाली को खत्म करना है।

बयान के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्गों का इस्तेमाल करने वालों को बाधारहित टोल संग्रह अनुभव देने

एनएचएआइ ने आमंत्रित कीं वैश्विक बोलियां

और टोल संचालन की दक्षता तथा पारदर्शिता बढ़ाने के लिए एनएचएआइ की कंपनी भारतीय राजमार्ग प्रबंधन कंपनी लिमिटेड (आइएचएमसीएल) ने भारत में जीएनएसएस आधारित इलेक्ट्रानिक टोल संग्रह प्रणाली के विकास और उसे लागू करने के लिए योग्य कंपनियों से ईओआइ मंगाया है।

बयान में कहा गया है कि एनएचएआइ मौजूदा फास्टैग व्यवस्था के भीतर ही जीएनएसएस आधारित इलेक्ट्रानिक टोल संग्रह (ईटीसी) प्रणाली को लागू करने की योजना बना रहा है। शुरुआत में एक मिश्रित माडल को अपनाने की योजना है जिसमें आरएफआइडी आधारित ईटीसी और जीएनएसएस आधारित ईटीसी, दोनों ही एक साथ काम करेंगे।

फैक्ट्री में लगी आग, तीन मजदूरों की मौत, छह झुलसे

नई दिल्ली। दिल्ली के नरेला स्थित एक फैक्ट्री में आग लग गई। हादसे में फैक्ट्री में मौजूद तीन मजदूरों की मौत हो गई जबकि 6 अन्य झुलस गए हैं। हादसा शनिवार सुबह साढ़े तीन बजे के करीब पेश आया है। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर अंदर फंसे कुछ लोगों का रेस्क्यू किया। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां डॉक्टरों ने तीन को मृत घोषित कर दिया जबिक अन्य का इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि हादसे के समय फैक्ट्री में कच्चे मूंग को गैस बर्नर पर भूना जा रहा था। इसी दौरान पाइपलाइन से गैस रिसाव के कारण आग लग गई। आग लगने से कंप्रेसर गर्म हो गया और उसमें विस्फोट हो गई।

अयोध्या में राम का अपमान करने वालों हरे : संजय

नई दिल्ली (यूएनआई)। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि अयोध्या के लोगों ने भगवान राम का अपमान करने वालों को हरा दिया। भाजपा के लोग राम को लाने का दावा करते थे। ये उनका अपमान है। अब हारने के बाद भाजपा के लोग अयोध्या के लोगों को गाली दे रहे हैं। ये लोग हिंदुओं के भी सगे नहीं हैं। अगर वोट नहीं दिया तो अब गाली दे रहे हैं। संजय सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काशी से 1.50 लाख वोटों से जीते। भोलेनाथ ने थोड़ी दया दिखाई तो उन्हें जिता दिया पर राम जी ने भाजपा वालों को विदा कर दिया।

संजय सिंह लखनऊ में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 विषम परिस्थितियों में हुआ। प्रधानमंत्री का पूरा तंत्र और संसाधन विपक्ष को रोकने में लगा हुआ था लेकिन देश की जनता ने बेरोजगारी, महंगाई, अग्निवीर योजना, संविधान में बदलाव की मुहिम के खिलाफ और आरक्षण खत्म करने के विरोध में जनादेश दिया है। यह जनादेश

नफरत की राजनीति के खिलाफ है। हिंदुस्तान अहंकार से नहीं चलेगा। ये देश मोहब्बत से चलेगा। हमारा देश पाकिस्तान और तालिबान नहीं है जो कि लोगों को बांटकर चलेगा। अगर ये लोग नहीं सुधरे तो 240 से फिर दो सीटों पर आ जाएंगे। संजय सिंह ने दावा किया कि एनडीए सरकार का भविष्य एक साल, छह महीने या फिर 13 दिन भी हो सकता है। मोदी जी अटल जी जैसे नेता नहीं हैं। इंडिया गठबंधन सही समय पर सही निर्णय लेगा। हम आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा देने और जदयू की अग्निवीर योजना को खत्म करने की राय से सहमत हैं। आप नेता ने मांग की है कि एनडीए सरकार में टीडीपी का स्पीकर होना चाहिए। भाजपा का स्पीकर संसदीय परंपरा के लिए घातक होगा। मोदी 2.0 में 150 सांसदों को सदन से निलंबित किया गया था। ये लोग सत्ता में रहने के लिए छोटी पार्टियों को तोड़ देंगे। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी यूपी के चुनाव नहीं लड़ी लेकिन गठबंधन के लिए बिना शर्त समर्थन दिया। संजय सिंह ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि इन लोगों ने भेदभाव किया। अखिलेश यादव पांच साल मुख्यमंत्री रहे जब घर छोड़ा तो सीएम आवास को गंगाजल से धुलवाया गया। मंदिर गए तो मंदिर धुला। राम मंदिर के शिलान्यास में तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को नहीं बुलाया गया था। उद्घाटन में भी राष्ट्रपति को नहीं बुलाया गया था।

भाजपा का स्पीकर विपक्ष के लिए घातक

13 को होगी प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक

उन्होंने बताया कि आम आदमी पार्टी की 13 जून को नोएडा में प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक होगी जिसमें चुनाव के नतीजों की राज्यवार समीक्षा की जाएगी। यूपी में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में आप गठबंधन में रहेगी। इस पर सपा के साथ बात करेंगे। अभी कुछ कहना ठीक नहीं होगा। लखनऊ में 20 जून को कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। उन्होंने मांग की है कि नीट की परीक्षा परिणाम में हुई गड़बड़ी की जांच हो। आम आदमी पार्टी 69000 शिक्षक भर्ती मामले की लड़ाई

चंद्रबाबू नायडू की पत्नी ने स्टॉक से कमाए 579 करोड़ रुपये

नई दिल्ली (यूएनआई)। आंध्र प्रदेश के होने वाले सीएम और तेलगू देशम पार्टी के अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू राजनीति के साथ साथ आर्थिक क्षेत्र में भी सफलता की नई ऊचाइंयां छू रहे हैं। लोकसभा चुनाव के परिणाम आते ही उनके परिवार ने पिछले पांच दिनों में 870 करोड़ रुपये कमाए हैं। वहीं, बात अगर उनकी पत्नी की करें तो चंद्रबाबू की पत्नी नारा भुवनेश्वरी ने केवल पांच दिनों में 579 करोड़ रुपये कमाए हैं।

ये कमाई तब हुई है जबकि एग्जिट पोल के अनुमानों के बाद शेयर मार्केट में बड़ी गिरावट आई थी। हालांकि उनकी कंपनी हेरिटेज फूड्स के शेयरहोल्डिंग पैटर्न के कारण एफएमसीजी स्टॉक में बढ़त दर्ज की गई। जिससे नायडू परिवार के लोगों के शेयर की कीमतों में बंपर उछाल आया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चंद्रबाबू नायडू ने 1992 में इस कंपनी की स्थापना की थी। हेरिटेज फूड्स डेयरी उत्पादों में कारोबार करती है।

चंद्रबाबू नायडू की पत्नी नारा भुवनेश्वरी कंपनी की प्रमुख प्रवर्तक हैं। उनके पास हेरिटेज फूड्स के 2,26,11,525 शेयर हैं। नारा भुवनेश्वरी के पास कंपनी में 24.37 प्रतिशत हिस्सेदारी है। अब बीते पांच दिनों से कंपनी के शेयर रॉकेट की तरह उड़ान भर रहे हैं। बीते पांच दिनों में हेरिटेज फूड्स का शेयर 55 फीसदी बढ़ गया है। बता दें कि जब एग्जिट पोल में आंध्र प्रदेश में टीडीपी की बड़ी जीत की भविष्यवाणी की गई थी उसके दो दिन बाद यानी तीन जून को कंपनी के एक शेयर की कीमत 424 रुपये थी। वहीं शुक्रवार को सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन इसकी कीमत बढ़कर 661.25 हो गई थी। पिछले लगातार पांच सत्रों में, हेरिटेज फूड्स के शेयर की कीमत 256.10 प्रति शेयर बढ़ गई है। गौरतलब है कि नायडू परिवार और चंद्रबाबू नायडू की पत्नी की संपत्ति में एक तरफ ये इजाफा हो रहा है।

अगर तमिलनाडु में कांग्रेस अपने दम पर लड़ती तो जमानत भी बरकरार नहीं रख पाती : सुंदरराजन

(यूएनआई) ब्यूरो कार्यालय

चेन्नई। लोकसभा चुनाव संपन्न हो चुका है, लेकिन सियासी पारा बना हुआ है। भाजपा नेता तमिलसाई सुंदरराजन ने एक बार फिर कांग्रेस पर निशाना साधा। कहा कि अगर कांग्रेस पार्टी अपने दम पर तमिलनाडु में चुनाव लड़ती तो वह किसी भी सीट में जमानत बरकरार नहीं रख पाती।

नेता तमिलसाई हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात कर रही थीं। इस दौरान तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के सेल्वापेरुंथागई की कथित टिप्पणी, जिसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा को मिले वोट पीएमके के वोट हैं, के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए तमिलसाई ने आश्चर्य जताया कि क्या राज्य में इस सबसे पुरानी पार्टी के पक्ष में डाले गए सभी वोट डीएमके के वोट थे। उन्होंने आगे कहा, कांग्रेस नेता सेल्वापेरुंथागई का कहना है कि भाजपा

द्वारा प्राप्त वोट पीएमके वोट थे। इस तरह तो कांग्रेस पार्टी को मिले वोट वास्तव में डीएमके के वोट थे। क्या मुख्यमंत्री एमके स्टालिन इससे इनकार करेंगे? दक्षिण चेन्नई लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने वाली तमिलिसाई ने कहा, आप (कांग्रेस) अपने दम पर लड़ सकते थे! अगर कांग्रेस पार्टी के सेल्वापेरुंथागई ने तमिलनाडु में अपने दम पर चुनाव लड़ा होता, तो पार्टी राज्य के किसी भी निर्वाचन क्षेत्र में जमानत बरकरार नहीं रख पाती। उन्होंने कहा कि सेल्वापेरुंथागई को भाजपा की आलोचना करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है क्योंकि कांग्रेस डीएमके पर निर्भर है। डीएमके और अन्य दलों के समर्थन के कारण ही कांग्रेस राज्य में जीती है। कांग्रेस के उलट भाजपा तमिलनाडु में

भाजपा की आलोचना करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं

मजबूत बनी हुई है और पार्टी के पास चुनावों में अकेले जाने का साहस है। उन्होंने आगे कहा कि जब सेल्वापेरुंथागई ने हाल ही में कामराजार के शासन (कांग्रेस शासन) की आकांक्षा की बात की, तो वरिष्ठ नेता ईवीकेएस एलंगोवन ने पलटवार किया कि डीएमके का शासन कामराज का शासन था और इसलिए कांग्रेस पार्टी तमिलनाडु में बिना किसी प्रगति के केवल इसी तरह चल सकती है। गौरतलब है, भाजपा ने पीएमके सहित छोटे दलों के समर्थन से लोकसभा चुनाव लड़ा और एक भी सीट हासिल नहीं की, हालांकि उसने 11.24 प्रतिशत वोट शेयर दर्ज किया। वहीं, डीएमके की सहयोगी कांग्रेस ने तमिलनाडु में नौ सीटें जीतीं और पड़ोसी राज्य पुडुचेरी की एकमात्र लोकसभा सीट पर विजयी हुई।

मौसम विभाग ने केरल के पांच जिलों मे ऑरेंज अलर्ट

तिरुवनन्तपुरम (यूएनआई)। केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून के लगातार जारी रहने के बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग ने शनिवार को राज्य के पांच जिलों में भारी बारिश की संभावना जताते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया। आईएमडी के अनुसार, पथनमथिट्टा के दक्षिणी जिले और कोझिकोड वायनाड, कन्नूर और कासरगोड के उत्तरी जिलों को दिन के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया। मौसम एजेंसी ने राज्य के आठ जिलों के लिए येलो अलर्ट भी जारी किया है, जिसमें तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, अलाप्पुझा, कोट्टायम, इडुक्की, एर्णाकुलम, त्रिशूर और मलप्पुरम में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है रेड अलर्ट 24 घंटों में 20 सेमी से अधिक की भारी से अत्यधिक भारी बारिश का संकेत देता है, जबकि ऑरेंज अलर्ट का मतलब 11 सेमी से 20 सेमी की बहुत भारी बारिश है, और पीले अलर्ट का मतलब 6 सेमी और 11 सेमी के बीच भारी बारिश है। भारी बारिश खतरे पैदा करती है, इसलिए केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (केएसडीएमए) ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। इस बीच, जिला अधिकारियों ने कहा कि तिरुवनंतपुरम में अरुविक्कारा बांध के गेट शनिवार सुबह 25 सेमी ऊपर उठा दिए गए।

जिरीबाम संदिग्ध उग्रवादियों ने एक पुलिस चौकी और कई घरों में लगाई आग

इंफाल (यूएनआई)। मणिपुर के जिरीबाम जिले में शनिवार को संदिग्ध उग्रवादियों ने एक पुलिस चौकी और कई घरों में आग लगा दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि उग्रवादियों ने शुक्रवार देर रात करीब 12:30 बजे बराक नदी के किनारे चोटोबेकरा इलाके में स्थित जिरी पुलिस चौकी को आग के हवाले कर दिया था। राज्य की राजधानी इंफाल से लगभग 220 किलोमीटर दूर स्थित जिले के मोधुपुर क्षेत्र के लामताई खुनौ में पहाड़ी क्षेत्र के संदिग्ध उग्रवादियों ने अंधेरे का फायदा उठाकर कई हमले किए।

जिरीबाम के जिलाधिकारी ने बताया कि जिरीबाम के बाहरी इलाके के कई घरों में आग लगा दी गई, हालांकि अभी सटीक संख्या की पुष्टि नहीं की जा सकती। पुलिस ने बताया कि उग्रवादियों के खिलाफ सुरक्षा अभियान में सहायता के लिए मणिपुर पुलिस की एक कमांडो

टुकड़ी को शनिवार सुबह इंफाल से जिरीबाम भेजा गया। आंतरिक मणिपुर लोकसभा सीट से नवनिर्वाचित कांग्रेस सांसद अंगोमचा बिमोल अकोईजाम ने राज्य सरकार से जिरीबाम जिले के लोगों के जीवन और संपत्तियों की रक्षा करने का आग्रह किया है। अकोईजाम ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा, मैंने जिरीबाम के जिला अधिकारियों से बात की है। उन्होंने कहा कि वहां अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी पहुंच गए हैं। शहर में रहने वाले लोगों को भी सुरक्षा दी जा रही है, लेकिन शहर के सीमाई क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुरक्षा नहीं दी जा रही है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि जिरीबाम जिले में उग्रवादियों द्वारा कथित तौर पर एक व्यक्ति की हत्या किए जाने पर भड़की हिंसा के बाद यहां के लगभग 239 लोगों को उनके गांवों से निकाल कर जिरी शहर के खेल परिसर में स्थापित किए गए नए शिविरों में भेजा गया। इनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। जिरीबाम जिले में संदिग्ध उग्रवादियों द्वारा 59 वर्षीय एक व्यक्ति की हत्या किए जाने पर हुए विरोध-प्रदर्शन के बाद छह जून को जिला प्रशासन ने वहां अनिश्चित काल के लिए कर्फ्यू लगा दिया था। जिरीबाम जिले में हुई हत्या से यहां ताजा जातीय हिंसा भड़क उठी है जबकि अभी तक यह क्षेत्र हिंसा से अप्रभावित रहा था। मणिपुर में पिछले साल से मई से जारी हिंसा से अब तक जिरीबाम अप्रभावित रहा है। यहां भी मेइती, मुस्लिम, नागा, कुकी और गैर-मणिपुरी लोग रहते हैं।

नए रक्षा मंत्री के सामने चुनौतियों का अंबार, चीन और अग्निवीर जैसे मुद्दों से निपटना नहीं होगा आसान

नई दिल्ली (यूएनआई)। नरेंद्र मोदी अपना तीसरा कार्यकाल शुरू करने जा रहे हैं। उनके नेतृत्व में एनडीए सरकार 9 जून को शपथ लेगी। एनडीए 3.0 में इस बार रक्षा मंत्री का पद किसे मिलता है, इस पर डिफेंस सेक्टर से जुड़े लोगों की पैनी निगाहें हैं। नए रक्षा मंत्री 11 जून मंगलवार तक पदभार संभाल लेंगे। लेकिन उनके सामने कई ऐसी चुनौतियां हैं, जिन पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। इनमें इंटीग्रेटेड थिएटर कमांड, एलएसी पर चीन के साथ तनाव और अग्निवीर जैसे तमाम मुद्दे शामिल होंगे, जिन पर उन्हें बड़े फैसले लेने होंगे।

रक्षा मंत्री के पद पर एनडीए गठबंधन में शामिल बड़े दलों की निगाहें हैं। जेडीयू ने रक्षा मंत्रालय देने की मांग की है। तो भाजपा डिफेंस मिनिस्ट्री को अपने पास रखने के मूड में हैं। जेडीयू का तर्क है कि अटल बिहारी वाजपेयी की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार (1998-2004) में रक्षा मंत्री का पद सहयोगी दल समता पार्टी के पास था, उस समय जॉर्ज फर्नांडिस रक्षा मंत्री बने थे। वहीं अब जब भाजपा एनडीए के सहारे सरकार बना रही है, तो इस बार भी ये पद सहयोगी दल को मिलना चाहिए। लेकिन नए मंत्री के लिए चुनौतियां कम नहीं रहने वाली हैं। देश में नए सेनाध्यक्ष की नियुक्ति होनी है। सरकार ने 26 मई को मौजूदा चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल मनोज पांडे को एक माह का सेवा विस्तार दे दिया था। उनका कार्यकाल 31 मई को खत्म होने वाला था। लेकिन अब वे 30 जून को रिटायर होंगे। हालांकि नए आर्मी चीफ की नियुक्ति में रक्षा मंत्री का सीधे-सीधे कोई रोल नहीं होता। लेकिन नए चीफ की नियुक्ति प्रक्रिया के तहत आर्मी हेडक्वॉर्टर वरिष्ठ अफसरों के नाम उनके बैकग्राउंड की जानकारी के साथ रक्षा मंत्री को भेजता है। जिसके बाद रक्षा मंत्री उन नामों को अपाइंटमेंट कमेटी ऑफ कैबिनेट (एसीसी) से सिफारिश करते हैं। एसीसी में प्रधानमंत्री और गृह मंत्री शामिल होते हैं। नए सेनाध्यक्ष की नियुक्ति पर आखिरी फैसला प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली कैबिनेट की नियुक्ति कमेटी ही लेती है। पहले ये फैसला कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी करती थी, जिसमें रक्षा मंत्री भी शामिल होते थे। मिलिट्री रिफॉर्म्स सरकार के एजेंडे में शामिल हैं। अपने संकल्प पत्र में भी भाजपा ने इसे प्रमुखता से शामिल किया था।

रक्षा मंत्रालय पर सहयोगी दलों की निगाहें

टेढ़ी खीर साबित होगा सैन्य सुधारों को लागू करना

वहीं, सरकार ने थिएटराइजेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसमें नए आर्मी चीफ का रोल बेहद होगा। इन सैन्य सुधारों के तहत सेना के तीनों अंगों- थलसेना, वायुसेना और नौसेना को मिलाकर एकीकृत थिएटर कमांड बनाए जाएंगे। एकीकृत थिएटर कमांड बनाने के साथ ही सरकार वाइस चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और डिप्टी चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की भी नियुक्ति करेगी। अगले साल जून 2025 तक एकीकृत थिएटर कमांड बनाने का काम खत्म हो जाएगा। सरकार ने एकीकृत थिएटर कमांड बनाने के लिए जनवरी 2020 में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ का पद भी बनाया था। मौजूदा सीडीएस जनरल अनिल चौहान के कंधे पर यह जिम्मेदारी है कि काम समय पर पूरा हो जाए। इसके तहत जयपुर में पश्चिमी थिएटर कमांड का मुख्यालय बनाया जा सकता है, जहां सेना की दक्षिण पश्चिमी कमान स्थित है। जबकि लखनऊ में उत्तरी थिएटर कमांड बनाई जा सकती है। समुद्री खतरों से निपटने के लिए मैरीटाइम थिएटर कमांड का बेस कोयंबटूर में बनाए जाने की संभावना है, साथ ही इसमें भारतीय वायुसेना की प्रयागराज-हैडक्वॉर्टर वाली सेंट्रल कमांड और तिरुवनंतपुरम में मौजूद दक्षिणी वायु कमान शामिल होगी।

राशनकार्ड धारक करे ले ई-केवाईसी

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। जिलापूर्ति अधिकारी ने जनपद के समस्त राशन कार्डधारकों/लाभार्थियों को बताया कि राशन कार्ड के डाटाबेस में सीडेड आधार नम्बर का समुचित वैलिडेशन नहीं हो पाने के कारण पात्र/अपात्र लाभार्थियों की पहचान तथा आधार आथेन्टिकेशन से खाद्यान्न वितरण में आने वाली समस्याओं के निस्तारण हेतु राशन कार्ड मुखिया सहित समस्त सदस्यों का ई-केवाईसी किया जाना है। ई-केवाईसी कराये जाने का अभियान माह जून से चलाया जा रहा है।

इस अभियान को सफल बनाने के लिए राशनकार्ड के समस्त सदस्यों का सहयोग नितान्त आवश्यक है। राशन कार्ड लाभार्थियों की ई-केवाईसी का कार्य ई-पॉस के माध्यम से उचित दर विक्रेताओं के सहयोग से निःशुल्क कराया जायेगा। लाभार्थी अपनी निकटतम किसी भी उचित दर दुकान पर जाकर ई-केवाईसी करा सकते है। ई-केवाईसी हेतु लाभार्थियों का बायोमेट्रिक आथेन्टिकेशन किया जायेगा।

ई-केवाईसी के साथ इस विकल्प के अन्तर्गत राशन कार्ड से मोबाइल नम्बर जोड़े जाने की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी जिसका उपयोग राशन कार्ड मुखिया द्वारा करते हुए मोबाइल नम्बर फीड/संशोधित किया जा सकेगा। इस मोबाइल नम्बर पर कार्ड पर प्राप्त होने वाले राशन का विवरण एस0एम0एस0 द्वारा प्राप्त होगा। उक्त के अतिरिक्त यदि किसी राशन कार्ड में मुखिया से परिवारजन का सम्बन्ध गलत प्रदर्शित है तो उसे भी सुधारा जा सकेगा। इस संशोधन का अधिकार भी केवल राशन कार्ड के मुखिया को होगा। अन्य सभी राशन कार्ड सदस्यों को मात्र ई-केवाईसी ही करना होगा। सभी राशन कार्ड धारक परिवार से अपील है कि अधिक से अधिक संख्या में उचित दर दुकानों में पहुंचकर अपना ई-केवाईसी पूर्ण कराना आज ही सुनिश्चित करें।

चोरी की शराब के साथ चोर गिरफ्तार, भेजा गया जेल

जौनपुर। नगर के लाइन बाजार थाना क्षेत्र के पुलिस चौकी चौकियां चौकी प्रभारी निखिलेश तिवारी के नेतृत्व में एक शातिर चोर को गिरफ्तार करके चालान न्यायालय भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक लाइन बाजार थाना क्षेत्र के पांडेय पुरुषोत्तमपुर निवासी सूरज गौतम पुत्र सूबेदार को मिली सूचना के आधार पर शनिवार की सुबह पांडेय पुरुषोत्तमपुर पुलिया के पास से चोरी की एक पेटी शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया गया जिसके बाद चालान न्यायालय भेज दिया गया। इस बाबत पूछे जाने पर थाना प्रभारी लाइन बाजार किशोर चौबे ने बताया कि उक्त शातिर चोर कर कुछ दिन पहले एक शराब की ठेके से की गई चोरी में शामिल था। उसको गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया है।

आटो चालक की धारदार हथियार से हत्या

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। नेवढ़िया थाना क्षेत्र के सलारपुर घमहा गांव के पास अज्ञात बदमाशों ने एक व्यक्ति की धारदार हथियार प्रहार करके बेरहमी से कत्ल कर दिया। दिनदहाड़े हुए खून से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार आज दोपहर उक्त गांव में सड़क के किनारे एक व्यक्ति की खून से लथपथ शव मिलने से सनसनी फैल गई, यह खबर सुनकर मौके पर भारी भीड़ एकत्रित हो गई , सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल किया , मृत व्यक्ति की पहचान मड़ियाहूं थाना क्षेत्र के बारी गांव नेवादा गांव के निवासी ब्राह्मनंद प्रजापति 55 वर्ष के रूप में हुई है । शव के पास एक ऑटो रिक्शा भी मिला है जिससे कयास लगाया जा रहा है कि मृतक ऑटो चालक हो सकता है।

चोरी के माल के साथ फर्जी पत्रकार गिरफ्तार

प्रयागराज। शाहगंज पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर चोरी के माल के साथ आरोपी रईस अहमद (कथित पत्रकार) निवासी हम्माम गली नखास कोहना, शाहगंज को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से एक स्कार्पियो गाड़ी जिसमें चोरी का माल डिग्गी से तीन बोरियों में रखा हुआ 50 अदद बेलन, 02 अदद डिब्बा चौंका, 13 अदद लकड़ी का चौंका, 31 अदद बर्तन लोहे का, 16 अदद भुनवा छन्नी व 11 अदद चूहे दानी बरामद हुआ है। कुछ दिन पहले एक कारोबारी ने शाहगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया था कि उसके गोदाम से चोरी की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज में चोरी की घटना दिखी थी। इसके आधार पर पुलिस ने एक आरोपी रईस अहमद को पकड़ा है।

13 वर्षीय विहाना ने तैरकर पार की यमुना नदी

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। नवजीवन तैराकी क्लब के तत्वावधान में प्रत्येक वर्षो की भांति इस वर्ष भी तैराकी प्रशिक्षण शिविर में बालक बालिका महिला एवं पुरुष तैराकी मुख्य प्रशिक्षक त्रिभुवन निषाद, कमला निषाद, मानस निषाद एवं पूजा कपूर के नेतृत्व में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार को विहाना कपूर कक्षा पुत्री अनुज कपूर निवासी मीरापुर प्रयागराज, ने प्रशिक्षक त्रिभुवन निषाद के साथ प्रातः 6:15 बजे बरगद घाट मीरापुर से चलकर सिंधु सागर घाट ककरा घाट से 6:25 मिनट पर तैराकी प्रारंभ किया और दूसरी छोर विद्यापीठ स्कूल महेवा की ओर विहाना कपूर 6:42 पर पहुंची। प्रशिक्षक के मुताबिक इस प्रकार विहाना कपूर ने 17 मिनट में यमुना नदी को तैरकर उपस्थित समूह को आश्चर्यचकित किया। बच्चों के परिवार के अन्य सदस्य नाव द्वारा साथ-साथ चल रहे थे। नाव पर बैठे परिवार के लोग व दर्शकों ने गंगा मैया की जयकारे लगाये। अब रविवार को 8 वर्षीय बालक ध्रुव यमुना नदी को पार करेगा।

नरेंद्र मोदी के द्वारा प्रधानमंत्री पद की शपथ लेते ही भाजपाई मनाएंगे जश्न

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ को लेने को लेकर भाजपा कार्यकर्ता उत्साहित है।

जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 9 जून को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ को लेकर दिल्ली में तैयारी चल रही है तो प्रयागराज के कार्यकर्ता भी उस पल का इंतजार कर रहे हैं और जश्न मनाने की तैयारी में जुट गए हैं। भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा के द्वारा सिविल लाइन कार्यालय में और भाजपा मंडल अध्यक्षो के द्वारा मंडल के कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ लेते ही मिठाई खिलाकर एवं पटाखे फोड़कर एक दूसरे को बधाई देंगे। इसके अलावा भाजपा नेता विजय वैश्य के द्वारा शाम 6:00 बहादुरगंज क्षेत्र में दीपावली और होली के जैसे उत्सव मनाया जाएगा और लोगों को मिठाई बांटी जाएगी।

मंदिर के गेट पर ताला लटकता देख बच्चे हुए निराश, मंदिर गेट पर किया विरोध प्रदर्शन

- पिछले एक वर्षो से चल रहा था मंदिर में निःशुल्क पाठशाला

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर (मुंगरा बादशाहपुर) नगर के मोहल्ला गुड़हाई (मलिया का गोड़ा) में स्थित मां काली चौरा माता मंदिर में संचालित निःशुल्क पाठशाला में पढ़ रहे बच्चों ने अचानक मंदिर गेट पर ताला लटकता देखकर निराश व मायूस हुए और विरोध प्रदर्शन नारेबाजी की। बच्चों ने शासन प्रशासन से मंदिर के गेट का ताला खुलवाने पुनः पठन पाठन शुरू करने की गुहार लगाई।

बताते चलें कि मलिया का गोड़ा मां काली मंदिर प्रांगण में पिछले एक वर्षो से शिक्षा से वंचित गरीब बच्चों को निःशुल्क पाठशाला में शिक्षक सूरज विश्वकर्मा, प्रीति गुप्ता व पिंकी गुप्ता द्वारा शिक्षण कार्य संचालित किया जा रहा था। रोजाना की तरह बच्चे जब शनिवार शाम पढ़ने के लिए पहुंचे तो मंदिर गेट पर ताला लटकता देख निराश हुए और मंदिर ट्रस्ट के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की।

बातचीत में निःशुल्क पाठशाला संचालक सूरज विश्वकर्मा ने बताया कि यहां पर पीछले एक साल से लगभग चार दर्जन से अधिक बच्चे पढ़ाई कर रहे है। मंदिर गेट पर ताला लटकता देख बच्चे सहित शिक्षक निराश हुए। जब ट्रस्टी प्रबंधक व अध्यक्ष से बातचीत किया तो उन्होंने निजी संपत्ति का हवाला देते हुए कहा कि हम कुछ लोगों के द्वारा मंदिर का निर्माण जारी है और यहां बच्चे नहीं पढ़ सकते हैं और आप दूसरी जगह देख लें तो अच्छा है क्यूंकि मंदिर अब एक निर्धारित समय से खुलेगा और बंद होगा। जो कि उसी मंदिर में बीते 20 मई को पाठशाला का स्थापन दिवस मनाया था। निःशुल्क पाठशाला के लोगों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि बच्चों पठन- पाठन में रुकावट हुई तो हम सभी लोग मंदिर के बाहर सड़क पर शिक्षण कार्य करने पर मजबूर होंगे जिसकी सारी जिम्मेदारी ट्रस्टी और प्रशासन की होगी।

संक्षिप्त समाचार

7.50 लाख नकदी सहित जेवरात की हुई चोरी

जौनपुर। सरपतहां थाना क्षेत्र के गैरवाह-नजोपुर गांव में 7 लाख नकदी सहित जेवरात चोरी होने की घटना प्रकाश में आयी है। मामला बीते शुक्रवार की रात का है जब उक्त गांव निवासी जयसराज पुत्र हिरजू परिवार के साथ मकान में सो रहे थे कि चोर रात को मकान की दीवाल तोड़कर मकान के भीतर घुस गये और घर में रखा साढ़े 7 लाख नकदी व सोने–चांदी के जेवर पार कर दिये। गृहस्वामी को सुबह जब घटना की जानकारी हुई तो वह अवाक रह गया। पीड़ित ने तत्काल इसकी सूचना डायल 112 पुलिस को दी जिस पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक छानबीन की। पीड़ित ने मामले में लिखित तहरीर देकर पड़ोस के कई लोगों सहित कुछ अज्ञात लोगों पर आशंका जाहिर किया जिस पर पुलिस मामले में छानबीन में जुट गयी है।

ट्रेलर के भीषण टक्कर से दो पिकप से चाऊमीन लाद रहें दो युवकों की मौके पर मौत

जौनपुर (बक्शा)। जिले के बक्शा थाना क्षेत्र के शम्भूगंज आदर्श इंटर कालेज के समीप वैसपार गांव के पास शनिवार की भोर में ट्रेलर के भीषण टक्कर से दो पिकप से चाऊमीन लाद रहें दो युवकों की मौके पर मौत हो गयी। टक्कर इतना भीषण रहा की दोनों पिकप के परखच्चे उड़ गए। सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए आवागमन को सुचारू रूप से चालू कराया। घटना की सूचना सुबह मिलते ही थाने व घटनास्थल पर भीड़ जमा हो गयी। एक मृतक बक्शा थाना क्षेत्र के शिवगुलामगंज उमरपुर निवासी 25 वर्षीय सचिन गुप्ता व सुल्तानपुर जनपद के लालडिग्गी कोतवाली निवासी 35 वर्षीय गौतम घोष की मौके पर मौत हो गई। मौके पर पहुंचे पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए आवश्यक कार्यवाही में जुट गई है।

डाक अदालत का आयोजन 14 जून को

आजमगढ़। डाक अदालत का आयोजन 14 जून को डाकघर मंडल कार्यालय आजमगढ़ पर आगामी 14 जून को दोपहर बाद 3 बजे मंडल स्तरीय डाक अदालत का आयोजन किया जाएगा। प्रवर अधीक्षक डाकघर अखिलेश कुमार ने बताया कि डाक अदालत में काउंटर सेवाएं, मनी आर्डर, बचत बैंक, रजिस्ट्री पत्र, पार्सल, बीमाकृत वस्तुएं, स्पीड पोस्ट, डाक जीवन बीमा, डाक कर्मचारियों के पेंशन संबंधी मामले एवं डाकघर से संबंधित अन्य समस्याओं एवं शिकायतों पर विचार विमर्श एवं उनका निराकरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस डाक अदालत में विचारार्थ शिकायत पूर्ण विवरण के साथ 13 जून शाम 4:30 तक कार्यालय प्रवर अधीक्षक डाकघर आजमगढ़ मंडल को भेज दी जाएं एवं शिकायतकर्ता डाक अदालत में व्यक्तिगत रुप से भी उपस्थित रहें।

गुरु अर्जुन देव के शहादत दिवस पर प्रसाद वितरण

आजमगढ़। सुंदर गुरुद्वारा प्रबंध समिति द्वारा सिख समुदाय के पांचवे गुरु अर्जुन देव के शहादत दिवस के पूर्व संध्या पर बड़ा देव मंदिर के पास सिख समुदाय के लोगों ने घुगुरी शरबत आम जनमानस में वितरण करते सिख समुदाय के सतनाम सिंह । इस अवसर पर संगम अरोड़ा, परमजीत सिंह, गगनदीप सिंह रिंकु, तरनजीत सिंह, सतनाम सिंह, करतार सिंह, श्याम सुंदर अरोड़ा,सुरेंद्र सिंह, गुरप्रीत सिंह, राजू सिंह, हरविंदर सिंह, अमनदीप सिंह, कैलाश सिंह, रंजीत सिंह, राजेश अरोड़ा तथा सभी धर्म और वर्ग के लोग उपस्थित रहे।

स्टेशन पर एसआईपी एक्सचेंज की शुरुआत

प्रयागराज। प्रयागराज मण्डल में कानपुर अनवरगंज स्टेशन पर एस्टरिस्क सॉफ्टवेयर आधारित एसआईपी एक्सचेंज सफलतापूर्वक स्थापित और शुरू कर दिया गया है। इस एक्सचेंज की क्षमता 144 लाइन है और इसे 500 ग्राहक तक विस्तारित किया जा सकता है। एक्सचेंज को उत्तर मध्य रेलवे के परियोजना इकाई द्वारा शुरू किया जा रहा है। यह विकास रेलवे संचार प्रणाली और सुरक्षा में उल्लेखनीय प्रगति का प्रतीक है और गाड़ियों के पारिचालन के लिए बेहतर और विश्वसनीय सेवाएं उपलब्ध कराएगा। इस एसआईपी एक्सचेंज के शुरू होने से अच्छी गुणवत्ता की ऑडियो और वीडियो कॉल के साथ एकल फोन से विभागीय इंटरकॉम, रेलवे फोन, पीएसटीएन फोन, बाइट इंटरकॉम की सुविधा के साथ विभिन्न प्रकार की अन्य उन्नत सेवाएं मिल सकेंगी। एस्टरिस्क सॉफ्टवेयर आधारित एसआईपी एक्सचेंज की स्थापना और रखरखाव में कम लागत आती है और एक ही कनेक्शन पर आडियो और वीडियो डेटा का अभिसरण आसानी से किया जा सकता है।

गांवों में सामुदायिक शौचालय के संचालन की जिम्मेदारी संभाल रही हैं स्वयं सहायता समूह की महिलाएं

अवधनामा संवाददाता

- प्रयागराज में 1386 महिलाओं को मिला सामुदायिक शौचालय के संचालन से रोजगार
- स्वच्छता सखी को हर महीने मिल रहा है 6 हजार रुपए का मानदेय
- ग्रामीण महिलाओं को रोजगार से जोड़ने की सरकार की पहल के मिल रहे हैं सकारात्मक नतीजे

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में ग्रामीण महिलाओं को रोजगार से जोड़ने की योगी सरकार की कोशिश धरातल पर उतरने लगी है। ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक शौचालय के संचालन की जिम्मेदारी स्थानीय ग्रामीण महिलाओं को दिए जाने से जहां एक तरफ गांव की ये महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत हो रही हैं तो वहीं दूसरी तरफ इन कम्युनिटी टाइलेट्स का रखरखाव भी बेहतर तरीके से हो रहा है। प्रयागराज में बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाओं को इससे आर्थिक मदद मिली है।

नारी शक्ति को स्वावलंबी और आत्म निर्भर बनाने के लिए उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की तरफ से विभिन्न कदम उठाए गए हैं जिनके नतीजे भी अब सामने आने लगे हैं। उत्तर प्रदेश के सभी गांवों में सामुदायिक शौचालयों का निर्माण कराया गया । सरकार ने इनकी देखरेख के लिए वहां की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को इसकी जिम्मेदारी से जोड़ा गया।

प्रयागराज के उपायुक्त एनएलआरएम राजीव कुमार सिंह बताते हैं कि जिले में 1540 ग्राम पंचायत हैं। इसमें 1386 ग्राम पंचायतों में सामुदायिक शौचालयों की देखरेख के लिए स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को लगाया गया है। इन्हें हर महीने 6,000 रुपए का मानदेय दिया जा रहा है जिससे वो आर्थिक रूप से और मजबूत हो रही हैं। इनका कार्य केयर टेकर का है। इसके साथ ही इन्हें तीन हजार रुपये शौचालय में इस्तेमाल होने वाली सामग्रियों की खरीदारी और रख-रखाव के लिए दिए जा रहे हैं। इसका दूसरा लाभ यह भी है कि गांवों को ओडीएफ करने के लिए घर-घर में जो शौचालय बनाए गए हैं, उसमें ज्यादातर रख-रखाव के अभाव में निष्प्रयोज्य हो गए। जिसके बाद सभी गांवों में सामुदायिक शौचालय का निर्माण करवाया गया। शौचालय सार्वजनिक होने के कारण इस बात का डर था कि उसकी साफ-सफाई और रख-रखाव सही तरीके से नहीं हो पाएगा क्योंकि इसकी जिम्मेदारी किसी को सुनिश्चित करानी होगी। शासन ने इसकी जिम्मेदारी तय कर दी और स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अन्तर्गत बनाए गए सामुदायिक शौचालयों पर केयर टेकर की तैनाती कर दी गई।

मुसहर जाति की 407 महिलाओं को मिली जिम्मेदारी

प्रयागराज। सरकार की कोशिश गांवों में भी सबसे कमजोर और वंचित वर्ग की महिलाओं को इसके लाभ से जोड़ना है। उपायुक्त राजीव कुमार सिंह बताते हैं कि जिले में 1386 ग्राम पंचायत में स्वच्छता सखी के रूप में सामुदायिक शौचालयों के संचालन की जिम्मेदारी दी गई। इन 1386 स्वच्छता सखी में 407 सखी मुसहर समाज से चयनित की हैं जिन्हे आर्थिक और सामाजिक रूप से सबसे कमजोर माना जाता है। सामुदायिक शौचालयों पर तैनात की गई इन स्वच्छता सखियों को सफाई सामग्री और उपकरण की व्यवस्था, सामुदायिक शौचालयों में चोरी रोकने और परिसर में व्यवस्थित बनाए रखने की जिम्मेदारी दी गई है । इन्हें शिकायत रजिस्टर को भी मेनटेन करना होगा। सभी कम्यूनिटी टॉयलेट्स पर चयनित स्वच्छता सखी का नाम और मोबाइल नंबर पेंट से लिखा गया है। कोरांव की मुसहर जाति की स्वच्छता सखी सुरिज कली बताती है कि किसी तरह दोना पत्तल बनाकर वह परिवार का पेट भरती थीं लेकिन अब सामुदायिक शौचालय में रख रखाव के काम से वह अब हर महीना 6 हजार कमा लेती हैं और बचे समय में पत्तल दोना भी बना लेती हैं। लोहगरा गांव की मुसहर जाति की ही पार्वती का कहना है कि बांस की डलिया बनाकर उनके घर की रोजी रोटी किसी तरह चलती थी लेकिन स्वच्छता सखी में उसका चयन होने के बाद उनकी जिंदगी पहले से बेहतर हुई है।

अशरफ के साले सद्दाम और जैद अब हिस्ट्रीशीटर

प्रयागराज। माफिया गिरोह के खिलाफ शिकंजा कसने के क्रम में कमिश्नरेट पुलिस ने चुनाव बाद फिर कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी के तहत माफिया खालिद अजीम उर्फ अशरफ के साले अब्दुल समद उर्फ सद्दाम व जैद की हिस्ट्रीशीट खोलने की कार्रवाई की गई है। अब दोनों की एक-एक गतिविधियों की सतत निगरानी की जाएगी। जैद अशरफ की पत्नी जैनब का सबसे बड़ा भाई है, जबकि सद्दाम तीसरे नंबर का भाई है। दोनों का ही आपराधिक इतिहास है। सद्दाम बंदायू जेल में निरुद्ध है जबकि जैद अभी फरार है। दोनों पर आखिरी मुकदमा हाल में ही शाहगंज थाने में लिखा गया जिसमें रंगदारी मांगने व आपराधिक षडयंत्र के आरोप हैं। सद्दाम पर कुल नौ मुकदमे दर्ज हैं। इनमें से छह मुकदमे प्रयागराज और तीन मुकदमे बरेली में दर्ज हैं। इनमें बरेली में दर्ज गैंगस्टर का भी मुकदमा शामिल है। इसके अलावा जैद पर कुल छह मुकदमे दर्ज हैं। जैद पर पहला मुकदमा 2009 में दर्ज हुआ था। जैद इतिहास का प्रवक्ता है और शेरवानी इंटर कॉलेज सल्लाहपुर में बतौर पर प्रवक्ता तैनात है। फिलहाल वह निलंबित चल रहा है। डीसीपी नगर दीपक भूकर ने बताया कि दोनों की आपराधिक गतिविधियों में संलिप्तता को देखते हुए उनकी हिस्ट्रीशीट खोलने की कार्रवाई की गई है। अब नियमित तौर पर उनकी गतिविधियों की निगरानी पुलिस की ओर से की जाएगी। जैद व सद्दाम दोनों को 'बी' श्रेणी का हिस्ट्रीशीटर बनाया गया है। इसका मतलब यह है कि उनकी ताउम्र निगरानी होती रहेगी। दरअसल पुलिस दो श्रेणी 'ए' और 'बी' में अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोलती है। 'ए' श्रेणी के हिस्ट्रीशीटर वह होते हैं जिनकी निगरानी, अगर वह कई सालों तक अपराधिक घटनाएं नहीं करते हैं तो, बंद की जा सकती है।

महामण्डलेश्वर रामकृष्ण दास को किया गया सम्मानित

अवधनामा संवाददाता

आजमगढ़। नगर के करताल पुर स्थित शिवदुर्गा रामजानकी मंदिर में श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर रामकृष्ण दास जी महाराज को अंगवस्त्रम और सम्मानपत्र भेंट कर धार्मिक एवं समाजसेवा के क्षेत्र में सराहनीय कार्यो के लिए आइडियल जर्नलिस्ट एसोसिएशन की ओर से राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव कवि संजय कुमार पांडेय सरस ने सम्मानित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सनातन धर्म के उन्नायक के रूप मे श्री महाराज ने धर्म और समाज सेवा के क्षेत्र मे अनेक सराहनीय कार्य किए हैं।

अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण सभा के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष पं. सुभाष चंद्र तिवारी कुन्दन ने कहा कि श्री महाराज जी ने एक निष्काम कर्मयोगी की भांति सदैव कुशलता पूर्वक धार्मिक कार्यो को करते हुए असहायों को सहयोग दिया । उपस्थित लोगों ने इनके उज्जवल भविष्य की कामना की रामकृष्ण दास जी महाराज ने अपने सम्मान के लिये आभार व्यक्त करते हुये कहा कि मानव सेवा और परोपकार सबसे बड़ा धर्म है, लोगों को अपने जिम्मेदारी को सम्यक ढंग से पूरा कर समाज के लिये योगदान देना चाहिए। इस मौके पर सौरभ उपाध्याय, महंत संजय पाण्डेय, सुरेश पांडेय, सुभाष श्रीवास्तव , अजय पाण्डेय, आदि लोग रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटका मिला शव

अवधनामा संवाददाता

आजमगढ़। जनपद के निजामाबाद थाना क्षेत्र के फरिहा रेलवे स्टेशन से पश्चिम आउटर सिग्नल के समीप भीटे पर आज शनिवार की भोर में 62 वर्षीय अधेड़ का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से घुटने के बल लटका हुआ शव पाया गया, वहीं कूछ दूरी पर रेलवे ट्रैक पर एक अन्य व्यक्ति बेहोशी हालत में पाया गया। घटना को लेकर इस बात की चर्चा जोरों पर है कि हत्या करने के बाद आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को पेड़ से लटकाया गया है। मृतक दिल्ली में रहकर दर्जी का काम करता था। जानकारी के अनुसार तिलकधारी उम्र 62 वर्ष पुत्र बद्री निवासी ग्राम मारूफ्फुर निजामाबाद का शव आज शनिवार की भोर में फरिहा रेलवे स्टेशन से पश्चिम आउटर सिग्नल के समीप भीटे पर घुटने के बल पेड़ से लटका हुआ पाया गया। वहीं कुछ दूरी पर रेलवे ट्रैक पर कैलाश पुत्र सहदेव बेहोशी हालत में मिला। स्थानीय लोगों के अनुसार बीती रात मृतक और कैलाश एक साथ रेलवे ट्रैक के आस-पास दिखाई दिये। दोनों लोगों का पैंट शर्ट एक ही कलर का है। मृतक की हत्या कर उसे फांसी का रूप दिया गया है। कैलाश को होश आने पर ही स्पष्ट होगा कि मृतक की मौत कब और कैसे और किस हालत में हुई हैं। घटना की सूचना मिलते ही फरिहा चौक इंचार्ज प्रमोद कुमार सिंह, थानाध्यक्ष सच्चिदानंद यादव अपने हमराहियों के साथ मौके पर पहुंच गये। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। बताते चलें कि 6 जून की रात 12 बजे के आसपास छोटे भाई अरविंद और मृतक तिलकधारी से किसी बात को लेकर विवाद हुआ। छोटा भाई ने नशे की हालत में तिलकधारी को मारा पीटा और मृतक तभी से घर से निकल गया था। मृतक के पास चार पुत्र हैं चारो अलग-अलग शहरों में रहकर कमाते हैं। जबकि छोटा लड़का उनके साथ दिल्ली में ही रहकर सिलाई का कार्य करता था।

नकली जेवर चढ़ाने पर लड़की पक्ष ने बरात को बंधक पुलिस ने दोनों पक्षों

अवधनामा संवाददाता

आजमगढ़। जिले के सरायमीर थाना क्षेत्र के दरिखा शेख अहमद गांव निवासी लाल चंद के पुत्र रमेश कुमार की बरात शुक्रवार की रात को सरायमीर थाना क्षेत्र के बखरा गांव निवासी स्व. महेंद्र के घर गई थी। नकली जेवर चढ़ाने की बात को लेकर लड़की पक्ष के लोगों ने पूरी बरात को बंधक बना लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर मामले का सुलह कराया। तब जाकर दुल्हन की विदाई हुई। मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार की रात बखरा गांव निवासी स्व. महेंद्र के घर बरात आई थी। बरात के परछन की रस्म पूरी हुई। उसके बाद खाना खाने के बाद जय माल और फिर शादी की रस्म पूरी हुई। सिंदूर दान होने के बाद लड़की पक्ष के लोगों ने गहना दिखाने की बात कही। आरोप है कि पहले तो लड़का पक्ष गहना दिखाने को तैयार नहीं थे, जिद करने पर गहना दिखाया तो लड़की पक्ष के लोगों ने आरोप लगाया कि सारा जेवर नकली है। घरातियों ने पूरी बरात को बंधक बना लिया। बरातियों के बंधक बनाए जाने की सूचना पर शनिवार सुबह सरायमीर थाने के अपराध निरीक्षक सूर्यवंश यादव, सब इंस्पेक्टर अखिलेश यादव पुलिस बल के साथ बखरा गांव पहुंचे। उन्होंने दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर मामले को शांत कराया। इसके बाद सुलह समझौता कराकर दुल्हन की विदाई कराई गई।

अध्यापिका पूनम गुप्ता ने जीता गोल्ड और कांस्य पदक

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज जिले के बेसिक शिक्षा विभाग की अध्यापिका पूनम गुप्ता ने पहले अन्तर्राष्ट्रीय इन्विटेशन मास्टर्स एथलेटिक्स भारत प्रतियोगिता 2024 अयोध्या में 10000 मी रेस 1.05.10 में गोल्ड, 5000 मी रेस 30.10.19 में कांस्य पदक जीता। उसके अलावा 400 मी रेस 1.49.40 में चौथे स्थान पर रही। इस प्रतियोगिता में श्रीलंका, बांग्लादेश के अलावा भारत के 16 राज्यों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया था।

पूनम ने बताया की 400 मी रेस और 5000 मी रेस में बहुत कड़ा कंपटीशन था। 5000मी रेस में पूनम की एक हिट कम जोड़ी गई थी जिसकी वजह से तीसरा स्थान केरला की खिलाड़ी को मिल गया था पर पूनम ने आप हिट को प्रोटेस्ट किया जांच करने पर रिपोर्ट आई की पूनम गुप्ता की एक हिट काउंट ही नहीं की गई थी जिसके वजह से रिजल्ट प्रभावित हो गया था। जांच के बाद निर्णायको ने पूनम को तीसरे स्थान का विजेता घोषित किया। पूनम ने बताया की सभी दौड़ 43 से 46 डिग्री तापमान में लगभग दोपहर में थोड़ी अव्यवशा के साथ शुरू की गई थी जिसकी वजह से दौड़ने वाले सभी खिलाड़ियों का बुरा हाल था।

पूनम ने बताया की उनको बिलकुल भी अंदाजा नहीं था की इतने तापमान में दौड़ना पड़ेगा।इसकी वजह से उनके रनिंग टाइम पर बहुत प्रभाव पड़ा।साथ ही बेसिक में अध्यापक के पद पर कार्य करते हुए उन्हें अभ्यास का पर्याप्त समय नहीं मिल पाता। विभाग की तरफ से भी अभ्यास के लिए कोई विशेष सहयोग नही मिलता।अध्यापिका और घर की जिम्मेदारी निभाने के बाद वह देर रात वह अपने घर के पास बक्शी बांध पर ही रनिंग करती है। जबकि रनिंग का सबसे अच्छा समय सुबह का होता है।पूनम का कहना है अगर उन्हें अभ्यास के लिए सही समय मिल जाए तो वो इससे भी बेहतर परिणाम दे सकती है। फिलहाल उनकी इस नई उपलब्धि पर बधाई देने वालो का सिलसिला जारी है। एक बार फिर इस अध्यापिका ने अपने विभाग और जनपद और प्रदेश का नाम रौशन किया।

अक्टूबर में आरबीआई की नीति बैठक में ही रेपो दर में कटौती की उम्मीद

■ भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने लगातार आठवीं बार रेपो दर को 6.5% पर बनाए रखने का विकल्प चुना

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति ने लगातार आठवीं बार रेपो दर को 6.50 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने का फैसला किया हालांकि इसमें सर्वसम्मति नहीं है। दो सदस्यों ने नीति रेपो दरों को 25 आधार अंकों (100 आधार अंक 1 प्रतिशत अंक के बराबर) तक कम करने के लिए मतदान किया। SBI रिसर्च ने एक रिपोर्ट में कहा कि आरबीआई आगामी नीति (अगस्त में) में भी दरों को स्थिर रखेगा।

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने लगातार आठवीं बार रेपो दर को 6.5% पर बनाए रखने का विकल्प चुना, जो कटौती की कुछ उम्मीदों से अधिक है। हालांकि, यह निर्णय सर्वसम्मति से नहीं लिया गया, क्योंकि दो सदस्यों ने 25 आधार अंकों की कटौती का समर्थन किया।

एसबीआई रिसर्च ने वित्त वर्ष 24-25 की दूसरी छमाही में दरों में कटौती की उम्मीद जताई है। एसबीआई रिसर्च ने नीति-पश्चात रिपोर्ट में भविष्यवाणी की है कि आरबीआई अगस्त में फिर से दरों को स्थिर रखेगा। इसके साथ वित्त वर्ष (वित्त वर्ष 24-25) की दूसरी छमाही में अपने रुख का संभावित रूप से पुनर्मूल्यांकन करेगा।

सौम्या कांति घोष की रिपोर्ट में अक्टूबर 2024 में पहली रेपो दर में कटौती का अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट बताती है कि जून में नीतिगत निर्णय आरबीआई द्वारा सतर्क दृष्टिकोण को दर्शाता है, जो संभवतः हाल ही में हुए राजनीतिक परिवर्तन से प्रभावित है। जबकि नीति दिशा काफी हद तक अपरिवर्तित बनी हुई है, आरबीआई समायोजन करने से पहले नई सरकार के आर्थिक कदमों का अवलोकन कर सकता है।

आरबीआई मुद्रास्फीति को 4त्न के अपने लक्ष्य के करीब लाने को प्राथमिकता देना जारी रखता है। इसने वित्त वर्ष 24-25 के लिए अपने मुद्रास्फीति पूर्वानुमान को 4.5% पर बनाए रखा। खाद्य मुद्रास्फीति एक प्रमुख चिंता का विषय बनी हुई है, जिसमें अस्थिर कच्चे तेल की कीमतों, वित्तीय बाजारों और बढ़ती गैर-ऊर्जा वस्तुओं की कीमतों से संभावित जोखिम हैं।

आरबीआई ने वित्त वर्ष 24-25 के लिए अपने वास्तविक जीडीपी वृद्धि अनुमान को 20 आधार अंकों से बढ़ाकर 7.2त्न कर दिया है, जो क्रा= 7.3 प्रतिशत, Q2: 7.2 प्रतिशत, Q3: 7.3 प्रतिशत और Q4: 7.2 प्रतिशत रही। यह सकारात्मक दृष्टिकोण सामान्य मानसून की उम्मीदों के कारण है, जिससे कृषि और ग्रामीण मांग को लाभ होगा। इसके अलावा, विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में निरंतर वृद्धि से निजी खपत में सुधार हो सकता है।

आशावादी दृष्टिकोण के बावजूद, संभावित चुनौतियों में भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक कमोडिटी कीमतों में उतार-चढ़ाव और भू-आर्थिक विखंडन शामिल हैं।

आरबीआई आमतौर पर ब्याज दरों, मुद्रा आपूर्ति, मुद्रास्फीति अनुमानों और विभिन्न व्यापक आर्थिक संकेतकों पर चर्चा करने के लिए हर साल छह द्विमासिक बैठकें आयोजित करता है। अगली बैठकें अगस्त, अक्टूबर, दिसंबर 2024 और फरवरी 2025 के लिए निर्धारित हैं।

हाल ही में रोक लगाने से पहले, आरबीआई ने मुद्रास्फीति से निपटने के लिए मई 2022 से रेपो दर में संचयी रूप से 250 आधार अंकों की वृद्धि की थी। ब्याज दरें बढ़ाना केंद्रीय बैंकों द्वारा आर्थिक गतिविधि और उपभोक्ता मांग को कम करके मुद्रास्फीति को रोकने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक उपकरण है।

इंटरनेशनल लेवल पर सोने की कीमतों में आई गिरावट, चीन द्वारा सोने की खरीद में ठहराव

मुंबई। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सोने की कीमतों में 2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। विश्लेषकों ने इस गिरावट का मुख्य कारण अमेरिका में उम्मीद से अधिक रोजगार वृद्धि तथा प्रमुख खरीदार चीन की ओर से कमजोर खरीद बताया। बेंचमार्क सोने का वायदा 2.43% की गिरावट को दर्शाते हुए 2332.85 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर आ गया। सोने की कमी इसे आपूर्ति और मांग असंतुलन के प्रति अत्यधिक संवेदनशील बनाती है। वैश्विक स्तर पर सोने की कीमतों में 2% से अधिक की गिरावट आई, जिसके पीछे दो मुख्य कारण थे। पहला अमेरिका में उम्मीद से अधिक रोजगार वृद्धि और चीन द्वारा सोने की खरीद में ठहराव आना। बेंचमार्क सोने का वायदा 2.43% की गिरावट को दर्शाते हुए 2,332.85 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर आ गया। विश्लेषकों ने इस गिरावट का श्रेय मजबूत अमेरिकी रोजगार आंकड़ों को दिया, जो फेडरल रिजर्व द्वारा संभावित ब्याज दरों में कटौती में मंदी का संकेत दे सकते हैं। कम ब्याज दरें आम तौर पर सोने को निवेशकों के लिए अधिक आकर्षक बनाती हैं, जो एक गैर-उपज वाली संपत्ति है।

चीन के केंद्रीय बैंक ने कथित तौर पर मई में अपने सोने के भंडार में वृद्धि करना बंद कर दिया, इस कदम ने लगातार 18 महीनों की खरीद का सिलसिला तोड़ दिया। एक प्रमुख खरीदार द्वारा इस रुकावट ने निवेशकों की भावना को और कमजोर कर दिया

कीमत में गिरावट सोने के लिए एक महत्वपूर्ण तेजी के बाद मामूली सुधार को दर्शाती है। हाल ही में आई गिरावट के बावजूद, सोने की कीमतें इस साल अब तक लगभग 15त्न अधिक बनी हुई हैं। सोने की कीमत में उछाल के लिए कई कारकों को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, जिसमें पश्चिमी एशिया में लंबे समय तक भू-राजनीतिक तनाव, केंद्रीय बैंक की खरीद (भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा खरीद सहित) और निरंतर भौतिक मांग शामिल है।

हर्षद मेहता से भी आगे निकला था उसका चेला, शेयर मार्केट और बैंकों से की थी 40000 करोड़ की लूट

केतन पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट था और ब्रोकरेज फैमिली से आता था। उसने स्टॉक मार्केट की दुनिया के सबसे बदनाम शख्स हर्षद मेहता के साथ भी शुरुआत में काम किया। केतन ने अपना असली खेला शुरू किया 1999-2000 के दौरान डॉटकॉम बूम के साथ। वह कंपनियों के प्रमोटरों के साथ सांठगांठ करके शेयरों की कीमत बढ़ा देता। जब उसका स्कैम सामने आया तो शेयर मार्केट निवेशक बैंक सब हिल गए।

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन की ब्लॉकबस्टर मूवी कालिया का एक डायलॉग है, हम जहां खड़े होते हैं, लाइन वहीं से शुरू होती है। अगर शेयर मार्केट की दुनिया में किसी को यह डायलॉग दोहराने का हक था, तो वो था केतन पारेख। केतन किसी जमाने में स्टॉक मार्केट की दुनिया का बेताज बादशाह था। आपने मिडास की कहानी सुनी होगी। वो राजा, जो मिट्टी को भी छू लेता, तो वह सोना बन जाती। जब केतन का जलवा अपने शबाब पर था, उसे भी मिडास

ही समझा जाता।

दो साल तक केतन की हर हरकत पर निवेशकों की नजर रही। वह जिस भी स्टॉक को खरीदता, वो रॉकेट बन जाता। जिसे बेचता, वो समंदर की गहराइयों तक गोता लगा जाता। उस दौर में वन मैन आर्मी और पेंटाफोर बुल के नाम से मशहूर था केतन। अगर अफवाह भी उड़ जाती कि फलां शेयर केतन खरीद रहा है, तो वो भी रॉकेट बन जाता।

लेकिन, जब केतन का स्कैम सामने आया, तो शेयर मार्केट की दुनिया हिल गई। लाखों निवेशक तबाह हो गए। उनकी खून-पसीने का गाढ़ी कमाई एक झटके में लुट गई। आइए जानते हैं कि केतन ने देश के शेयर मार्केट के सबसे बड़े घोटालों में से एक को अंजाम कैसे दिया?

कौन था केतन पारेख?

केतन पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट था और ब्रोकरेज फैमिली से आता था। उसने स्टॉक मार्केट की दुनिया के सबसे बदनाम शख्स, हर्षद मेहता के साथ भी शुरुआत में काम किया। केतन ने अपना असली खेला शुरू किया 1999-2000 के दौरान, डॉटकॉम बूम के साथ।

उस वक्त पूरी टेक्नोलॉजी का दौर रहा था। केतन ने भांप लिया कि आईटी सेक्टर काफी तेजी से बढ़ने वाला है। उसने आईटी स्टॉक में पैसा लगाना शुरू कर दिया। लेकिन, उसने कम लिक्विडिटी और मार्केट कैप वाले शेयरों को चुना।

लंदन के लिए उड़ी थी एयर इंडिया की पहली इंटरनेशनल फ्लाइट

लंदन के लिए उड़ी थी एयर इंडिया की पहली इंटरनेशनल फ्लाइट

8 जून, 1948 का दिन। देश की पहली एयरलाइन एयर इंडिया (उस वक्त टाटा एयरलाइंस) और देश की एविएशन इंडस्ट्री के लिए बेहद खास दिन। एयर इंडिया ने इस दिन अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय उड़ान भरी, लंदन के लिए। विमान में कुल 35 यात्री सवार थे। जाहिर तौर पर इनमें ज्यादातर नवाब और महाराजा थे। एयरपोर्ट पर पत्रकारों और फोटोग्राफर का जमघट था। जो इस ऐतिहासिक लम्हें को अपने कलम और कैमरे में कैद करने को उत्सुक थे। विमान रात के अंधेरे में उड़ान भरने वाला था। लेकिन, कैमरे के फ्लैश पूरे एयरपोर्ट के किसी कोने में हल्के से भी अंधेरे का भान नहीं होने दे रहे थे।

किसने उड़ाई थी फ्लाइट

तमाम राजा-महाराजा को लंदन लेकर जा रहे विमान का नाम था, मालाबार प्रिंसेस। उड़ान की जिम्मेदारी थी कैप्टन केआर गुजदार पर। उन्हें पहली बार विमान को 5000 मील ले जाना था। रुकने के दो ठिकाने थे, काहिरा (मिस्र) और जिनेवा (स्विटरलैंड)। 35 यात्रियों में 29 लंदन जा रहे थे। वहीं, 6 की मंजिल जिनेवा थी।

कैसे हुई थी यात्रा की तैयारी?

एयर इंडिया को उड़ान शुरू किए करीब दो दशक बीत चुके थे। लेकिन, उसके पास सिर्फ घरेलू उड़ानों का तजुर्बा था। लिहाजा, एयरलाइन ने अंतरराष्ट्रीय उड़ान के लिए दो महीने पहले से तैयारी शुरू कर दी। पायलट, स्टाफ से लेकर यात्रियों तक को बाकायदा ट्रेनिंग दी गई। एयरइंडिया ने उड़ान से पहले काहिरा, लंदन और जिनेवा में अपना ऑफिस भी खोला।

एयर इंडिया ने कैसे भरी उड़ान?

वह जून की गर्मी थी। आसमान पूरी तरह साफ था। चांद उस ऐतिहासिक उड़ान का गवाह नहीं बन पाया, क्योंकि उस दिन वह आसमान से गायब था। अलबत्ता टिमटिमाते तारों ने कैप्टन गुजदार और बाकी क्रू मेंबर की हौसलाअफजाई की। एक ऐतिहासिक उड़ान के सभी स्थितियां आदर्श थीं। कैप्टन गुजदार ने एयरक्राफ्ट का निरीक्षण किया और उन्होंने उड़ान के लिए रजामंदी दी।

रात ठीक 11.15 बजे विमान टेकऑफ के लिए तैयार था। कैप्टन गुजदार ने कंट्रोल रूम से अनुमति ली। फिर उन्होंने सौम्य लफ्जों में एलान किया, %एयर इंडिया मालाबार प्रिंसेस, अब टेकऑफ के लिए तैयार है।% फिर विमान का इंजन गुर्राया। उसने रनवे पर सरपट दौड़ लगाई और चंद पलों बाद हवा से बात करने लगा।

टिकट और खाने-पीने की व्यवस्था

एयर इंडिया ने टिकट का दाम 1720 रुपये रखा। विमान में खाने-पीने का भी पूरा बंदोबस्त था और उन्हें काफी सावधानी से तय भी किया गया था। एयरहोस्टेस की ड्रेस

की बात करें, तो उनका कोट नीला और स्कर्ट आसमानी रंग का था। एयरहोस्टेस की यह ड्रेस 1960 तक रही। फिर इसे परंपरागत साड़ी से रिप्लेस कर दिया गया। एयरहोस्टेस को भी महीनों तक ट्रेनिंग दी गई थी, ताकि वे हरेक यात्री को अहसास करा सकें कि वह एयरलाइन का खास मेहमान है।

जेआरडी टाटा और गणमान्य यात्री

सांताक्रूज एयरपोर्ट के छोटे से टर्मिनल भवन लोगों का जमघट था। यात्रियों और उनके परिवार वालों के अलावा भी बहुत से लोग ऐसे थे, जिनका मकसद सिर्फ इस ऐतिहासिक मौके का गवाह बनना था। यात्रियों में एयर इंडिया के तत्कालीन चेयरमैन जेआरडी टाटा भी थे।

बाकी यात्रियों की बात करें, तो प्रमुख नाम महाराजा दलीप सिंह का था। वह इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया का टेस्ट मैच देखने लंदन जा रहे थे। विमान में कई नवाबों और महाराजाओं के अलावा कुछ बड़े अफसर, अंग्रेज और बिजनेसमैन भी थे। दो साइकिस्ट भी थे, जो बेंबले लंदन में होने वाले ओलंपिक में शिरकत करने जा रहे थे।

पान मसाला और तम्बाकू निर्माता कंपनियों को टैक्स चोरी में होगी मुश्किल

नई दिल्ली। जीएसटी नेटवर्क ने पान मसाला और तंबाकू उत्पादों के निर्माताओं के लिए एक विशेष फॉर्म जारी किया है जिसमें उन्हें कर चोरी रोकने के लिए कर अधिकारियों के पास खरीदे गए इनपुट और आउटपुट की रिपोर्ट देनी होगी। यह नया फॉर्म जीएसटी एसआरएम-II जीएसटीएन और जीएसटी एसआरएम-I फॉर्म है जो एक महीने के भीतर ही आया है। आइये इसके बारे में जानते हैं।

गुड्स और सर्विस टैक्स नेटवर्क ने पान मसाला और तम्बाकू उद्योग में पारदर्शिता और अनुपालन में सुधार के लिए एक नई प्रणाली लागू की है। इसमें दो फॉर्म जीएसटी SRM-I और जीएसटी SRM-II को शामिल किया गया हैं।

आपको बता दें कि इन फॉर्म के जरिए मसाला और तंबाकू निर्माता कर चोरी रोकने के लिए कर अधिकारियों के पास खरीदे गए इनपुट और आउटपुट की रिपोर्ट देंगे। आइये इनके बारे में जानते हैं।

इनपुट/आउटपुट की रिपोर्टिंग

GST SRM-I मई 2024 में पेश किया गया है और यह फॉर्म निर्माताओं को जीएसटी अधिकारियों के साथ इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपनी पैकेजिंग मशीनों को रजिस्टर करने की अनुमति देता है। यह जरूरी

उत्पादन को ट्रैक करने और संभावित विसंगतियों की पहचान करने में मदद करती है।

मशीन पंजीकरण के बाद निर्माताओं को अब मासिक आधार पर खरीदे गए कच्चे माल (इनपुट) और तैयार उत्पादों (आउटपुट) का विवरण रिपोर्ट करने के लिए GST SRM-II का उपयोग किया जा सकता है।

यह उत्पादन की मात्रा की स्पष्ट तस्वीर सुनिश्चित करता है और किसी भी कर चोरी के प्रयासों की पहचान करने में मदद करता है।

नियमों का पालन करना है जरूरी

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड ने पहले 1 अप्रैल, 2024 से प्रभावी पान मसाला और तंबाकू निर्माताओं के लिए सख्त अनुपालन उपायों की घोषणा की थी। इनमें निम्नलिखित उपायों शामिल हैं-

निर्माताओं को अपनी पैकेजिंग मशीनरी को GST अधिकारियों के साथ रजिस्टर करना आवश्यक है।

इनपुट और आउटपुट पर विस्तृत रिपोर्ट हर महीने GST SRM-II फॉर्म का उपयोग करके अगले महीने की 10 तारीख तक दाखिल की जानी चाहिए।

वित्त विधेयक 2024 में पंजीकरण आवश्यकता का अनुपालन न करने पर 1 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रस्ताव है। हालांकि, इस जुर्माने के लिए आधिकारिक अधिसूचना अभी जारी नहीं की गई है।

नए सिस्टम के फायदे

मशीनरी को ट्रैक करके और इनपुट/आउटपुट विवरणों की निगरानी करके, सरकार इन उत्पादों की निर्माण प्रक्रिया में बेहतर दृश्यता प्राप्त कर सकती है।

उत्पादन मात्रा पर सटीक डेटा उचित कर संग्रह सुनिश्चित करने और संभावित कर चोरी को रोकने में मदद करता है।

नई प्रणाली सभी निर्माताओं के लिए समान नियम लाता है, यह सुनिश्चित करके कि सभी एक ही रिपोर्टिंग मानकों का पालन करते हैं।

ये स्कीमें बचाएंगी आपका लाखों का टैक्स

अगर आप निवेश करके टैक्स बचाना चाहते हैं तो आपके लिए इनकम टैक्स का सेक्शन 80C काफी अहम है। इसके तहत आप इन्वेस्टमेंट करके डेढ़ लाख रुपये तक टैक्स छूट का लाभ ले सकते हैं। सबसे अच्छी बात है कि कई ऐसी स्कीम हैं जिनमें निवेश करने पर आपका पैसा सेफ रहता है तय रिटर्न मिलता है साथ डेढ़ लाख रुपये की टैक्स छूट भी मिलती है।

इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई 2024 काफी नजदीक आ गई है। ऐसे में अगर आप भी निवेश करके टैक्स बचाना चाहते हैं, तो अभी भी आपके पास मौका है। हम आपको पांच स्कीमों के बारे में बता रहे हैं, जिनमें पैसे लगाकर आप इनकम टैक्स के सेक्शन 80सी के तहत डेढ़ लाख रुपये तक का टैक्स बचा सकते हैं। फिक्स्ड डिपॉजिट को निवेश का सबसे सुरक्षित तरीका माना जाता है। इसमें आपकी निवेश वाली रकम सेफ तो रहती ही है, साथ ही आप उस पर तय रिटर्न भी मिल सकता है।

पांच साल की एफडी को इनकम टैक्स सेविंग फिक्स्ड डिपॉजिट भी कहा जाता है। इसमें आप निवेश को पांच साल से पहले नहीं भुना सकते। अगर निवेश को भुनाना जरूरी है, तो आप टैक्स छूट के लाभ को एडजस्ट करना पड़ सकता है।

PPF भी इनकम टैक्स बचाने का एक अच्छा तरीका है। आप अपने जीवनसाथी या फिर बच्चों के PPF अकाउंट में निवेश करके भी टैक्स छूट का लाभ उठा सकते हैं। हालांकि, माता-पिता या भाई-बहन के अकाउंट में निवेश पर इनकम टैक्स में कोई छूट नहीं मिलती। PPF अकाउंट के मैच्योर होने की अवधि 15 साल है। सबसे अच्छी बात कि इसमें निवेश, ब्याज और मैच्योरिटी पर रकम की निकासी पर भी टैक्स छूट मिलती है।

ELSS में भी आप 80C के तहत डेढ़ लाख रुपये तक डिडक्शन क्लेम कर सकते हैं। लेकिन, ELSS में दिक्कत यह है कि इसमें तीन साल का लॉक-इन पीरियड होता है। इसका मतलब कि आप निवेश वाली रकम तीन साल से पहले नहीं निकाल सकते।

पिछले हफ्ते 3 फीसदी चढ़े सेसेंक्स और निफ्टी, अब आगे क्या?

नई दिल्ली। पिछले हफ्ते देश की सियासत में जबरदस्त उतार-चढ़ाव दिखा। पल-पल बदलते राजनीतिक हालात का पूरा असर शेयर मार्केट पर भी दिखा। 1 जून को लोकसभा चुनाव के एग्जिट पोल के नतीजे आए। सभी एग्जिट पोल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई में बीजेपी अकेले भारी बहुमत के साथ सत्ता में आ रही है। एग्जिट पोल शनिवार को आया और उस दिन शेयर मार्केट बंद था। बाजार खुला सोमवार को निवेशकों ने स्थिर सरकार आने के अनुमान की वजह से भारी खरीदारी की। स्टॉक मार्केट करीब तीन फीसदी तक उछल गया। लेकिन, मंगलवार यानी 4 जून को लोकसभा चुनाव के असल नतीजे एग्जिट पोल के अनुमान से मेल नहीं खा रहे थे। खुद पीएम मोदी कुछ वक्त तक वाराणसी की सीट से पीछे चले। इससे शेयर मार्केट का सेंटिमेंट खराब हुआ और निवेशक बिकवाली, खासकर पैनिक सेलिंग करने लगे। बीएसई का सेसेंक्स एक वक्त करीब 7 फीसदी तक टूट गया। निफ्टी में भी भारी गिरावट दिखी। एक दिन पहले जिन सरकारी कंपनियों के शेयरों में तूफानी तेजी आई थी, वे एक झटके में धड़ाम हो गए। निवेशकों के लाखों करोड़ रुपये एक झटके में खाक हो गए। हालांकि, शाम तक तस्वीर साफ हो गई कि बीजेपी को भले अकेले पूर्ण बहुमत नहीं मिला, लेकिन सहयोगियों के दम पर सरकार एनडीए की बन जाएगी और पीएम नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार सत्ता में आएंगे। इससे निवेशकों का हौसला बढ़ा और उन्होंने वापस बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार को जमकर खरीदारी की। इससे शेयर मार्केट अच्छा रिकवर किया। शुक्रवार को आरबीआई ने अपनी मौद्रिक नीति का एलान किया और ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया। साथ ही, केंद्रीय बैंक ने जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को बढ़ाया। इससे भी बाजार को बड़ा बूस्ट मिला। बीएसई सेसेंक्स ने शुक्रवार को 76,795.31 और निफ्टी ने 23,338.70 का नया हाई बनाया। सेसेंक्स 3.69 फीसदी यानी 2,732 अंक उछलकर 76,693.36 पर बंद हुआ।

निसान मोटर इंडिया ने किया वीकेंड कार्निवल का एलान, सभी डीलरशिप पर मिलेगा स्पेशल ऑफर

■ निसान मोटर इंडिया ने पूरे भारत में अपने सभी डीलरशिप पर एक्सेप्शनल ऑफर्स और एंगेजिंग अनुभव के साथ एक्सक्लूसिव वीकेंड की तैयारी की

■ विभिन्न बचत के साथ ग्राहकों को 1,35,100 रुपये तक का लाभ देने के लिए एनएमआईपीएल लॉयल्टी प्रोग्राम की शुरुआत की

गुरुग्राम। निसान मोटर इंडिया ने निसान वीकेंड कार्निवल का एलान किया है। भारत में कंपनी के संपूर्ण डीलरशिप नेटवर्क पर 8-9 जून और 15-16 जून को ग्राहक इस कार्निवल का हिस्सा बन सकेंगे। इस कार्निवल का उद्देश्य मैग्नाइट के मौजूदा और संभावित ग्राहकों को साथ लाना है, जहां उन्हें उत्साह से भरपूर यादगार अनुभव के साथ-साथ एक्सक्लूसिव ऑफर्स का लाभ भी मिलेगा।

कार्निवल के दौरान स्पेशल गिफ्ट ऑन अराइवल, बुकिंग परएक्सक्लूसिव गिफ्ट या एक्सेसरीज के साथ यहां आने वाले मेहमानों को बेहतरीन अनुभव होगा। गेजा एसई मॉडल्स पर भी कुछ एक्साइटिंग डील्स मिलेंगी। डेली लकी ड्रॉ के माध्यम से कुछ भाग्यशाली लोगों के पास अतिरिक्त डिस्काउंट/एक्सेसरीज जीतने का मौका भी रहेगा।

कार्निवल के दौरान ग्राहकों को परिवार के साथ आमंत्रित किया गया है। कलरिंग कंपटीशन समेत खासतौर पर बच्चों को ध्यान में रखकर कुछ गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। माता-पिता के साथ आने वाले सभी बच्चों को स्पेशल गिफ्ट मिलेगा, जिससे सभी के लिए यहां आने का अनुभव खास बने।

ग्राहकों की संतुष्टि बढ़ाने की दिशा में ब्रांड की प्रतिबद्धता के तहत निसान ने एनएमआईपीएल लॉयल्टी प्रोग्राम की पेशकश भी की है। इसमें कंपनी के भरोसेमंद ग्राहकों को रिवार्ड प्रदान किए जाएंगे। एमटी एक्सई और एएमटी एक्सई के अतिरिक्त निसान एवं डैटसन के सभी मॉडल्स के पात्र ग्राहक इस प्रोग्राम के माध्यम से 1,35,100 रुपये तक का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रोग्राम के तहत मिलने वाले लाभ में स्पेशल एक्सचेंजएवं लॉयल्टी ऑफर्स, 3 साल का प्री-पेड मेंटेनेंस प्रोग्राम, एक्सक्लूसिव फाइनेंस ऑप्शन व अन्य शामिल हैं।

निसान मोटर इंडिया ने आनंद, एक्सेप्शनल ऑफर्स और खास क्षणों के साथ एक बेहतरीन वीकेंड के लिए परिवारों और व्यक्तिगत रूप से सभी ग्राहकों को आमंत्रित किया है कि वे देशभर में कंपनी की किसी भी डीलरशिप पर आएं और वीकेंड कार्निवल के साथ अपने जीवन में एक यादगार क्षण का आनंद लें।

शेयर मार्केट, म्यूचुअल फंड नहीं, कंगना रनौत ने यहां लगाया है सबसे ज्यादा पैसा

मुंबई। हिमाचल प्रदेश के मंडी से कांग्रेस की नवचर्चित सांसद कंगना रनौत का चुनावी हलफनामा उनकी वित्तीय स्थिति और निवेश के बारे में कई दिलचस्प जानकारियां देता है। कंगना के पास 91 करोड़ रुपये से ज्यादा की दौलत है। इनमें से 28.7 करोड़ रुपये की चल और 62.9 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है। उन पर 17.38 करोड़ रुपये का कर्ज भी है।

37 साल की कंगना ने रियल एस्टेट में काफी निवेश कर रखा है। लेकिन, सबसे खास बात है कि उनके पास 50 लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन पॉलिसीज हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या इतनी अधिक बीमा पॉलिसी का होना सही है? आदर्श स्थिति में किसी शख्स के पास कितनी बीमा पॉलिसी होनी चाहिए? साथ ही, ज्यादा बीमा पॉलिसी के होने के नुकसान क्या हैं। आइए इन सभी सवालों का जवाब जानते हैं।

कंगना रनौत की नेटवर्थ 91 करोड़ रुपये से अधिक है। उनके पास 6.70 किलो सोना, 60 किलो चांदी और 3 करोड़ के हीरे हैं। उनका ज्यादा निवेश फिल्म निर्माण में हैं। अगर निवेश के दूसरे विकल्पों की बात करें, तो कंगना ने म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार से दूरी बनाकर रखी है। उन्होंने एलआईसी में भारी निवेश कर रखा है।

कंगना के पास भारतीय जीवन बीमा निगम की 50 पॉलिसी हैं। इनमें 48 पॉलिसी 10-10 लाख रुपये बीमाधन वाली है।2 पॉलिसी 5-5 लाख के कवरेज वाली है।

बीमा पॉलिसी लेने की कोई तय सीमा नहीं। यह पूरी तरह से आपकी मर्जी और आर्थिक क्षमता पर निर्भर करता है। आप अपनी जिंदगी के साथ हेल्थ, कार और घर जैसी चीजों का भी इंश्योरेंस करा सकते हैं। बच्चों और बाकी परिवारों का अलग से भी बीमा कर सकते हैं। आपको बस यह ध्यान रखना है कि आपको किस तरह के कवर की जरूरत है। हर शख्स की जरूरतें और प्राथमिकताएं अलग-अलग होती हैं। और वे उसी हिसाब से जीवन बीमा पॉलिसी भी लेते हैं।

शत-प्रतिशत कराएं जन्म-मृत्यु पंजीकरण

गृह भ्रमण के दौरान जन्म-मृत्यु की सूचनाएं एकत्रित करेंगी आशाः डीएम

अवधनामा संवाददाता

देवरिया। जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह ने जन्म-मृत्यु पंजीकरण में हो रहे विलंब को जल्द से जल्द दूर करने के लिए मुख्य चिकित्साधिकारी, डीपीआरओ, एवं समस्त नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि जन्म के साथ-साथ मृत्यु का ससमय पंजीकरण आवश्यक है।

सभी संबंधित विभाग जन्म-मृत्यु पंजीकरण कार्य को गंभीरता पूर्वक निष्पादित करना सुनिश्चित करें। इसमें स्वास्थ्य विभाग, पंचायतीराज विभाग एवं नगर निकाय विभाग शत प्रतिशत पंजीकरण कर सीआरएस पोर्टल पर अपलोड कराएं। इसकी जानकारी देते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डा. राजेश झा ने बताया कि जन्म-मृत्यु के पंजीकरण को लेकर स्वास्थ्य विभाग की ओर से एक विशेष

अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाले जन्म एवं मृत्यु का पंजीकरण अनिवार्य है। अभियान में आशा कार्यकर्ता गृह भ्रमण के दौरान जन्म, मृत्यु की सूचनाएं एकत्रित कर जिनका जन्म या मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं है उनका पंजीकरण कराकर उनका प्रणाम पत्र बनवाने में सहयोग करेंगी। परिवार में किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर परिजन 21 दिन के अंदर-अंदर मृत्यु प्रमाण पत्र के फार्म भरकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं

प्रमाण पत्र न होने पर बनवाने में आशा करेंगी सहयोग

व बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को दें या सीधे तौर पर प्राथमिक चिकित्सा केंद्रों में जाकर दें। मृत्यु का प्रमाण पत्र परिवार के सदस्यों को पैतृक संपत्ति आदि के बंटवारे व अन्य कानूनी प्रक्रिया के दौरान जरूरी होता है। इसी प्रकार जन्म का पंजीकरण के दौरान भी यही प्रक्रिया अपनाई जाती है।

उन्होंने बताया कि जन्म-मृत्यु पंजीकरण के फार्म आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के पास उपलब्ध है। यह फार्म 21 दिन की अवधि में पूर्ण रूप से भर कर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सरपंचों व बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को देना होता है या फिर सीधे तौर से ही यह फार्म भरकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भी जमा करवाए जा सकते हैं। सीएमओ ने बताया कि जन्म-मृत्यु पंजीकरण अधिनियम 1969 के अंतर्गत स्थानीय रजिस्ट्रार के कार्यालय में परिवार में किसी के जन्म और मृत्यु को पंजीकृत करवाना अनिवार्य है। जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र एक अति आवश्यक एवं बहुउद्देशीय दस्तावेज है जो जीवन में समय-समय पर अनेक उद्देश्यों की पूर्ति करता है। उन्होंने बताया कि अब जन्म-मृत्यु पंजीकरण एवं प्रमाण पत्र हासिल करने की प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। जन्म-मृत्यु का पंजीकरण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और नगरपालिका कार्यालयों में किया जा रहा है। इस दिशा में ग्राम पंचायत, आंगनबाड़ी केंद्र, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का सहयोग लिया जा रहा है। जन्म-मृत्यु पंजीकरण की निर्धारित 21 दिनों की समय अवधि के बाद 30 दिनों तक पंजीकरण रजिस्ट्रार की अनुमति से करवाया जाता है। 30 दिनों से अधिक समय से विलंबित घटना का पंजीकरण करने के लिए प्रार्थी को प्रार्थना पत्र सीधे रजिस्ट्रार को पूर्ण रूप से भरा हुआ सूचना फार्म, शपथ पत्र, विलंब शुल्क की रसीद, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, प्रार्थी के निवास से संबंधित प्रमाण, जन्म-मृत्यु घटना की तारीख संबंधी प्रमाण व रजिस्ट्रार की जांच रिपोर्ट आदि दस्तावेजों सहित देना होगा जिसे जिला रजिस्ट्रार की अनुमति के लिए भेजा जाता है। यदि जन्म या मृत्यु सरकारी अस्पताल में हुई हो तो वही पर पंजीकरण होगा। यदि गैर सरकारी पंजीकृत अस्पताल में हुई हो तो नगर के नगर परिषद में पंजीकरण मिलेगा। उन्होंने बताया कि यह कागजात बहुत ही आवश्यक कागजात है। विदेशों में जाने के लिए पासपोर्ट बनवाने के लिए जन्म प्रमाण-पत्र का होना अति आवश्यक है। ऐसे में ग्रामीण इस मामले में पूरी गंभीरता के साथ निश्चित अवधि के दौरान ही यह फार्म जमा करवाएं।

मामूली विवाद में हुई मारपीट में पांच घायल

गौरीगंज (अमेठी) अवधनामा संवाददाता। थाना क्षेत्र जामो के मवई गांव में बीती रात मामूली विवाद में दो पक्ष आमने-सामने हो गए विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों में जमकर लाठी डंडे चले। मारपीट में दोनों पक्षों से चार महिलाओं समेत पांच लोग घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया जहां सभी का इलाज चल रहा है। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार जामो थाना क्षेत्र के मवई गांव में बीती रात करीब 11 बजे दो पक्षों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया जिसके बाद दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए और दोनों पक्षों में जमकर लाठी-डंडे चलने लगे। मारपीट में दोनों पक्षों से राजेश कुमारी शिवपता समेत चार महिलाएं और एक युवक घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही जामो पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को जामो सीएचसी में भर्ती कराया जहां सभी का इलाज चल रहा है। दोनों पक्षों की तहरीर पर पुलिस ने संबंधी धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। एसएचओ ने कहा कि दोनों पक्षों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। मारपीट के कारणों की जानकारी की जा रही है।

भीषण गर्मी का लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा प्रतिकूल प्रभाव

अमेठी अवधनामा संवाददाता। भीषण गर्मी का इन दिनों लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है जिसके कारण अस्पताल में मरीजों की तादाद बढ़ गई है। जिले में भीषण गर्मी और तेज लू के उल्टी दस्त और पेट दर्द से पीड़ित मरीज से अस्पताल खचाखच भरे पड़े हैं।ओपीडी में जुकाम बुखार पेट दर्द के मरीज ज्यादा दिखाई दे रहे हैं। एक पखवारे से मौसम काफी गर्म हो गया है।तेज गर्म हवा ने जहां बाहर निकलने वाले लोगों को नुकसान पहुंचाया वहीं इसका प्रभाव सभी के स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। दिन में गर्म हवाओं के साथ मौसम शुष्क रहता है वहीं भोर में सर्द हो जाता है जिसका लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। यही कारण है कि जुखाम बुखार के मरीजों की भरमार हो गई है।

नदी में डूबने से युवक की मौत

गौरीगंज (अमेठी)। थाना क्षेत्र बाजार शुकुल के महावीर गांव के बाहर स्थित गोमती में शौच को गया एक युवक पैर फिसलने से नदी में चला गया। डूबने से उसकी मौत हो गई है।घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। युवक पिछले एक महीने से अपनी बहन के घर पर रहकर फालिस का इलाज करवा रहा था। मिली जानकारी के अनुसार बाजार शुकुल थाना क्षेत्र के पूरे महावीर गांव में पड़ोसी जिले सुल्तानपुर के कुड़वार थाना क्षेत्र के ब्राहिमपुर का रहने वाला मनोज निषाद अपनी बहन के घर पर रहकर पिछले एक महीने से फालिस का इलाज करवा रहा था। शनिवार की सुबह करीब 10 बजे मनोज पुत्र महादेव निषाद शौच के लिए गोमती नदी के किनारे गया था। अचानक पैर फिसल जाने के कारण नदी में गिरकर डूब गया। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए और नदी में उतरकर मनोज की तलाश शुरू की।

डीएम ने की जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा

सभी सीएचसी पीएचसी हेल्थ वेलनेस सेंटर का निरीक्षण कर लें: डीएम

अवधनामा संवाददाता

अमेठी। जिलाधिकारी निशा अनंत ने शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति (शासी निकाय) की बैठक कर स्वास्थ्य कार्यक्रमों को प्राथमिकता के साथ संचालित करने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग को दिए साथ ही विशेष प्रयास कर प्रगति में सुधार लाने को कहा इसके साथ ही जिलाधिकारी ने शासन द्वारा संचालित समस्त स्वास्थ्य योजनाओं का बेहतर ढंग से क्रियान्वयन करते हुए अधिक से अधिक जन सामान्य को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। बैठक में समिति के समक्ष निरीक्षण कर लें तथा जहां पर जो भी कमियां हैं उसमें सुधार करें। अस्पतालों में व्यवस्थाओं को और बेहतर करने के निर्देश दिए जो आवश्यक सामग्री उपकरण उपलब्ध नहीं है उन्हें खरीदने को कहा। जिलाधिकारी ने सभी कार्यक्रमों की समीक्षा किया तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं कार्यक्रमों का सही ढंग से क्रियान्वयन करने एवं स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक बेहतर करने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिया। उन्होंने कहा कि सभी सीएचसी पीएचसी हेल्थ वेलनेस सेंटर आदि का चिकित्सकों को उनके तैनाती स्थल पर ही निवास करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी सीएचसी पीएचसी व जिला अस्पताल में दवाओं की उपलब्धता मरीजों के बैठने के लिए कुर्सी शौचालय पीने हेतु पानी सफाई बिजली व पंखा आदि सभी मूलभूत व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा अंशुमान सिंह सीएमएस डा बीपी अग्रवाल अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा रामप्रसाद सहित अन्य संबंधित अधिकारी तथा समस्त एमओआईसी मौजूद रहे।

भगवान बुद्ध और डॉ अम्बेडकर की प्रतिमा का हुआ अनावरण

अवधनामा संवाददाता

अमेठी। क्षेत्र के बबुरी टोला में शनिवार को भगवान बुद्ध और डॉ भीमराव अम्बेडकर की नव निर्मित प्रतिमा का अनावरण हुआ। प्रतिमा के अनावरण के साथ बुद्ध चरित चन्द्रोदय पाठ का प्रारंभ हुआ।यह प्रतिमा अपने जीवन के चार दशक पंजाब में बिता चुके रामदुलारे बौद्ध ने स्थापित की है।

सिरमौर बौद्ध विहार सोइया की ओर से भंते धम्मदीप और भंते प्रज्ञा मित्र ने तथागत भगवान बुद्ध की पूजा वंदना त्रिसरण पंचशील के साथ बौद्ध धम्म की परम्परा के अनुरूप नव निर्मित प्रतिमा का अनावरण किया। भगवान बुद्ध की करुणा हो करुणा हो बौद्ध धम्म की क्या पहचान मानव मानव एक समान बाबा साहब अमर रहें।समता ममता करुणा प्यार बौद्ध धम्म के है आधार -घर घर दीप जलायेंगे बौद्ध धर्म अपनायेंगे आदि गगनभेदी नारों के साथ तथागत और बाबा साहब की प्रतिमाओं का अनावरण हुआ। बुद्ध चरित चन्द्रोदय पाठ का सम्पुट-गौतम बुद्ध दिया गुण ज्ञाना प्रेम करै सब जीव समाना रखा गया है। प्रतिमा के अनावरण के पूर्व भंते धम्मदीप ने अब तक हुए 27 बुद्धों की वंदना की। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध का धम्म सबके लिए कल्याणकारी है। दुनिया में 56 राष्ट्र बौद्ध धर्म अपनाएं हुए हैं।विज्ञान तकनीकी और प्रगति के हर क्षेत्र में ये राष्ट्र दुनिया के अन्य राष्ट्रों के मुकाबले आगे हैं। बौद्ध विहार सोइया कमेटी के वरिष्ठ सदस्य संजीव भारती ने कहा कि बौद्ध धर्म वैज्ञानिक धम्म है। वर्तमान में दुनिया के कई देश युद्ध की विभीषिका से जूझ रहे हैं ऐसे समय में भगवान बुद्ध की शिक्षाओं को आत्मसात करना सभी देशों के लिए जरूरी हो गया है। कार्यक्रम का संचालन बौद्धाचार्य राम टहल और राम प्रताप ने किया।इस मौके पर रामफल फौजी संजय कुमार राजेश अकेला रामचंद्र नरेंद्र कुमार श्याम कुमार ललित कुमार राजेश कोरी शिव प्राण धर्मेंद्र प्रताप रामकिशोर बौद्ध रामकुमार नीलम पूनम शकुंतला बौद्ध आदि मौजूद रहे।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने दी कार्यकर्ताओं को बधाई

अवधनामा संवाददाता

देवरिया। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने नरेंद्र मोदी को एनडीए का नेता चुने जाने पर जनपद के कार्यकर्ताओं और जनता को बधाई दी। उन्होंने बताया कि 9 तारीख को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने वो दिल्ली जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह बड़े हर्ष की बात है कि भाजपा के नेतृत्व में एनडीए के घटक दलों की तीसरी बार सरकार बनने जा रही है जिसके मुखिया विश्व के लोकप्रिय नेता नरेंद्र मोदी होंगे । हम कार्यकर्ताओं का ये सौभाग्य है कि मोदी जी जैसे कर्मठ, ईमानदार और लोकप्रिय नेता का हमे तीसरी बार मार्गदर्शन मिलेगा । उन्होंने कहा कि तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में मोदी जी विकसित भारत के संकल्प के लक्ष्य को पूरा करेंगे और देश को नई ऊंचाइयों पर ले जायेंगे तथा एक सेवक के रूप में देश की 140 करोड़ जनता की सेवा करते रहेंगे। उन्होंने जनपद वासियों और कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस लोकसभा चुनाव में हमारे कार्यकर्ता साथियों ने बहुत ही सराहनीय कार्य किया है। सभी ने परिश्रम के साथ ईमानदारी पूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन किया जिसके लिए मैं सभी को धन्यवाद देता हूं तथा ऐसी आशा और विश्वास करता हूं कि इस चुनाव में जो भी कमियां रह गई जिनके कारण जनपद की तीन में से दो सीटें हमने जीत लीं मगर एक सीट हम नहीं जीत पाए उस कमी को दूर कर पार्टी को और मजबूत बनाने का अथक प्रयास करेंगे।

एएमयू में कई स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ प्रवेश परीक्षा आयोजित

अवधनामा संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय द्वारा आज कई स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ प्रवेश परीक्षा आयोजित की गयी, जिसमें अलीगढ़ में प्रवेश परीक्षा केंद्रों पर डोर-फ्रेम मेटल डिटेक्टर (डीएफएमडी) की स्थापना और परीक्षा हॉल में प्रवेश से पहले हैंड-हेल्ड मेटल डिटेक्टर (एचएचएमडी) से उम्मीदवारों की तलाशी शामिल है। बीएससी (ऑनर्स) कृषि, बीएससी (ऑनर्स) और बीएससी बीएड पाठ्यक्रमों के लिए कुल 8428 छात्रों ने आवेदन किया था, जबकि बीकॉम (ऑनर्स) के लिए 3032, बीए (ऑनर्स) और बीए बीएड के लिए 6583 और एमबीए, एमबीए (आईबी), एमबीए (आईबीएफ), एमबीए (वित्तीय प्रबंधन), एमबीए (टीटीएम), एमबीए (कृषि व्यवसाय), एमबीए (अस्पताल प्रबंधन), एमएसडब्ल्यू, एमआईआरएम और एमएचआरएम कार्यक्रमों के लिए 4758 छात्रों ने आवेदन किया था। विश्वविद्यालय प्रशासन शुरू से ही सक्रिय रहा, प्रवेश मानदंडों का कड़ाई से पालन करने और उम्मीदवारों के लिए अनुशासित अनुभव की सुविधा प्रदान करने की निगरानी की। एएमयू कुलपति प्रोफेसर नईमा खातून ने रजिस्ट्रार श्री मोहम्मद इमरान (आईपीएस) और प्रॉक्टर प्रोफेसर एम वसीम अली के साथ महिला कॉलेज, सीनियर सेकेंडरी स्कूल (गर्ल्स), सैय्यद हामिद सीनियर सेकेंडरी स्कूल (बॉयज़) और शिक्षा विभाग सहित कई परीक्षा केंद्रों का दौरा किया। कई उम्मीदवारों के लिए यह एक नया अनुभव था, जिन्होंने परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने से पहले खुद की जांच कराने में विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ सहयोग किया। उन्होंने अनाधिकृत सामग्रियों को प्रतिबंधित करने के लिए एचएचएमडी और डीएफएमडी का प्रयोग करने के नए उपायों की सराहना की। केंद्र अधीक्षक और प्रॉक्टोरियल टीम सख्त उपायों के कार्यान्वयन के लिए प्रतिबद्ध दिखे। प्रवेश परीक्षा के संचालन पर संतोष व्यक्त करते हुए परीक्षा नियंत्रक डॉ मुजीब उल्लाह जुबेरी ने कहा कि विश्वविद्यालय ने पहली बार प्रवेश परीक्षाओं में सुरक्षा प्रणाली को फुलप्रूफ और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए मेटल डिटेक्टरों का उपयोग किया है। प्रॉक्टोरियल और अन्य कर्मचारियों को मेटल डिटेक्टर का उपयोग करने और परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों की तलाशी लेने के लिए पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित किया गया था। बाद में, दूसरी पाली में, रजिस्ट्रार और प्रॉक्टर ने कला संकाय, सामाजिक विज्ञान संकाय के साथ ही वनस्पति विज्ञान, भौतिकी, सांख्यिकी और संचालन अनुसंधान और वाणिज्य विभागों, राजा महेंद्र प्रताप सिंह एएमयू सिटी स्कूल, अजमल खान तिब्बिया कॉलेज और जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज सहित कई केंद्रों का दौरा किया। प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से आयोजित की गई।

आरएचटीसी द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

अलीगढ़ अवधनामा संवाददाता। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के सामुदायिक चिकित्सा विभाग के ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र (आरएचटीसी), जवां द्वारा डॉ. अली जाफर आब्दी मेम्बर इंचार्ज, शहरी स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र (यूएचटीसी) और सामुदायिक चिकित्सा विभाग की कार्यवाहक अध्यक्ष प्रो. उज्मा इरम के मार्गदर्शन में अलीगढ़ सेल्फ रिलायंस एलायंस (एएसआरए) के कर्मचारियों के लिए एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। डॉ. कार्तिका पी (सीनियर रेजिडेंट) ने स्वस्थ आहार और दैनिक शारीरिक गतिविधि को बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला, और शिविर में भाग लेने वाले रोगियों का बीपी परीक्षण किया। जिसमें डॉ. अबिरामी एस, डॉ. चंद्रमौली मित्रा और डॉ. कुलसुम ने उनकी सहायता की। श्री हसन नवाज खान (एमएसडब्ल्यू), मो. दानिश (स्वास्थ्य निरीक्षक) और फैसल माजिद ने मरीजों का पंजीकरण किया और लाभार्थियों का वजन मापा, जिनका परीक्षण किया गया और थकान, चक्कर आना और सफेद डिस्चार्ज पी/वी जैसी सबसे आम शिकायतों के लिए दवा का सुझाव दिया गया। उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों के मधुमेह और उच्च रक्तचाप की जांच की गई और उन्हें उचित आहार लेने, स्वच्छता बनाए रखने और पर्याप्त दवा लेने की सलाह दी गई।

पुलिस से बेखौफ छात्रों ने हिरासत में बना डाली रील

भरुआ सुमेरपुर अवधनामा संवाददाता। कभी थाने की हवालात में पहुंचते ही लोग थर्राने लगते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं है। मारपीट करके आए छात्रों ने हवालात में बैठकर रील बनाई और सोशल मीडिया में पोस्ट करके अपने भौकाल का इजहार कर डाला। मामला कस्बे के थाने की हवालात का है। गत 3 जून को दो विद्यालयों के कुछ छात्रों के मध्य मारपीट हुई थी। इसमें तीन छात्रों को पुलिस पकड़ लाई और थाने की हवालात में बंद कर दिया। हवालात पहुंचे छात्रों ने आराम से रील बनाई और इसको सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। साथ ही थाने के अंदर अपने भौकाल का इजहार करके रील में लिखा कि यह तो बहुत कम है अभी और बांकी है। इसके बाद छात्रों को हवालात से छोड़ दिया गया। सोशल मीडिया में रील वायरल होने पर पुलिस बैकफुट में आ गई और छात्रों को हिरासत में लेने की बात कही है। सवाल यह उठता है कि जब किसी को हवालात में बंद किया जाता है तो उसकी तलाशी लेकर ही अंदर किया जाता है।

चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी से जनजीवन बेहाल

अमेठी। प्रचंड गर्मी और कड़ी धूप अपने शबाब पर है आसमान से आग बरस रही है तपती सड़कों पर आवागमन दुश्वार हो गया है। सड़कें आग उगल रही हैं जिसकी तपिश में राहगीर झुलस रहे हैं। चिलचिलाती धूप और गर्म हवाओं ने जनजीवन बेहाल कर दिया है। पिछले महीने से चल रहे लू के थपेड़े राहगीरों को झुलसा रहे हैं। चिलचिलाती धूप भीषण गर्मी और लू से जन जीवन त्रस्त है।सड़कें आग उगल रही है सुबह 9 बजे के बाद से शाम के 6 बजे तक सड़कों पर निकलना दूभर हो गया है। गर्म हवा और लू के थपेड़े राहगीरों को बेहाल करने लगे हैं। जिले में गर्मी शबाब पर है। चिलचिलाती धूप राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बन रही है। राहगीर चिलचिलाती धूप और गर्म हवाओं के कारण काफी परेशान हुये। लोग सड़कों किनारे छाया की तलाश करते नजर आए।बढ़ती गर्मी से मवेशी और पक्षी भी बेहाल नजर आ रहे हैं।इधर सूखे तालाब मवेशियों के लिये पेयजल संकट भी खड़ा कर रहे हैं। भीषण गर्मी में विद्युत कटौती भी लोगों के लिए परेशानी का सबब बन रही है।

सामाजिक सौहार्द एवं वृक्षारोपण के संदेश के साथ सम्पन्न हुआ पत्रकार एसोसिएशन का भण्डारा

विधान परिषद अध्यक्ष कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने प्रसाद वितरण पौधरोपण एवं स्वास्थ्य शिविर का उद्घघाटन कर किया कार्यक्रम का शुभारंभ

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। धार्मिक सौहार्द के प्रतीक, एवं अदब के शहर लखनऊ में वर्षों से चली आ रही परम्परा एवं आस्था का निर्वाहन करते हुए पत्रकार एसोसिएशन ने आपसी एकता, सौहार्द तथा निःस्वार्थ जन सेवा की अदभुत नजीर पेश की।

उप्र जिला मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसियेशन द्वारा ज्येष्ठ माह के अवसर पर गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी संकट मोचन बजरंग बली का विशाल भंडारा पर्यावरण जागरूकता के सन्देश एवं स्वास्थ्य जागरूकता शिविर के साथ सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग के मुख्य द्वार पर सम्पन्न हुआ। आस्था के इस पर्व पर आयोजित ऐतिहासिक विशाल भण्डारे में पत्रकारों के अलावा सभी धर्मों एवं वर्गों के लोगों का समावेश रहा। भंडारे में हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया एवं मुफ्त स्वास्थ्य शिविर में जाँच कराई ।पर्यावरण जागरूकता हेतु सभी अतिथियों को एक एक पौधा भी प्रदान किया गया। पत्रकार एसोसिएशन के संरक्षक मुरलीधर आहूजा, चेयरमैन अजीज, अध्यक्ष हरी ओम शर्मा सिद्दीकी, महामंत्री अब्दुल वहीद, सचिव जुबैर अहमद,अभय अग्रवाल ने भंडारे में आए हुए सभी अतिथियों को अंगवस्त्र पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। संस्कृति एवं भारतीयता से ओतप्रोत इस पर्व का शुभारम्भ अध्यक्ष विधान परिषद कुंवर मानवेन्द्र सिँह ने हनुमान जी की स्तुति करके प्रसाद वितरण करने के साथ किया। भंडारे के शुभारम्भ के बाद उन्होंने परिसर में आयोजित स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन और पौधरोपण कर भी किया इस अवसर पर विधान परिषद अध्यक्ष श्री कुंवर मानवेन्द्र सिँह ने पत्रकारिता के साथ सामाजिक दायित्वो के निर्वहन पर हार्दिक बधाई देते हुए समाज के सभी वर्गों के लोगों द्वारा एकजुट होकर कार्यक्रम को सफल बनाने में दिये गये योगदान को अद्वितीय बताया।इस अवसर पर डॉक्टर आदर्श त्रिपाठी द्वारा एक हेल्थ कैंप का भी आयोजन किया गया। जिसमे श्रद्धालु जनो की निशुल्क स्वस्थ सम्बन्धी जाँच की गयी। उल्लेखनीय है कि इस भण्डारे का आयोजन वर्ष 2005 से नियमित रूप से हो रहा हैं। भंडारे में विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार कैबिनेट मंत्री श्री धर्म पाल सिँह, अपर सूचना सचिव अंशुमान राम त्रिपाठी, एम एल सी पवन सिंह, अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष परविंदर सिंह, राज्य मुख्यालय पत्रकार समिति के अध्यक्ष हेमन्त तिवारी, सचिव शिव सरन सिंह, बिशप अरुण सिंह, फादर सुरेश सिँह, बौद्ध समाज के प्रमुख महेंद्र सिंह, विधायक पश्चिम अरमान खान, सपा नेता, राजेंद्र चौधरी, सोनू यादव,आदर्श व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय गुप्ता, कोषाध्यक्ष मो अफजल, लोकदल के प्रवक्ता रोहित अग्रवाल, प्रसादम संस्था के फूड मैन विशाल सिंह, वरिष्ठ पत्रकार अजय कुमार जायसवाल, सिद्धार्थ कलहंस ,भाजपा नेता मुरलीधर आहूजा भाजपा नेता प्रदीप सिंह बब्बू आचार्य कृष्ण मोहन महाराज, डॉ उमंग खन्ना, डॉ श्वेता सिंह, व्यापारी नेता संदीप बंसल, संजय गुप्ता, अफजल, पत्रकार आरिफ मुकीम, शेखर पंडित तौसीफ हुसैन,पत्रकार जितेन्द्र कुमार खन्ना, अवधेश, अमरजीत,कमल शर्मा, गुप्ता,आदिल, तमन्ना फरीदी,शेखर पण्डित, समाज सेवी , कुदरत खान, मुर्तज़ा अली, आबिद अली सहित बड़ी संख्या में अतिथि गण उपस्थित थे।कार्यक्रम का कुशल संचालन एसोसिएशन के प्रदेश प्रवक्ता संजय गुप्ता ने किया।भंडारे ।इस अवसर पर पर संस्था के महामंत्री अब्दुल वहीद और सचिव जुबैर अहमद ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनो से समाज में आपसी भाईचारा, श्रद्धा, प्रेम व हर्षोल्लास के साथ एक दूसरे के प्रति निष्ठा एवं विश्वास बढ़ता है। जिससे समाज में शांति आती है और इससे देश व प्रदेश तरक्की करता है। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनो से भारत की सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक सौहार्द, भाईचारे एवं भारतीयता को मजबूती प्रदान होती है।आयोजकों ने भंडारे में आए हुए सभी अतिथियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

सामाजिक एकता, भाईचारे, इंसानियत तथा निःस्वार्थ जन सेवा की बेमिशाल नजीर हुई पेश

सभी धर्म एवं वर्गों के लोगो का भंडारे में लगा जमावड़ा

डीडीओ ने ग्राम विकास अधिकारी को किया निलंबित

अवधनामा संवाददाता

सुलतानपुर। जिला विकास अधिकारी अजय कुमार पाण्डेय ने बताया कि डीएम कृतिका ज्योत्स्ना के आदेश पर शिकायत कर्ता रवि प्रताप सिंह पुत्र श्री सूर्यभान सिंह निवासी ग्राम पचायत बनमई विकास खण्ड कुरेभार जनपद सुलतानपुर द्वारा ग्राम पंचायत बनगई में कराये गये विकास कार्यों के सम्बन्ध में की गई शपथपत्रयुक्त शिकायतीपत्र की जांच उप निदेशक कृषि, सुलतानपुर द्वारा कराई गई। जिसमे ग्राम पंचायत बनमई में निरीक्षण पुस्तिका न बनाये जाने स्टाक रजिस्टर न बनाये जाने एंव एक ही मजदूर को 2 जगह उपस्थित दिखाकर भुगतान किये जाने इत्यादि आरोपों में जांच संस्थित कर उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) 1999 के अनुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित करते हुए गौतम पटेल, ग्राम विकास अधिकारी विकास खण्ड कूरेभार को तात्कालिक प्रभाव से निलम्बित करते हुए निम्न आरोप अधिरोपित किये जाते है। ग्राम पंचायत बनमई में निरीक्षण पुस्तिका न बनाया जाना, ग्राम पंचायम बनमई की कार्यवाही पुस्तिका में कूट रवित अभिलेख को तैयार करना, स्टाक रजिस्टर न बनाया जाना। ए.एन.एम. सेन्टर के कार्यवाही / एजेन्डा रजिस्टर को अद्यतन न किया जाना व ग्राम पंचायत बनमई में बनाये गये दिव्यांग शौचालय एंव पारसनाथ की ट्यूबवेल से शकर जी के मन्दिर 5 तक मिट्टी कार्य पर एक ही मजदूर को एक ही तिथि पर 2 जगह मजदूरी दिया जाना और ग्राम पंचायत बनमई में पंचायत भवन बाउन्ड्रीवाल निर्माण कार्य के अभिलेख को अद्यतन न किया जाना, शत्रुहन के चक से वेद प्रकाश के घर तक पटरी कार्य एव पंचायत घर मरम्मत कार्य में एक ही मजदूर को एक ही दिन में .2 जगह मजदूरी दिया जाना, खडन्जा मरम्मत एंव दिव्यांग शौचालय निर्माण में एक ही व्यक्ति को .2 जगह मजदूरी दिये जाने का कोई आदेश/अभिलेख न दिया जाना, मनरेगा एंव राज्य वित्त योजनान्तर्गत कराये गये कार्यों में एक ही जगह एक ही मजदूर को दोनों योजनान्तर्गत मजदूरी का भुगतान दिया जाना। प्राइमरी पाठशाला बनगई की बाउन्ड्रीवाल, खड़न्जा से ए.एन.एम. सेन्टर तक इण्टरलाकिंग एव प्रा.पा. खडन्जा से पंचचायत भवन तक मिट्टी कार्य पर एक ही कार्य दिवस में 2 अलग-अलग स्थानों पर कार्य कराकर मजदूरी का भुगतान दिया जाना, शत्रुहन के घर से वेद प्रकाश के घर तक मि?ट्टी कार्य की पत्रावली न उपलब्ध कराया जाना। अपने पदीय दायित्वों एवं कर्तव्यों का निर्वहन न करना एवं उच्चाधिकारियों के आदेशों/निर्देशों की अवहेलना / स्वेच्छाचारिता किये जाने पर उक्त कार्रवाई की गई है। डीडीओ ने निर्देशित किया है कि निलम्बन अवधि में गौतम पटेल, ग्राम विकास अधिकारी, विकास खण्ड कूरेभार सुलतानपुर को वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-2. भाग-2 से 4 के मूल नियम 53 के प्रविधानों के अनुसार जीवन निर्वाह भत्ते की धनराशि अर्थ वेतन पर देय अवकाश वेतन की राशि के बराबर देय होगी, उन्हें जीवन निर्वाह भत्ते की धनराशि पर मंहगाई भत्ता, यदि ऐसे अवकाश वेतन पर देय है, भी अनुमन्य होगा, किन्तु ऐसे अधिकारी को जीवन निर्वाह भत्ता के साथ कोई मंहगाई भत्ता देय नहीं होगा जिन्हें निलम्बन से पूर्व प्राप्त वेतन के साथ मंहगाई भत्ता अथवा महगोंई भत्ते का उपान्तिक प्राप्त नही था निलम्बन के दिनांक को प्राप्त वेतन के आधार पर अन्य प्रतिकर भत्ते भी निलम्बन अवधि में इस शर्त पर देय होगे, जब इसका समाधान हो जाय कि उनके द्वारा उस मद में व्यय वास्तव में किया जा रहा है, जिसके लिए उक्त प्रतिकर भत्ते अनुमन्य है। उपरोक्त प्रस्तर-2 में उल्लिखित मदों का भुगतान तभी किया जायेगा जबकि गौतम पटेल, ग्राम विकास अधिकारी इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करे, कि वे किसी अन्य सेवायोजन व्यापार, वृत्ति, व्यवसाय में नही लगे है। गौतम पटेल, ग्राम विकास अधिकारी विकास खण्ड कूरेभार के प्रकरण में खण्ड विकास अधिकारी कुड़वार सुलतानपुर को जांच अधिकारी नामित किया जाता है. निलम्बन अवधि में गौतम पटेल, ग्राम विकास अधिकारी, जिला विकास कार्यालय सुलतानपुर से सम्बद्ध रहेगें, तथा यहीं से जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त करेगें। उक्त आदेश का कड़ाई से सम्बंधित बीडीओ अनुपालन कराएं।

दो शातिर चोर चोरी के माल सहित गिरफ्तार

अवधनामा संवाददाता

फिरोजाबाद। थाना रामगढ़ पुलिस टीम द्वारा 02 शातिर चोर अलग-अलग स्थानों से चोरी के माल सहित गिरफ्तार किए गए हैं।

विगत कुछ दिनों में थाना रामगढ क्षेत्र में हुई चोरियों के सफल अनावरण करने हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद द्वारा थाना पुलिस को निर्देशित किया गया था जिसके अनुपालन मे अपर पुलिस अधीक्षक नगर के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में थाना रामगढ पुलिस की संयुक्त टीम ने मुखबिर की सूचना पर 02 नफर अभियुक्तगण 1- संजय पुत्र रामदास निवासी सैलई मरघटी थाना रामगढ फिरोजाबाद उम्र करीब 27 वर्ष , 2- पुष्पेन्द्र उर्फ सूखा पुत्र रामनाथ निवासी जगजीवन नगर सैलई थाना रामगढ फिरोजाबाद उम्र करीब 32 वर्ष काले पानी की टंकी अब्बास नगर थाना क्षेत्र रामगढ़, से गिरफ्तार किया गया है व एक अभियुक्त मौके से फरार हो गया। अभियुक्तगणो के कब्जे से चोरी की एक अदद मोटर (टुल्लु पम्प) लाल रंग सील सर्व मोहर सम्बन्धित मु0अ0सं0 348/24 धारा 457,380 भादवि0 व एक अदद टेम्पो रजि0 UP83CT9447 इंजन न0 AZXWPB86923, चेसिस न0 MD2B47AX0PWB12402 सम्बन्धित मु0अ0सं0 359/24 धारा 328,379 भादवि0 तथा एक अदद ई-रिक्सा (टिर्री) रजि0 न0 P83 CT 7564, चेसिस न0 M25 NA1BFNDE11862 सम्बन्धित मु0अ0सं0 351/24 धारा 379 भादवि0 बरामद किया गया है। अभियुक्तगण से माल बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपोक्त में धारा 411 भादवि की बढोत्तरी की गयी व फरार अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु सम्भावित स्थानों पर दबिश दी जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रदीप कुमार प्रभारी निरीक्षक, निरीक्षक अपराध रामप्रवेश, उ0नि0 उ0नि0 चन्द्रवीर सिंह, प्र0उ0नि0 अंकित कुमार, है0का0 737 राजकुमार, का0 1330 योगेन्द्र , का0 301 सुशील कुमार, का01565 भूरी सिंह थाना रामगढ़ फिरोजाबाद शामिल रहे।

डीएम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई खेलकूद प्रोत्साहन समित की बैठक

अवधनामा संवाददाता

बहराइच। शुक्रवार को देर शाम कलेक्ट्र सभागार में आयोजित जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी मोनिका रानी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्टेडियम परिसर व शौचालय इत्यादि की साफ-सफाई रखी जाय ताकि खिलाड़ियों व खेल प्रेमियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। स्टेडियम के तरणताल के संचालन हेतु तैराकी प्रशिक्षण, जीवन रक्षक व सफाई कर्मी की नियुक्ति के सम्बन्ध में शासन व विभागीय दिशा निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये।

बाल तरणताल तथा मुख्य तरणताल के पानी निकासी हेतु हार्वेस्टिंग सिस्टम पर विचार-विमर्श के दौरान डीएम द्वारा औचित्यपूर्ण विस्तृत प्रस्ताव आगामी बैठक में प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये। तहसील व ब्लाक स्तर पर युवा खेल प्रतिभाओं के लिए स्टेडियम हेतु सुझाव प्राप्त होने पर डीएम ने कहा कि राजस्व व ग्राम्य विकास विभाग के समन्वय से इस दिशा में प्रयास किया जायेगा। बैठक के दौरान प्रोत्सन समिति के सदस्यों द्वारा मार्निंग के शेसन में साफ-सफाई तथा ईवनिंग सेशन में सुरक्षा कर्मी की व्यवस्था के सम्बन्ध में सुझाव दिया गया।

बैठक का संचालन उप क्रीड़ाधिकारी अभिषेक ने किया। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट शालिनी प्रभाकर, जिला विकास अधिकारी महेन्द्र कुमार पाण्डेय, परियोजना निदेशक डीआरडीए राज कुमार, उप निदेशक कृषि टी.पी. शाही, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बहराइच के प्रतिनिधि श्यामकरन टेकड़ीवाल, अधि.अधि. न.पा.परि. बहराइच प्रमिता सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अव्यक्तराम तिवारी, जिला विद्यालय निरीक्षक नरेन्द्र देव, लीड बैंक प्रबन्धक जितेन्द्र नाथ श्रीवास्तव, जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर गुप्ता, दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी बी.पी. सत्यार्थी सहित अन्य अधिकारी तथा समिति के गैर सरकारी सदस्य मौजूद रहे।

रोजगार संगम एकीकृत पोर्टल का हुआ शुभारंभ

बहराइच। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षित बेरोजगार युवाओं के उज्जवल भविष्य को सवारने के लिए तथा उन्हें रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रोजगार संगम एकीकृत पोर्टल प्रारंभ किया गया है, जिससे अब युवाओं को अपनी योग्यतानुसार रोजगार मिलना और भी आसान हो जायेगा तथा नियोजकों को भी अपनी आवश्यकतानुसार कर्मचारी मिलने में आसानी होगी। रोजगार संगम पोर्टल पर जनपद के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों यथा डिग्री कालेज तथा सरकारी व गैर सरकारी आईटीआई एवं पॉलीटेक्निक को भी जोड़ा जा रहा है। जिससे शिक्षण संस्थानों में संचालित पाठ्यक्रमों के अन्तिम वर्ष में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं तथा पास आउट अभ्यर्थियों की कैरियर काउन्सलिंग की जायेगी तथा तथा रोजगार मेलों के माध्यम से उन्हें रोज़गार भी उपलब्ध कराया जायेगा। यह जानकारी देते हुए जिला सेवायोजन अधिकारी संजय कुमार ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा विकसित किये गये रोज़गार संगम पोर्टल का लाभ प्राप्त करने हेतु सभी इच्छुक बेरोज़गार अभ्यर्थियों एवं नियोजकों एवं संस्थानों को पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा।

ललितपुर के युवा उपन्यासकार अभिनव जैन की नयी किताब

- नायिका-ए गर्ल विद ड्रीम्स के अंग्रेजी संस्करण का हुआ विमोचन

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। नगर निगम झाँसी में स्थित राइज झाँसी में बुक वाला के फाउंडर अनमोल दुबे के तत्वाधान व राइज झांसी के मैनेजर अंकित रजक की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में ललितपुर के युवा उपन्यासकार अभिनव जैन की चौथी उपन्यास नयी नायिका-ए गर्ल विद ड्रीम्स के अंग्रेजी संस्करण का विमोचन किया गया। अभिनव जैन बुंदेलखंड के एक उभरते हुए उपन्यासकार है। अभिनव जैन की यह चौथी उपन्यास है। नायिका-ए गर्ल विद ड्रीम्स एक नौकरी करने वाली महत्वाकांक्षी लड़की की कहानी है, जिसे अपने सपनो को पूरा करने की चाह रखने की वजह से समाज के उलाहने झेलने पड़ते हैं। किताब में बहुत कुछ ऐसा है जो पाठकों को अपने अनुभव याद दिलाएगा, यह हर लड़की के अंदर छिपी एक नायिका को बतलाती है जो किसी न किसी रूप में छुपी होती है। कोई अपने अंदर छुपी नायिका को समाज की वजह से मार देती है या कोई अपने अंदर की नायिका को संघर्ष करते हुए, जीवन को एक नई दिशा और नया स्वरूप दे देती है। अभिनव जैन ने उपन्यास के माध्यम से सन्देश दिया कि स्त्रियां अपने अंतरमन और रूढ़िवादिता के बीच युद्ध में अपने आपको जिताए और आगे बढ़ें, नया इतिहास लिखे क्योंकि इतिहास गवाह है जब जब जिस इंसान पर जग हँसा है, इतिहास भी बस उसी ने रचा है और समाज को एक नया मार्ग दिया है। इस उपन्यास के पहले जनपद ललितपुर के युवा उपन्यासकार अभिनव जैन की प्रतिहारी, कालचक्र का खेल तीन भागों में प्रकाशित हो चुकी है और बेस्ट सेलर भी रही। कार्यक्रम का कुशल संचालन चाय की चकल्लस के सीईओ अधिवक्ता पुष्पेन्द्र सिंह चौहान ने किया और विस्तार से लेखन के विषय पर चर्चा की। इस अवसर पर बुक वाला की टीम के अनमोल दुबे, श्वेता सिंघवानी, निशा, अधिवक्ता संवाद से रविंद्र घोष, आकाश झा, चाय की चकल्लस से बलराम कुशवाहा व राइज झाँसी में कार्यरत व्यक्तियों के साथ कई पाठक उपस्थित रहे।

भारी मात्रा में शराब के साथ शातिर बदमाश हिरासत में

ललितपुर। थाना गिरार पुलिस ने आबकारी दल की संयुक्त टीम के साथ मध्य प्रदेश में निर्मित बीयर व देशी शराब के क्वाटर बरामद किये हैं। पुलिस ने इस मादक पदार्थों को लेकर एक व्यक्ति को भी हिरासत में लिया है। बताया गया है कि एसपी मु.मुश्ताक के निर्देशन, एएसपी अनिल कुमार व सीओ मड़ावरा राजेश कुमार के निकट पर्यवेक्षण में चलाये जा रहे अभियान के तहत गिरार पुलिस ने आबकारी दल के साथ मध्य प्रदेश के जिला सागर अंतर्गत थाना बण्डा की चौकी गुगरा के ग्राम मुड़ारी व हाल भीकमपुर निवासी गब्बर पुत्र नन्ना भाई लोधी को हिरासत में लिया है। पुलिस ने उसके पास से 216 कैन अवैध बियर म.प्र. निर्मित व 13 क्वाटर अवैध देशी शराब बरामद किया है। पुलिस ने गब्बर के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 60(1)/63 के तहत मामला दर्ज किया है। बदमाश को पकडने वाली टीम में आबकारी निरीक्षक मड़ावरा प्रशान्त कुमार, आबकारी निरीक्षक महरौनी हेमन्त पाण्डेय, थानाध्यक्ष गिरार महेन्द्र कुमार, आबकारी आरक्षी सुनील कुमार, आबकारी महिला आरक्षी शहरीन बानो, हे.कां. अशफाक खान व कां. अर्जुन प्रताप सिंह शामिल रहे।

37 स्ट्रीट लाइटों का भुगतान निकाल कर खरीदी गई सिर्फ 20 स्ट्रीट लाइटें

कुड़वार, सुल्तानपुर। कुड़वार विकास खंड के मसेतवा ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान व पंचायत सचिव का बड़ा कारनामा सामने आया है। प्रधान व पंचायत सचिव ने ग्राम पंचायत से 37 स्ट्रीट लाइटों का भुगतान कर दिया और बदले में खरीदी सिर्फ 20 प्रकरण की शिकायत मिलने पर डीपीआरओ ने एडीओ पंचायत को जांच के निर्देश दिए।कुड़वार विकास खंड के मसेतवा ग्राम पंचायत में उजाले के लिए प्रधान व पंचायत सचिव ने करीब तीन माह पहले 37 स्ट्रीट लाइटों का भुगतान कर दिया था। बावजूद इसके सिर्फ 20 लाइटें ही खरीदीं। उसे ग्राम पंचायत में विभिन्न जगहों पर लगवा दिया गया। धीरे-धीरे मामला खुलने पर इसकी शिकायत जिला पंचायतराज अधिकारी को मिली। इसे गंभीरता से लेते हुए डीपीआरओ ने एडीओ पंचायत कुड़वार को जांच करके रिपोर्ट देने के निर्देश दिए थे। एडीओ की ओर से ग्राम पंचायत में की गई जांच में सिर्फ 20 स्ट्रीट लाइटें स्थापित पाई गई, जबकि भुगतान 37 का किया जाना पाया गया। एडीओ पंचायत सतीश पाल की पूछताछ में ग्राम प्रधान ने बाद में खरीदने की बात बताई। पूछताछ करके एडीओ पंचायत ने अपनी जांच रिपोर्ट डीपीआरओ को भेज दी। सूत्रों के मुताबिक स्ट्रीट लाइटों की कई लाख में खरीदारी की गई है। जांच में पूरी स्ट्रीट लाइटें नहीं मिलने से प्रधान व पंचायत सचिव पर कार्रवाई का खतरा मंडराने लगा है।

प्रसव के दौरान महिला की मौत, परिजनों ने लगाया जाम

अवधनामा संवाददाता

शिकोहाबाद। एटा रोड स्थित एक प्राइवेट अस्पताल में प्रसव के दौरान डॉक्टर की लापरवाही के चलते प्रसूता की मौत हो गई। महिला की मौत के बाद स्वजनों ने शव को सड़क पर रख कर जाम लगा दिया। जाम की सूचना पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक ने स्वजनों को हड़का कर जाम खुलवा दिया। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक ने पीड़ित परिवार को कार्यवाही का आश्वासन दिया है। मौके पर लोगों की भीड जुटी हुई है। वहीं अस्पताल का स्टाफ भाग गया है। शोभनपुर निवासी द्रोपदी (24) पत्नी रामकुमार को शुक्रवार शाम को प्रसव पीढ़ा प्रारंभ हुई। परिजन उसको लेकर एटा रोड स्थित एमडी हॉस्पीटल आए। यहां तैनात स्टाफने महिला को भर्ती कर लिया और रात 11 बजे के करीब उसका ऑपरेशन हुआ। महिला ने एक लडकी को जन्म दिया। ऑपरेशन के बाद महिला के पेट में दर्द शुरू हो गया। स्वजनों का आरोप है कि स्टाफने महिला का कोई उपचार नहीं किया और ना ही कहने के बाबजूद रेफर किया। शनिवार दोपहर एक बजे के करीब उसकी मृत्यु हो गई। महिला की मौत के बाद अस्पताल में तैनात स्टाफ भाग गया। जानकारी होने पर परिजनों ने हंगामा काटा। इसके बाद शव को शिकोहाबाद-एटा मार्ग पर रख कर स्वजनों ने जाम लगा दिया। महिला की मौत और जाम की सूचना पर थाना प्रभारी अनिल कुमार फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और जाम लगा रहे स्वजनों को हड़का कर जाम खुलवा दिया। स्वजन उच्चाधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग कर रहे थे। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक ने स्वजनों को उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया है। फ्लिहाल मृतका के परिवार के लोग शव को अस्पताल के सामने रख कर विलाप कर रहे हैं। परिजनों ने बताया कि महिला की यह दूसरी डिलेवरी थी। पहला पांच साल का एक बेटा शिवम है। यह अस्पताल अखिलेश के मकान में चल रहा है। इस दौरान स्टाफ ने अस्पताल के नाम का लगा बैनर हटा दिया है और दीवार पर लिखे नाम पर पेंट कर दिया है। जिससे स्वजनों में आक्रोश व्याप्त है। सूचना मिलते ही डिप्टी सीएमओ मोहम्मद फारुक अहमद और एसडीएम मौके पर पहुंच गये। अस्पताल को सील कर दिया है।

वार्ड नं. 17 में पेयजल समस्या के निदान हेतु बैठक संपन्न

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। शहर के वार्ड नंबर 17 में पेयजल संकट के निदान हेतु अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे राजेश कुमार श्रीवास्तव ने वार्ड मेंबर व जन समुदाय के साथ बैठक की। बैठक में वार्ड नंबर 17 वार्ड पार्षद कुंदन पाल एवं आमजन ने जल समस्या के बारे में विस्तार से अवगत कराया, जिसके निदान हेतु जल निगम शाखा झांसी तथा जल संस्थान अधिशासी अभियंता से विस्तृत चर्चा की गई। अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे द्वारा वार्ड नंबर 17 में 15 टैंकर पहुंच जाने एवं शेष हैंडपंपों की मरम्मत करवाए जाने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया गया तथा वार्ड नंबर 17 में प्रभारी अधिकारी के साथ जल निगम सहायक अभियंता एवं वार्ड पार्षद की निगरानी में बेहतर प्रबंधन हेतु निरीक्षण करने व समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए गए। अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे ने अगवत कराया है कि जनपद की पेयजल आपूर्ति के सुद्रणीकरण हेतु जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी के निर्देशन में सेक्टरवार टीम गठित करते हुए सेक्टर निरीक्षण में अधिकारियों ड्यूटी लगाई गई है तथा अधिशासी अभियंता जल संस्थान शिवराज एवं सहायक अभियंता धीरज कुमार जल निगम तथा आपदा विशेषज्ञ को मॉनिटरिंग हेतु निर्देशित किया गया है। 26 सेक्टर में निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर 179 खराब हैंड पंप की लिस्ट प्राप्त हुई थी जिस पर 165 हैंडपंप जल संस्थान द्वारा मरम्मत करवाई गई तथा शेष 14 हैंडपंप की मरम्मत का कार्य प्रगति पर है एवं 7 जून 2024 को सभी वार्डों में लगभग 30 टैंकर के माध्यम से जल आपूर्ति की व्यवस्था को पूर्ण कराया गया। 7 जून शाम के समय 5 तक 30 टैंकर वार्ड नंबर 2 में, 7 टैंकर वार्ड नंबर 15 में, 3 टैंकर वार्ड नंबर 16 में, 4 टैंकर वार्ड नंबर 17 में, 11 टैंकर वार्ड नंबर 9 में, 4 टैंकर वार्ड नंबर 16 में, 3 टैंकर वार्ड नंबर 4 में 1 टैंकर अन्य स्थानों पर पहुंचाये जा चुके हैं तथा रात्रि 8 तक शेष टैंकर आवश्यकता अनुसार पेयजल की पूर्ति की जाएगी। पेयजल आपूर्ति की समस्याओं का समाधान करने हेतु इंटर कनेक्शन का कार्य उत्तर प्रदेश जल निगम झांसी द्वारा पूर्ण कराया जा चुका है जिससे नई बस्ती, आजादपुरा, गांधीनगर, नई बस्ती सिविल लाइन, देवगढ़ रोड, चण्डी माता मंदिर के पास आदि क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था में सुधार होगा।

फायर ऑडिट मॉकड्रिल कर चलाया चैकिंग अभियान

अवधनामा संवाददाता

फिरोजाबाद। फायर सर्विस फिरोजाबाद द्वारा जनपद में रेस्टोरेंट, अस्पताल, बैंकेट हॉल, रिहायशी भवन आदि भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर फायर ऑडिट मॉकड्रिल एवं इवेक्युएशन ड्रिल कर विशेष जागरुकता/ चैकिंग अभियान चलाया गया।

शासन के आदेशानुसार प्रदेश में बढ़ते तापमान से संभावित अग्नि दुर्घटनाओं के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद के निर्देशन में जनपद में संचालित रेस्टोरेंट, अस्पताल, नर्सिंग होम (विशेषकर बच्चों के अस्पताल), मॉल्स, गेमिंग जोन, बैंकेट हॉल, भीड़-भाड़ वाले स्थान तथा रिहायशी भवन (हाई राइज बिल्डिंग एवं अपार्टमेंट) इत्यादि में अग्नि सुरक्षा के दृष्टिकोण से जनपद फिरोजाबाद के समस्त अग्निशमन केंद्र प्रभारियों द्वारा फायर ऑडिट मॉकड्रिल एवं इवेक्युएशन ड्रिल कर विशेष जागरुकता/चैकिंग अभियान चलाया गया। जागरुकता/चैकिंग अभियान के दौरान रेस्टोरेंट, अस्पताल, नर्सिंग होम, मॉल्स, गेमिंग जोन, बैंकेट हॉल, भीड़ भाड़ वाले स्थान, रिहायशी भवन (हाई राइज बिल्डिंग एवं अपार्टमेंट) तथा औद्योगिक प्रतिष्ठान इत्यादि में उपस्थित स्टाफ/कर्मचारियों, आमजनों को अग्नि सुरक्षा के दृष्टिकोण से इवेक्युएशन ड्रिल एवं सुरक्षित पलायन मार्ग (प्रवेश/निकास), इलैक्ट्रीकल सेफ्टी इत्यादि के संबंध में जागरूक किया गया एवं आवश्यकता अनुसार अग्निशमन सुरक्षा व्यवस्थाएं, समुचित पलायन मार्ग एवं विद्युत लोड के अनुसार उपकरणों एवं तारो का अधिष्ठान कराए जाने हेतु संबंधित को आवश्यक निर्देश दिये गये।

कार्यालय : अधिशासी अभियन्ता, जोन-8, जलकल विभाग, नगर निगम, लखनऊ

पत्रांक : 148/EE-8/2024-25 दिनांक : 07.06.2024

अल्पकालीन निविदा-सूचना

निम्नलिखित कार्य/आपूर्ति हेतु अनुभवी ठेकेदारों से मोहरबन्द निविदा दि0 15.06.2024 को अपरान्ह 3.00 बजे तक अधोहस्ताक्षरी द्वारा आमंत्रित की जाती है, जो उसी दिन शायं काल 4.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी। सन्दर्भित कार्य हेतु निविदा किसी भी कार्य दिवस में दि0 15.06.2024 को समय 2.00 बजे तक कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। अर्नेस्टमनी एफ0डी0आर0/सी0डी0आर0/एन0एस0सी0 के रूप में अधिशासी अभियन्ता जोन-8 के पद नाम से बन्धक होना अनिवार्य है। बिना अर्नेस्टमनी के प्राप्त निविदाओं पर विचार नहीं किया जायेगा। एक या समस्त निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार बिना कारण बताये महाप्रबन्धक, जलकल विभाग में निहित होगा। पूर्ण विवरण कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में देखा जा सकता है। कार्यालय में अवकाश होने की दशा में निविदायें उसी क्रम में समयानुसार अगले कार्य दिवस में खोली जायेंगी।

क्र. सं.	कार्य का नाम	धरोहर राशि	निविदा मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Reparing of damaged sewer manhole chamber 23 Nos with fixing of cover at different places of Ashivad Colony. Rashmikhand, Vrindavan Colony, Rajni Khand, Udhyan, Ratankhand, LDA Colony, Sharda Nagar, Eldico-1, Uphar Colony, Lko	4800.00	Rs.300	7 दिवस

निविदा प्राप्त करने की शर्त :- 1. निविदादाता का जलकल विभाग, नगर निगम, लखनऊ एवं जी0एस0टी0 में रजिस्ट्रेशन होना चाहिये।

अधिशासी अभियन्ता,
जोन-8 जलकल विभाग,नगर निगम, लखनऊ

कार्यालय-ग्राम पंचायत पलिवार विकासखंड-सादात, गाजीपुर

- : अल्पकालिक निविदा सूचना 2024-25 :-

ग्राम पंचायत पलिवार द्वारा मनरेगा, पन्द्रहवां वित्त, पंचम वित्त, एस.एल.डब्लू.एम.आर.जी.एस.ए. (सी.एस.सी.), आंगनबाडी भवन, विवाह भवन, सांसद, विधायक, एम.एल.सी. एवं अन्य शासकीय योजना अन्तर्गत वर्ष 2024-25 में स्वीकृत योजनाओं के अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्यो को प्रयोग हेतु सामाग्री आपूर्ति हेतु प्रथम श्रेणी ईट, इन्टरलाकिंग ईट, सीमेन्ट, मोरंग बालू, सादा बालू, ईट गिट्टी, पत्थर गिट्टी, फर्श टाइल्स, मार्बल, पेन्ट, साइन बोर्ड, विद्युत उपकरण, ह्यूम पाइप, स्ट्रीट लाइट, सोलर लाइट, साइकिल रिक्शा, ई-रिक्शा ठेला, स्वच्छता सामग्री, कुदाल, झाड़ू ब्लीचिंग पाउडर, चूना, कुडादान, फागिंग मशीन, प्लास्टिक बैंक, बैंच, इंडिया मार्का हैण्ड पम्प रिबोर व मरम्मत की सामग्री एवं अन्य सरकारी निर्माण में प्रयुक्त सामग्री ODF+ सामग्री आदि की आवश्यकता है। जिसके हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा दिनांक 13-06-2024 तक 2.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा फार्म स्टाम्प पेपर, बन्धक प्रपत्र बन्द लिफाफे में ग्राम सचिवालय में रखे गये निविदा बाक्स में डाला जायेगा। निविदा दिनांक 14.06.2024 को अपराह्न 3.00 बजे निविदादाताओं के समक्ष खोला जायेगा। निविदा फार्म एवं निविदा नियमावली प्रपत्र कार्यालय ग्राम सचिवालय से दिनांक 13-06-2024 तक किसी भी कार्य दिवस में निविदा फार्म शुल्क रुपया 100.00 रु. मात्र जमा कर प्राप्त किया जा सकता है।

बलवन्त-ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत-पलिवार
वि. खं.-सादात, गाजीपुर

प्रिया यादव-सचिव
ग्राम पंचायत-पलिवार
वि. खं.-सादात, गाजीपुर

कार्यालय-ग्राम पंचायत बनकटा विकासखंड-सादात, गाजीपुर

- : अल्पकालिक निविदा सूचना 2024-25 :-

ग्राम पंचायत बनकटा द्वारा मनरेगा, पन्द्रहवां वित्त, पंचम वित्त, एस.एल.डब्लू.एम.आर.जी.एस.ए. (सी.एस.सी.), आंगनबाडी भवन, विवाह भवन, सांसद, विधायक, एम.एल.सी. एवं अन्य शासकीय योजना अन्तर्गत वर्ष 2024-25 में स्वीकृत योजनाओं के अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्यो को प्रयोग हेतु सामाग्री आपूर्ति हेतु प्रथम श्रेणी ईट, इन्टरलाकिंग ईट, सीमेन्ट, मोरंग बालू, सादा बालू, ईट गिट्टी, पत्थर गिट्टी, फर्श टाइल्स, मार्बल, पेन्ट, साइन बोर्ड, विद्युत उपकरण, ह्यूम पाइप, स्ट्रीट लाइट, सोलर लाइट, साइकिल रिक्शा, ई-रिक्शा ठेला, स्वच्छता सामग्री, कुदाल, झाड़ू ब्लीचिंग पाउडर, चूना, कुडादान, फागिंग मशीन, प्लास्टिक बैंक, बैंच, इंडिया मार्का हैण्ड पम्प रिबोर व मरम्मत की सामग्री एवं अन्य सरकारी निर्माण में प्रयुक्त सामग्री ODF+ सामग्री आदि की आवश्यकता है। जिसके हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा दिनांक 13-06-2024 तक 2.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा फार्म स्टाम्प पेपर, बन्धक प्रपत्र बन्द लिफाफे में ग्राम सचिवालय में रखे गये निविदा बाक्स में डाला जायेगा। निविदा दिनांक 14.06.2024 को अपराह्न 3.00 बजे निविदादाताओं के समक्ष खोला जायेगा। निविदा फार्म एवं निविदा नियमावली प्रपत्र कार्यालय ग्राम सचिवालय से दिनांक 13-06-2024 तक किसी भी कार्य दिवस में निविदा फार्म शुल्क रुपया 100.00 रु. मात्र जमा कर प्राप्त किया जा सकता है।

रीता यादव-ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत-बनकटा
वि. खं.-सादात, गाजीपुर

प्रिया यादव-सचिव
ग्राम पंचायत-बनकटा
वि. खं.-सादात, गाजीपुर

नर सेवा ही नारायण सेवा, सबसे बड़ा धर्म: चौबे

अवधनामा संवाददाता

भीषण गर्मी में राहत के लिए किया ठंडा शरबत का वितरण

चोपन/सोनभद्र। तेज धूप के कारण हाई अलर्ट चल रहा है। दोपहर में लोग अपने घरों से बाहर नही निकल पा रहे हैं। इस बीच राहगीरों के लिए स्थानीय सामाजिक संस्था नर सेवा नारायण सेवा ने लोगों का ध्यान रखते हुए इस तिसवें शनिवार को निशुल्क खिचड़ी के साथ साथ निःशुल्क ठंडा शर्बत का भी वितरण किया साथ ही 101 जरूरतमंदों को टीशर्ट व 101 मजदूरों को जो इस तपती धूप में जीवकोपार्जन के लिए मजदूरी करते है उन्हे गमछा वितरण किया गया। गौरतलब हो की स्थानीय नगर में सामाजिक संस्था नर सेवा नारायण सेवा लोगों के सहयोग से प्रत्येक शनिवार को नगर के टेंपू स्टैंड पर निशुल्क खिचड़ी का वितरण करता है जिसके क्रम में इस शनिवार को नगर निवासी शशीभूषण सिंह मामा की की तरफ से खिचड़ी वितरण में सहयोग किया गया इसके साथ ही निशुल्क शर्बत वितरण करने का निर्णय लिया गया।जिसके क्रम में पत्रकार संघ कार्यालय के पास मुख्य मार्ग पर आवागमन कर रहे राहगीरों व आम लोगों को शर्बत पिलाया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे सदर विधायक भूपेश चौबे द्वारा अपने हाथों से लोगों में खिचड़ी वितरण और शर्बत वितरण किया गया वहीं उन्होंने कहा कि किसी प्यासे को पानी पिलाने से बढ़कर कोई पुनीत कार्य नहीं है। हमें जरूरतमंदों की सेवा के लिए हमेशा समर्पित रहना चाहिए। सेवा भाव सिर्फ आम लोगों के बीच दिखावे के लिए न होकर हृदय से सेवा की भावना के साथ काम करने की जरूरत है। अन्य संगठनों को ऐसे पुनीत कार्य के लिए आगे आना चाहिए। नगर पंचायत अध्यक्ष उस्मान अली ने कहा कि नर सेवा नारायण सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं होता है और न इससे कोई अन्य पवित्र कार्य है। इस प्रकार के कार्य से पथिकों को भी काफी राहत मिलती है साथ ही समाज में सामाजिक कार्य करने का संदेश भी जाता है।भाजपा मंडल अध्यक्ष सुनील सिंह ने कहा कि मानव सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। कार्यक्रम के दौरान नर सेवा नारायण सेवा के संचालक मनोज चौबे द्वारा मुख्य अतिथि को अंगवस्त्र एवं राम दरबार देकर स्वागत किया 7 इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता राजा मिश्रा, दया सिंह, वरिष्ठ पत्रकार सुनील तिवारी,संतोष सिंह डंपू, ज्ञानेंद्र पाठक, श्यामाचरण गिरी, सत्य प्रकाश तिवारी, एडवोकेट अमित सिंह, दिनेश जैन, राजवंश चौबे, जगदीश तिवारी, गड्डू सिंह पटेल, राधारमण पाण्डेय, रामनरेश चौधरी, आमित सिंह बढ़कू, महफूज आरीफ, सत्येंद्र सिंह,अनीस अहमद, पिंटू मिश्रा, विनित शर्मा, सद्दाम कुरैशी आदि मौजूद रहे।

टायर फटने से ट्रक पलटा, ड्राइवर घायल

सुमेरपुर। थाना सुमेरपुर क्षेत्र अंतर्गत फैक्ट्री एरिया सुमेरपुर में शुक्रवार की रात साढ़े 8 बजे त्रिमूर्ति मोटर्स के पास एक ट्रक का टायर फट जाने के कारण ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया जिससे ट्रक चालक घायल हो गया, घायल को उपचार हेतु जिला अस्पताल भेजा गया है। प्रात जानकारी के अनुसार कबरई से गिट्टी लेकर एक ट्रक फैक्ट्री एरिया से गुजर रहा था तभी त्रिमूर्ति टायर के सामने टायर फट जाने से ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया तो ड्राइवर योगेश दीक्षित पुत्र सूरज प्रसाद दीक्षित निवासी कुष्मांडा नगर जनपद कानपुर घायल हो गया, सूचना पर थाना सुमेरपुर पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों की मदद से घायल को इलाज हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुमेरपुर लाया गया, जहा से डॉक्टरों द्वारा घायल को बेहतर इलाज हेतु जिला चिकित्सालय हमीरपुर रिफर कर दिया गया।

दुष्कर्म और धर्म परिवर्तन कराने और गर्भपात कराने का आरोपी गिरफ्तार

अवधनामा संवाददाता

मौदहा हमीरपुर। अपनी पहचान छिपा कर दूसरे समुदाय की युवती को प्रेम जाल में फंसा कर लगातार दो साल तक दुष्कर्म और तीन बार गर्भपात कराने के साथ ही बंधक बनाकर मारपीट करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

एक सप्ताह पहले गोरखपुर के एक गांव निवासी युवती ने बिंवार थाने में शिकायती पत्र देकर बताया था कि क्षेत्र के मुटनी निवासी खलील खां उर्फ अनिल ने जब वह हरियाणा में एक आनलाईन शापिंग कम्पनी में काम कर रही थी तब उसकी मुलाकात एक मुस्लिम समाज के युवक से हुई थी तब युवक ने अपनी पहचान छिपाते हुए अपना नाम अनिल बता कर उसे प्रेम जाल में फंसा लिया और लगातार दो साल तक लिव इन रिलेशनशिप में रहकर उसके साथ दुष्कर्म करता रहा इस दौरान वह तीन बार गर्भवती भी हो चुकी थी तो आरोपी ने जबरदस्ती दवाओं को खिलाकर उसका गर्भपात करा दिया जिससे वह मानसिक रूप के साथ ही शारीरक रूप से भी कमजोर हो गई है।

पीड़िता ने बताया कि जब उसे आरोपी की सच्चाई पता चल गई तो वह आरोपी से शादी करने के लिए कहने लगी तो आरोपी पीछा छुड़ाने लगा,इस दौरान वह मार्च महीने में आरोपी के गांव मुटनी आई तो पता चला कि आरोपी पहले से शादीशुदा है और पत्नी से विवाद के कारण मुकदमा चल रहा है।पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने जबरन गर्भपात, धर्म परिवर्तन, दुष्कर्म सहित अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर पत्रकारों का हुआ सम्मान

अवधनामा संवाददाता

बाँदा। जिला मीडिया प्रभारी मितेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि बांदा जनपद में शनिवार को महंत योगी आदित्यनाथ जी के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर बांदा के कान्हा कुंज लाज लोहिया पुल के बगल में विश्व हिंदू महासंघ गौ रक्षा समिति के तत्वाधान में कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। मीडिया प्रभारी ने बताया कि इस दौरान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महंत योगी आदित्यनाथ के शिष्य सत्यनाथ योगी जी उपस्थित रहे। इस दौरान समिति के तत्वाधान में कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। सर्वप्रथम भगवान श्री राम के चित्र पर फूल माला पहनाकर तथा आरती उतारकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के आयोजक गौ रक्षा समिति के जिलाध्यक्ष महेश प्रजापति रहे तथा इस कार्यक्रम में गौ रक्षा समिति के तमाम पदाधिकारियों की मुख्य भूमिका रही जिन्होंने कार्यक्रम में अपना अमूल्य योगदान दिया। कार्यक्रम में तमाम पत्रकारों को आमंत्रित किया गया था जिसके अंतर्गत आए हुए एक सैकड़ा से अधिक पत्रकारों को अंगवस्त्र तथा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिलाध्यक्ष महेश प्रजापति ने बताया कि यह कार्यक्रम योगी आदित्यनाथ महाराज के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर किया जा रहा है और पिछले वर्ष भी यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

5 कुंतल गाजा के साथ दो अभियुक्त गिरफ्तार

पुलिस लाइन सभागार में एसपी ने प्रेसवार्ता कर मामले का किया खुलासा

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। पुलिस लाइन सभागार में शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक डॉक्टर यशवीर सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मादक पदार्थों के खिलाफ हो रही कार्रवाई गिरफ्तारी का किया खुलासा वही यशवीर सिंह ने बताया कि पुलिस का अनवरत प्रहार, मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले 02 अन्तर्जनपदीय गांजा तस्कर गिरफ्तार, एक अदद डीसीएम ट्रक में आम लादकर उसके बीच आम के कैरट में छिपाकर रखे कुल 05 कुन्तल 04 किग्रा मादक पदार्थ गांजा (गांजा व ट्रक का कुल अनुमानित कीमत 01 करोड़ रुपये) बरामद- वही पुलिस अधीक्षक , डॉ0 यशवीर सिंह के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले तस्करों के विरुद्ध सोनभद्र पुलिस के निरन्तर प्रहार की कड़ी में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यायल) कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी नगर राहुल पाण्डेय के पर्यवेक्षण में दिनांक 07.06.2024 को थाना रॉबर्ट्सगंज व एसओजी/ सर्विलांस टीम द्वारा अपने प्रभावी आसूचना संजाल के इनपुट से समय रात्रि 21.00 बजे थाना रॉबर्ट्सगंज क्षेत्र के सब्जी मण्डी से 01 अदद DCM ट्रक संख्या UP 70 NT 5080 में आम लादकर उसके बीच आम के कैरट में गांजा छिपाकर उड़ीसा प्रान्त के रायगढ़ा से लोड करके रॉबर्ट्सगंज के रास्ते प्रयागराज ले जा रहे 05 कुन्तल 04 किग्रा अवैध गांजा (अनुमानित कीमत गांजा रुपये 01 करोड़) के साथ 02 नफर अन्तर्जनपदीय गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इस बरामदगी व गिरफ्तारी के सम्बन्ध में थाना रॉबर्ट्सगंज पर मु0अ0सं0-407/2024 धारा 8/20/29/60 NDPS Act का अभियोग पंजीकृत कर अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जा रही है। **पूछताछ-** का विवरण में गिरफ्तारशुदा अभियुक्तों ने पूछताछ करने पर बताया कि पुलिस से बचने के लिए उक्त ष्ठष्टरू ट्रक में आम लादकर उसके बीच आम के कैरट में गांजा छिपाकर उड़ीसा प्रान्त के रायगढ़ा से लोड करके प्रयागराज ले जा रहे थे । यह गांजा प्रयागराज निवासी नन्हके बनिया का है। हम लोगों को एक चक्कर का अच्छा भाड़ा मिल जाता है इसी लालच में हम लोग मिलकर यह कार्य करते हैं तथा जो रुपये मिलते है हम सभी आपस में बांट लेते हैं।

संक्षिप्त समाचार

नाजायज तमंचा के साथ युवक गिरफ्तार

मौदहा हमीरपुर। कोतवाली पुलिस ने एक युवक युवक को नाजायज तमंचा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। कोतवाली पुलिस बीते शुक्रवार की रात गश्त के दौरान नेशनल हाईवे पर थी तभी उसे सूचना मिली कि पिपरौंदा तिराहे पर एक संदिग्ध हालात में युवक खड़ा हुआ है जिसपर कोतवाली पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर जाकर कस्बे के मराठीपुरा निवासी मनीष कुमार पुत्र राम प्रजापति को एक नाजायज तमंचा 315बोर और एक जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर दिया गया है।

ऐतिहासिक महत्व की गढ़ी में दाता पंथ के तथाकथित संत का कब्जा

भरुआ सुमेरपुर। कस्बे के वार्ड 5 बसंत नगर में पुरातत्व विभाग की गढ़ी पर अवैध कब्जे की शिकायत यहां के वाशिंदों ने जिलाधिकारी से करते हुये गढ़ी को अवैध कब्जे से मुक्त कराने की मांग की है। कस्बे के वार्ड संख्या 5 में ऐतिहासिक महत्व की चंदेल कालीन राजाओं के खंडहर मे तब्दील गढ़ी है। यह गढ़ी पुरातत्व विभाग के अधीन है। इस गढ़ी में इंगोहटा के कंजड ओमप्रकाश शाह ने दाता वेश धारण कर कब्जा जमा लिया है और परिवार सहित यहां रहता है। यह परिवार गढ़ी प्रांगण में खुले में शौच करता है। इससे गंदगी फैल रही है। यहां के निवासी रमेश विश्वकर्मा, महेश, राजेश, घनश्याम, लक्ष्मी सिंह, सोमवती श्रीवास, विनय कुमार, दृगपाल सिंह चंदेल, श्रीराम, हरीओम, छंगा आदि ने जिलाधिकारी से इस ऐतिहासिक गढ़ी को अतिक्रमण से मुक्त कराने की मांग की है।

जान माल की धमकी देने वाले पर कार्रवाई

सुमेरपुर। व्यापार मंडल अध्यक्ष को जान माल की धमकी देने वाले अपराधी को पुलिस ने गिरफ्तार कर शांति भंग की कार्यवाही की है।

गौर तलब है कि एक व्यापारी के साथ हुई मारपीट के मामले में समझौता कराने से नाराज सजायफ्ता अपराधी विजय माली द्वारा फोन पर नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष महेश गुप्ता दीपू को जान से मार देने की धमकी दी थी, जिसकी शिकायत नगर उद्योग व्यायार मण्डल के नगर अध्यक्ष द्वारा गुरुवार को पुलिस से की गई थी। पुलिस ने मामला दर्ज करके आरोपी विजय माली को गिरफ्तार करते हुए शांतिभंग की कार्यवाही की है।

सीएमओ ने 102 व 108 एंबुलेंस वाहन किया निरीक्षण

साफ सफाई व हिट वे व्यवस्था को लेकर दिया निर्देश

एमरजैंसी मेडिसिन दवाई भी प्राप्त मात्रा में रहे उपलब्ध

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। जिले में संचालित 102 108 एंबुलेंस सेवाओं में आ रही शिकायतों को लेकर शनिवार को सीएमओ डॉक्टर अश्वनी कुमार द्वारा एम्बुलेंस सर्विस व्यवस्था को दुरुस्त करने वह उसमें मिली कमियों को लेकर संबंधितों को लगाई फटकार।

सीएमओ डॉक्टर अश्वनी कुमार ने बताया कि 102 108 एंबुलेंस सेवाओं का निरीक्षण किया गया जिसमें साफ सफाई को लेकर काफी शिकायतें मिली वहीं टेंपरेचर हिटवे को देखते हुए आईश कॉल्ड पैक रखने को निर्देशित किया गया वही मेडिसिन इमरजेंसी सेवाओं की भी कुछ सही नहीं देखने को मिली जिसको लेकर संबंधित नोडल को निर्देशित किया गया कि दुरुस्त कराकर 24 घंटे के अंदर अवगत कारण नहीं तो कमियां पाए जाने पर संबंधितों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी वहीं इस दौरान सीएमओ ने संबंधित एंबुलेंस के निरीक्षण के लिए 24 घंटे बाद एक टीम बनाई जिसको निर्देशित किया कि 24 घंटे बीतने के बाद अगर रिपोर्ट नहीं आती है तो इसका जांच करके रिपोर्ट प्रस्तुत करें और उसके उपरांत कार्रवाई की जाएगी सीएमओ ने बताया कि किसी भी प्रकार से आम जनमानस को कोई दिक्कत परेशानी ना आ पाए इसलिए सरकार द्वारा चलाई गई सेवाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति को मिले जिसकी पहल को लेकर बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

दिनदहाड़े नकाबपोश बदमाशों ने की फायरिंग

राठ, हमीरपुर। आज सुबह नगर के मुहल्ला पठानपुरा अंबेडकर चौराहा के पास स्थित लठा फर्री की दुकान पर दो अज्ञात नकाबपोश बदमाशों ने अवैध तमंचों से फायरिंग कर दी। नगर में दिनदहाड़े हुई फायरिंग से दहशत फैल गई। वहीं पीड़ित ने घटना की लिखित शिकायत राठ कोतवाली में की है। आज सुबह नगर के मोहल्ला पठानपुरा अंबेडकर चौराहे में मुख्य मार्ग के किनारे स्थित प्रेमपाल सिंह पुत्र स्व0 दयाराम के बाड़े में रखी लठा फर्री की बाँस की टप्पर से बनी दुकान पर दो नकाबपोश बदमाशों ने अवैध तमंचों से दो फायर कर दिये और मौके से भाग खड़े हुये। उक्त घटना पास में लगे सीसी टीवी में कैद हो गयी है। घटना की लिखित शिकायत प्रेमपाल ने राठ कोतवाली में की है। राठ कोतवाली प्रभारी निरीक्षक उमेश कुमार सिंह ने बताया कि उन्होंने तहरीर के आधार पर दो अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का प्रयास सहित अन्य धाराओं में मामला पंजीकृत कर उनकी धरपकड़ हेतु दबिश देना शुरू कर दिया है।

तालाबों में उड़ रही धूल जंगली जीव तोड़ रहे दम

खेत खलिहानों के मध्य बने तालाबों से पानी गायब

अवधनामा संवाददाता

भरुआ सुमेरपुर। ब्लाक की 54 ग्राम पंचायतों के ज्यादातर तालाबों से पानी नदारत है। खेत खलिहानों में बने तालाबों में धूल उड़ रही है। इससे पशु पक्षी बेहाल है। विगत दिनों भीषण गर्मी के चलते पानी के अभाव में खेतों में बंदरों के साथ नीलगायें मृत पाई गई थी। जिनके अवशेष आज भी गवाह के तौर पर मौजूद है। सरकारी मशीनरी का आलम यह है कि वह कागजों में तालाबों को लबालब बताकर आंकड़े बाजी में अव्वल है। इस वर्ष गर्मी ने तमाम रिकॉर्ड तोड़े हैं। ऐसी भीषण गर्मी में गांवों के बाहर खेतों में मध्य बने तालाबों से पानी गायब है। ग्रामीणों की मानी जाए तो गांवों के आसपास बने कुछ तालाबों में पानी जरूर है लेकिन खेत खलिहानों के मध्य बने तालाबों से पानी पूरी तरह से गायब है। यही कारण रहा कि मई के अंतिम सप्ताह में पारा के 48 डिग्री पार होते ही खेत खलिहानों में रहने वाले बंदर तथा नीलगायें मृत पाई गई थी। चरवाहों का दावा था कि इनकी मौतें पानी के अभाव में हुई है। वहीं ग्रामीण बताते हैं कि खेत खलिहानों में पानी न होने से तमाम जंगली जीव रात के अंधेरे में गांवों की तरफ आ रहे हैं। इससे लोगों को खतरा महसूस हो रहा है। प्रभारी एडीओ पंचायत मनीष कौशिक ने बताया कि सभी पंचायतों को आदेश निर्गत किए गए हैं। सोमवार से पंचायतों का निरीक्षण करके स्थलीय सत्यापन किया जाएगा।

शराबी युवक को लोगो ने पीटा, वीडियो वायरल

अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर। महिला थाने के बाहर बीती रात एक युवक की बेरहमी से पिटाई की गई, जिसका वीडियो अब वायरल हो चुका है। वायरल वीडियो में तीन युवक एक युवक को लात घूंसे और जूते से पीटते दिखाई दे रहे हैं। फिलहाल पिटे हुए युवक को पुलिस कोतवाली ले गई है और तहरीर मिलने के बाद कार्रवाई की बात कह रही है। वायरल वीडियो की पड़ताल में पता चला कि हमीरपुर मुख्यालय में महिला थाने के पास एक शराब का ठेका है, जहां शाम होते ही तमाम शराबी झूमते दिख जाते हैं। बीती रात भी एक युवक यहां शराब पीकर आया और मोमोज का ठेला लगाने वाले से भिड़ गया। इस दौरान युवक ने अभद्रता करते हुए मारपीट की थी। मोमोज का ठेला लगाने वाले रामकेस ने बताया कि रात में एक युवक आकर ग्राहकों से अभद्रता करने लगा, जब उसने इसका विरोध किया तो युवक ने अभद्रता करते हुए उसकी बेटी के साथ मारपीट की तभी वहां मौजूद लोगों ने युवक को पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई करते हुए पुलिस के हवाले कर दिया। सदर कोतवाली प्रभारी अनूप कुमार ने बताया की आरोपी युवक को हिरासत में लिया गया है, तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

बेतवा नदी में नहाते समय युवक की डूबकर मौत

5 घंटे बाद गोताखोरों ने बरामद किया युवक शव

अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर। ललपुर थाना क्षेत्र में एक मजदूर की नहाते समय बेतवा नदी में डूब कर मौत हो गई है। स्थानीय लोगों को जब मजदूर के नदी में डूबने की सूचना मिली तो गोताखोर की मदद से मजदूर की तलाश शुरू की। गोताखोरों की 5 घंटे की कड़ी मेहनत के बाद शव बरामद हुआ। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। लालपुर थाना क्षेत्र के मोराकांदर गांव में बेतवा नदी पर पुल का निर्माण कर चल रहा है। यहां क्षेत्रीय सहित भारी जनपदों के मजदूर कम पर लगे हैं। इसी काम में शाहजहांपुर का रहने वाला 35 वर्षी विवेक भी लगा था। आज दोपहर वह नदी में नहाने गया और गहरे पानी में चला गया। मजदूर को डूबता देख लोगों ने शोर मचाया, लेकिन कोई उसे बचा नहीं सका। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी तो पुलिस ने गोताखोर की मदद से नदी में डूबे मजदूर की तलाश शुरू की। जो शाम होने तक पूरी हो गई। जांच-पड़ताल में जुटी पुलिस मजदूर को गोताखोरों की मदद से नदी से निकाला गया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज कर मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई।

सदर विधायक से क्षेत्र की जर्जर सड़क के निर्माण कराने की मांग

सीसी रोड़ व नाली निर्माण की मांग फिर हुई तेज

दो विधानसभा होने की वजह से फंसा है मामला: सदर विधायक

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज नगर पालिका क्षेत्र के लाखन बाबा मंदिर से पुसौली सम्पर्क सड़क मार्ग की निर्माण की मांग को लेकर शनिवार को स्थानीय नागरिकों ने जनता दर्शन में सदर विधायक भूपेश चौबे से मुलाकात की। स्थानीय लोगों ने इस जर्जर सड़क की निर्माण की मांग विधायक से की। उन्हें मांग पत्र भी सौंपा।

विकास नगर के रहवासी राजीव गौतम, संतोष सिंह, सुरेन्द्र जायसवाल, चंदन शर्मा, अमित सिंह, आकाश मिश्रा, अरुण प्रताप सिंह, अजीत सिंह, संतोष मौर्या ने विधायक को अवगत कराया की विकास नगर कालोनी में राजा लाखन बाबा मंदिर से पुसौली सम्पर्क मार्ग जो की विगत दस सालों से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। उक्त मार्ग पर कई जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए है। बारिश के दिनों में लोगों का घरों से निकलना मुश्किल भरा सफर रहता है। आलम यह है की उक्त मार्ग पर गाड़ियां लोग लाने से डरते है। उक्त मार्ग पर सीसी रोड़ व सीसी नाली का निर्माण कराया जाना आवश्यक रहेगा। सड़क न बनने से लोगों में नाराजगी भी देखी जा रही है।

लोगों का कहना है की बरसात से पहले सड़क नही बना तो स्थानीय लोग आंदोलन को बाध्य होंगे। इधर विधायक भूपेश ने जानकारी दी पूर्व में यह सड़क डूडा से बनी थी। उक्त सड़क आधा राबर्ट्सगंज विधानसभा और आधा घोरावल विधानसभा होने की वजह से कुछ समस्या आ रही है। उन्होंने ईओ नगर पालिका, डूडा के अधिकारियों से वार्ता कर तत्काल सड़क निर्माण प्रक्रिया शुरू कराने की बात कही। कहा की मेरा प्रयास है की जल्द ही सड़क का निर्माण कार्य होगा।

डीएम ने कई मामले किये निस्तारित

सम्पूर्ण समाधान दिवस बबेरू तहसील में संपन्न

अवधनामा संवाददाता

बाँदा। जिलाधिकारी बाँदा दुर्गा शक्ति नागपाल की अध्यक्षता में तहसील बबेरू के कोतवाली बबेरू में सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने समस्त पुलिस अधिकारियों एवं लेखपाल, सचिवों को निर्देश दिये कि जनशिकायतों का निस्तारण गुणवत्तायुक्त एवं समयबद्धता के साथ किया जाए। सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस कोतवाली बबेरू में कुल 10 आवेदन पत्र प्राप्त हुए जिनमें से 04 शिकायतों का एनसीआर दर्ज कर मौके पर निस्तारण कराया गया और शेष 05 राजस्व से सम्बन्धित शिकायतों पर जॉच टीमें रवाना की गयी, जिसमें जॉच के अनुसार कार्यवाही की जायेगी। एक शिकायतकर्ता के द्वारा यह प्रार्थना पत्र दिया गया कि वह बीमार है और घर वाले उसका इलाज नही करवा रहे हैं, जिसमें तत्काल जिलाधिकारी बॉदा द्वारा मरीज रंजीत कुमार को गाडी में सीएचसी बबेरू भिजवाया और डाक्टर्स को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने ईओ बबेरू प्रदुम्न कुमार को निर्देश दिया कि रावण मैदान, जंगल मैदान एवं ईश्वरी तालाब की साफ-सफाई करायी जाए वह स्वयं निरीक्षण करेंगी। उन्होंने एमआरएफ संचालन के विषय में भी जानकारी प्राप्त की।

सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

सोनभद्र। सदर ब्लाक अंतर्गत रौप ग्राम पंचायत में लिंक रोड 200 किमी क्षतिग्रस्त होने को लेकर शुक्रवार को ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान प्रतिनिधि के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन करते हुए जताया आक्रोश बुलंद की आवाज। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि इंद्रजीत यादव ने बताया कि लगभग 10 वर्ष पूर्व से ही दो किलोमीटर क्षतिग्रस्त सड़क है जिस पर लगभग 3000 हजार आबादी के प्रवासियों का आना-जाना होता है आए दिन घटना दुर्घटना जैसे मामले संज्ञान में आते हैं इस मामले को लेकर कई बार संबंधित आला अधिकारियों को भी अवगत करा दिया गया। रौप् लिंक रोड से पुलिस लाइन लिंक रोड तक सड़क पूरी तरह गड्ढे में तब्दील हो चुकी है।

चौकी का घेराव कर क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने किया विरोध प्रदर्शन

क्षेत्र पंचायत सदस्यो का कार्रवाई न होने पर सोमवार को होगा विरोध प्रदर्शन

जिला अस्पताल परिसर में दवा लेने के दौरान हुए दुर्व्यवहार का मामला

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। लोढी स्थित जिला अस्पताल चौकी पर शनिवार को क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने चिकित्सक स्टाफ पर कार्रवाई न होने के विरोध में विरोध प्रदर्शन करते हुए जताई नाराजगी वहीं जल्द से जल्द कार्रवाई न होने पर सोमवार को करेंगे उग्र विरोध प्रदर्शन जताएंगे आक्रोश दी चेतावनी। वही क्षेत्र पंचायत संघ के प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार शुक्ला ने बताया कि जिला अस्पताल में शुक्रवार को सदर ब्लाक अंतर्गत मुसहि क्षेत्र पंचायत सदस्य द्वारा अपने परिवार को दवा लेने पहुंचे जाने पर वहां के कर्मचारियों द्वारा उनसे हुआ दुर्व्यवहार के खिलाफ क्षेत्र पंचायत सदस्य ने चौकी में एप्लीकेशन देकर मामले में उच्च स्तरीय कार्रवाई की की मांग नहीं हुई कार्रवाई तो क्षेत्र पंचायत सदस्य संबंधित जिला अस्पताल कर्मचारियों के खिलाफ करेंगे विरोध प्रदर्शन। जिस पर अभी तक कोई कार्रवाई न होने के खिलाफ शनिवार को विरोध प्रदर्शन करते हुए संबंधित चौकी प्रभारी को जल्द से जल्द कार्रवाई करने को बताया नहीं तो होगा उग्र धरना प्रदर्शन दी चेतावनी। पीड़ित क्षेत्र पंचायत सदस्य राम भरोसे मुसहर ने बताया कि अपने परिवार के साथ दवा इलाज करना इतना कठिन हो गया है कि चिकित्सक व स्टाफ द्वारा मनमानी तरीके से कर्मचारी के रूप बनाकर आम जनमानस और प्रतिनिधि को गाली गलौज मारपीट करने पर बड़ा हो जा रहे हैं वहीं ऐसा मामला मेरे साथ ही नहीं पूर्व में भी कई घटनाएं जिला अस्पताल में घर चुकी हैं इसके बावजूद जिला प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई उनके ऊपर नहीं की गई जिससे उनके बढ़ते मन को लेकर आम जनमानस में भय उत्पन्न हो चुका है वही पीड़ित ने बताया कि संबंधितों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करना प्रशासन का दायित्व है नहीं तो हम संगठन के दिशा निर्देश के अनुसार कार्य करने को दिवस होंगे जिसकी जिम्मेदारी संबंधित शासन प्रशासन की होगी इस मौके पर राष्ट्रीय लोक दल के जिला अध्यक्ष रामसेवक पटेल राम वंश ,फेवई सिंह पटेल,राजू शर्मा, विजय कुमार भारती, चन्द्र मनी सिंह ,राम लाल,ईश्वर प्रशाद आदि लोग मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने विभागों में रिक्त पदों पर चयन प्रक्रिया तेज करने के लिए विभिन्न चयन आयोगों के अध्यक्षों के साथ बैठक की

युवाओं के हितों के संरक्षण के लिए राज्य सरकार संकल्पित

अवधनामा ब्यूरो

- चयन परीक्षाओं की शुचिता, पारदर्शिता और गोपनीयता सुनिश्चित करने पर बल, चयन प्रक्रियाओं में व्यापक सुधार पर जोर
- पेपर लीक अथवा सॉल्वर गैंग जैसे प्रकरणों में अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए कठोर कानून लाया जाना आवश्यक,

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर विभिन्न विभागों में रिक्त पदों पर चयन प्रक्रिया तेज करने के लिए शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में विभिन्न चयन आयोगों के अध्यक्षों के साथ बैठक की। चयन परीक्षाओं की शुचिता, पारदर्शिता और गोपनीयता सुनिश्चित करने पर बल देते हुए मुख्यमंत्री ने चयन प्रक्रियाओं में व्यापक सुधार पर जोर दिया, साथ ही चयन प्रक्रिया की समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने आयोगों में प्रचलित चयन प्रक्रियाओं और भावी कार्यक्रमों के बारे में जानकारी ली और शासन से उनकी अपेक्षाओं के बारे में भी पूछा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के हितों के संरक्षण के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। हर एक युवा की मेहनत, मेधा और प्रतिभा का सम्मान है। पेपर लीक अथवा सॉल्वर गैंग जैसी अराजक गतिविधियों को बिल्कुल भी स्वीकार नहीं किया जा सकता। ऐसे अपराध में संलिप्त हर अपराधी के खिलाफ ऐसी कठोरतम कार्रवाई की जाए, जो नजीर बने। ऐसे प्रकरणों में अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए कठोर कानून लाया जाना आवश्यक है। इसके दृष्टिगत यथाशीघ्र आवश्यक कार्यवाही की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चयन आयोगों से अपेक्षा है कि वह भर्ती परीक्षाओं के लिए कैलेण्डर समय से जारी करें और कड़ाई के साथ उसका अनुपालन करें। कैलेण्डर के अनुसार परीक्षा न होने से अभ्यर्थियों को असुविधा होती है, इसका ध्यान रखा जाए। सभी चयन आयोग परस्पर समन्वय से यह सुनिश्चित करें कि एक दिन में एक ही परीक्षा आयोजित की जाए। ऐसा होने से एक ओर जहां परीक्षा आयोजकों/स्थानीय प्रशासन को व्यवस्था बनाने में आसानी होगी, वहीं युवाओं को भी बड़ी सुविधा होगी। कतिपय पदों के लिए शैक्षिक अर्हता निर्धारण में 'समकक्ष योग्यता' के सम्बन्ध में विसंगतियों की सूचना प्राप्त हुई है। सम्बन्धित विभाग द्वारा प्रकरण का समाधान कर आयोग को सही जानकारी उपलब्ध कराई जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चयन परीक्षाओं के लिए राजकीय माध्यमिक, डिग्री कॉलेज, विश्वविद्यालय, पॉलिटेक्निक, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज अथवा साफ-सुथरे ट्रैक रिकॉर्ड वाले ख्याति प्राप्त सुविधा सम्पन्न वित्त पोषित शैक्षिक संस्थानों को ही सेंटर बनाया जाए। सेंटर वहीं होंगे, जहां सी0सी0टी0वी0 की व्यवस्था होगी। यह भी सुनिश्चित कराएं कि परीक्षा केंद्र नगरीय क्षेत्र में ही हों। परीक्षा केंद्र निर्धारण में महिलाओं और दिव्यांगों की अपेक्षाओं का ध्यान रखा जाए। यदि एडेड कॉलेज को सेंटर बनाया जाता है तो सम्बन्धित प्रबंधक परीक्षा व्यवस्था में कहीं से भी सम्मिलित न हो। केंद्र व्यवस्थापक के रूप में दूसरे संस्थान के प्रधानाचार्य को जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। जिलाधिकारी तथा जिला विद्यालय निरीक्षक को भी व्यवस्था से जोड़ें। गड़बड़ी हुई तो इनकी भी जिम्मेदारी तय की जाएगी।

बैंक ऑफ अमेरिका प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश में निवेश के अवसरों के बारे में जाना

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। बैंक ऑफ अमेरिका के 14 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने आज लखनऊ में इन्वेस्ट यूपी कार्यालय में उत्तर प्रदेश सरकार के अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त, मनोज कुमार सिंह से मुलाकात की। इस बैठक का उद्देश्य विदेशी निवेशकों को राज्य में निवेश के गंतव्यों की जानकारी करना था।

प्रतिनिधिमंडल ने राज्य की बढ़ती आर्थिक ताकत एवं रणनीतिक सुधारों, प्रमुख अवसंरचनात्मक परियोजनाओं तथा निवेश-अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने के लिए राज्य में हो रहे सक्रिय परिवर्तन पर चर्चा की। बैठक में बैंक ऑफ अमेरिका के प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश में उपलब्ध निवेश के व्यापक अवसरों के विषय में जाना। बैठक प्रमुख रूप से कृषि, स्वास्थ्य सेवा, पर्यटन, अवस्थापना एवं ऊर्जा जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित रही। प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश को भारत का एक प्रमुख निवेश गंतव्य मानते हुए, राज्य के निवेश गंतव्य को जाना समझा।

मनोज कुमार सिंह ने उत्तर प्रदेश को भारत में दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बताया और दो अंकों वाली विकास दर के साथ राज्य की मजबूत आर्थिक वृद्धि पर जोर दिया। उन्होंने उत्तर प्रदेश की भौगोलिक स्थिति और व्यापक बुनियादी ढांचे पर प्रकाश डालते हुए इसके देश का सर्वाधिक हवाई अड्डे एवं एकमात्र रैपिड रेल प्रणाली वाला राज्य होने पर बल दिया। उन्होंने यह भी बताया की उत्तर प्रदेश में वाराणसी को हल्दिया से जोड़ने वाले एक मल्टी-नोडल अंतर्देशीय जलमार्ग टर्मिनल है, साथ ही देश के कुल एक्सप्रेसवे का लगभग 45 फीसदी उत्तर प्रदेश में ही हैं, जिसके कारण इसे 'एक्सप्रेसवे प्रदेश' भी कहा जाता है। कृषि क्षेत्र पर प्रकाश डालते हुए, आईआईडीसी ने उल्लेख किया कि उत्कृष्ट सिंचाई सुविधाओं की मदद से राज्य की लगभग 75 फीसदी भूमि पर खेती की जाती है, जो की उत्तर प्रदेश को 'देश का खाद्य भंडार' बनाता है।

ईडी ने तुलसियानी समूह की 3.06 करोड़ की संपत्ति की जब्त

अवधनामा ब्यूरो

- निवेशकों और बैंकों से ठगी का मामला

लखनऊ। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने निवेशकों व बैंकों से की गई करोड़ों रुपये की ठगी के मामले में तुलसियानी कंस्ट्रक्शन एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड की 3.06 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। इनमें प्रयागराज स्थित पांच भूखंड शामिल हैं, जिन्हें कंपनी के नाम खरीदा गया था। ईडी ने एक दिन पूर्व बहुचर्चित छात्रवृत्ति घोटाले में आरोपित हाइजिया समूह की संपत्ति जब्त की थी। ईडी हाइजिया समूह की कुछ अन्य संपत्तियों को भी जल्द जब्त करने की तैयारी में है।

निवेशकों ने रियल एस्टेट कारोबारी तुलसियानी समूह के निदेशक अनिल कुमार तुलसियानी व महेश कुमार तुलसियानी के विरुद्ध लखनऊ की हजरतगंज कोतवाली में धोखाधड़ी के मुकदमे दर्ज कराए थे। ईडी ने इन मुकदमों को आधार बनाकर ही मनी लाड़िंग का केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। निवेशकों ने फ्लैटों के निर्माण और बिक्री में ठगी के आरोप लगाए थे। कंपनी ने चार फ्लैट गिरवी रखकर पंजाब नेशनल बैंक से 4.63 करोड़ रुपये का ऋण लिया था, जिसे हड़प लिया गया। फ्लैट न निवेशकों को मिले थे और न ही बैंक को। ईडी ने बीते दिनों तुलसियानी समूह के कई ठिकानों पर छापेमारी भी की थी। ईडी की जांच में सामने आया है कि बैंक से मिली रकम को कंपनी संचालकों ने अपने दूसरे खातों डायवर्ट कर दिया था और उसका प्रयोग दूसरे कर्ज चुकाने में किया गया।

हमारी पीडीए की रणनीति कामयाब हुई : अखिलेश

संसदीय बोर्ड की बैठक : नकारात्मक राजनीति हारी

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 में हमारी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक (पीडीए) की रणनीति कामयाब रही। हमने जनता के मुद्दे उठाए। इससे भाजपा की नकारात्मक राजनीति खत्म हो गई। अखिलेश यादव सपा की संसदीय बोर्ड की बैठक में बोल रहे थे।

बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि इन चुनाव में नकारात्मक राजनीति की हार हुई है और जनता के मुद्दों की जीत हुई है। सपा देश की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। ऐसे में हमारी जिम्मेदारी है कि हम जनता के मुद्दों को उठाएं और हम मुखर होकर ऐसा करते रहेंगे।

बैठक में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के अलावा, वरिष्ठ पार्टी नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान बैठक में शिवपाल सिंह यादव और राम गोपाल यादव भी मौजूद रहे। बैठक में नए बने सांसद डिंपल यादव, धर्मेंद्र यादव, आदित्य यादव, अक्षय यादव और अफजाल अंसारी भी मौजूद रहे। यूपी में सपा ने इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर 43 सीटें जीती। इसका असर बैठक में भी नजर आया और सभी बड़े खुश नजर आए।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव कन्नौज से सांसद चुने गए हैं। वह करहल विधानसभा सीट से विधायक भी हैं। जल्द ही निर्णय हो जाएगा कि वह कौन सी सीट छोड़ेंगे। अखिलेश राष्ट्रीय राजनीति में दखल देंगे या फिर राज्य की राजनीति में रहेंगे। जल्द ही इस पर निर्णय होगा। जल्द ही अखिलेश के भतीजे पूर्व सांसद तेज प्रताप यादव और चाचा राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

वहीं, सपा कार्यालय के बाहर अखिलेश यादव को बधाई देते हुए पोस्टर लगाए गए हैं। पार्टी कार्यालय के बाहर लगे एक पोस्टर में कहा गया है कि सबके श्री अखिलेश, अयोध्या के अवधेश। लोकसभा चुनाव में सपा का प्रदर्शन बेहद खास है। इससे पार्टी नेताओं व कार्यकर्ता बेहद उत्साहित हैं। 2019 और इसके पहले 2014 के लोकसभा चुनाव में पार्टी दोनों ही बार सिर्फ पांच सीटों पर ही जीत हासिल कर सकी थी।

सीएमएस छात्रा को 1,16,000 अमेरिकी डॉलर की स्कॉलरशिप

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, राजाजीपुरम प्रथम कैम्पस की छात्रा हिबा फातिमा को उच्चशिक्षा हेतु अमेरिका की हॉफस्ट्रा यूनिवर्सिटी द्वारा 1,16,000 अमेरिकी डॉलर की स्कॉलरशिप से नवाजा गया है। हिबा को यह स्कॉलरशिप चार वर्षीय उच्चशिक्षा अवधि के दौरान प्रदान की जायेगी। सी.एम.एस. छात्रा ने इस सफलता का श्रेय विद्यालय के अपने शिक्षकों व विद्यालय के शान्तिपूर्ण शैक्षिक वातावरण को दिया है। सी.एम.एस. प्रबन्धक, प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने हिबा की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है। यह जानकारी सी.एम.एस. के जन-सम्पर्क अधिकारी श्री ऋषि खन्ना ने दी है। श्री खन्ना ने बताया कि सी.एम.एस. एस.ए.टी. (सैट) एवं एडवान्स प्लेसमेन्ट (ए.पी.) टेस्ट सेन्टर भी है जो उत्तर प्रदेश एवं आसपास के अन्य राज्यों के छात्रों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में स्कॉलरशिप के साथ उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर उपलब्ध करा रहा है। श्री खन्ना ने बताया कि प्रतिवर्ष भारी संख्या में सी.एम.एस. छात्र विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में उच्चशिक्षा हेतु चयनित होते हैं। इस वर्ष अभी तक सी.एम.एस. के 80 से अधिक छात्रों ने अमेरिका, इंग्लैण्ड, कैनडा, आस्ट्रेलिया, जापान, सिंगापुर, जर्मनी आदि विभिन्न देशों के ख्यातिप्राप्त विश्वविद्यालयों जैसे कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, कैलीफोर्निया इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, में स्कॉलरशिप के साथ चयनित होकर लखनऊ का नाम रोशन किया है।

कुर्बानी सहित तमाम इबादतों से जुड़े मसलों के लिये हेल्पलाइन जारी

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया की ओर से इस्लामी महीने जिलहिज्ज में हज और कुर्बानी सहित तमाम इबादतों से जुड़े मसलों के हल बताने के लिए हेल्पलाइन शनिवार से शुरू हो गयी। हेल्पलाइन पर दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक सवाल पूछे जा सकते हैं, जिनके जवाब इमाम ईदगाह मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली की अध्यक्षता में उलमा का पैनल देगा। सवाल पूछने के लिए मोबाइल नम्बर 9335929670, 7007705774 9415102947, 9140427677 के साथ ही वेबसाइट www.farangimahal.in पर सम्पर्क किया जा सकता है। शनिवार को हेल्पलाइन पर एक कॉलर ने पूछा कि कुर्बानी किस पर वाजिब है, जिसके जवाब में उलमा ने बताया कि कुर्बानी हर आकिल, बालिग और मुकीम मुसलमान जो साहिबे निसाब हो पर वाजिब है।

एक कॉलर ने जिलहिज्ज के पहले अशरे दस दिनों की फजीलत को लेकर सवाल किया, जिसके जवाब में उलमा ने कहा कि हदीस में है कि इन दस दिनों में खुदा को नेक अमल जितने पसन्द हैं उतने दूसरे दिनों में नहीं। इन दस दिनों में तिलावत, नफ्ल नमाज, दुआ और रोजे रखें। एक कॉलर ने पूछा कि क्या कुर्बानी खरीदे गये जानवर पर ही की जा सकती है या पालतू जानवर पर भी। उलमा ने बताया कि जानवर खरीद कर कुर्बानी करें या पालतू जानवर की दोनों सही है। एक कॉलर ने पूछा कि बकरा एक साल का है लेकिन उसके दांत नहीं निकले तो क्या उसकी कुर्बानी की जा सकती है, जिसके जवाब में उलमा ने बताया कि कुर्बानी सही है। कुर्बानी के लिए शर्त जानवर की उम्र एक साल होना है दांत निकलना जरूरी नहीं है। एक कॉलर ने पूछा कि पिछले साल अपने नाम से कुर्बानी कराई थी तो क्या इस साल बड़े भाई की तरफ से कुर्बानी करा सकते हैं, उलमा ने बताया कि जिस पर कुर्बानी वाजिब है उसे हर साल अपनी तरफ से एक कुर्बानी करना होगी। अगर सहूलियत है तो दूसरी कुर्बानी किसी और के नाम से कराई जा सकती है।

शूटिंग प्रतियोगिता में सीएमएस छात्र को प्रथम पुरस्कार

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, राजाजीपुरम प्रथम कैम्पस के प्रतिभाशाली छात्र सुन्दरम सिंह ने जोनल स्तरीय अन्तर-विद्यालयी शूटिंग प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार अर्जित कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। यह प्रतियोगिता काउन्सिल फॉर द इण्डियन स्कूल सार्टिफिकेट एक्जामिनेशन (सीआईएससीई) के तत्वावधान में आयोजित हुई, जिसमें सुन्दरम सिंह ने 10 मीटर की पीप साइट एअर राइफल शूटिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अर्जित अपनी खेल प्रतिभा का परचम लहराया है। यह जानकारी सी.एम.एस. के जन-सम्पर्क अधिकारी श्री ऋषि खन्ना ने दी है। श्री खन्ना ने बताया कि इस प्रतियोगिता में सी.एम.एस. के इस होनहार शूटर ने शूटिंग के तकनीकी ज्ञान के अलावा लक्ष्य साधने की क्षमता, ब्रेथ कन्ट्रोल, मूवमेन्ट कन्ट्रोल एवं ट्रिगर कन्ट्रोल क्षमताओं का शानदार प्रदर्शन किया, साथ ही अपनी खेल प्रतिभा, चुस्ती-फूर्ती, कौशल व दमखम के बलबूते राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने के संकेत दिये है। सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने सुन्दरम के उज्जवल भविष्य की कामना की है। श्री खन्ना ने बताया कि सी.एम.एस. छात्र न सिर्फ शैक्षिक क्षेत्र में अपितु खेलों व समाज के अन्य बहुतेरे क्षेत्रों में भी विद्यालय का नाम राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर रहे हैं क्योंकि सी.एम.एस. अपने छात्रों के बौद्धिक विकास के साथ उन्हें खेलों व अन्य सामाजिक क्षेत्रों के लिए भी विशेष रूप से तैयार करने में पूरे मनोयोग से संलग्न है।

किसानों के लिए लाई गई फ्री बिजली योजना की शर्तों में करें बदलाव

अवधनामा ब्यूरो

- उपभोक्ता परिषद के साप्ताहिक वेबीनार में किसानों ने उठाई आवाज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद द्वारा चलाए जाने वाले प्रदेश व्यापी साप्ताहिक वेबीनार में आज बडे पैमाने पर शामिल विद्युत उपभोक्ताओं व किसानों ने एक स्वर में आवाज उठाई कि किसानों के लिए फ्री बिजली योजना को पावर कारपोरेशन ने लागू तो किया है लेकिन उसमें जो शर्तें लागू की है वह किसानों के साथ बडा धोखा है भारतीय किसान यूनियन के नेता अनूप कुमार मौर्य किसान निर्दोष सिंह राजपाल सिंह ने कहा लघु सिंचाई का नियम है की 300 मीटर के अंदर एक ही किसान की बोरिंग होगी और उल्टे कुछ अभियंता मनमानी कर रहे कह रहे फ्री योजना का लाभ लेने में कोई किसान किसी को पानी नहीं देगा उन्हें या पता ही नहीं है की 300 मीटर के अंदर एक ही किसान बोरिंग कराता है और वह सभी को पानी देता है इस आधार पर दूसरी जगह दूसरा किसान एक दूसरे की मदत करता है एक तरफ निश्चित यूनिट की शर्त है दूसरी तरफ और भी तमाम शर्तों या गलत है इस पर पावर कारपोरेशन को पुनर्विचार करना चाहिए साथ ही यह भी मुद्दा उठाया कि जब किसानों के लिए 50प्रतिसत की छूट दी छूट थी तो वह ज्यादा फायदेमंद थी अब जो छूट आई है वह किसानों को फसाने वाली योजना है इसीलिए किसान उसका लाभ नहीं ले रहे हैं।

उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा किसानों द्वारा फ्री बिजली योजना की शर्तों में बदलाव का जो मुद्दा उठाया गया है निश्चित ही उस पर उपभोक्ता परिषद प्रबंधन से बात करेगा अभी तक पूरे प्रदेश में लगभग 15 लाख किसानों में से केवल 64652 किसानों ने ही फ्री योजना हेतु रजिस्ट्रेशन कराया है इससे यह बात सिद्ध हो गया है कि किसानों को यह योजना पूरी तरह फसाने वाली लग रही है इसलिए इस पर पावर कारपोरेशन को अभिलंब पुनर्विचार करना चाहिए और किसानों को लाभ देने के लिए उसमें बदलाव करना चाहिए जिससे शत प्रतिशत किसान इसका लाभ ले पाए प्रदेश का किसान अपने खेत की सिंचाई मीटर देखकर नहीं करता बल्कि आवश्यकता देखकर करता है।

मजलिसे चेहलुम आज

लखनऊ। स्वर्गीय जहीर हसन के ईसाले सवाब के लिए मजलिसे चेहलुम रविवार को आयोजित होगी। स्वर्गीय के पुत्र फैज हसन और फराज हसन ने बताया कि रविवार को हजरतगंज स्थित इमामबाड़ा सिब्तैनाबाद में सुबह 9:30 बजे तिलावते कलामे पाक से मजलिस का आगाज होगा। शाहनवाज खान सोजख्वानी करेंगे जिसके बाद मजलिस को मौलाना अब्बास इरशाद नकवी खिताब करेंगे। मजलिस के बाद शहबाज लखनवी नौहाख्वानी करेंगे। मजलिस में संचालन हाजी फरमान हैदर बनारसी करेंगे। वहीं महिलाओं की मजलिस इसी इमामबाड़े में सुबह 11:30 बजे होगी।

मजलिस का आयोजन आज

लखनऊ। आल इंडिया शिया पर्सनल ला बोर्ड के अध्यक्ष रहे मौलाना मिर्जा मोहम्मद अहतर व मौलाना मिर्जा मोहम्मद अश्फाक मरहूम के देसे की मजलिस का आयोजन ऐतिहासिक आसिफी इमामबाड़ा हुसैनाबाद में रविवार को रात 8 बजे होगा। मजलिस की तैयारियां मुकम्मल हो गई है। मजलिस को पाकिस्तान से आये सुप्रिसद्ध मौलाना अल्लामा शहंशाह हुसैन नकवी खिताब करेंगे। मजलिस के बाद शहर की तमाम अंजुमनें नौहाख्वानी व सीनाजनी करेंगी। मजलिस में देश व प्रदेश से हजारों लोग आ रहे हैं। मजलिस सुनने के लिए महिलाओं के लिए खास इंतजाम किये गये है। मजलिस में आने वाले अजादारों के सबीलों के इंतजाम किये गए हैं।

मौसमगंज रामलीला में भण्डारा

लखनऊ। मौसमगंज रामलीला समिति के संरक्षक तेज प्रकाश गुप्ता के परिवार की ओर से जेष्ठ माह के दूसरे शनिवार को भण्डारे का आयोजन मौसमगंज लीला मैदान में किया गया। पहले सुन्दरकाण्ड का संगीतमय पाठ हुआ। उसके बाद ब्राम्हणों को दान, दक्षिणा दी गई। उसके बाद भण्डारा शुरु हुआ। भण्डारे में पूड़ी, सब्जी, छोला चावल, आइस्क्रीम, पना आदि का वितरण किया गया। इसमें रामशंकर जायसवाल, विनय नाग, गिरीश गुप्ता, राजेश, अनूप, भुलाने, विशाल आदि लोग मौजूद रहे।

प्रदेश कांग्रेस 11 से 15 जून तक कांग्रेस धन्यवाद यात्रा निकालेगी

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मटन, मीट-मछली, मंगलसूत्र, मुजरा और हिंदू-मुसलमान के ध्रुवीकरण जैसे फिजूल एजेण्डे और बांटने की नफरती राजनीति को हिन्दुस्तानियत ने नकारा

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस 11 से 15 जून तक प्रदेश की सभी 403 विधानसभाओं में कांग्रेस धन्यवाद यात्रा निकालेगी। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली सफलता से उत्साहित प्रदेश कांग्रेस सशी विधानसभा क्षेत्रों में यात्रा निकालेगी। कांग्रेस अपनी इस यात्रा के जरिए संविधान के प्रति उसके जागरुकता अभियान, संगठन से पार्टी के पुराने नेता-कार्यकर्ताओं को जोडने और वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ताओं के साथ ही सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों को जोड़ संगठन मजबूत करने का काम करेगी। कांग्रेस प्रवक्ता अंशू अवस्थी ने बताया कि 11 से 15 जून तक प्रदेश की सभी विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित होने वाली कांग्रेस धन्यवाद यात्रा में कांग्रेस महासचिव व प्रदेश प्रभारी अविनाश पाण्डेय, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय सहित अन्य वरिष्ठ नेतागण शामिल होंगे। देश के संविधान और लोकतंत्र को बचाने में प्रदेश के नागरिकों और मतदाताओं ने अपनी अग्रणी और महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रदेश के लोगों से इस लोकसभा चुनाव में गजब का सेंस दिखाते हुए अपने मुद्दों पर मत दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मटन, मीट-मछली, मंगलसूत्र, मुजरा और हिंदू-मुसलमान के ध्रुवीकरण जैसे फिजूल एजेण्डे और बांटने की नफरती राजनीति को नकार हिन्दुस्तानियत को कामयाब किया। यात्रा के जरिए कांग्रेस प्रदेश के मतदाताओं को धन्यवाद ज्ञापित करेगी और जो 5 न्याय और 25 गारंटी जनता के हितों से जुड़े हैं, उन्हें केन्द्र सरकार से जनता के लिए लागू करने को प्रयत्नशील रहेंगे। श्री अवस्थी ने बताया कि इसी के साथ प्रदेश कांग्रेस पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक में पारित प्रस्तावों जिनमें संविधान की रक्षा के लिए संकल्प, जातिगत जनगणना, आबादी के अनुपात में भागीदारी, संगठन में युवा, महिला और वंचित समाज को हिस्सेदारी, एग्जिट पोल घोटटले की जांच, पांच न्याय लागू कराने के लिए संघर्ष की प्रतिबद्धता और यूपी की कानून-व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग, अग्निवीर योजना को खत्म करने, किसानों की कर्जमाफी और सब्सिडी बहाल करने की बात जनता को बताने का काम करेंगे। श्री अवस्थी ने बताया कि यात्रा के दौरान कांग्रेस के लोकसभा चुनाव जीते सांसद, लोकसभा उम्मीदवार, विधायक, वरिष्ठ नेता शामिल होंगे और इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को निभाने के लिए समाज के हर जाति-वर्ग और धर्म के लोगों को संविधान देकर सम्मानित करेंगे।

बैंक ऑफ अमेरिका ने उ. प्र. में निवेश के अवसरों के बारे में जाना

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। बैंक ऑफ अमेरिका के 14 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने आज लखनऊ में इन्वेस्ट यूपी कार्यालय में उत्तर प्रदेश सरकार के अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त, श्री मनोज कुमार सिंह से मुलाकात की। इस बैठक का उद्देश्य विदेशी निवेशकों को राज्य में निवेश के गंतव्यों की जानकारी करना था। प्रतिनिधिमंडल ने राज्य की बढ़ती आर्थिक ताकत एवं रणनीतिक सुधारों, प्रमुख अवसंरचनात्मक परियोजनाओं तथा निवेश-अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने के लिए राज्य में हो रहे सक्रिय परिवर्तन पर चर्चा की।बैठक में बैंक ऑफ अमेरिका के प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश में उपलब्ध निवेश के व्यापक अवसरों के विषय में जाना। बैठक प्रमुख रूप से कृषि, स्वास्थ्य सेवा, पर्यटन, अवस्थापना एवं ऊर्जा जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित रही। प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश को भारत का एक प्रमुख निवेश गंतव्य मानते हुए, राज्य के निवेश गंतव्य को जाना समझा। मनोज कुमार सिंह ने उत्तर प्रदेश को भारत में दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बताया और दो अंकों वाली विकास दर के साथ राज्य की मजबूत आर्थिक वृद्धि पर जोर दिया।